

પાઠ પાઠ 1

અતિથિ આપ્યાયન ઓતિથિ આપ્યાયન

અતિથિ સત્કાર

- પ્રમીર : આમ્રુન, આપનિ ઢેતરે આમ્રુન।
શોમિર : આશુન, આપ્નિ મેતોરે આશુન।
વમ્રુન! અથાને વમ્રુન। શીલા એદિકે
બોશુન! એખાને બોશુન। શિલા
એદિકે
એમો। રાકેશબાબુ, મ્પનિ આમાર
હી।
એશો। રાકેશબાબુ, હિનિ આમાર
સ્ત્રિ।
મ્પનિ રાકેશબાબુ। મ્પનિ પ્રરકારી
હિનિ રાકેશબાબુ। હિનિ શરકારિ
શમ્રપાંતાલેર નહૂન ડાહ્કાર।
હાશપાતાલેર નોતુન ડાહ્કાર।
રાકેશ : નમસ્કાર। આમિ રાકેશ ગુપ્તા।
રાકેશ : નમોશ્કાર। આમિ રાકેશ ગુપ્તા।
શીલા : નમસ્કાર। વમ્રુન, વમ્રુન। આપનાર
શિલા : નમોશ્કાર, બોશુન, બોશુન। રાકેશ : જી હાँ, હિંદી મેરી માતૃભાષા હૈ।
આપનાર
માતૃભાષા કિ હિન્દી ?
માતૃભાષા કિ હિન્દિ ?
રાકેશ : હૈ, હિન્દી આમાર માતૃભાષા।
રાકેશ : હૈ, હિન્દિ આમાર માતૃભાષા।
- સમીર : આહિ, આપ મીતર આહિ। બૈઠિ, યહાँ બૈઠિ। શીલા, હિધર આઓ। રાકેશબાબુ, યે મેરી પત્ની હૈં। યે રાકેશબાબુ હૈં। યે સરકારી અસ્પતાલ કે નયે ડાહ્ક્ટર હૈં।
- રાકેશ : નમસ્કાર। મૈં રાકેશ ગુપ્તા હૈં।
- શીલા : નમસ્કાર। બૈઠિ, બૈઠિ। ક્યા આપકી માતૃભાષા હિંદી હૈ ?
- રાકેશ : જી હાँ, હિંદી મેરી માતૃભાષા હૈ।

मीला : आपनार बांला तो खुब ভালो।
शिला : आपनार बाङ्ला तो खुब भालो।

राकेश : कारण बांलार प्रजे हिन्दीर
राकेश : कारोन बाङ्लार शंगे हिन्दिर
अनेक मिल।
अनेक मिल।

मीला : आपनार बाङि कोथाय ?
शिला : आपनार बाङि कोथाय ?

राकेश : आमार बाङि बाराणसीते।
राकेश : आमार बाङि बारानोशिते।
प्रमीर : मीला, याओ, चा आनो।
शोमिर : शिला, जाओ, चा आनो।

शुभोके डाको।
शुभोके डाको।

राकेश : शुभो के?
राकेश : शुभो के?
प्रमीर : शुभो आमार छेले।
शोमिर : शुभो आमार छेले।

राकेश : एा कि आपनार निजेर बाङि ?
राकेश : एटा कि आपनार निजेर बाङि ?

प्रमीर : ईा, एा आमार निजेर बाङि।
शोमिर : हैं, एटा आमार निजेर बाङि।

एा बमार घर, आर ओपाशे दूटो
एटा बमार घर, आर ओपाशे दुटो
शोबार घर। राना घरों पेछन
शोबार घर। राना घरटा पेछोन
दिके। तारपरैए एकटा बाथरूम।
दिके। तारपरैए एकटा बाथरूम।

शीला : आपकी बंगला तो बहुत अच्छी है।

राकेश : क्योंकि बंगला के साथ हिंदी का बहुत मेल है।

शीला : आपका घर कहाँ है?

राकेश : मेरा घर वाराणसी में है।

समीर : शीला, जाओ, चाय ले आओ।
शुभो को बुलाओ।

राकेश : शुभो कौन है?

समीर : शुभो मेरा लड़का है।

राकेश : क्या, यह आपका निजी मकान है?

समीर : जी हाँ, यह मेरा निजी मकान है।
यह बैठने का कमरा है। और उधर
दो सोने के कमरे हैं। रसोईघर
पीछे की ओर है। उस के बाद ही
एक स्नानघर है।

राकेश : एतो बिरौ बाड़ि।

राकेश : एतो बिराट बाड़ि।

प्रसीर : एा आमार ठाकुरदार आभलेर

शोमिर : एटा आमार ठाकुरदार

आमोलेर

बाड़ि। ए आमार छेले।

बाड़ि। ए आमार छेले।

राकेश : तोमार नाम कि?

राकेश : तोमार नाम कि?

शुभ : आमार नाम शुभो।

शुभो : आमार नाम शुभो।

शीला : निन, चा थान।

शीला : निन, चा खान।

राकेश : चायेर प्रश्न आबार एप्रब केन?

राकेश : चायेर शंगे आबार एप्रब केनो?

शीला : एम्प तो प्रामान्य दूटा प्रिजाड़ा;

शीला : एइ तो शामान्नो दुटो शिंगाड़ा;

निन, थान।

निन, खान।

राकेश : प्रिजाड़ागुलो खुब भाल। कोन

राकेश : शिंगाड़ागुलो खुब भालो। कोन

दोकानेर ?

दोकानेर?

शीला : एगुलो बाड़ीर तैरौ।

शीला : एगुलो बाड़िर तोइरि।

राकेश : बाः! आपनार रान्नार हात तो।

राकेश : बाः! आपनार रान्नार हात तो

खुब भालो।

खुब भालो।

राकेश : यह तो बहुत बड़ा मकान है।

समीर : यह मेरे दादा के समय का मकान है। यह मेरा लड़का है।

राकेश : तुम्हारा नाम क्या है?

शुभो : मेरा नाम शुभो है।

शीला : लीजिए, चाय पीजिए।

राकेश : चाय के साथ यह सब क्यों?

शीला : ये तो केवल दो समोसे हैं। लीजिए, खाइए।

राकेश : समोसे बहुत अच्छे हैं। कौन सी दुकान के हैं?

शीला : ये घर के बने हैं।

राकेश : वाह! आपका हाथ तो रसोई बनाने में बहुत कुशल है। (आप तो रसोई बनाने में बहुत कुशल हैं)

शीला : ओ! आर कि? एतो प्रामाना

शिला : एटा आर कि? एतो शामान्नो

बापार।

बैपार।

राकेश : एकि! एथन प्राडे पौंटा! आमार

राकेश : एकि! ऐखोन शाडे पाँचटा! आमार

छे। डिउँ। प्रमीरबाबु, आमि

छटाय डिउटि। शोमिरबाबु, आमि

एथन उँ। आच्छा, अनेक

ऐखोन उँ। आच्छा, अनेक

धन्यवाद।

धोन्नोबाद।

प्रमीर : धन्यवाद।

शोमिर : धोन्नोबाद।

शीला : यह क्या है? यह तो बहुत सामान्य
(बात) है।

राकेश : अरे! अभी साढ़े पाँच बजे है! मेरी
छः बजे ड्यूटी है। समीरबाबु, मैं
अब चलता हूँ। अच्छा, बहुत-बहुत
धन्यवाद।

समीर : धन्यवाद।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
आप्यायन	आप्यायन	सत्कार
अतिथि	ओतिथि	अतिथि
आसून	आशुन	आइए
भेतरे	भेतोरे	भीतर, अंदर
एथाने	एखाने	यहाँ
एदिके	एदिके	इधर
	एशो	आओ

এসো	ইনি	যে
স্পনি	আমার	মেরা
আমার	স্ত্রি	স্ত্রী
স্ত্রী	শরকারি	সরকারী
সরকারী	হাশপাতালের	অস্পताल का
হাশপাতালের	নোতুন	নযে
নতুন	ডাক্তার	ডॉक्टर
ডাক্তার	নমোশকার	নমস্কার
নমস্কার	আমি	मैं
আমি	বোশুন	बैठिए
বসুন	মানে	अर्थ
মানে	আপনি	आप
আপনি	কি	क्या
কি	তো	तो
তো	খুব	खूब, बहुत
খুব	ভালো	अच्छा
ভালো	হাঁ	हाँ
হ্যাঁ	মাতৃভাষা	मातृभाषा
মাতৃভাষা	তাছাড়া	इस के अलावा
তাছাড়া	শংগে	के साथ
সঙ্গে	হিন্দির	हिंदी का
হিন্দীর	প্রচুর	प्रचुर, अनेक
প্রচুর	মিল	मेल
মিল	তুমি	तुम
তুমি	জাও	जाओ
	চা	चाय

याँও	आनो	ले आओ
छा	एटा	यह
आनো	छेले	लड़का, बेटा
ঐ	निजेर	निजी, अपना
ছেলে	बाड़ि	मकान, घर
নিজের	एइ तो	यह तो
বাড়ি	बशार	बैठने का
এস্প তো	घर	कमरा
বসার	ओपाशे	उस ओर
ঘর	दुटो	दो (मात्र)
ওপাশে	शोबार	सोने का
দুটো	रान्नाघरटा	रसोइ घर (यह)
শোবার	पेछोन दिके	पीछे की ओर
রান্নাঘরো	तारपरेइ	उसके बाद ही
পেছনদিকে	बिराट	बहुत बड़ा
তারপরেস্প	नाम	नाम
বিরো	एशब	ये सब
नाम	कैनो	क्यों
এসব	सामान्नो	सामान्य
কেন	शिडाड़ा	समोसा
সামান্য	निन	लीजिए
সিঙ্গাড়া	खान	खाइए
निन	कोन	कौन
খান	दोकानेर	दुकान का
কোন	एगुलो	यह सब
	तोइरि	तैयार

दोकानेर	रान्नार	रसोई का
एगुलो	हात	हाथ
तैरी	भालो	कुशल, अच्छा
रान्नार	एकि	अरे
हात	ऐखोन	अभी
भालो	पाँचटा	पाँच (मात्र)
एकि	छटाय	छः बजे
एथन	आच्छा	अच्छा
पाँटा	अनेक	बहुत
छाय	धोन्नोबाद	धन्यवाद
आच्छा	आशि	आ रहा हूँ
अनेक		
धन्यवाद		
आशि		

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का उचित स्थान पर प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।

उदाहरण : एा बाड़ि। (आमार)

उदाहरण : एटा बाड़ि। (आमार)

एा आमार बाड़ि। (निजेर)

एटा आमार बाड़ि। (निजेर)

एा आमार निजेर बाड़ि।

एटा आमार निजेर बाड़ि।

1. এঁ বাড়ি।

এটা বাড়ি।

(আমার)

(আমার)

(ঠাকুরদার)

(ঠাকুরদার)

(আমলের)

(আমলের)

2. এঁ কি বাড়ি?

এটা কি বাড়ি?

(আপনার)

(আপনার)

(নিজের)

(নিজের)

3. এঁ ডাক্তার।

এনি ডাক্তার।

(সরকারী)

(সরকারি)

(হাসপাতালের)

(হাসপাতালের)

(নতুন)

(নতুন)

4. আমুন।

আমুন।

(আপনি)

(আপনি)

(ভেতরে)

(ভেতরে)

5. বসুন।

বসুন।

(আপনি)

(আপনি)

(এখানে)

(এখানে)

II. उदाहरण के अनुसार वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर नये वाक्य बनाइए।

उदाहरण: आमर नाम शुभो। (राकेश)

उदाहरण: आमर नाम शुभो। (राकेश)

आमर नाम राकेश।

आमर नाम राकेश।

1. এটা বঙ্গার ঘর। (শোবার)
এটা বঙ্গার ঘর। (শোবার)
2. ওপাশে দুটা শোবার ঘর। (একটা)
ওপাশে দুটা শোবার ঘর। (একটা)
3. সিঙ্গাড়াগুলো কোন দোকানের। (সিঙ্গাড়া)
সিঙ্গাড়াগুলো কোন দোকানের। (সিঙ্গাড়া)
4. এগুলো বাড়ীর তৈরী। (দোকানের)
এগুলো বাড়ির তোড়রি। (দোকানের)
5. আমার ছায় ডিউঁ। (পাঁচায়)
আমার ছটায় ডিউটি। (পাঁচটায়)

III. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण : एम्प _____ छेले। (आमि, आमार)

उदाहरण : एइ _____ छेले। (आमि, आमार)

एम्प आमार छेले।

एइ आमार छेले।

1. राकेश, एा कि _____ बाड़ि। (तुमि, तोमार)
राकेश, एटा कि _____ बाड़ि। (तुमि, तोमार)
2. शीला _____ नाम । (आमि, आमार)
शिला _____ नाम । (आमि, आमार)
3. कोलकाताय _____ बाड़ि। (आपनार, आपनि)
कोलकाताय _____ बाड़ि। (आपनार, आपनि)
4. हिन्दी _____ मातृभाषा। (आपनि, आपनार)
हिंदि _____ मातृभाषा। (आपनि, आपनार)

5. बांश्ला तो _____ खुब ভালो बलते पारेन। (आपनि, आपनार)
 बाङ्ला तो _____ खुब भालो बोलते पारेन। (आपनि, आपनार)

IV. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों के एक-एक प्रश्न बनाइए।

उदाहरण : आमार नाम राकेश।

उदाहरण : आमार नाम राकेश।

आपनार नाम कि?

आपनार नाम कि?

1. आमार बाड़ि बारानसीते।
आमार बाड़ि बारानोशिते।
2. आमार मातृभाषा हिन्दी।
आमार मातृभाषा हिन्दी।
3. एा शोबार घर।
एटा शोबार घर।
4. ईया, एा आमार निजेर बाड़ि।
हैं, एटा आमार निजेर बाड़ि।
5. ईया, सिङ्गाड़ागुलो बाड़िर तैरी।
हैं, शिङ्गाड़ागुलो बाड़िर तोइरि।

V. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. आपनार नाम कि?
आपनार नाम कि ?
2. आपनार बाड़ि कोथाय?
आपनार बाड़ि कोथाय?
3. आपनार मातृभाषा कि हिन्दी?
आपनार मातृभाषा कि हिन्दी?
4. शुभो के?
शुभो के?
5. राकेशबाबु के?
राकेशबाबु के?

पढ़िए और समझिए :

एलाहाबाद (एलाहाबाद) इलाहाबाद

आमि एलाहाबाद विश्वविद्यालयेर बाङलार अध्यापिका। आमार नाम रमा चट्टोपाध्याय।

आमि एलाहाबाद विश्वविद्यालयेर बाङलार ओद्धापिका। आमार नाम रमा चट्टोपाध्याय।

आमार बाड़ि कोलकाताय। किन्तु आमि এখন एलाहाबादेर स्थायी बासिन्दा।

कोलकातार

आमार बाड़ि कोलकाताय। किन्तु आमि ऐखोन एलाहाबादेर स्थायी बासिन्दा।
कोलकातार

सङ्गे अनेक व्यापारेष्प एलाहाबादेर मिल। एलाहाबादओ बेश बड़ शहर। एम्प

शहरेर

शंगे अनेक बैपारेइ एलाहाबादेर मिल। एलाहाबादओ बेश बड़ो शहोर। एइ शहोरेर

लोक कोलकातार मत राजनीति सचेतन। स्वाधीनता आन्दोलनेर सङ्गे

एलाहाबादेर

लोक कोलकातार मतो राजनीति सचेतन। स्वाधीनता आन्दोलनेर शंगे एलाहाबादेर

नाम जड़ित। एम्प शहरे शहीद चन्द्रशेखर पार्क नामे एक्की खुब सुन्दर पार्क

आछे।

नाम जोड़ितो। एइ शहोरे शोहिद चन्द्रशेखर पार्क नामे एकटि खुब सुन्दर पार्क आछे।

जहरलाल नेहरूर बाबा मतिलाल नेहरूर बाड़िओ एम्प एलाहाबादेम्प। एम्प बाड़िर

नाम जहरलाल नेहरू बाबा मोतिलाल नेहरू बाड़िओ एइ एलाहाबादेइ। एइ बाड़िर

नाम

आनन्द भवन। एलाहाबाद विश्वविद्यालय नामकरा ओ पुरोनो विश्वविद्यालय। विख्यात

आनन्दो भवन। एलाहाबाद विश्वविद्यालय नामकरा ओ पुरोनो विश्वविद्यालय। विख्यात

वैज्ञानिक मेघनाद साहा सह अनेक नामकरा ब्यक्तिर नाम एम्प विश्वविद्यालयेर सङ्गे

बोड्ग्यानिक मेघनाद साहा सह अनेक नामकरा ब्यक्तिर नाम एइ विश्वविद्यालयेर शंगे

युक्त। आमि एम्प विश्वविद्यालयेर जन्य गर्बित। एलाहाबाद एक्की तीर्थस्थान।

युक्तो। आमि एइ विश्वविद्यालयेर जोन्नो गर्बितो। एलाहाबाद एकटि तिर्थस्थान।

प्रयाग तीर्थ एम्प शहरेर उपकण्ठे। गङ्गा यमुना ओ मरुत्ततीर मिलन-स्थल एम्प प्रयागे।
प्रोयाग तिर्थो एङ् शहोरेर उपोकंठे। गंगा जोमुना ओ शरोशोतिर मिलन-स्थल एङ् प्रोयागे।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
एलाहाबाद	एलाहाबाद	इलाहाबाद
विश्वविद्यालयेर	विश्वविद्यालयेर	विश्वविद्यालय का
बाङ्गला	बाङ्गलार	बंगला का
अध्यापिका	ओद्धापिका	अध्यापिका
कोलकाताय	कोलकाताय	कलकत्ता में
किन्तु	किन्तु	किंतु
आमि	आमि	मैं
स्थायी	स्थायि	स्थायी
बासिन्दा	बाशिन्दा	बाशिन्दा, निवासी
ब्यापारेम्प	बैपारेङ्	विषय में ही
बड़	बड़ो	बड़ा
शहर	शहोर	शहर
एम्प	एङ्	यह
लोक	लोक	लोग
मत	मतो	जैसा
राजनीति	राजनिति	राजनीति
स्वाधीनता	शाधिनता	स्वाधीनता, स्वतंत्रता
आन्दोलनेर	आन्दोलोनेर	आंदोलन का
जोड़ित	जोड़ितो	जुड़ा हुआ
जोड़ित	शोहिद	शहीद

शहीद	उल्टोदिके	उलटी ओर (विपरीत दिशा)
उल्टोदिके	शुन्दोर	सुंदर
सुन्दर	भबोन	भवन
भवन	नामकरा	नामी
नामकरा	पुरोनो	पुराना
पुरोनो	बिक्खातो	विख्यात, मशहूर
विख्यात	बोइगगानिक	वैज्ञानिक
वैज्ञानिक		
सह	शहो	के साथ
व्यक्ति	बैक्ति	व्यक्ति
युक्त	जुक्तो	युक्त
जन्य	जोन्ने	के लिए
गर्वित	गोर्बितो	गर्व का अनुभव
एक	एकटि	एक
तीर्थस्थान	तिर्थोस्थान	तीर्थस्थान
प्रयाग	प्रयाग	प्रयाग
उपकर्णे	उपकन्टे	सीमांत में
गङ्गा	गंगा	गंगा
यमुना	जोमुना	यमुना
सरस्वती	शरोश्शोतिर	सरस्वती का
मिलन	मिलन	मिलन
स्थल	स्थल	स्थल

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. रमा चट्टोपाध्याय কোন বিশ্ববিদ্যালয়ের অধ্যাপিকা?
रमा चट्टोपाध्याय कोन विश्वविद्यालयेर ओद्धापिका ?
2. एलाहाबाद शहरेर लोक कि राजनीति सचेतन?
एलाहाबाद शहोरेर लोक कि राजनिति शचेतन ?
3. एलाहाबादे कोन पार्क खुब सुन्दर?
एलाहाबादे कोन पार्क खुब सुन्दर ?
4. प्रयाग तीर्थ कोथाय?
प्रयाग तिर्थो कोथाय?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों के साथ दाहिनी ओर दिए गए शब्दों के सही अर्थ से मिलान कीजिए।

- | | |
|------------|---------|
| 1. ग्रह | लोक |
| शहो | लोक |
| 2. ব্যক্তি | प्रचुर |
| बैक्ति | प्रोचुर |
| 3. যুক্ত | सञ्ज |
| जुक्तो | शंगे |
| 4. অনেক | जड़ित |
| अनेक | जोड़ितो |

III. नीचे दिए गए शब्दों में से पाठ में आ गए शब्दों को चुनिए।

বিশ্ববিদ্যালয়	तीर्थस्थान	পুরनो	धर्मनीति
विश्वविद्यालय	तिर्थोस्थान	पुरोनो	धर्मनिति
শ্রাণী	तामिल	शहर	राजनीति
स्थायि	तामिल	शहोर	राजनिति
বাংলা	दूर्गा	नतून	अध्यापिका

बाङला	दुर्गा	नोतुन	ओद्धापिका
बैज्ञानिक	साहित्यिक	ग्राम	प्रशस्ती
बोड्गानिक	शाहितिक	ग्राम	शरशोति

IV. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

आमार नाम रामप्रसाद पाण्डे। आमि हरिद्वारेर शायी बासिन्दा। आमि हरिद्वारे
आमार नाम रामप्रसाद पाण्डे। आमि हरिद्वारेर स्थायि बासिन्दा। आमि हरिद्वारे
एक कलेजेर अध्यापक। हरिद्वार एक पुरानो विख्यात शहर। एखाने
एक कलेजेर ओद्धापक। हरिद्वार एक पुरानो बिख्यातो शहर। एखाने
बहु तीर्थयात्री आसैन।
बहु तिर्थयात्रि आशेन।

V. बंगला में अनुवाद कीजिए।

कलकत्ता बहुत बड़ा शहर है। मेरा घर कलकत्ता में है। मैं कलकत्ता विश्वविद्यालय का
छात्र हूँ। कलकत्ता के लोग राजनीति में सजग होते हैं।

VI. अतिथि के आने पर उसके स्वागत में आप क्या बातचीत करेंगे, पाँच वाक्य बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में बंगला भाषा के क्रिया रहित वाक्यों तथा विधिवाचक वाक्यों का परिचय दिया गया है।

उदाहरण (1) क्रियारहित वाक्य

अनि आमार स्त्री।

ये मेरी पत्नी हैं।

इनि आमार स्त्रि।

अनि राकेशबाबू।

ये राकेश बाबू हैं।

इनि राकेशबाबु।

उनि प्रकारी हाशपातालेर नतून डाक्टर। ये सरकारी अस्पताल के नये डाक्टर हैं।

उनि शरकारि हाशपातालेर नोतुन डाक्टर।

আমি রাকেশ গুপ্তা।

আমি রাকেশ গুপ্তা।

হ্যাঁ। হিন্দি আমার মাতৃভাষা।

হ্যাঁ। হিন্দি আমার মাতৃভাষা।

এঁ কি ?

এটা কি?

मैं राकेश गुप्ता हूँ।

हाँ, हिंदी मेरी मातृभाषा है।

यह क्या है?

उदाहरण (2) विधिवाचक वाक्य

আম্রুন, আপনি ভেতরে আম্রুন।

आशुन, आपनि भेतोरे आशुन।

শীলা, যাও, চা আনো।

शिला, जाओ, चा आनो।

শুভোকে ডাকো।

शुभोके डाको।

নিন, চা নিন।

निन, चा निन।

নিন, খান।

निन, खान।

आइए, आप अंदर आइए।

शीला, जाओ चाय ले आओ।

शुभो को बुलाओ।

लीजिए, चाय लीजिए।

लीजिए, खाइए।

- II. उपर्युक्त उदाहरण (1) के बंगला वाक्यों में आप देख सकते हैं कि, जब उद्देश्य और विधेय दोनों संज्ञा होते हैं तब वर्तमान काल के वाक्यों में इन्हें बाँधने के लिए हिंदी के 'है' हैं जैसी योजक क्रियाओं की आवश्यकता नहीं होती, जबकि, हिंदी के ऐसे वाक्यों में भी कर्ता के अनुसार 'है, हैं, हूँ, हो' जैसी योजक क्रियाओं का प्रयोग अनिवार्य है।

उदाहरण (2) विधिवाचक वाक्यों में बंगला भाषा के आज्ञार्थक क्रियाओं का प्रयोग दिखाया गया है। बंगला में भी हिंदी की तरह मध्यम पुरुष के लिए तीन सर्वनामों का प्रयोग होता है।

তুম্ম যা।

जा।

तुइ

तू जा।

तुम जाओ।

তুমি যাও।	তুমি	আপ জায়ে।
जाओ।		
আপনি যান।	আপনি	
जान।		

- III. संज्ञाओं तथा सर्वनामों के संबंध रूप बनाने के लिए बंगला के व्यंजनांत शब्दों में -एर (-एर) जोड़ा जाता है। एकाक्षरवाले स्वरांत शब्दों में (जैसे छा, ভাষা, বো [चा, भाई, बउ] आदि) में
- येर(-येर) और बाकी शब्दों में -र (-र) जोड़े जाते हैं। जैसे :

হাসপাতাল + এর = হাসপাতালের	हाशपाताल + एर = हाशपातालेर	: अस्पताल का
छা + येर = छायेर	चा + येर = चायेर	: चाय का
हिन्दी + र = हिन्दीर	हिन्दी + र = हिन्दीर	: हिंदी का

- IV. अधिकरण के रूप बनाने के लिए आकारान्त शब्दों में -ते (ते) अथवा -य (-य), अन्य स्वरांत शब्दों में -ते (-ते) और व्यंजनांत शब्दों में -ए (-ए) जुड़ता है। जैसे:

কোলকাতা + তে = কোলকাতাতে	कोलकाता + ते = कोलकाताते	: कोलकाता में
বারাণসী + তে = বারানসীতে	बारानोशि + ते = बारानोशिते	: वाराणसी में
এলাহাবাদ + এ = এলাহাবাদে	एलाहाबाद + ए = एलाहाबादे	: इलाहाबाद में

- V. बंगला में संज्ञाओं के लिंगों के अनुसार सर्वनाम के लिंगों में भेद नहीं होता। सर्वनामों के एक वचन के संबंध रूप बनाने के लिए सर्वनाम के परिवर्तित (तिर्यक) रूप में -र (-र) जोड़ा जाता है। जैसे:

আমি -- আমা + র = আমার	আমি -- আমা + র = আমার	मेरा
আপনি -- আপনা + র = আপনার	আপনি -- আপনা + র = আপনার	आप का

তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার
তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার
তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার
তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার
তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার
তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার
তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার
তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার
তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার
তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার	তুমি -- তোমা + র = তোমার

VI. किसी शब्द पर विशेष बल देने के लिए उसके बाद -তো (-तो) जोड़ा जाता है। जैसे:

এমতো স্রেফ বাড়ী এততো সেই বাড়ি यही वह घर है।

VII. बंगला में पूर्व निर्दिष्ट वस्तुओं के लिए प्रयुक्त वस्तुवाचक संज्ञाओं और सर्वनामों के एकवचन में -টা (-टा) अथवा -টি (-टि) अवश्य लगाते हैं। इसका अलग से कोई अर्थ नहीं होता। बहुवचन में वस्तुवाचकों के साथ -গুলো (-गुलो) अथवा -গুলি (-गुलि) जोड़े जाते हैं।

एकवचन	बहुवचन
ঘরো / ঘরোঁ } কমরা	ঘরগুলো / } ঘরগুলি
ঘরটা / ঘরটি	কমরে
	ঘরগুলো / ঘরগুলি
এটা / এটি } यह	এগুলো / এগুলি } ये
एटा / एटि	एगुलो / एगुलि

VIII. संख्यावाचक शब्दों के साथ -टा (-टा), -टि (-टि), -टे (-टे), -टो (-टो) जोड़े जाते हैं किन्तु -
 गुला (-गुलो), -गुलि (-गुलि) का प्रयोग नहीं होता है। जैसे :

एकटा	ऐकटा	एक
दूटा	दुटो	दो
तिनटे	तीन	
चारटे / चारटि	चारटे/चारटि	चार
पाँचटा	पाँचटा	पाँच

IX. बंगला में भी प्रश्न (साथ), ज्ञान्य (लिए) जैसे अव्ययों के साथ हिंदी के समान ही संबंध
 विभक्ति का प्रयोग होता है। जैसे :

चायेर प्रश्न	चायेर शंगे	चाय के साथ
आमार प्रश्न	आमार शंगे	मेरे साथ
विश्वविद्यालयेर ज्ञान्य	विश्वविद्यालयेर जोन्ने	विश्वविद्यालय के लिए
आमार ज्ञान्य	आमार जोन्ने	मेरे लिए

शाड़ी केना
शाड़ि केना

साड़ी खरीदना

विक्रेता : आशून दिदि। आमादेर दोकाने
विक्रेता : आशून दिदि। आमादेर दोकाने

विक्रेता : आइए दीदी। हमारी दुकान में
अच्छी अच्छी साड़ियाँ हैं।

भाल भाल शाड़ी आछे।
भालो भालो शाड़ि आछे।

भद्रमहिला : आच्छा, आपनादेर एथाने कि
भद्रमोहिला: आच्छा, आपनादेर एखाने कि

महिला : अच्छा, क्या आपके यहाँ
‘धोनेखाली’ साड़ियाँ हैं?

धनेखालि शाड़ी आछे?
धोनेखालि शाड़ि आछे?

विक्रेता : आछे, आछे। एम्प देखून,

विक्रेता : हाँ, हैं। यह देखिए, हमारे यहाँ
‘धोनेखाली’, ‘टांगाइल’, ‘मुर्शि-
दाबाद सिल्क’, ‘ताँत सिल्क’ सभी
हैं।

आमादेर
विक्रेता : आछे, आछे। एइ देखून, आमादेर

एथाने धनेखालि, आम्पल,
एखाने धनेखालि, टाङ्गाइल,
मुर्शिदाबाद सिल्क, ताँत सिल्क
मुर्शिदाबाद सिल्क, ताँत सिल्क

अबम्प आछे।
सबइ आछे।

महिला : ठीक है। ‘धोनेखाली’ साड़ी बाहर
निकालिए।

भद्रमहिला : ठिक आछे, धनेखालि शाड़ी
बार

भद्रमोहिला: ठिक आछे, ‘धोनेखालि’ शाड़ि बार
करून।
कोरून।

विक्रेता : एदिके आशुन। एम्प देखुन, लाल,
विक्रेता : एदिके आशुन। एइ देखुन, लाल,
नील, प्रबुज, हलदे अनेक रङेर
निल, शोबुज, होलदे अनेक रङेर
शाड़ी आछे। कतो सुन्दर एम्प
शाड़ि आछे। कतो शुन्दोर एइ
शाड़ीगुलो!
शाड़िगुलो!

भद्रमहिला : ना, एगुलो पछन्द नय। बेगुनी
भद्रमोहिला : ना, एगुलो पछोन्द नय। बेगुनि
रङेर शाड़ी आछे कि?
रङेर शाड़ि आछे कि?

विक्रेता : ना, बेगुनी रङेर 'धनेखालि'
शाड़ी
विक्रेता : ना, बेगुनि रङेर धोनेखालि शाड़ि
आर नैम्प। तबे बेगुनी रङेर
अन्य
आर नेइ। तबे बेगुनि रङेर अनो
शाड़ी आछे। देखुन ना, आरओ
शाड़ि आछे। देखुन ना, आरओ
कतो रङेर, कतो रकमेर शाड़ी
कतो रङेर, कतो रकोमेर शाड़ि
आछे।
आछे।

भद्रमहिला : आच्छा, एम्प शाड़ीर दाम कतो?
भद्रमोहिला : आच्छा, एइ शाड़िटार दाम कतो?

विक्रेता : एर दाम दुशो टाका।
विक्रेता : एर दाम दुशो टाका।

भद्रमहिला : बाबू, एत दाम! आच्छा कम
दामेर
भद्रमोहिला : बाबू, ऐतो दाम! आच्छा कम दामेर
शाड़ी नैम्प?

विक्रेता : इधर आइए। ये देखिए, लाल,
नीली हरी, पीली अनेक रंगों की
साड़ियाँ हैं। कितनी सुंदर हैं ये
साड़ियाँ!

महिला : नहीं, ये सब पसंद नहीं हैं। बैंगनी
रंग की साड़ी है क्या?

विक्रेता : नहीं, बैंगनी रंग की 'धोनेखाली'
साड़ी और नहीं है। लेकिन बैंगनी
रंग की अन्य साड़ियाँ है। देखिए
न, और भी कितने रंगों की, कितने
प्रकार की साड़ियाँ हैं।

महिला : अच्छा, इस साड़ी का दाम क्या
है?

विक्रेता : इसके दाम दो सौ रुपये हैं।

महिला : बापरे! इतना दाम! अच्छा, कम
दाम की साड़ियाँ नहीं हैं?

विक्रेता : हाँ, हैं। लेकिन वे उतनी अच्छी
नहीं हैं।

शाङ्गि नेइ?

विक्रेता : ईं, आछे। तबे सेगुलि एतौ भालो

विक्रेता : हैं, आछे। तबे शेगुलि ऐतो भालो नय।

नय।

भद्रमहिला : बेश, ताहले दाम किछू कमान।

भद्रमोहिला : बेश, ताहले दाम किछू कमान।

विक्रेता : देखुन दिदि, दाम ठिकम्प आछे।

विक्रेता : देखुन दिदि, दाम ठिकइ आछे।

आजकाल सब जिनिसेर दामम्प

आजकाल सब जिनिशेर दामइ

खुब बेशी। से तुलनाय एर दाम

खुब बेशि। शे तुलनाय एर दाम

बेशी नय, कमम्प आछे।

बेशि नय, कमइ आछे।

भद्रमहिला : ना ना, एकू अत्तः कमान।

भद्रमोहिला : ना ना, एकटु अन्तोतोः कमान।

विक्रेता : ठिक आछे, एथन बडेनिर समय।

विक्रेता : ठिक आछे, ऐखोन बोउनिर समय।

दश टाका कम दिन।

दश टाका कम दिन।

भद्रमहिला : एम्प निन, एकशो नबम्प टाका।

भद्रमोहिला : एइ निन, ऐकशो नोबोइ टाका।

विक्रेता : धन्यवाद।

विक्रेता : धोन्नोबाद।

महिला : ठीक है, तो दाम कुछ कम कीजिए।

विक्रेता : देखिए दीदी, दाम ठीक ही हैं। आजकल सभी चीज़ों के दाम बहुत ज्यादा हैं। तुलना में इनके दाम ज्यादा नहीं, कम ही हैं।

महिला : नहीं नहीं, कुछ तो कम कीजिए।

विक्रेता : ठीक है, अभी बोहनी का समय है। दस रुपये कम दीजिए।

महिला : यह लीजिए, एक सौ नब्बे रुपये।

विक्रेता : धन्यवाद।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
विक्रेता	विक्रेता	विक्रेता

दिदि	दिदि	दीदी
ভদ্রমহিলা	भद्रमोहिला	(नेक) महिला
তাঁত	ताँत्	ताँत
সিল্ক	सिल्क	रेशम
বার করুন	बार कोरुन	निकालिए
দেখুন	देखुन	देखिए
লাল	लाल	लाल
নীল	निल	नीला
সবুজ	शोबुज	हरा
হলদে/হলুদ	होल्दे/होलुद	पीला
রঙের	रङेर	रंग की
শাড়ী	शाङ्गि	साड़ी
কতো	कतो	कितना
আরও	आरो	और भी
না	ना	नहीं
পছন্দ	पछोन्दो	पसंद
বেগুনী	बेगुनि	बैंगनी
নেই	नेइ	नहीं है
তবে	तबे	तब
অন্য	अन्नो	दूसरा, अन्य
দেখুন না	देखुन ना	देखिए न
রকমের	रकोमेर	प्रकार की
এর	एर	इसके
দুশো	दुशो	दो सौ
টাকা	टाका	रुपया
বাব্বা	बाब्बा	बाप रे
কম দামের	कम दामेर	कम दाम की
কমান	कमान	कम कीजिए

कमान	ठिकइ	ठीक ही
ठिकम्प	आजकाल	आजकल
आजकाल	शब	सभी, सब
प्रब	जिनिशेर	सामान का
जिनिशेर	दामइ	दाम ही
दामम्प	खुब	बहुत
खुब	तुलनाय	तुलना में
तुलनाय	बेशि	अधिक
बेशी	बोउनिर	बोहनी का
बोउनिर	दश	दस
दश	दिन	दीजिए
दिन	एइ	यह
एम्प	ऐकशो	एक सौ
ऐकशो	नोबोइ	नब्बे
नोबोइ		

अभ्यास

- I. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का उचित स्थान पर प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए :

उदाहरण : शाड़ी आछे।

उदाहरण : शाड़ी आछे।

नतून शाड़ी आछे। (नतून)

नोतुन शाड़ी आछे। (नोतुन)

दोकाने नतून शाड़ी आछे। (दोकाने)

दोकाने नोतुन शाडि आछे। (दोकाने)

आमादेर दोकाने नतुन शाडी आछे। (आमादेर)

आमादेर दोकाने नोतुन शाडि आछे। (आमादेर)

1. बार करुन।

बार कोरुन।

(शाडी)

(शाडि)

(एके)

(ऐकटा)

(लाल रङेर)

(लाल रङेर)

2. शाडी आछे?

शाडि आछे?

(धनेखालि)

(धोनेखालि)

(बेगुनी रङेर)

(बेगुनि रङेर)

(आपनार दोकाने)

(आपनार दोकाने)

3. दाम कत?

दाम कतो?

(शाडीार)

(शाडिटार)

(गाम्पल)

(टाङ्गाइल)

(एम्प)

(एइ)

4. दाम खुब बेसी।

दाम खुब बेशि।

(जिनिसेर)

(जिनिशेर)

(प्रब)

(शब)

(आजकाल)

(आजकाल)

5. दाम कमान।

दाम कमान।

(एके)

(एकटु)

(अलतः)

(अन्तोतोः)

(ताहले)

(ताहोले)

II. उदाहरण के अनुसार वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर नये वाक्य बनाइए।

उदाहरण : आमार एके बाडी आछे। (तोमार)

उदाहरण : आमार ऐकटा बाड़ि आछे। (तोमार)

तोमार ऐकटा बाड़ि आछे।

तोमार ऐकटा बाड़ि आछे।

1. आमार निजेर बाड़ी। (आमादेर)
एटा आमार निजेर बाड़ि। (आमादेर)
2. बेगुनी रङेर अनेक शाड़ी आछे। (नाना)
बेगुनि रङेर अनेक शाड़ि आछे। (नाना)
3. आमार बाड़ी कलकाता। (बारणसीते)
आमार बाड़ि कोलकाता। (बारानोशिते)
4. आमार लाल रङेर शाड़ी आछे। (बेगुनी)
आमार लाल रङेर शाड़ि आछे। (बेगुनि)
5. शाड़ीर दाम अनेक कम। (बेशी)
शाड़ितार दाम अनेक कम। (बेशि)

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

1. आमादेर _____ अनेक शाड़ी आछे। (दोकाने, दोकान)
आमादेर _____ अनेक शाड़ि आछे। (दोकाने, दोकान)
2. एम्प _____ दाम दुशो टाका। (शाड़ी, शाड़ीर)
एइ _____ दाम दुशो टाका। (शाड़िता, शाड़ितार)
3. एम्प _____ खूब बड़। (बाड़ी, बाड़ीर)
एइ _____ खूब बड़ो। (बाड़ि, बाड़िता)
4. एम्प _____ खूब सुन्दर। (शाड़ी, शाड़ीर)
एइ _____ खूब शुन्दोर। (शाड़ि, शाड़िता)

5. আপনি _____ আসুন।

(এদিকে,

এদিক)

আপনি _____ আশুন।

(এদিকে, এদিক)

IV. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. শাড়ী! ভাল।
শাড়িটা ভালো।
2. এম্প দোকানে শাড়ী আছে।
এই দোকানে শাড়ি আছে।
3. আমাদের কোলকাতায় বাড়ী আছে।
আমাদের কোলকাতায় বাড়ি আছে।
4. বাড়ী! বড়।
বাড়িটা বড়।
5. শাড়ীর রঙ লাল।
শাড়িটার রঙ লাল।

V. एक साड़ी के दुकान में अनेक रंगों की साड़ियाँ हैं। ताँत की साड़ियाँ हैं, सिल्क की साड़ियाँ हैं, धोनेखालि और टांगाइल साड़ियाँ भी हैं। इस दुकान में जाकर आप दुकानदार से किस प्रकार के पाँच प्रश्न करेंगे उदाहरण के अनुसार बंगला में लिखिए।

একটি নমুনা -- আপনার দোকানে কি তাঁতের শাড়ী আছে?

একটি নমুনা -- আপনার দোকানে কি তাঁতের শাড়ি আছে?

पढ़िए और समझिए :

আমাদের ভাষা কেন্দ্র (আমাদের ভাষা কেন্দ্র) হামারা ভাষা কেন্দ্র

আমাদের ভাষা শিক্ষা কেন্দ্রের নাম ভারতী বিদ্যাভবন। এখানে বাংলা, অসমীয়া, আমাদের ভাষা শিক্ষা কেন্দ্রের নাম ভারতী বিদ্যাভবন। এখানে বাংলা, অসমীয়া, তামিল, তেলুগু, কানাড়া, মালয়ালম, গুজরাটি ও মারাঠী ভাষা শিক্ষার ব্যবস্থা আছে।

তামিল, তেলুগু, কানাড়া, মালয়ালম, গুজরাটি ও মারাঠি ভাষা শিক্ষার ব্যবস্থা আছে।

আমরা বাংলা ভাষার শিক্ষার্থী। আমাদের বিদ্যাভবনী খুব সুন্দর। বিদ্যাভবনের সামনে আমরা বাঙলা ভাষার শিক্ষার্থী। আমাদের বিদ্যামণ্ডলটি খুব সুন্দর। বিদ্যামণ্ডলের সামনে

একটি ফুলের বাগান আছে। বিদ্যাভবনে দর্শন ঘর আছে। ছয়টি শ্রেণী কক্ষ আছে। একটি ফুলের বাগান আছে। বিদ্যামণ্ডলে দশটি ঘর আছে। চয়টি শ্রেণী কক্ষ আছে। আর কার্যালয় এবং শিক্ষক-শিক্ষিকার জন্য আছে চারটি ঘর। এছাড়া

গ্রন্থাগার

আর কার্যালয় এবং শিক্ষক-শিক্ষিকার জন্য আছে চারটি ঘর। এছাড়া গ্রন্থাগার এবং সভা কক্ষ আছে। কিন্তু গ্রন্থাগারে বেশী বস্প নেই। আজকাল ভাষা শেখার

বেশ

এবং শব্দ কক্ষ আছে। কিন্তু গ্রন্থাগারে বেশী বই নেই। আজকাল ভাষা শেখার বেশ চাহিদা আছে তাই বিদ্যাভবনে ছাত্র সংখ্যাও অনেক। আমাদের শিক্ষক-

শিক্ষিকারা খুব

চাহিদা আছে তাই বিদ্যামণ্ডলে ছাত্র সংখ্যাও অনেক। আমাদের শিক্ষক-শিক্ষিকারা খুব ভাল। তারা ছাত্রদের দীক্ষা পদ্ধতিও আধুনিক। কয়েকজন ছাত্র বিভিন্ন

পেশার

মালো। তারা ছাত্রদের দীক্ষা পদ্ধতিও আধুনিক। কয়েকজন ছাত্র বিভিন্ন পেশার সঙ্গে যুক্ত। কেউ স্পঞ্জিনিয়ার, কেউ ডাক্তার আবার কেউ কেউ সরকারী

কর্মচারী।

শংগে যুক্ত। কেউ ইঞ্জিনিয়ার, কেউ ডাক্তার আবার কেউ কেউ সরকারি কর্মচারি।

অবশ্য আমরা কয়েকজন চাকুরীজীবী। আমরা বিশ্ববিদ্যালয়ের ছাত্র ছাত্রী।

অধ্যক্ষ

অবশ্যই আমরা কয়েকজন চাকুরিজীবী। আমরা বিশ্ববিদ্যালয়ের ছাত্র ছাত্রী। অধ্যক্ষ

মশাম্প খুব ভাল লোক। তিনি একজন শিক্ষাবিদ। কর্মচারীরাও খুব ভাল। মশাই খুব ভাল লোক। তিনি একজন শিক্ষাবিদ। কর্মচারীরাও খুব ভাল।

তারাও শিক্ষক শিক্ষিকাদের মতো স্বেচ্ছাসেবী।

তারাও শিক্ষক শিক্ষিকাদের মতো স্বেচ্ছাসেবী।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
आमादेर	आमादेर	हमलोगों का
भाषा	भाशा	भाषा
शिक्षा	शिक्षा	शिक्षा
केन्द्रेर	केन्द्रेर	केंद्र का
विद्याभवन	विद्याभबोन	विद्याभवन
व्यवस्था	बैबोस्था	व्यवस्था
शिक्षार्थी	शिक्षार्थी	शिक्षार्थी
केउ	केउ	कोई
चाकुरी	चाकुरि	नौकरी
फुलेर	फुलेर	फूल का
बागान	बागान	बगीचा
शिक्षक	शिक्षक	शिक्षक
शिक्षिका	शिक्षिका	शिक्षिका
ग्रन्थागार	ग्रन्थागार	ग्रन्थालय
सभाकक्ष	सभाकक्ष	सभाकक्ष
पुस्तक	पुस्तक	पुस्तक, किताब
सीखने का	सीखने का	सीखने का
मांग	मांग	मांग
छात्र	छात्र	छात्र
संख्या	संख्या	संख्या
दयालु	दयालु	दयालु
पद्धति भी	पद्धति भी	पद्धति भी
आधुनिक	आधुनिक	आधुनिक
विभिन्न	विभिन्न	विभिन्न
पेशे का	पेशे का	पेशे का

পেশার	कर्मोचारि	कर्मचारी
कर्मचारी	अबोश्शो	अवश्य
अवश्य	अद्धक्खो	अध्यक्ष
अध्यक्ष	मशाइ	महाशय
मशाअ	शिक्षाविद	शिक्षाविद
शिक्षाविद	शेच्छाशेवि	समाज सेवक
स्वेच्छासेवी		

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. शिक्षाकेन्द्रों के नाम कि?
शिक्षाकेन्द्रों के नाम कि?
2. विद्याभवन में कौन-कौन भाषा शिक्षा के व्यवस्था आछे?
विद्याभवन में कौन-कौन भाषा शिक्षा के व्यवस्था आछे?
3. विद्याभवन में ग्रन्थालय आछे कि?
विद्याभवन में ग्रन्थालय आछे कि?
4. कर्मचारी के कि चाकुरीजीवि?
कर्मचारियों के कि चाकुरीजीवि?
5. शिक्षार्थी के कौन कौन पेशा में सम्मिलित युक्त?
शिक्षार्थी के कौन कौन पेशा में सम्मिलित युक्त?

II. प्रत्येक शब्द समूह में जो शब्द उस वर्ग का न हो उसे ढूँढकर निकालिए।

1. डाक्टर, छात्र, इंजिनियर, शिक्षक।
डाक्टर, छात्र, इंजिनियर, शिक्षक।

2. শ্রেণীকক্ষ, গ্রন্থাগার, কার্যালয়, বাগান।
শ্রেনিকক্সো, গ্রোন্থাগার, কার্জালয়, বাগান।
3. মারাতী, বাংলা, তেলুগু, শিক্ষার্থী।
মারাতি, বাঙলা, তেলুগু, শিক্ষার্থী।
4. আমি, বম্প, তিনি, তাঁরা।
আমি, বোই, তিনি, তাঁরা।
5. সুন্দর, ভাল, কেউ, মনোরম।
শুন্দোর, ভালো, কেউ, মনোরম।

III. হিন্দি में अनुवाद कीजिए।

দেবকুমারবাবু একজন বিখ্যাত শিক্ষাবিদ। তিনি শিক্ষকতা পেশার সঙ্গে
দেবকুমারবাবু একজন বিখ্যাত শিক্ষাবিদ। তিনি শিক্ষকতা পেশার সঙ্গে
যুক্ত। তাঁর বাড়িতে একটা গ্রন্থাগার আছে। তাঁর বাড়ি খুব সুন্দর। বাড়ির
জুস্তো। তাঁর বাড়িতে একটি গ্রোন্থাগার আছে। তাঁর বাড়িটি খুব শুন্দোর। বাড়ির
সামনে একটা ফুলের বাগান আছে।
শামনে একটি ফুলের বাগান আছে।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

यह मेरा विद्यालय है। इस विद्यालय में बारह कक्षा-कमरे हैं। इस विद्यालय में एक
बड़ा हॉल भी है। इस विद्यालय में दो सौ विद्यार्थी और पंद्रह शिक्षक हैं। मेरा
विद्यालय बहुत अच्छा है।

V. नीचे दिए गए शब्दों में से पाठ में आ गए शब्दों को चुनिए।

ভাষা	বাগান	পেশা	বম্প	স্বৈচ্ছাসেবী
भाषा	बागान	पेशा	बोइ	शेच्छाशेबि
চাকুরী	পিছনে	শ্রমজীবী	ভাল	দরদী
चाकुरि	पिछोने	श्रमोजिबि	भालो	दरोदी
খারাপ	দেখা	সামনে	গ্রন্থাগার	ভাষাবিদ
खाराप	देखा	शामने	ग्रोन्थागार	भाषाबिद

VI. अपने बारे में पाँच वाक्य बंगला में लिखिए। टिप्पणियाँ

- I. बहुवचन में सर्वनाम का सम्बन्धवाचक रूप बनाने के लिए सर्वनाम के तिर्यक रूप में -देर (-देर) जोड़ा जाता है। जैसे :

আমরা	আমাদের	हमारा
আমা	আমাদের	
আপনা	আপনার	आप का
আপনা	আপনার	
তোমা	তোমাদের	तुम्हारा
তোমা	তোমাদের	
এনা	এনার	इन्हीं का
এনা	এনার	

- II. किसी विषय पर श्रोता की दृष्टि विशेष रूप से आकर्षित करने के लिए वर्तमान काल आज्ञावाचक क्रिया पद के पश्चात -ना (-ना) का प्रयोग होता है। इस -ना (-ना) का निषेधात्मक अर्थ नहीं है। लेकिन विनम्रता सूचक है। हिंदी में भी इस प्रकार न का प्रयोग होता है। जैसे :

देखूँ ना (देखुन ना) देखिए न

- III. किसी शब्द पर बल देने के लिए उस शब्द के बाद -इ (-इ) जोड़ा जाता है। यह हिंदी के 'ही' समान है। जैसे :

দামই (দামই) দাম হী
কমই (কমই) কম হী

- IV. इस पाठ में क्रिया पद आछे (आछे) का प्रयोग किया गया है। आछे (आछे) का हिंदी अर्थ है -- के है / में है। जैसे :

আমার একটা শাড়ী আছে। मेरी एक साड़ी है।
আমার একটা শাড়ি আছে।

इस प्रकार 'आछे' (आछे) प्रयोगवाले वाक्यों का निषेधात्मक वाक्य बनाने के लिए केवल 'नेम्प' (नेइ) प्रयोग किया जाता है। जैसे :

आम्रार साड़ी नेम्प । मेरा साड़ी नहीं है।
आमार शाड़ि नेइ।

द्रष्टव्य : हिंदी में 'है' के पहले 'नहीं' का प्रयोग करके निषेधात्मक वाक्य बनाए जाते हैं।
बंगला में ऐसा नहीं है। केवल 'नेम्प' (नेइ) का प्रयोग करते हैं।

V. पहले पाठ में क्रियारहित वाक्य सिखाए गए हैं। ऐसे वाक्यों को निषेधात्मक बनाने के लिए संज्ञा या सर्वनाम के अनुसार नीचे दिए गए रूपों का व्यवहार किया जाता है। जैसे :

साड़ीगुलो डाल नय।	--	साड़ियाँ अच्छी नहीं हैं।
शाड़िगुलो भालो नय।		
आमि नेम्प	--	मैं नहीं
आमि नोइ		
आपनि/तिनि नन	--	आप/वे नहीं
आप्नि/तिनि नन		
तुमि नउ	--	तुम नहीं
तुमि नओ		
तुम्प नोअ	--	तू नहीं
तुइ नोश		
से एवंग साधारण विशेष्य पद	} नय -- यह/वह/कोई भी संज्ञा	
शे एवं साधारण विशेष्यो पद		

नहीं

पाठ 3

भाड़ा बाड़िर खौज
भाड़ा बाड़िर खौज

किराये के घर की खोज

विजय : रबीनदा बाड़ि आछैन?

विजय : रोबिनदा बाड़ि आछैन?

रबीन : आछि। के विजय! एसो, एसो,

रोबिन : आछि। के विजय! एशो, एशो,

कि बापार? बलो, केमन

आछो?

कि बैपार? बलो, कैमोन आछो?

विजय : भाल आछि। आपनि केमन

आछैन?

विजय : भालो आछि। आपनि कैमोन
आछैन?

रबीन : आछि एकरकम।

राबिन : आछि। एकरकोम।

विजय : रबीनदा, आपनि आमाके एकटु

विजय : रोबिनदा, आपनि आमाके एकटु

प्राशय करुन। आमाके एकटा
शाहाज्जो कोरुन। आमाके एकटा

बाड़ि दरकार। खुब बड़ बाड़िर
बाड़ि दरकार। खुब बड़ो बाड़िर

दरकार नेम्प। छेम्प भाल।

एकटु

दरकार नेइ। छोटोइ भालो। एकटु

देखुन ना।

देखुन ना।

विजय : रॉबिन दादा घर में हैं क्या?

रॉबिन : हूँ। कौन, विजय! आओ आओ।
क्या काम है? बोलो, कैसे हो?

विजय : ठीक हूँ। आप कैसे हैं?

रॉबिन : बस, ठीक हूँ।

विजय : रॉबिन दादा, आप मेरी थोड़ी
सहायता कीजिए। मुझे एक घर
चाहिए। बहुत बड़ा घर नहीं
चाहिए। छोटा ही ठीक है। थोड़ा
देखिए न।

रबीन : आच्छा, तूमि तो एथन होटले

रोबिन : आच्छा, तूमि तो ऐखोन होटले

आछ, ताम्प ना? होटले केमन?

आछो, ताइ ना? होटलटा कैमोन?

रॉबिन : अच्छा, तुम तो इस समय होटल में
हो, है न? होटल कैसा है?

বিজয় : হোটেলটা মোটামুটি ভাল নয়। সেখানে

বিজয় : হোটেলটা মোটেই ভালো নয়। শেখানে

শুধু থাকার ব্যবস্থা আছে। কিন্তু
শুধু থাকার বৈবস্থা আছে। কিন্তু
খাবার ব্যবস্থা নেই। তাছাড়া
খাবার বৈবস্থা নেই। তাছাড়া

হোটেলের ঘরগুলো বড় নয়। খুব
হোটেলের ঘরগুলো বড়ো নয়। খুব

ছোট ছোট। খুব অসুবিধার মধ্যে
ছোট ছোট। খুব অসুবিধার মধ্যে

আছি।

আছি।

রবীন : তাহলে তো প্রতিশ্রুতি তোমার একটা

রোবিন : তাহলে তো শোভিত্তি তোমার একটা

বাড়ির বিশেষ প্রয়োজন?

বাড়ির বিশেষ প্রয়োজন?

বিজয় : ইঁগা, তাম্প দয়া করে আমার জন্য

বিজয় : হঁ, তাই দয়া করে আমার জন্য

একটু চেষ্টা করুন। আপনাদের এম্প

একটু চেষ্টা করুন। আপনাদের এম্প

পাড়টা বেশ শান্ত। এখানকার

পাড়টা বেশ শান্ত। এখানকার

বাড়িঘরগুলো খুব সুন্দর। তাছাড়া,

বাড়িঘরগুলো খুব সুন্দর।

তাছাড়া,

আমার অফিসও আছে। এদিকে কি

আমার অফিসও আছে। এদিকে কি

কোনো বাড়ি খালি আছে?

কোনো বাড়ি খালি আছে?

রবীন : না, এদিকে কোন বাড়ি খালি নেই।

রোবিন : না, এদিকে কোনো বাড়ি খালি নেই।

তবে সুবীরের পাশের বাড়ি খালি

তবে সুবীরের পাশের বাড়ি খালি

বিজয় : হোটল বিলকুল अच्छा नहीं है।

वहाँ केवल रहने की व्यवस्था है।

किन्तु खाने की व्यवस्था नहीं है।

इस के अलावा होटल के कमरे भी

बड़े नहीं हैं। बहुत छोटे-छोटे हैं।

बहुत ही परेशानी में हूँ।

रॉबिन : ऐसा है तो सचमुच ही तुम्हें एक

घर की खास ज़रूरत है।

विजय : हाँ, कृपा करके मेरे लिए थोड़ा सा

कोशिश कीजिए। आपलोगों का

यह मुहल्ला बहुत शांत है, यहाँ के

सब मकान भी बहुत सुंदर हैं। और

मेरा ऑफिस भी पास में है। क्या

यहाँ कोई घर खाली है?

रॉबिन : नहीं, यहाँ कोई घर खाली नहीं है।

लेकिन सुबीर के पास का घर

खाली है। उस का घर बहुत दूर

नहीं है। जुबली पार्क के सामने ही

उसका घर है।

আছে। ওর বাড়ি বেশি দূরে নয়।
 আছে। ओर বাড়ি বেশি दुरे নয়।
 জুবলি পার্কের সামনেও ওর বাড়ি।
 जुबलि पार्कের शामनेइ ओर বাড়ি।

বিজয় : क्या वह इस समय घर पर है?

বিজয় : ও কি এখন বাড়িতে আছে?

বিজয় : ओ কি ऐखोन বাড়িতে আছে?

রোবিন : नहीं, शायद वह इस समय घर पर नहीं है। ओ! आज तो रविवार है। वह निश्चय घर पर है। अभी चलो उसके घर।

রবীন : না, ও হয়তো এখন বাড়িতে নেই।

রোবিন : না, ओ हयतो ऐखोन বাড়িতে নেই।

ও! আজ তো রবিবার। ও নিশ্চয়
 ओ! আজ তো রোববার। ओ নিশ্চয়

বাড়িতে আছে। এক্ষুনি চলো ওর
 বাড়িতে আছে। এক্ষুনি চলো ओর

বাড়িতে।

বাড়িতে।

বিজয় : हाँ, हाँ, अभी चलिए।

বিজয় : ईगा, ईगा, ताम्प चलून।

বিজয় : हैं, हैं, ताइ चलुन।

शब्दार्थ

বংলা শব্দ	उच्चारण	अर्थ
খোঁজ	खौंज	खोज, ढूँढ
आছেন	आछेन	हैं
आছি	आछि	हूँ
आছ	आछो	हो
आमाके	आमाके	मुझे
के	के	कौन
एकू	एकटु	थोड़ा
साशया	शाहाज्जो	सहायता
करून	कोरुन	कीजिए
दरकार	दरकार	आवश्यक

ছোম্প	छोटोइ	छोटा ही
তাম্প না	ताइ ना	तभी तो, है न
মোটম্প	मोटेइ	बिलकुल, अवश्य
শুধু	शुधु	केवल
থাকার	थाकार	रहने का
থাবার	खाबार	भोजन, खाना
তাছাড়া	ताछाड़ा	इस के अलावा
খুব	खुब	बहुत
অসুবিধার	असुबिधार	असुविधा में, परेशानी में
মধ্যে	मोद्धे	बीच में
তাহলে	ताहोले	ऐसा है तो, तब तो
প্রতিম্প	शोत्तिइ	सचमुच ही
তোমার	तोमार	तुम्हारा
বিশেষ	बिशेश	खास, विशेष
প্রয়োজন	प्रयोजन	आवश्यकता, ज़रूरत,
দয়া	दया	प्रयोजन
করে	कोरे	दया, कृपा
চেষ্টা	चेश्टा	कर के
আপনাদের	आप्नादेर	प्रयास, प्रयत्न, कोशिश
পাড়ী	पाड़ाटा	आपलोगों का
শান্ত	शान्तो	ये मुहल्ला
কাছে	काछे	शांत
এদিকে	एदिके	पास में
দূরে	दुरे	यहाँ
সামনেম্প	शामनेइ	दूर में
ওর	ओर	सामने ही
হয়তো	हयतो	उसका
বলো	बलो	हो सकता है
রবিবার	रोबिबार	बोलो
		रविवार

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. आमार एकेँ बाड़ी दरकार। (तोमार, आपनार)
आमार ऐकटा बाडि दरकार। (तोमार, आपनार)
2. आमार चा चाम्प। (आपनादेर, आमादेर)
आमार चा चाइ। (आपनादेर, आमादेर)
3. आपनार एकेँ बाड़ीर बिशेष प्रयोजन। (आमार, तोमार)
आपनार ऐकटा बाडिर बिशेष प्रयोजन। (आमार, तोमार)
4. आमार बम्प चाम्प। (दरकार, प्रयोजन)
आमार बोइ चाइ। (दरकार, प्रयोजन)
5. आपनार कि एम्प बम्पो चाम्प? (घर, कलम)
आपनार कि एइ बोइटा चाइ। (घर, कलम)

II. उदाहरण के अनुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण : तूमि होटले आछ।

उदाहरण : तुमि होटले आछो।

आमि होटले आछि।

आमि होटले आछि।

1. आमि ভাল आछि। (आपनि)
आमि भालो आछि। (आपनि)
2. तूमि कोथाय आछ? (रबिनबाबु)
तुमि कोथाय आछो? (रोबिनबाबु)
3. आपनि केमन आछेन? (से)
आपनि कैमोन आछेन? (शे)
4. रीना एथन कूले आछे। (तिनि)
रिना ऐखोन स्कुले आछे। (तिनि)
5. से एलाहाबादे आछे। (आबुल)
शे एलाहाबादे आछे। (अबुल)

III. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. आमार चा चाम्प।

आमार चा चाइ।

2. आपनार एको बाड़ीर दरकार।
आपनार ऐकटा बाड़िर दरकार।
3. तोमार बप्प दरकार।
तोमार बोइ दरकार।
4. तार चाकुरी चाप्प।
तार चाकुरि चाइ।
5. तौर खाबार दरकार।
तौर खाबार दरकार।

IV. नीचे दिए गए वाक्यों के एक-एक प्रश्नवाचक वाक्य बनाइए।

1. आमि ভাল आছি।
আমি ভালো আছি।
2. হোটেলো ভাল নয়।
হোটেলটা ভালো নয়।
3. বিজয় এখন বাড়িতে নেপ্প।
বিজয় এখন বাড়িতে নেই।
4. না, এদিকে কোনো বাড়ি খালি নেপ্প।
না, এদিকে কোনো বাড়ি খালি নেই।
5. আমি হোটলে আছি।
আমি হোটেলে আছি।

V. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. आपनि केमन _____ । (आছি, आछेन)
आपनि कैमोन _____ । (आछि, आछेन)
2. तूमि होटले _____ । (आछ, आछि)
तुमि होटेले _____ । (आछो, आछि)
3. आमि बाड़िते _____ । (आछेन, आछि)
आमि बाड़िते _____ । (आछेन, आछि)
4. रबिनबाबू एथन एलाहाबादे _____ । (आछेन, आछ)
रोबिनबाबू ऐखोन एलाहाबादे _____ । (आछेन, आछो)

5. সে কোলকাভায় _____ । (আছে, আছ)

শে কোলকাভায় _____ । (আছে, আছো)

পড়িয়ে ঐর সমস্তিয়ে :

চাম্প, চাম্প (চাই, চাই) চাহিয়ে, চাহিয়ে

(ক) সংসারে সকলের কেবল চাম্প আর চাম্প। ছেলের ঐকো মোর সাম্পকেল

দরকার তো

শংসারে শকোলের কেবল চাই আর চাই। ছেলের ঐকটা মোটর সাইকেল দরকার তো

মেয়ের চাম্প হাল ফ্যাশানের কোয়াজ ঘড়ি। যদিও তার ঐকো ঘড়ি আছে। কিন্তু

সে।

মেয়ের চাই হাল ফ্যাশানের কোয়ার্টজ ঘড়ি। জোদিও তার ঐকটা ঘড়ি আছে। কিন্তু
শেটা

নাকি ফ্যাশান দুরন্ত নয়। ঐদিকে গিন্নির চাম্প ওয়াশিং মেশিন। বাড়িতে কাজের

নাকি ফ্যাশান দুরন্ত নয়। ঐদিকে গিন্নির চাই ওয়াশিং মেশিন। বাড়িতে কাজের

লোক আছে। কাপড় কাচায় কোন অসুবিধে নেম্প। তবুও চাম্প ওয়াশিং মেশিন।

লোক আছে। কাপড় কাচায় কোন অসুবিধে নেই। তবুও চাই ওয়াশিং মেশিন।

চারিদিকে শুধু চাম্প আর চাম্প। রোজগার সামান্য ঠাঠ রাখতেম্প প্রাণান্ত।

সরকারী দপ্তরের

চারিদিকে শুধু চাই আর চাই। রোজগার সামান্য ঠাঠ রাখতেই প্রাণান্ত। সরকারি
দপ্তরে

ডেপুটি সেক্রেটারী। সকলের আছে মোর গাড়ী। তাম্প চাম্প অন্তত ঐকো পুরোনো

ডেপুটি সেক্রেটারী। শকোলের আছে মোটর গাড়ি। তাই চাই অন্তত ঐকটা পুরোনো

মোর গাড়ী। ঐদিকে পকেট নেম্প ফুটোকড়ি।

মোটর গাড়ি। ঐদিকে পকেট নেই ফুটোকড়ি।

শব্দার্থ

বংলা শব্দ	উচ্চারণ	অর্থ
সংসারে	শংসারে	সংসার में
সকলের	শকোলের	सभी का
কেবল	কেবল	केवल
চাম্প	চাই	चाहिए
ঘড়ি	ঘড়ি	घड़ी

काजेर	काजेर	काम का
कापड़	कापोड़	कपड़ा
काचाय	काचाय	कचारने में
ठाठ	ठाठ	ठाठ
प्राणाञ्च	प्राणान्तो	प्राण निकलने की स्थिति, जीना दूभर
फुटोकोड़ि	फुटोकोड़ि	फुटिकोड़ी
गिन्नीर	गिन्निर	गृहिनी का, पत्नी का

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. लेखकेर छेले ओ मेयेर कि चाम्प?
लेखकेर छेले ओ मेयेर कि चाइ?
2. झी कोन जिनिश केनार जन्ये बलेछेन?
स्त्रि कोन जिनिश केनार जोन्ने बोलेछेन?
3. लेखक निजे कि केनार जन्ये भाबछेन?
लेखक निजे कि केनार जोन्ने भाबछेन?
4. मेयेर केन नतुन घड़ि चाम्प?
मेयेर कैनो नतुन घोड़ि चाइ?
5. लेखकेर बाड़िते कि काजेर लोक आछे?
लेखकेर बाड़िते कि काजेर लोक आछे?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों के साथ दाहिनी ओर दिए गए शब्दों के सही अर्थ से मिलान कीजिए।

दरकार	झी
दरकार	स्त्रि
गिन्नी	फ्याशान
गिन्नि	फैशान
ठाठ	प्रयोजन
ठाठ	प्रयोजन

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

संसारें आमादेर सवारम्प शान्ति प्रयोजन। जीवने सुख छाड़ाओ आमरा बाँचते
 शंशारे आमादेर शबारइ शान्ति प्रयोजन। जीवने सुख छाड़ाओ आमरा बाँचते
 पारि। शान्ति छाड़ा बाँचा याय ना। रामबाबु सुखी ब्यक्ति। उनि एवं ओनार स्त्रि
 पारि। शान्ति छाड़ा बाँचा जाय ना। रामबाबु सुखि बैक्ति। उनि एवं ओनार स्त्रि
 दुजनेम्प शान्तिप्रिय मानुष। एनादेर काछे आमि सुख शान्तिर रहस्य सम्पर्के
 दुजोनेइ शान्तिप्रियो मानुष। एनादेर काछे आमि सुख शान्तिर रहोश्शो सम्पर्के
 जानते चाम्प। तिनि आमाके ईश्वर साधन ओ सत्पथे थाकते बलेन।
 जानते चाइ। तिनि आमाके ईश्वर साधन ओ सत्पथे थाकते बलेन।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

यह सुपर बज़ार है। यहाँ हमारी आवश्यकता की सब वस्तुएँ मिल जाती हैं। यह
 बज़ार शहर के बीच में है। यहाँ पहुँचना बहुत आसान है। क्या तुम्हें किसी चीज़
 की आवश्यकता है? यहाँ से तुम अपनी आवश्यकता की चीज़ें खरीद सकते हो।

V. नीचे दिए गए शब्दों में से पाठ में आ गए शब्दों को चुनिए।

संसारें	सेक्रेटरी	घड़ि	प्रयोजन	गाड़ी
शंशारे	सेक्रेटारि	घोड़ि	प्रयोजन	गाड़ि
स्त्री	शाड़ी	सम्पर्क	मेशिन	डाक्टर
स्त्रि	शाड़ि	शम्पर्क	मेशिन	डाक्टर
प्रधान	पकै	प्रयोज्य	याওয়া	উকিল
प्रोधान	पकेट	प्रोजोज्जो	जावा	उकिल

VI. बज़ार खरीदी पर जाने से पूर्व आप क्या-क्या तैयारी करेंगे, इस के बारे में पाँच वाक्य बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

- I. सर्वनाम के एक वचन का कर्मकारक रूप बनाने के लिए सर्वनाम के तिर्यक रूप में के (के) जोड़ा जाता है। जैसे :

आमि --- आमाके (आमा + आमि -- आमाके (आमा + के) मुझे

के)	आपनि -- आपनाके (आपना + के)	आपको
आपनि --- आपनाके (आपना +	तुमि -- तोमाके (तोमा + के)	तुम्हें
के)	इनि -- एनाके (एना + के)	इन्हें
तुमि --- तोमाके (तोमा + के)		
अपनि --- एनाके (एना + के)		

II. वाक्यों में क्रिया के स्थान पर **छाप्प** (चाइ), **दरकार** (दरकार) या **प्रयोजन** (प्रयोजन) शब्दों के प्रयोग करने पर कर्ता के साथ सम्बन्ध (षष्ठी) रूप का व्यवहार किया जाता है। हिंदी के समान 'को' का नहीं। जैसे :

आमार छाप्प	आमार चाइ	मुझे को (मुझे) चाहिए
छेलेर छाप्प	छेलेर चाइ	लड़के को चाहिए

इसी प्रकार

आमार दरकार	आमार दरकार	मुझे चाहिए
छेलेर दरकार	छेलेर दरकार	लड़के को चाहिए
आमार प्रयोजन	आमार प्रयोजन	मुझे (मुझ को) चाहिए
छेलेर प्रयोजन	छेलेर प्रयोजन	लड़के को चाहिए

छाप्प (चाइ) क्रियावाले वाक्यों का निषेधात्मक रूप बनाने के लिए 'छाप्प' (चाइ) के बाद 'ना' (ना) लगाया जाता है। जैसे :

आमार छाप्प ना। आमार चाइ ना। मुझे नहीं चाहिए

किन्तु **दरकार** (दरकार) या **प्रयोजन** (प्रयोजन) के बाद **-नेप्प** (-नेइ) का प्रयोग किया जाता है। जैसे :

आमार दरकार नेप्प। आमार दरकार नेइ। मुझे नहीं चाहिए

मुझे नहीं चाहिए

III. इस पाठ में छाछ (आछे) क्रिया का व्यवहार किसी (आदमी या चीज़) के उपस्थित होने के अर्थ में किया गया है। सर्वनाम के अनुसार इस क्रिया के रूप नीचे दिखाए गए हैं। जैसे:

আমি আছি	(আছ + ষ্প)	আমি আছি	(আচ্ছ + ই)	मैं हूँ।
আমার		তিনি, ইনি, আপনি	আছেন (আচ্ছ + এন)	आप हैं।
তিনি, ষ্পনি, আপনি	আছেন (আচ্ছ + এন)	তুমি	আছো (আচ্ছ + ও)	तुम हो।
তুমি	আছো (আচ্ছ + ও)	তুই	আচ্ছিস (আচ্ছ + ষ্পস)	तू है।
তুই	আচ্ছিস (আচ্ছ + ষ্পস)	সে	আছে (আচ্ছ + এ)	वे हैं।
সে	আছে (আচ্ছ + এ)			

इस प्रकार के ‘आछ’ (आछो) क्रियावाले वाक्यों को निषेधात्मक बनाने के लिए आछो के स्थान पर -नैण (नैण्ड) का प्रयोग करना होता है। जैसे :

આમિ આહિ	આમિ નેમ્પ
આમિ આછિ	આમિ નેહ
ૐ આહે	ૐ નેમ્પ
ઓ આછે	ઓ નેહ

द्रष्टव्य : ऐसे निषेधात्मक वाक्यों में सर्वनाम के अनुसार -त्वा (नेइ) में कोई परिवर्तन नहीं होता है।

पाठ 4

बृष्टिर दिने बृष्टिर दिने

बरसात के दिन

बिनय : पंकोजदा, ताड़ाताड़ि दरजा थोलो।
बिनय : पंकोजदा, ताड़ाताड़ि दरजा खोलो।

पंकोज : के बिनय? दाँड़ा, दरजा खुलछि।
पंकोज : के बिनय? दाँड़ा, दरजा खुलछि।

अनेकक्षण थेके तोर जनो

अपेक्षा

अनेकखोन थेके तोर जोन्ने अपेक्षा

करछि। एत देरी केन?
कोरछि। ऐतो देरि कैनो?

बिनय : बाँझरे जोर बृष्टि पड़छे। रास्ताय
बिनय : बाँझरे जोर बृष्टि पोड़छे। रास्ताय

प्रचुर जल। ट्राम, बास चलछे ना।
प्रचुर जल। ट्राम, बास चोलछे ना।

पंकोज : केन रिक्शाओ नेम्प?
पंकोज : कैनो रिक्शाओ नेम्प?

बिनय : कोन रिक्शा एदिके आसते चाँपछे
ना।

बिनय : कोनो रिक्शा एदिके आसते चाँपछे ना।

पथ-घो प्रब अक्काकार। रास्ताय कोन
पथ-घाट शब अन्धोकार। रास्ताय कोनो

आलो जलछे ना। ताम्र तो एत

देरी।

आलो जलछे ना। ताड़ तो ऐतो देरी।

पंकोज : बेश, एम्प तोयालेटा ने। ताड़ाताड़ि
पंकोज : बेश, एम्प तोयालेटा ने। ताड़ाताड़ि

हात, पाँव माथा मोछ। तोर

बिनय : पंकोजदादा, जल्दी से दरवाजा
खोलो।

पंकोज : कौन बिनय? ठहर, दरवाजा
खोलता हूँ। बहुत देर से तेरी
प्रतीक्षा कर रहा हूँ। इतनी देर
क्यों?

बिनय : बाहर बहुत वर्षा हो रही है। रास्ते
में बहुत पानी है। ट्राम, बस आदि
नहीं चल रही हैं।

पंकोज : क्या रिक्शा भी नहीं चलता है?

बिनय : कोई भी रिक्शा इधर नहीं आना
चाहता। रास्ते में सब अंधेरा है।
रास्ते में कोई उजाला नहीं है।

पंकोज : ठीक है, यह तौलिया ले। जल्दी से
हाथ-पाँव और सिर पोंछ ले। मैं
तेरी भाभी को चाय बनाने के लिए

बोउदिके
हाथ, पा ओ माथा मोछ। तोर
बोउदिके

চা করতে বলছি। তুমি চা খা।

আমি
চা কোরতে বোলছি। তুই চা খা। আমি
এক্ষুনি আসছি।
একখুনি আশাছি।

বিনয় : না, না, চায়ের দরকার নেই। তুমি

বিনয় : না, না চায়ের দরকার নেই। তুমি

এখন কোথায় যাচ্ছে?
এখন কোথায় যাচ্ছে?

পঙ্কজ : আমি কালুর দোকান থেকে ডিম

পঙ্কজ : আমি কালুর দোকান থেকে ডিম

আনতে যাচ্ছি। তুমি এখানে বস।
আনতে যাচ্ছি। তুই এখানে বস।

আমি এক্ষুনি আসছি।

আমি একখুনি আশাছি।

বিনয় : শঙ্কু আর রিকু কি করছে?

বিনয় : শঙ্কু আর রিকু কি কোরছে?

পঙ্কজ : আগামী সপ্তাহে ওদের পরীক্ষা শুরু

পঙ্কজ : আগামী সপ্তাহে ওদের পোরিক্ষা শুরু

হচ্ছে। তাম্প ওরা পাশের ঘরে

পড়ছে।

হচ্ছে। তাই ওরা পাশের ঘরে পড়ছে।

বেশ, আমি ওদের ডাকছি।

বেশ, আমি ওদের ডাকছি।

बोलता हूँ। तू चाय पी। मैं अभी
आता हूँ।

विनय : नहीं नहीं, चाय की ज़रूरत नहीं
है। तुम इस समय कहाँ जाते हो?

पंकज : मैं कालू की दुकान से अण्डे लाता
हूँ। तू यहाँ बैठ, मैं अभी आता हूँ।

विनय : शंकू और रिकू क्या करते हैं?

पंकज : अगले सप्ताह से उनकी परीक्षा है।
इसलिए वे पास के कमरे में पढ़
रहे हैं। अच्छा, मैं उन्हें बुलाता हूँ।

विनय : नहीं नहीं, रहने दो। भाभी क्या कर
रही हैं? उनको दिखाई नहीं पड़
रही हैं।

भाभी : कौन, विनय? कैसे हो?

बिनय : ना, ना, थाक। बौदि कि करछे?
बिनय : ना, ना, थाक। बोउदि कि कोरछे?

ओके देखछि ना।
ओके देखछि ना।

बौदि : के, बिनय? केमन आछ?
बोउदि : के बिनय? कैमोन आछो?

बिनय : भाल आछि बौदि।
बिनय : भालो आछि बोउदि।

बौदि : शोन, आज भूमि एथानेम्प थाको।
बोउदि : शोनो, आज तुमि एखानेइ थाको।

बिनय : आज कि विशेष किछु रान्ना इच्छे?
बिनय : आज कि बिशेष किछु रान्ना होच्छे?

बौदि : ईग, आज बर्षार दिन। ताम्प थिछुड़ि
बोउदि : हैं, आज बर्षार दिन। ताइ खिचुड़ि
करछि।
कोरछि।

बिनय : ताम्प, सेम्प रकम गक्कम्प पाछि।

याक,

बिनय : ताइ, शेइ रकोम गन्धोइ पाछि। जाक,
थिछुड़ी छेड़े आज आर नड़छि ना।
खिचुड़ी छेड़े आज आर नोड़छि ना।

बौदि : आमि डिम भाजते याछि। तोमरा
बोउदि : आमि डिम भाजते जाछि। तोमरा

सबाम्प खाबारघरे एसो।
शबाइ खाबारघरे एशो।

बिनय : ठीक हूँ भाभी।

भाभी : सुनो, आज तुम यहीं ठहरो।

बिनय : आज क्या कोई विशेष रसोई है?

भाभी : हाँ, आज बरसात का दिन है।
इसलिए खिचड़ी बनाती हूँ।

बिनय : तभी तो, वैसी ही सुगंध आ रही
है। ठीक है, मैं खिचड़ी छोड़कर
आज नहीं जा रहा हूँ।

भाभी : मैं अण्डे तलती हूँ। तुम सब भोजन
कक्ष में आओ।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
ताड़ताड़ि	ताड़ताड़ि	जल्दी, फ़ौरन
दरजा	दरजा	दरवाज़ा
खोलो	खोलो	खोलो
दाँड़ा	दाँड़ा	ठहर
खुलछि	खुलछि	खोलता हूँ
अनेकख़ोण	अनेकखोन	बहुत देर
थेके	थेके	से
तोर	तोर	तेरा
अपेक्खा	अपेक्खा	प्रतीक्षा
बृष्टि	बृष्टि	वर्षा, बरसात
प्रचुर	प्रचुर	अनेक
जल	जल	जल, पानी
चलछे	चोलछे	चल रहा है
पथ-घो	पथ-घाट	रास्ते
कोन	कोनो	कोई भी
चाँपछे	चाइछे	चाह रहा है
अन्धकार	अन्धोकार	अंधेरा
आलो	आलो	प्रकाश
जोलछे	जोलछे	जल रहा है
नेइ	नेइ	नहीं
आगे	आगे	पहले
पा	पा	पैर
माथा	माथा	सिर, माथा

मोछ	मोछ	पोंछ
बौदिके	बोउदिके	भाभी को
डिम	डिम	अंडा
आनते	आनते	लाने
फिरछि	फिरछि	(वापस) आ रहा हूँ
ओदेर	ओदेर	उनके
परीक्षा	पोरिक्खा	परीक्षा
हच्छे	होच्छे	हो रहा है
डाकछि	डाक्छि	बुला रहा हूँ
देखछि	देखछि	देख रहा हूँ
बर्षार	बर्षार	वर्षा का, बरसात का
ताम्प	ताइ	तभी
गन्ध	गन्धो	गंध
पाच्छि	पाच्छि	पा रहा हूँ
गन्ध पाच्छि	गन्धो पाच्छि	(मुझ) सुगंध आ रही है
छेड़े	छेड़े	छोड़कर
भाजते	भाजते	तलने

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से नये वाक्य बनाइए।

1. दरजा खुलछि। (बन्ध करछि)
दरजा खुलछि। (बंधो कोरछि)

2. তোর জন্যে অপেক্ষা করছি। (দাঁড়িয়ে আছি)
তোর জন্যে অপেক্ষা কোরছি। (দাঁড়িয়ে আছি)
3. বাম্পরে জোর বৃষ্টি পড়ছে। (হচ্ছে)
বাইরে জোর বৃষ্টি পোড়ছে। (হোচ্ছে)
4. ট্রাম বাস চলছে না। (যাচ্ছে)
ট্রাম বাস চোলছে না। (জাচ্ছে)
5. বৌদিকে চা করতে বলছি। (রান্না করতে)
বৌদিকে চা কোরতে বলছি। (রান্না কোরতে)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों को उचित स्थान पर जोड़कर वाक्य बनाइए।

1. दरकार নেম্প।
দরকার নেই।

(চায়ের)
(চায়ের)
(এখন)
(এখনো)
(না, না)
(না, না)

2. অপেক্ষা করছি।
অপেক্ষা কোরছি।

(তোর জন্যে)
(তোর জন্যে)
(অনেকক্ষণ ধরে)
(অনেকখোন ধরে)

3. বৃষ্টি পড়ছে।
বৃষ্টি পোড়ছে।

(জোর)
(জোর)
(বাম্পরে)
(বাইরে)

4. রিক্সা আসতে চাম্পছে না।
রিক্সা আশতে চাড়ছে না।

(কোন)
(কোনো)
(এদিকে)
(এদিকে)

5. ওদের পরীক্ষা শুরু হচ্ছে।

ওদের পোরিক্সা শুরু হচ্ছে।

(আগামী সপ্তাহে)

(আগামী শপ্তাহে)

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি চা _____ । (খাচ্ছি, খাচ্ছেন)
আমি চা _____ । (খাচ্ছি, খাচ্ছেন)
2. তিনি দোকানে _____ । (যাচ্ছেন, যাচ্ছে)
তিনি দোকানে _____ । (জাচ্ছেন, জাচ্ছে)
3. সে দরজা _____ । (খুলছি, খুলছে)
সে দরজা _____ । (খুলছি, খুলছে)
4. বৌদি চা তৈরী _____ । (করছেন, করছি)
বৌদি চা তোড়রি _____ । (কোরছেন, কোরছি)
5. বাম্পরে জোর বৃষ্টি _____ । (হচ্ছি, হচ্ছে)
বাইরে জোর বৃষ্টি _____ । (হোচ্ছি, হোচ্ছে)

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(করছেন, খাচ্ছে, যাচ্ছি, পড়ছো, যাচ্ছেন)

(কোরছেন, খাচ্ছে, জাচ্ছি, পড়ছো, জাচ্ছেন)

1. আপনারা কোথায় _____ ?
আপনারা কোথায় _____ ?

2. আমি বাজারে _____ ।
আমি বাজারে _____ ।
3. সে চা _____ ।
শে চা _____ ।
4. তিনি রান্না _____ ।
তিনি রান্না _____ ।
5. তুমি কি বাংলা _____ ?
তুমি কি বাড়লা _____ ?

V. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. পঙ্কজ কেন দেৱীতে এলো?
পংকজ কৈনো দেৱিতে এলো?
2. কেন ৱিক্ষা চলছে না?
কৈনো ৱিক্ষা চোলছে না?
3. শঙ্কু আর ৱিঙ্কুর পরীক্ষা কবে শুরু হচ্ছে?
শাঁকু আর ৱিংকুর পোরিক্ষা কবে শুরু হোচ্ছে?
4. বর্ষার দিনে কি বিশেষ কিছু রান্না হচ্ছে?
বর্ষার দিনে কি বিশেষ কিছু রান্না হোচ্ছে?
5. কে ডিম ভাজতে যাচ্ছিল?
কে ডিম ভাজতে যাচ্ছিলো?

पढ़िए और समझिए :

একটা পত্র (একটা পত্র) এক পত্র

প্রিয় দিলীপ,
প্রিয়ো দিলীপ,

অনেকদিন পর তোমাকে চিঠি লিখছি। আমরা এখন পুরীতে যাচ্ছি। মাদ্রাজ
অনেকদিন পর তোমাকে চিঠি লিখছি। আমরা এখন পুরীতে যাচ্ছি। মাদ্রাজ

স্টেশনে ট্রেনের জন্যে অপেক্ষা করছি। হাতে প্রায় আধ ঘণ্টা সময়। এখন
স্টেশনে ট্রেনের জন্যে অপেক্ষা করছি। হাতে প্রায় আধ ঘণ্টা সময়। এখন
বিশ্রামালয় থেকে তোমাকে চিঠি লিখছি। কলেজের সবাম্প মিলে দল বেঁধে আমরা
বিশ্রামালয় থেকে তোমাকে চিঠি লিখছি। কলেজের সবাম্প মিলে দল বেঁধে আমরা
বেড়াতে যাচ্ছি। আমাদের সঙ্গে যাচ্ছেন আমাদের অধ্যাপক কিশোরবাবু। বন্ধুরা

অনেকেস্প

বৈঠকে যাচ্ছি। আমাদের শংগে যাচ্ছেন আমাদের অধ্যাপক কিশোরবাবু। বন্ধুরা অনেকেই
স্টেশনে ঘুরছে। কেউ কেউ গল্পের বস্প পড়ছে, কেউ বা বসে বসে গল্প করছে।

অনেকেস্প

স্টেশনে ঘুরছে। কেউ কেউ গল্পের বস্প পড়ছে, কেউ বা বসে বসে গল্প করছে।
টি. ভি. দেখছে। কিশোরবাবু খবরের কাগজ পড়ছেন। আমি লিখছি আর সব মাল

পত্র

টি. ভি. দেখছে। কিশোরবাবু খবরের কাগজ পড়ছেন। আমি লিখছি আর সব মাল পত্র
দেখছি। তাম্প চিঠি লিখতে সময়ও লাগছে বেশী। মাদ্রাজ স্টেশনে অনেকটা হাওড়া
দেখছি। তাই চিঠি লিখতে শোমোয়ও লাগছে বেশি। মাদ্রাজ স্টেশনটা অনেকটা
হাবড়া

স্টেশনের মতো। রেললাস্পন এখানে এসে শেষ। তাম্প স্টেশনের বাড়ি অনেকটা

হাওড়ার

স্টেশনের মতো। রেললাইন এখানে এসে শেষ। তাই স্টেশনের বাড়িটা অনেকটা হাবড়ার
মতো। অনবরত ট্রেন আসছে আর যাচ্ছে। এখান থেকেস্প লোকজনের শব্দ শুনতে
মতো। অনবরত ট্রেন আসছে আর যাচ্ছে। এখান থেকেস্প লোকজনের শব্দ শুনতে
পাচ্ছি। পুরীতে পৌঁছছি মঙ্গলবার সকালে। সেখানে থাকছি প্রায় সাত দিন।

তারপরে

पाच्छि। पुरिते पाँउछोच्छि मोंगोलबार शकाले। शेखाने थाकछि प्राय शात दिन।
तारपरे

कलकाता याच्छि। एबारे आर भुबनेश्वरे याच्छि ना। केनना आमार मामा स्रेसमय

उथाने

कोलकाता जाच्छि। एबारे आर भुबनेश्वरे जाच्छि ना। केनना आमार मामा शेशोमोय ओखाने

थाकछेन ना। उनि गरमेर छूँते दार्जिलिं याच्छेन। तोमार खबर कि? कथामतो

थाकछेन ना। उनि गरमेर छुटिते दार्जिलिं जाच्छेन। तोमार खबोर कि? कथामतो

कलकाताय थाकछो तो? एथानेस्प शेष करछि। ভালबासा जानाच्छि।

कोलकाताय थाकछो तो? एखानेइ शेष कोरछि। भालोबाशा जानाच्छि।

स्पति

इति

बकुल

बोकुल

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
बक्कुके	बोन्धुके	मित्र को
चिठि	चिटि	चिट्टी, पत्र
प्रिय	प्रियो	प्रिय
आध	आध	आधा
दल बैंधे	दल बंधे	एक झुंड
गल्लेर	गल्पेर	कहानी का
पड़छे	पोड़छे	पढ़ रहा है
खबर	खबोर	समाचार
खबरेर	खबोरेर	समाचार का

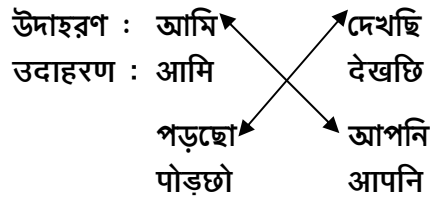
मालपत्र	मालपत्रो	सामान
अनवरत	अनोबरोतो	लगातार, निरंतर
पौछाछि	पाँउछोछि	पहुँच रहा हूँ
सेथाने	शेखाने	वहाँ
थाकछि	थाकछि	रह रहा हूँ
गरमेर	गरोमेर	गर्मी का
छुँति	छुटिते	छुट्टी में
बिश्रामालय	बिश्रामालय	प्रतिक्षालय
भालबासा	भालोबाशा	प्यार

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. पत्र लेखक कोथा थेके चिठि लिखछे?
पत्रो लेखक कोथा थेके चिठि लिखछे?
2. पत्र लेखकेर बक्रुर नाम कि?
पत्रो लेखकेर बोन्धुर नाम कि?
3. पत्र लेखक कोथाय कोथाय बेड़ाते याच्छे?
पत्रो लेखक कोथाय कोथाय बैड़ाते जाच्छे?
4. पत्र लेखकेर मामा कोथाय बेड़ाते याच्छेन?
पत्रो लेखकेर मामा कोथाय बैड़ाते जाच्छेन?

II. दाहिनी ओर के शब्दों को बायीं ओर दिए गए संबंधित शब्दों के साथ मिलाइए।



1. তোমাকে	लिखছি
তোমাके	लिखछि
2. এসে	অধ্যাপক
एशे	ओद्धापक
3. পড়ছে	করে
পড়ছে	कोरे
4. বন্ধু	আমাদের
बान्धु	आमादेर
5. শুনতে	বেড়াতে
शुनते	बैड़ाते

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

প্রিয় বকুল,
প্রিয়ো বোকুল,

তোমার চিঠি পেলাম। আজ কলকাতা বনধ্। তাম্প এখন আমরা
তোমার চিঠি পেলাম। আজ কোলকাতা বনধ্। তাই ऐखोन আমরা
সবাম্প বাড়িতেম্প আছি। তোমাকে এখন চিঠি লিখছি। আমি ও বাবা দুজনেম্প
শবাই বাড়িতেই আছি। তোমাকে ऐखोन চিঠি লিখছি। আমি ओ বাবা দুজোনেই
কলেজে যাম্পনি। রাস্তায় কোন যানবাহন চলছে না। আমি সকাল থেকেম্প
কলেজে জাইনি। রাস্তায় কোনো জানবাহোন চোলচে না। আমি শকাল থেকেই
‘. ভি. দেখছি। ‘. ভি. তে ভারত - পাকিস্তানের খেলা হচ্ছে।
টি. মি. দেখছি। টি. মি. তে ভারত - পাকিস্তানের খেলা হচ্ছে।
তুমি কোলকাতায় আসছ জেনে আমি তোমার জন্যে অপেক্ষা করছি। শেষ
তুমি কোলকাতায় আশাচো জেনে আমি তোমার জোনে অপেক্ষা কোরছি। শোশ
করলাম। বড়দের প্রণাম দিও ও তুমি আমার অনেক ভালবাসা নিও।
কোরলাম। বড়োদের প্রোণাম দিও ओ তুমি আমার অনেক ভালোবাসা নিও।

স্পতি

इति

दिलीप

दिलिप

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

यह हमारे शहर का मुख्य डाकघर है। एक छोटा डाकघर हमारे मुहल्ले में भी है। वह हमारे लिए सुविधाजनक है। हम उसी डाकघर से ही पोस्टकार्ड, लिफ़ाफ़े टिकट आदि खरीदते हैं। तुम्हारे शहर में डाकघर कहाँ है? क्या वह तुम्हारे घर के निकट है? क्या तुम्हारे डाकघर से स्पीडपोस्ट की सुविधा है? हमारे शहर में तो है।

V. नीचे दिए गए शब्दों में से पाठ में आ गए शब्दों को चुनिए।

भूरी	किछूदिन	गन्न	अपेक्षा	दाँड़िए
पुरि	किछुदिन	गल्पो	अपेक्खा	दाँड़िए
विश्रामालय	गरम	देखा	लैशन	आधघण्टा
बिश्रामालय	गरोम	देखा	स्टेशन	आधघण्टा
दल बँधे	छात्र	भालवात्रा	रेडिओ	मार्जिलिं
दल बंधे	छात्रो	भालोबाशा	रेडिओ	मार्जिलिं

VI. यात्रा में रहते हुए आप कौन-कौन सी सावधानियाँ रखते हैं। इस पर एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

- I. इस पाठ में अपूर्ण वर्तमान कालिक क्रियारूपों का व्यवहार किया गया है। यदि धातु स्वरांत होती है तो धातु के तिर्यक रूप के साथ कालवाची प्रत्यय -च्छ (-च्छ) जोड़ा जाता है। यदि धातु व्यंजनान्त होती है तो धातु के तिर्यक रूप में -छ (-छ) जोड़ा जाता है। कालवाचक प्रत्यय लगाने के बाद पुरुष वाचक प्रत्यय जोड़ा जाता है। वर्तमान काल में भिन्न-भिन्न पुरुषों के अनुसार रूप नीचे दिए जा रहे हैं। जैसे :

आमि फिरछि	(फेर + छ + ञ)	मैं आती हूँ।
आमि फिरछि	(फेर + छ + इ)	
आमि याछि	(या + छ + ञ)	मैं जाती हूँ।
आमि जाच्छि	(जा + छ + इ)	

तिनि, उनि, आपनि फिरछेन	(फेर + छ + एन)	वे/आप आते हैं।
तिनि, उनि, आपनि फिरछेन	(फेर + छ + एन)	
आपनि याछेन	(या + छ + एन)	आप जाते हैं।
आपनि जाच्छेन	(जा + छ + एन)	
तुमि फिरछो	(फेर + छ + ओ)	तुम आते हो।
तुमि फिरछो	(फेर + छ + ओ)	
तुमि याछो	(या + छ + ओ)	तुम जाते हो।
तुमि जाछो	(जा + छ + ओ)	
तिनि फिरछेन	(फेर + छ + एन)	वे आते हैं।
तिनि फिरछेन	(फेर + छ + एन)	
तिनि याछेन	(या + छ + एन)	वे जाते हैं।
तिनि जाछेन	(जा + छ + एन)	
से फिरछे	(फेर + छ + ए)	वह आता/आती है।
शे फिरछे	(फेर + छ + ए)	
से याछे	(या + छ + ए)	वह जाता/जाती है।
शे जाछे	(जा + छ + ए)	

उपर्युक्त उदाहरणों में देखिए कि आकारांत धातुओं में कोई परिवर्तन नहीं होता। अन्य सब धातुओं में धातुरूपों का परिवर्तन लिखित रूप में हर समय दृष्टिगत नहीं होता किन्तु उच्चारण में परिलक्षित होता है। कभी लिखित रूप तथा उच्चारण में होता है और कभी सिर्फ उच्चारण में ही होता है, लिखित रूप में नहीं।

आपनि फिरछेन	(फेर + छ + एन)	वे/आप आते हैं।
आपनि फिरछेन	(फेर + छ + एन)	

आपनि करछेन (कर + छ + एन) वे/आप करते हैं।
 आपनि कोरछेन (कोर + छ + एन)

II. निषेधात्मक बनाने के लिए केवल अंत में -ना (-ना) जोड़ा जाता है। जैसे :

बाप चलछे ना। बास चोलछे ना। बस नहीं चलती है।
 आम्नि शाच्छि ना। आम्नि जाच्छि ना। मैं नहीं जाती हूँ।

III. इस पाठ में एक प्रकार की असमापिका क्रिया का व्यवहार सिखाया गया है। क्रिया के तिर्यक रूप के बादमें -ते (-ते) जोड़ने से इस प्रकार की असमापिका क्रिया बनाई जाती है। जैसे :

करते	--	(कर + ते)	करने में
कोरते	--	(कोर + ते)	
येते	--	(या + ते)	जाने में
जेते	--	(जा + ते)	
आप्रते	--	(आप्र + ते)	आने में
आशते	--	(आश + ते)	

पाठ 5

रविवारेर काज
रोबिबारेर काज

रविवार के काम

- रबीन : आजकाल करो कि? तोमाके आर
आर
रोबिन : आजकाल करो कि? तोमाके आर
देखिना केन?
देखिना केनो?
- सुदीप : आजकाल अफिसेर काजे बख्त
सुदिप : आजकाल अफिशेर काजे बैश्तो
थाकि। रात्रे फिरि।
थाकि। रात्रे फिरि।
- रबीन : ओ, ताम्प तोमाके देखते पाम्प
ना।
रोबिन : ओ, ताइ तोमाके देखते पाइ ना।
रविवार ओ छुट्टि दिन कि करो?
रोबिबार ओ छुट्टि दिन कि करो?
- सुदीप : सारा सप्ताह अफिसे काज करि।
सुदिप : शारा सप्ताहो अफिसे काज कोरि।
रविवारम्प एकमात्र छुट्टि थाके।
रोबिबारम्प एकमात्र छुट्टि थाके।
सेदिन आर कोथाओ याम्प ना।
शेदिन आर कोथाओ जाइ ना।
ताछाड़ा बाड़िते अनेक काज
थाके।
ताछाड़ा बाड़िते अनेक काज थाके।
- रॉबिन : आजकल क्या करते हो? दिखाई
क्यों नहीं पड़ते?
- सुदीप : आजकल ऑफिस के काम में व्यस्त
रहता हूँ। रात को लौटता हूँ।
- रॉबिन : ओ, इसी लिए तुम दिखाई नहीं
पड़ते। रविवार और छुट्टी के दिन
क्या करते हो?
- सुदीप : पूरे हफ्ते ऑफिस में काम करता
हूँ। रविवार ही एकमात्र छुट्टी होती
है। उसदिन और कहीं नहीं जाता
हूँ। उसके अलावा घर पर बहुत
काम होते हैं।

रबीन : रविवार आरादिन कि तूमि काज
रोबिन : रोबिबार शारादिन कि तुमि काज

करो?
करो?

सुदीप : ना, ता नय। आपनि तो जानेन,
सुदिप : ना, ता नय। आपनि तो जानेन,
आमि एखाने एकाम्प थाकि।

प्रकाले

आमि एखाने ऐकाइ थाकि। शकाले
घरदोर परिक्षार करि। तारपर
घरदोर पोरिश्कार कोरि। तारपर
मयला जामाकापड़ काचि। दूपुरे
मयला जामाकापोड़ काचि। दुपुरे
रान्नाबान्ना करि। तारपर किछुक्षण
रान्नाबान्ना कोरि। तारपर

किछुक्खोन

घुमोम्प।
घुमोइ।

रबीन : एम्प रविवारे तूमि रान्ना कोरो ना।
रोबिन : एइ रोबिबारे तुमि रान्ना कोरो ना।

दूपुरबेला सन्दीपेर सञ्जे आमार
दुपुरबेला शोन्दिपेर शंगे आमार
बाड़ी एसे येउ।
बाड़ि एशे जेओ।

सुदीप : एके काज करुन, आपनि

आमार
सुदिप : ऐकटा काज कोरुन, आपनि आमार
बाड़ि एसे यान।
बाड़ि एशे जान।

रॉबिन : क्या रविवार तुम दिनभर काम करते हो?

सुदीप : नहीं, ऐसा नहीं है। आप तो जानते हैं, मैं यहाँ अकेला ही रहता हूँ। सुबह घर की साफाई करता हूँ। उसके बाद मैले कपड़े धोता हूँ। दोपहर को खाना बनाता हूँ। और उसके बाद कुछ समय सोता हूँ।

रॉबिन : इस रविवार को तुम खाना मत बनाओ। तुम दोपहर को सन्दीप के साथ हमारे घर पर आ जाओ।

सुदीप : एक काम कीजिए। आप ही हमारे घर आ जाइए।

रॉबिन : मेरी एक समस्या है। रविवार शामको मेरी लड़की नाच सीखने के लिए नृत्यशाला जाती है। मैं भी उसके साथ जाता हूँ। इसलिए

रबीन : आमार आर एक झामेला। रबिवार
रोबिन : आमार आर ऐक झामेला। रोबिवार

सक्रोबेला आमार मेये नाचेर

स्कूले

शोन्धेबैला आमार मेये नाचेर स्कुले

याय। आमिओ सज्जे याम्प। ताम्प

जाय। आमिओ शंगे जाइ। ताइ

रबिवारेओ आमार छुँ नैम्प।

रोबिवारेओ आमार छुटि नेइ।

सूदीप : ठिक आछे। एम्प रबिवार

आमिम्प एसे

सुदीप : ठिक आछे। एइ रोबिवार आमिइ एशे

याव।

जाबो।

रबीन : आच्छा। आमि एथन आसछि।

रोबिन : आछा। आमि ऐखोन आशछि।

रविवार को भी मेरी छुट्टी नहीं
रहती।

सुदीप : ठीक है। इस रविवार को मैं ही आ
जाता हूँ।

रॉबिन : अच्छा, अब मैं चलता हूँ।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
तोमाके	तोमाके	तुमको
रात्रे	रात्रे	रात को
एकमात्र	एकमात्र	एकमात्र
याम्प ना	जाइ ना	जाता नहीं
सारादिन	शारादिन	पूरा दिन, दिन भर
जानेन	जानेन	जानते हैं
घरदोर	घरदोर	घर-द्वार, घर

পরিকার	पोरिश्कार	साफ
ময়লা	मयला	मैला
ঘুমোপ	घुमोइ	सोता हूँ
ঝামেলা	झामेला	समस्या, झमेला
সন্ধ্যাবেলা	शोन्धेबैला	सन्ध्या के समय, शाम को
মেয়ে	मेये	लड़की
নাচের	नाचेर	नाचने का, नाच सिखाने का

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से नये वाक्य बनाइए।

1. আমার মেয়ে নাচ শেখে। (গান)
আমার মেয়ে নাচ শেখে। (গান)
2. আমি কাপড় কাচি। (জামা)
আমি কাপড় কাচি। (জামা)
3. আমি ঘরদোর পরিকার করি। (বাড়ী)
আমি ঘরদোর পোরিষ্কার করি। (বাড়ি)
4. আপনি কি রান্না করেন? (তিনি)
আপনি কি রান্না করেন? (তিনি)
5. আপনি তো আসতে পারেন? (আপনারা)
আপনি তো আসতে পারেন? (আপনারা)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों को उचित स्थान पर प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।

1. रान्नाबान्ना करि। (दुपूरे)
रान्नाबान्ना कोरि। (दुपूरे)

- (आमि)
(आमि)
2. परिष्कार करि। (घरदोर)
पोरिष्कार कोरि। (घरदोर)
(सकाले)
(शकाले)
3. जामाकापड़ काचि। (मयला)
जामाकापोड़ काचि। (मयला)
(तारपर)
(तारपर)
4. आमार मेये याय। (स्कूले)
आमार मेये जाय। (स्कूले)
(नाचेर)
(नाचेर)
(सन्ध्याबेला)
(शान्धेबैला)
(रविबार)
(रोबिबार)

III. उदाहरण के अनुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण : आमि थाच्छि।

उदाहरण : आमि खाच्छि।

आमि थाम्प।

आमि खाइ।

1. आमि चा थाच्छि।
आमि चा खाच्छि।
2. आपनि कि बांला पड़छेन?
आपनि कि बाडला पोड़छेन?

3. সে দোকানে যাচ্ছে।
শে দোকানে যাচ্ছে।
4. তিনি স্কুলে যাচ্ছেন।
তিনি স্কুলে যাচ্ছেন।
5. ঐ মেয়েটি নাচ শিখছে।
ওই মেয়েটি নাচ শিখছে।

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(পড়েন, যায়, যাম্প, শোখো, লেখেন)
(पड़ें, जाय, जाइ, शेखो, लेखें)

1. আমি রোজ বাজারে _____।
আমি রোজ বাজারে _____।
2. আপনি কি কাগজ _____ ?
আপনি কি কাগজ _____ ?
3. সে প্রতিদিন কোথায় _____ ?
শে প্রতিদিন কোথায় _____ ?
4. তিনি ভাল বাংলা _____।
তিনি ভালো বাড়লা _____।
5. তুমি কি নাচ _____ ?
তুমি কি নাচ _____ ?

V. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. আমি নদীতে স্নান করি।
আমি নোদিতে স্নান কোরি।
2. রমেশবাবু সকালে বাজারে যান।
রমেশবাবু শকালে বাজারে জান।

3. তিনি বাংলা শেখেন।
তিনি বাড়লা শেখেন।
4. সে ঠিকসময়ে অফিসে যায়।
শে ঠিকশময়ে অফিশে যায়।
5. আমরা রোজ সন্ধ্যাবেলা টি.ভি. দেখি।
আমরা রোজ শোন্ধ্যাবেলা টি. ভি. দেখি।

VI. आप सारादिन क्या करते हैं? पाँच वाक्यों में बंगला में बोलिए/लिखिए।

पढ़िए और समझिए :

রবীন্দ্রনাথ --- এক মহৎ প্রতিভা রবীন্দ্রনাথ এক মহান প্রতিভা
(রবিন্দ্রনাথ -- এক মহোৎ প্রতিভা)

রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর ১৮৬১ সালে কলকাতায় জন্মগ্রহণ করেন। ছোটবেলা থেকেই
রবিন্দ্রনাথ ঠাকুর ১৮৬৭ সালে কলকাতায় জন্মগ্রহণ করেন। ছোটবেলা থেকেই

তিনি কবিতা লিখতে আরম্ভ করেন। পরিবারে সবাই তাঁকে সেন্স কাজে উৎসাহ দেন।
তিনি কোবিতা লিখতে আরম্ভ করেন। পরিবারে সবাই তাঁকে শেই কাজে উৎসাহ দেন।

রবীন্দ্রনাথ কিছুদিন মাত্র স্কুলে যান। গতানুগতিক শিক্ষা ব্যবস্থা তাঁর পছন্দ
রবিন্দ্রনাথ কিছুদিন মাত্র স্কুলে যান। গতানুগতিক শিক্ষা ব্যবস্থা তাঁর পছন্দ
নয়। পরে সেন্স জন্মে তিনি শান্তিনিকেতনে নতুন ধরনের শিক্ষাব্যবস্থা চালু
করেন।

নয়। পরে শেই জন্মে তিনি শান্তিনিকেতনে নতুন ধরনের শিক্ষা ব্যবস্থা চালু করেন।

রবীন্দ্রনাথের প্রথম পরিচয় কবি হিসেবে। কিন্তু সাহিত্যের সব শাখায় তিনি তাঁর
রবিন্দ্রনাথের প্রথম পরিচয় কবি হিসেবে। কিন্তু সাহিত্যের সব শাখায় তিনি তাঁর
প্রতিভার স্বাক্ষর রাখেন। ১৯১৩ সালে সাহিত্যে নোবেল পুরস্কার পান। রবীন্দ্রনাথ
প্রতিভার স্বাক্ষর রাখেন। ১৯১৩ সালে সাহিত্যে নোবেল পুরস্কার পান। রবিন্দ্রনাথ
এশিয়ার মধ্যে প্রথম এম্প পুরস্কার পান। শুধু সাহিত্যে নয়, চিত্রশিল্পী হিসেবেও

তিনি

এশিয়ার মধ্যে প্রথম এম্প পুরস্কার পান। শুধু সাহিত্যে নয়, চিত্রশিল্পী হিসেবেও তিনি

बिख्यात। जीवनेर শেষेर दिके तिनि छवि आँकते आरंभ करेन। एम्प सब छवि
बिख्यातो। जीवनेर शेषेर दिके तिनि छोबि आँकते आरम्भो करेन। एइ शब छोबि
पृथिवीर विभिन्न चित्रशालाय आछे। रबीन्द्रनाथेर दूँ गान दूँ देशेर जातीय

सङ्गीत।

पृथिवीर विभिन्नो चित्रशालाय आछे। रबीन्द्रनाथेर दुटि गान दुटि देशेर जातियो
शङ्गीत।

“जनगणमन अधिनायक जय हे” भारतेर जातीय सङ्गीत एवं “आमार सोनार
“जनोगनोमनो अधिनायको जयो हे” भारोतेर जातियो शङ्गीत एवं “आमार शोनार
बाङ्ला” बाङ्लादेशेर जातीय सङ्गीत।

बाङ्ला” बाङ्लादेशेर जातियो शङ्गीत।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	उच्चारण	अर्थ
गतानुगतिक	गतानुगतिक	पारंपरिक
छोबेला	छोटोबैला	बचपन
कविता	कोबिता	कविता
परिवारे	पोरिबारे	परिवार में
ताँके	ताँके	उनको
उत्साह	उत्साहो	उत्साह
देन	देन	देते हैं
पछन्द	पछोन्दो	पसंद
धरनेर	धरोनेर	ढंग की, प्रकार की
शाखाय	शाखाय	शाखा में
प्रतिभार	प्रोतिभार	प्रतिभा का
जीवनेर	जिबनेर	जीवन का
छोबि	छोबि	तस्वीर, चित्र
छवि	आरोम्भो	शुरुवात
आरंभ		

দেশের	देशे	देश की
জাতীয়	जातियो	राष्ट्रीय
সঙ্গীত	शोंगित	गीत, संगीत, गाना
মহৎ	महोत	महान

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর কোথায় জন্মগ্রহণ করেন ?
रोबिन्द्रनाथ ठाकुर कोथाय जन्मोग्रहोन करेन?
2. শান্তিনিকেতনে রবীন্দ্রনাথ কি ধরনের শিক্ষা ব্যবস্থা চালু করেন ?
शांतिनिकेतने रोबिन्द्रोनाथ कि धरोनेर शिक्खा बैबोस्था चालु करेन?
3. রবীন্দ্রনাথের প্রধান পরিচয় কি ?
रोबिन्द्रनाथेर प्रोधान पोरिचय कि?
4. साहित्य छाड़ा आर कोन् विषये रवीन्द्रनाथेर प्रतिभार परिचय पाওয়া যায় ?
शाहित्तो छाड़ा आर कोन् बिशये रोबिन्द्रोनाथेर प्रोतिभार पोरिचय पावा जाय?
5. रवीन्द्रनाथ कोन् कोन् देशेर जातीय सङ्गीत रचना करेन ?
रोबिन्द्रोनाथ कोन् कोन् देशेर जातियो शोंगित रचना करेन?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों के साथ दाहिनी ओर दिए गए शब्दों के सही अर्थ से मिलान कीजिए।

- | | |
|------------|--------------|
| 1. साहित्य | शेष |
| शाहित्तो | शेश |
| 2. आरम्भ | लेखन |
| आरोम्भो | लेखेन |
| 3. करेन | चित्रशिल्पी |
| करेन | चित्रोशिल्पि |

- | | |
|----------|--------|
| 4. আঁকেন | সঙ্গে |
| আঁকেন | শংগে |
| 5. থেকে | রাগ্না |
| থেকে | রান্না |

III. হিন্দি में अनुवाद कीजिए।

শরদিন্দু বন্দ্যোপাধ্যায় বাংলাদেশের এক অন্যতম বিখ্যাত সাহিত্যিক প্রতিভা।
 শরদিন্দু বন্দ্যোপাধ্যায় বাংলাদেশের এক অন্যতম বিখ্যাত সাহিত্যিক প্রতিভা।
 তিনি বাংলা ভাষায় বহু সাহিত্য রচনা করেন। তাঁর রচনায় মানবজীবনের ছোট
 তিনি বাংলা ভাষায় বহু সাহিত্য রচনা করেন। তাঁর রচনায় মানবজীবনের ছোট
 বড় চাওয়া পাওয়া ও তাঁর জীবনের নিজস্ব অভিজ্ঞতার মিলন ঘটে। তিনি
 বড় চাওয়া পাওয়া ও তাঁর জীবনের নিজস্ব অভিজ্ঞতার মিলন ঘটে। তিনি
 মুম্বইর শহরে সম্ভ্রান্ত পরিবারে জন্মগ্রহণ করেন। তিনি তাঁর ছোটবেলা মুম্বইর
 মুম্বইর শহরে সম্ভ্রান্ত পরিবারে জন্মগ্রহণ করেন। তিনি তাঁর ছোটবেলা মুম্বইর
 কৌণ এবং তিনি ছাত্র জীবন থেকেই সাহিত্য রচনা আরম্ভ করেন। তিনি নানা
 কৌণ এবং তিনি ছাত্র জীবন থেকেই সাহিত্য রচনা আরম্ভ করেন। তিনি নানা
 ধরনের গল্প লেখেন। যেমন -- উপন্যাস, ছোটগল্প ও নৌক। তবে তিনি
 ধরনের গল্প লেখেন। যেমন -- উপন্যাস, ছোটগল্প ও নৌক। তবে তিনি
 সিনেমার স্ক্রিপ্টও রচনা করেন।
 সিনেমার স্ক্রিপ্টও রচনা করেন।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

यह चित्र किस कवि का है? यह चित्र रवींद्रनाथ ठाकुर का है। रवींद्रनाथ ठाकुर
 बंगला भाषा के महान कवि हैं। और वह चित्र? वह चित्र तो शरत्चंद्र चट्टोपाध्याय
 का है। शरत्चंद्र चट्टोपाध्याय, बंगला भाषा के महान लेखक हैं। हिंदी भाषा के एक
 महान कवि हैं जयशंकर प्रसाद। वे हिंदी भाषा के महान लेखक भी हैं। हमें अपने
 सभी साहित्यकारों पर गर्व है।

V. नीचे दिए गए शब्दों में से पाठ में आ गए शब्दों को चुनिए।

रवीन्द्रनाथ	अप्रमिया	जन्मग्रहण	शिक्षा	द्वितीय
रोबिन्द्रनाथ	अशोमिया	जन्मोग्रोहोन	शिक्षा	दितियो
प्रथम	मूर्शिदाबाद	एशिया	आशा	पूरुष्कार
प्रथोम	मुर्शिदाबाद	एशिया	आशा	पुरोश्कार
विश्रात	शाखा	अप्रमिधरण	जातीय	शास्त्र
बिक्खातो	शाखा	अशाधारोन	जातियो	शाक्खोर

VI. अपने भाषा के प्रिय कवि के बारे में एक छोटा अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. बंगला में दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ने के लिए ‘ও’ (ओ), ‘আর’ (आर) अथवा ‘এবং’ (एवं) का प्रयोग किया जाता है। जैसे :

রবিবার ও ছুটির দিন।	रविवार और छुट्टी के दिन
रोबिबार ओ छुटिर दिन।	
আমি আর তুমি।	मैं और तुम
आमि आर तुमि।	

রবীন্দ্রনাথের গান -- ‘জনগণমন অধিনায়ক জয় হে’ ভারতের জাতীয় সঙ্গীত
 রোবিন্দ্রনাথের গান -- ‘जनोगनोमनो अधिनायको जयो हे’ भारोतेर जातीयो शोंगित
 এবং ‘আমার সোনার বাংলা’ বাংলাদেশের জাতীয় সঙ্গীত।
 एवं ‘आमार शोनार बाङ्ला’ बाङ्लादेशेर जातीयो शोंगित।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर का गीत ‘जनगणमन अधिनायक जय है’ भारत का राष्ट्रगीत है एवं
 उन की ‘सोनार बंगला’ बंगला देश का राष्ट्रगीत है।

‘उ’ (ओ) शब्द बंगला में ‘प्रश्न’ (शोहित), (साथ) के अर्थ में भी प्रयुक्त होता है। इस प्रकार के प्रयोगों में हिंदीमें ‘भी’ शब्द प्रयुक्त होता है। जैसे:

आमिओ याच्छि। मैं भी जा रहा हूँ।
आमिओ जाच्छि।

II. इस पाठ में सामान्य वर्तमान कालिक क्रिया रूप का व्यवहार दिखाया गया है। धातु के पीछे पुरुष वाचक प्रत्यय लगाकर क्रिया का सामान्य वर्तमान काल का रूप बन जाता है। जैसे :

आमि करि।	(कर + ण)। मैं करता/करती हूँ
आमि कोरि।	(कर + इ)।
तिनि, णनि, आपनि करेन	(कर + एन)। वे/आप करते/करती हैं।
तिनि, इनि, आपनि करेन	(कर + एन)।
तुमि करे	(कर + उ)। तुम करो/तुम करते हो।
तुमि करो	(कर + ओ)।
तुमि करिष	(कर + णिष) तू कर/तू करता है।
तुइ कोरिष	(कर + इष)
से करे	(कर + ए) वह करता है।
शे करे	(कर + ए)

उपर्युक्त क्रियारूपों के निषेधात्मक रूप बनाने के लिए धातु रूपों के बाद ना (ना) लगाना होता है। जैसे :

आमि याँण ना।	मैं नहीं जाता/जाती हूँ।
आमि जाइ ना।	
आमि देखि ना ।	मैं नहीं देखता/देखती हूँ।
आमि देखि ना।	

पाठ 6 पाठ

रेल्वे कि को

१म व्यक्ति : हाउडार एका कि दिन।

अनुसन्धान : एा अनुसन्धान अफिस।

सहायक हाउडार कि चार नम्बर
काउन्सिले दिछे।

१म व्यक्ति : आच्छा दादा, एा कि चार नम्बर
काउन्सिले लाम्पन?

२य व्यक्ति : हाँ, एा चार नम्बर काउन्सिले
लाम्पन।

१म व्यक्ति : एथाने कि हाउडार कि
दिछे?

२य व्यक्ति : हाँ, दिछे।

१म व्यक्ति : आपनि कि हाउडा याछेन?

२य व्यक्ति : ना, आमि हाउडा याछि ना।
आमि याछि बेनारसे। मे
मासे गरमेर छु पड़छे।
ताम्प एत तीड़। से जन्याम्प

रेल का टिकट कटवाना

पहला व्यक्ति : हावड़ा का एक टिकट
दीजिए।

पूछताछ : यह पूछताछ कार्यालय है।
सहायक हावड़ा का टिकट चार नंबर
खिड़की पर देते हैं।

पहला व्यक्ति : अच्छा दादा, क्या यह चार
नंबर खिड़की की लाइन
(लगी) है?

दूसरा व्यक्ति : हाँ, यह चार नंबर खिड़की की
लाइन है।

पहला व्यक्ति : क्या यहाँ हावड़ा का टिकट
देते हैं?

दूसरा व्यक्ति : हाँ, देते हैं।

पहला व्यक्ति : क्या आप हावड़ा जा रहे हैं?

दूसरा व्यक्ति : नहीं, मैं हावड़ा नहीं जा रहा
हूँ। मैं बनारस जा रहा हूँ। मई
महीने में गर्मी की छुट्टी है। इन
दिनों बहुत भीड़ है। इसलिए
पहले से ही टिकट कटवा रहा
हूँ। मैं प्रतिवर्ष इसी समय
बनारस जाता हूँ।

আগে থেকেম্প কি কৌছি।
প্রত্যেক বছর আমি এম্প
সময়ে যাম্প।

১ম ব্যক্তি : আপনি কবেকার কি
কৌছেন?

২য় ব্যক্তি : আমি ৪ঠা মের কি কৌছি।
আপনি?

১ম ব্যক্তি : আমার ৭ম্প মের কি চাম্প।
জানিনা ঐ দিনের কি আছে
কিনা?

২য় ব্যক্তি : এখন তো সবে এপ্রিল। এখনও
তো অনেকদিন সময় আছে।
মে মাসের প্রায় সব দিনের
কি আছে। ঐ দেখুন, বোর্ডে
সবুজ আলো জ্বলছে।

১ম ব্যক্তি : আপনি কি একাম্প যাচ্ছেন?

২য় ব্যক্তি : না. না, আমার স্ত্রী ও ছেলে
সঙ্গে যাচ্ছে। ছেলের ছুঁ পড়ছে
১লা মে। ২রা মে আমার এক
বন্ধুর গৃহপ্রবেশ। ওরা মে আর
যাচ্ছি না। একেবারে ৪ঠা মে
তে যাচ্ছি। আপনি কি পরিবার

পহলা ব্যক্তি :আপ কব কা টিকট কটবা रहे
हैं?

दूसरा व्यक्ति :मैं ४ मई का टिकट कटवा
रहा हूँ। आप?

पहला व्यक्ति :मुझे ७ मई का टिकट चाहिए।
पता नहीं उस दिन का टिकट
उपलब्ध है या नहीं।

दूसरा व्यक्ति :अभी तो अप्रैल का प्रारंभ है।
अभी तो बहुत समय है। मई
महीने के प्रायः सभी दिनों का
टिकट (उपलब्ध) है। वह
देखिए, पटल पर हरा प्रकाश
जल रहा है।

पहला व्यक्ति :क्या आप अकेले ही जा रहे
हैं?

दूसरा व्यक्ति :नहीं नहीं, मेरी पत्नी और
बच्चे साथ जा रहे हैं। बच्चे
की छुट्टी पहली मई से हो रही
है। दूसरी मई को मेरे एक
मित्र के यहाँ गृह प्रवेश है।
(और) तीसरी मई को मैं नहीं
जा रहा हूँ। चार को जा रहा
हूँ। क्या आप परिवार के साथ
जा रहे हैं?

पहला व्यक्ति :नहीं, मैं अकेला ही जा रहा
हूँ। कलकत्ते में मेरा कुछ काम
है। इसलिए जा रहा हूँ।
आश्चर्य है! इतना समय क्यों
लग रहा है? देख रहा हूँ,
लाइन उतनी ही है। कम क्यों

সহ যাচ্ছেন?

নहीं हो रही है।

১ম ব্যক্তি : না, আমি একাঙ্গ যাচ্ছি।
কলকাতায় আমার কিছু কাজ
আছে তাঙ্গ যাচ্ছি। কি
আশ্চর্য! এত সময় লাগছে
কেন? দেখছি, লাঙ্গন একঙ্গ
আছে। কমছে না তো।

दूसरा व्यक्ति : अरे श्रीमान जी, यहाँ कम्प्यूटर
नहीं है। इसलिए थोड़ा अधिक
समय लग रहा है। आगे केवल
दो लोग और हैं।

২য় ব্যক্তি : আরে মশাঙ্গ, এখানে
কমপিউার নেঙ্গ। তাঙ্গ একু
বেশী সময় লাগছে। সামনে
তো আর মাত্র দুজন আছে।

पहला व्यक्ति : पर मेरा ऑफिस का समय हो
रहा है, क्या करूँ?

दूसरा व्यक्ति : आप क्यों चिंता कर रह हैं?
आप हमारे आगे आ जाइए।
मुझे जल्दी नहीं है।

১ম ব্যক্তি : আমার আবার অফিসের সময়
হচ্ছে। কি যে করি?

पहला व्यक्ति : सच में, आजकल आप जैसे
लोग बहुत कम हैं। बहुत बहुत
धन्यवाद।

২য় ব্যক্তি : আপনি ভাবছেন কেন? আপনি
আমার আগে আসুন। আমার
তাড়া নেঙ্গ।

दूसरा व्यक्ति : नहीं नहीं, कोई बात नहीं।
वह देखिए, आपके आगे के
सज्जन (चले) जा रहे हैं। अब
आप टिकट कटा लीजिए।

১ম ব্যক্তি : সত্যি, আজকাল আপনার
মতো লোক খুব কম আছে।

অনেক ধন্যবাদ।

২য় ব্যক্তি : না, না ও কিছু নয়। ওস্প
দেখুন, আপনার সামনের
ভদ্রলোক চলে যাচ্ছেন। এবার
আপনি কি কৌন।

শাব্দার্থ

বংগলা শাব্দ	অর্থ
১ম	পহলা
অনুসন্ধান	পুচ্ছতাচ্ছ
মাসে	মহীনে মেন্
গরমের	গর্মী কা
কবেকার	কব কা
৪ঠা	চার কা
৭স্প	সাত কা
জানি	জানতা হুঁ
ঐদিনের	উস দিন কা
সবে	প্রারম্ভ
সবুজ	হরা
ছেলে	লড়কা
১লা	পহলা
	দুসরা

২রা	ঘর
গৃহ	প্রবেশ
প্রবেশ	তীসরা
৩রা	চিন্তা করা
ভাবছেন	ইস বার
এবার	

অভ্যাস

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए।

- আমি রোজ বাজারে যাম্প। (স্কুলে, অফিসে)
- আপনি কি কাগজ পড়ছেন? (বম্প, পত্রিকা)
- আমরা বাংলা পড়ছি। (লিখছি, শুনছি)
- সে চিঠি লিখছে। (পড়ছে, দিচ্ছে)
- আমি কাপড় কিনছি। (কাচছি, ধুচ্ছি)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

- আমি এখন বাংলা _____। (লিখছি, লিখি)
- আপনি এখন কি _____? (করেন, করছেন)
- সে রোজ বাজারে _____। (যায়, যাচ্ছে)
- তারা আগামী রবিবার কোথাও _____ না। (যাচ্ছে, যায়)
- তিনি আগামী মাসে কলকাতা _____। (যান, যাচ্ছেন)

III. उदाहरण के अनुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए।

উদাহরণ :

আমি লিখি।

আমি লিখছি।

1. আমি বাংলা বস্প পড়ি।
2. আমি বেনারসে যাস্প।
3. সে বাজারে যায়।
4. তিনি কাগজ পড়েন।
5. তুমি কি বাজারে যাও?

IV. নীচে दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. আমি রোজ অফিসে যাস্প।
2. সে ভুবনেশ্বরে যচ্ছে।
3. তারা ঐ দোকানে কাপড় কেনে।
4. আমরা ছুঁতে দিল্লী যাচ্ছি।
5. রমেশ সাঁতার কাঁছে।

V. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(যাচ্ছেন, পড়ে, খেলছে, লিখছে, বেড়ায়)

1. সে রোজ ভোরবেলা _____ ।
2. তিনি সিনেমা _____ ।
3. রাজু রোজ বাংলা কাগজ _____ ।
4. স্পন্দিতা এখন পার্কে _____ ।
5. সুমনা চিঠি _____ ।

पढ़िए और समझिए :

रूपनारायण नदीर रमनीयता रूपनारायण नदी की रमणीयता

আমরা রোজ সকালে নদীর ধারে বেড়াতে যাম্প। আমাদের গ্রামের পাশেই নদী। নদীর নাম রূপনারায়াণ। নদী খুবস্প চওড়া। আমরা রোজ সূর্য উঠতে দেখি। তা দেখতে আমাদের ভালো লাগে। পাখী ডাকে। নদীতে মাছের ঝাঁক এঁকে বেঁকে চলে। দূরে নৌকাও যায়। এসবস্প প্রতিদিনের দৃশ্য। তবুও কোনদিন তা খারাপ লাগে না। আমরা কয়েকজন ঝু মিলে প্রত্যেক দিন সকালে নদীর ধারে দৌড়োম্প। একমাত্র বর্ষাকালে যাম্প না। কেননা তখন বৃষ্টি পড়ে। শীতকালে অবশ্য ঠিক যাম্প। গ্রামের সকালের দৃশ্য খুবস্প মনোরম। শহরের লোকেরা তা দেখতে পায় না। ধুলো ও ধোঁয়া ভর্তি। তাম্প গ্রামের লোকদের অসুখও কম করে। সর্দি কাশি প্রভৃতি রোগ তাম্প শহরে বেশী।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	अर्थ
रोज	रोज़
धारे	किनारे
बेड़ाते	टहलने, घूमने
चोड़ा	चौड़ा
पाखी	पक्षी
झांक	झुंड
एँके-बेँके	टेढ़ा-मेढ़ा
दौड़ोम্প	दौड़ते हैं
मनोरम	मनोरम
धूलो	धूल
	धुँआ

ধোঁয়া	রোগ
অসুখ	জুকাম
সর্দি	খাঁসি
কাশি	রমণীয়তা
রমণীয়তা	

অভ্যাস

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. উত্তরে বর্ণিত নদীদির নাম কি?
2. সকালে নদীর ধারে কি দেখা যায়?
3. শহরের পরিবেশ কেমন?
4. গ্রামের সঙ্গে শহরের পরিবেশের পার্থক্য কোথায়?
5. শহরে কোন্ ধরনের রোগ বেশী?

II. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

আমার বাড়ি কোলকাতায়। কোলকাতা শহর গঙ্গার উপকণ্ঠে অবস্থিত। ভারতের চারটি মহানগরের মধ্যে কোলকাতাও একটি আধুনিক শহর। কোলকাতায় একস্প সাথে বহু পেশা, বহু ভাষার মানুষ বসবাস করেন। এখানে এখনও কাজের চাহিদা আছে। কোলকাতায় রোজস্প বহু লোক কাজের তাগিদে আসছে আর যাচ্ছে। কোলকাতায় চারিদিক সবুজ গাছপালায় পূর্ণ। কোলকাতায় ধুলো, ধূয়ো থাকলেও কোলকাতা অতি মনোরম। আমরা কোলকাতাবাসীরা কোলকাতাকে ভালবাসি।

III. बंगला में अनुवाद कीजिए।

यह एक नदी है। इसका तट बहुत सुंदर है। इसका पानी निर्मल और ठंडा है। इसके दोनों तटों पर बहुत से पेड़ लगे हैं। कुछ पेड़ केवल छायादार हैं। कुछ पेड़ फलदार भी हैं। रंग बिरंगे फूलों के पौधे तो बहुत हैं। तट के पास एक बगीचा भी है। बगीचे के फर्श पर कोमल और हरी-हरी दूब है। बगीचे में गुलाब, गेंदा, जूही, रजनीगंधा आदि के फूल खिले हैं। नदी तट पर घूमना बहुत आनंददायक है।

IV. नीचे कुछ ऐसे शब्द दिए गए हैं, जो पाठ में नहीं हैं। ऐसे शब्दों को रेखांकित कीजिए।

নদী	সাগর	সমুদ্র
প্রতিদিন	রোজ	পরিবেশ
অসুস্থ	অসুখ	ধুলো
বালি	কাদা	মনোরম
রমনীয়তা	প্রান্তে	ধারে
কারণ	কেননা	কোনোদিন

V. किसी भी पहाड़ के विषय में एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

कोलकाता भ्रमण

कोलकाता भ्रमण

मिश्र : जानें ब्यानाजीबाबू, कल खूब
बेड़ालाम। पर्यन बिभागेर
गाड़ीते सारा कोलकाता घुरलाम।

मिश्र : जानते हैं बनर्जीबाबू, कल मैं खूब
घूमा। पर्यटन विभाग की गाड़ी से
सारा कोलकाता घूम लिया है।

ब्यानाजी : कोथाय कोथाय गेलें?

बनर्जी : कहाँ कहाँ गए?

मिश्र : प्रथमेष्वर दक्षिणेश्वर गेलाम।
प्राय नैर समय सेथाने
पौछलाम। सेथाने गङ्गाय स्नान
करलाम। तारपर पूजा दिलाय।
सकालवेला बेशि तीड़ छिल ना।
ताम्प पूजा दिते देरी हल ना।
मन्दिरेर चारदिकी घुरे देखलाम।
मन्दिरेर परिवेश खूब सुन्दर।
गङ्गार धारे मन्दिर। तारपर
दक्षिणेश्वर थेके आमरा बेलुड़
गेलाम।

मिश्र : पहले दक्षिणेश्वर गए। हम प्रायः नौ
बजे वहाँ पहुँच गए। वहाँ गंगा में
स्नान किए। उसके बाद पूजा की।
सुबह के समय अधिक भीड़ नहीं
थी। इसलिए पूजा (करने) में देर
नहीं लगी। मैंने मंदिर के चारों ओर
घूम कर देखा। मंदिर का परिवेश
खुब सुंदर है। मंदिर गंगा के किनारे
पर है। उसके बाद दक्षिणेश्वर से
हम बेलुड़ गए।

बनर्जी : दक्षिणेश्वर से बेलुड़ कैसे गए?

ब्यानाजी : दक्षिणेश्वर थेके बेलुड़ कि करे
गेलें?

मिश्र : बेशीरभाग लोकम्प बासे
गेलें। किन्तु आमरा

मिश्र : अधिकतर लोग तो बस से गए।
किंतु हम कुछ लोग बस से नहीं
गए। हमलोग बस से न

कयैकजन बासे
 गेलाम ना। आमरा बासे ना गिये
 नौकोय गेलाम। नौकोय करे
 येते खुब ভাল लागल। बेलुडे
 प्राय एक घण्टा छिलाम। तारपर
 सोजा मिडजियाम गेलाम।
 मिडजियाम देखते अनेक समय
 लागल। मिडजियाम थेके बेरिये
 आमरा दुपुऱेर खाबार खेलाम।
 तारपर भिक्कोरिया देखे आमरा
 चिड़ियाखाना गेलाम। बिकेलबेला
 चिड़ियाखाना देखे फिरलाम।

जाकर नाव से गए। नाव से जाने
 पर बहुत अच्छा लगा।
 हमलोग बेलुड़ में लगभग एक घण्टा
 रहे। उसके बाद सीधे ‘म्यूज़ियम’
 गए। म्यूज़ियम देखने में हमें बहुत
 समय लगा। म्यूज़ियम से निकलकर
 हमलोगोंने दोपहर का खाना खाया।
 उसके बाद ‘विक्टोरिया’ देखकर
 हम सब चिड़ियाघर गए। शामको
 चिड़ियाघर देखकर वापस लौट
 आए।

बनर्जी : और कुछ नहीं देखा?

ब्यानार्जी : आर किछु देखलैन ना?

मिश्र : कोलकाता बहुत बड़ा शहर है।
 एकदिन में सब कुछ देखना संभव
 नहीं है।

मिश्र : कोलकाता खुब बड़ शहर।
 एकदिने सब किछु देखा संभव
 नय।

बनर्जी : आप तो अभी कोलकाता में ही
 हैं। धीरे धीरे सब कुछ देख सकते
 हैं। कालीघाट, बोटानिकल गार्डन,
 मार्बल पैलेस, परेशनाथ का मंदिर
 ये सब देखने लायक जगह हैं।

ब्यानार्जी : आपनि तो एखन कोलकातातेस्प
 आछैन। आस्ते आस्ते सबकिछु
 देखते पारैन। कालीघा,
 बौनिक्याल गार्डेन, मार्बेल
 प्यालेस, परेशनाथेर मन्दिर एसब

দেখার মতো জায়গা।

शब्दार्थ

বংলা শব্দ	অর্থ
ভ্রমণ	भ्रमण
কাল	कल
পর্যটন	पर्यटन
বিভাগের	विभाग का, विभागीय
গেলেন	गए
প্রথমেষ্ট	पहले ही
নৌর	नौ बजे
স্নান	स्नान
পূজা	पूजा
চারিদিক	चारों ओर
ঘুরে	घूमकर
দেখলাম	देखा
পরিবেশ	परिवेश
কয়েকজন	कुछ लोग
না গিয়ে	न जाकर
নৌকা	नौका, नाव
যেতে	जाने में
সোজা	सीधे
দেখতে	देखने में
দুপুরের	दोपहर का
খেলাম	खाया
	चिड़ियाघर

चिड़ियाखाना	एकदिन में
	देखना
एकदिने	संभव
देखा	धीरे
संभव	जगह
आखे	लौट आए
जायगा	
फिरलाम	

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. आपनि काल कि देखलें ? (खेलें, पढ़लें)
2. आमि दोकाने गेलाम। (बाजारे, बङ्कुर बाड़ीते)
3. आपनि कि सिनेमा देखलें? (चि.भि., कागज)
4. आमरा काल फुबल खेललाम। (क्रिकेट, हकी)
5. तिनि अफिसे गेलें। (तौरा, ठौरा)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

1. आपनि काल कोथाय _____ ? (यान, गेलें)
2. तूमि कि कार्जि _____ ? (करले, कर)
3. तिनि गत रबिबारे हायद्राबादे _____ । (यान, गेलें)

4. রবি কাল দোকানে _____ । (গেল, যায়)
5. রমেশবাবু হঠাৎ দিল্লী _____ । (গেলেন, যান)

III. উদাহরণ কে অনুসার বাক্যों का परिवर्तन कीजिए।

উদাহরণ :

আমি ভাত খাম্প।

আমি ভাত খেলাম।

1. বীনা খবরের কাগজ পড়ে।
2. রমা চিঠি লেখে।
3. ডাক্তারবাবু রোগী দেখেন।
4. আমি বাংলা পড়ি।
5. সে বাজারে যায়।

IV. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. সবাম্প বাজারে গেলেন।
2. আমি কাগজ পড়লাম।
3. সে সাঁতার কৌল।
4. রমেন ফুঁ বল খেলল।
5. রমলা রান্না করল।

V. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. বিমলা এম্প বম্পা _____ ।
2. সে দোকান থেকে এম্প জিনিসা _____ ।
3. আমি একা বাংলা সিনেমা _____ ।

4. आमरा काल कोथाँउ _____ ना।

5. তিনি গত রবিবারে দিল্লীতে _____।

पढ़िए और समझिए :

स्वदेश प्रेम स्वदेश प्रेम

আমার বন্ধু গৌতম ভৌমিক কদিন আগেম্প আমেরিকা থেকে ফিরলেন। তিনি অনেকদিন আমেরিকায় ছিলেন। ওখানের একি বিশ্ববিদ্যালয়ে রসায়ন শাস্ত্রের অধ্যাপক ছিলেন। কিন্তু বিদেশে বেশীদিন ভাল লাগল না। তাম্প দেশে ফিরলেন। এখন উনি কোলকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের অধ্যাপক। অধ্যাপক ভৌমিকের মতো অনেকম্প এখন বিদেশ থেকে ফিরে আসছেন। দেশের কাজে আত্মনিয়োগ করছেন। কিন্তু সবাম্প এখানে কাজ পাচ্ছে না। অনেকম্প দেশে ফিরতে চান। কিন্তু উপযুক্ত কাজের অভাবে ফিরতে পারেন না। তাম্প দেশে এখন উপযুক্ত পরিবেশ দরকার।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	अर्थ
ওখানের	वहाँ का
রসায়ন	रसायन
শাস্ত্রের	शास्त्र का
বিদেশে	विदेश में
করছেন	कर रहे हैं
পাচ্ছেন	पा रहे हैं

উপযুক্ত	উপযুক্ত
অভাবে	অभाव में
দরকার	आवश्यक

অভ্যাস

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. অধ্যাপক গৌতম ভৌমিক কোন দেশ থেকে ফিরলেন?
2. অধ্যাপক ভৌমিক কোন বিষয়ের অধ্যাপক?
3. অধ্যাপক ভৌমিক এখন কি করছেন?
4. বিদেশ থেকে অধ্যাপক ভৌমিক কেন ফিরলেন?
5. বিদেশ থেকে ভারতীয়রা ফিরছেন না কেন?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों के साथ दाहिनी ओर दिए गए शब्दों के सही अर्थ से मिलान कीजिए।

ছিলেন	করছেন
এখানে	কিছু কিছু
পাচ্ছেন	দুঁ
একঁ	ফিরলেন
অনেক	সেখানে

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

माम्पकेल मधुसूदन दत्त बांग्ला देशेर अन्यातम आधुनिक मानसिकता सम्पन्न कवि छिलेन। तौर स्रंराजी साहित्ये प्रचण्ड ज्ञान छिल। तिन तौर यौवनकाले विदेशे चले यान। सेथाने अनेकदिन थाकार परे तिन निजेर देशे फिरे आसेन। तारपर एथानेम्प निजेर मातृभाषा साधनाय आत्रनियोग करेन। तिनम्प प्रथमे तौर काब्ये रावणके नायक करेन। तिन बांग्ला साहित्ये आधुनिकतार सृष्टि करेन।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

भारत मेरा देश है। भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। यहाँ भिन्न-भिन्न वेषभूषाएँ हैं। भिन्न-भिन्न धर्म और रीति रिवाज़ भी हैं। सब लोग यहाँ अपने-अपने धर्म और रीति-रिवाज़ों का पालन करते हैं। अनेक भिन्नताओं के बाद भी हम सब एक हैं। हमें यही संदेश हमारे संतों ने दिया/कवियों ने भी गाया।

हम सब सच्चे भारतीय हैं। जो भारतीय विदेशों में रहते हैं, उनके हृदय में भी भारत के प्रति देश प्रेम है। हमारा भारत महान है। हमें इस पर गर्व है।

V. नीचे दिए गए शब्दों में कुछ ऐसे शब्द हैं, जो पाठ में नहीं आए हैं। ऐसे शब्दों को रेखांकित कीजिए।

आमेरिका	शत्रु	उपयुक्त	रसायन शास्त्र	बक्कू
आत्रनियोग	अर्थशास्त्र	चीन	परिवेश	अनुपयुक्त

VI. “जननी और जन्मभूमि दोनों ही समान रूप से पूज्य हैं।” इस विषय पर एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में सामान्य भूतकाल की क्रिया का प्रयोग किया गया है। इस प्रकार के क्रिया रूप बनाने के लिए धातु के तिर्यक रूप में काल वाचक प्रत्यय ‘-ल’ (-ल) जोड़ा जाता है। इसके बाद इसमें पुरुषवाचक प्रत्यय जोड़ा जाता है। नीचे विभिन्न पुरुषों के अनुसार भूतकाल के क्रिया रूप दिए गए हैं --

आमि देखलाम	(देथ + ल + आम)	मैंने देखा।
आपनि देखलेन	(देथ + ल + एन)	आप ने देखा।
तुमि देखले	(देथ + ल + ए)	तुम ने देखा।
तुम्प देखलि	(देथ + ल + ञ)	तू ने देखा।
तिनि, ञनि, उनि देखलेन	(देथ + ल + एन)	उन्होंने/इन्होंने देखा।
उ, ए, से देखलो	(देथ + ल + उ)	उस ने/इस ने देखा।

द्रष्टव्य : भूतकाल के पुरुष वाचक प्रत्यय वर्तमान काल के प्रत्ययों से भिन्न हैं। इसका ध्यान रखना है। ‘या’ (जा) धातु का जा भी बदल कर ‘गे’ (गे) हो जाती है। उसी में भूतकाल वाची और पुरुष वाची प्रत्यय जोड़े जाते हैं। जैसे:

आमि गेलाम (या + ल + आम) मैं गया/गई

‘आछ’ (आछ) धातु बदलकर ‘छि’ (छि) हो जाती है। तब उसी क्रम से प्रत्यय जोड़े जाते हैं। जैसे:

आमि छिलाम (आछ + ल + आम) मैं था/थी

साधारण भूतकाल क्रिया को निषेधार्थक बनाने के लिए क्रिया के बाद ना (ना) जोड़ा जाता है। जैसे :

आपनि गेलैन ना।	आप नहीं गए/गई।
तुमि गेले ना।	तुम नहीं गए/गई।
तुम्प गेलि ना।	तू नहीं गया/गई।
से गेल ना।	वह नहीं गया।
तिनि गेलैन ना।	वे नहीं गए।

- II.** इस पाठ में और एक प्रकार की असमापिका क्रिया का प्रयोग भी दिखाया गया है जिस का अर्थ होता है पहले हुई क्रिया। स्वरांत धातु के तिर्यक रूप के साथ ‘ऐ’ (ये) और व्यंजनांत धातु के तिर्यक रूप के साथ ‘ए’ (ए) जोड़कर इस प्रकार की क्रिया बनायी जाती है। जैसे :

गिऐ	(या + ञ)	जाकर
करै	(कर + ऐ)	कर के

द्वि अक्षरीय स्वरांत धातुओं के साथ इस प्रकार के प्रयोग करते समय धातु के अंत में आनेवाले स्वर का लोप हो जाता है। इसके पश्चात् इसमें ‘ञऐ’ (इये) प्रत्यय जोड़ देते हैं। जैसे :

वेड़िऐ	(वेड़ा → वेड़ + ञऐ)	घूम कर
घूमिऐ	(घुमा → घूम + ञऐ)	सो कर

ফুটবল খেলা নিয়ে আলোচনা

আলি : কিরে, মোহনবাগান আর
স্পষ্টবেঙ্গলের সেমিফাইনাল খেলো?
কেমন দেখলি?

রমেশ : আমার তো দারুণ লাগল।
কালকের খেলো! এম্প মরশুমের
সবচেয়ে ভাল খেলা ছিল। দর্শকরা
সারাক্ষণ খেলো! উপভোগ
করছিল। কারণ বল কখনো
স্পষ্টবেঙ্গলের দিকে কখনো আবার
মোহনবাগানের দিকে। তোর কেমন
লাগল?

আলি : আমি তো ফি. ভি.তে খেলা
দেখছিলাম। ফি. ভি. মাঝে মাঝে
গোলমাল করছিল। তাম্প খেলা
দেখে আনন্দ পাচ্ছিলাম না। তবে
এবার দুপক্ষ খুব ভাল ছিল।
কেউ কারো চেয়ে কম নয়।

রমেশ : না, তা তুমি কিভাবে বলছিস? দল
হিসাবে এবার স্পষ্টবেঙ্গল দল
মোহনবাগানের চেয়ে অনেক ভাল।
তবে ওদের দুজন মুখ্য

ফুটবল খেল পর बातचीत

অলী : क्यों, मोहनबागान और ईस्टबंगाल
के बीच सेमिफाइनल खेल कैसा
लगा?

रमेश : मुझे तो बहुत अच्छा लगा। कल का
खेल इस मौसम का सबसे अच्छा
खेल था। दर्शकगणों ने पूरे समय
खेल का आनंद उठाया। क्योंकि गेंद
कभी तो ईस्टबंगालकी ओर और
कभी मोहनबागान की ओर चली
जाती थी। तुझे कैसा लगा?

अली : मैं तो टी. वी. में खेल देख रहा था।
टी. वी. बीच-बीच में गड़बड़ कर रहा
था। इससे खेल देखने में मुझे आनंद
नहीं आया। फिर भी इस बार दोनों
पक्ष खूब अच्छे थे। कोई किसी से
कम नहीं था।

रमेश : नहीं, यह कैसे कहता है? दल के
हिसाब से इस बार का ईस्टबंगाल
(दल), मोहन-बागान की अपेक्षा
बहुत अच्छा था। लेकिन उनके दो
मुख्य खिलाड़ी बीमार थे। इसी से वे
मैदान में नहीं उतरे। इसलिए
ईस्टबंगाल (दल) अच्छा खेल नहीं
पा रहा था। खिलाड़ी मानसिक
दबाव में थे।

খেলোয়াড়স্প অসুস্থ ছিল। তাম্প
ওরা মাঠে নামে নি। এম্প জনো
স্পষ্টবেঙ্গল ভাল খেলতে পারে নি।
খেলোয়াড়েরা মানসিক চাপে
ভুগছিল।

আলি : আচ্ছা, 'ি. ভি.তে দেখলাম,
উত্তরদিকে গ্যালারীতে বেশ
গুণগোল হচ্ছিল। ব্যাপারটা কি?
পুলিশ দর্শকদের মারছিল কেন?

রমেশ : স্পষ্টবেঙ্গলের কিছু সমর্থক নাচানাচি
করছিল। তারা স্পষ্টবেঙ্গলের নামে
শ্লোগান দিচ্ছিল। কয়েকজন তাদের
থামতে বলছিল। কিন্তু তারা
কিছুতেম্প শুনছিল না। শেষ পর্যন্ত
পুলিশ এল। তখন তারা চুপ
করল।

আলি : চিমার কি হয়েছিল? কাল তো
একেবারেম্প খেলতে পারছিল না।

রমেশ : চিমার হাঁতে ব্যথা ছিল। তাম্প সে
ভাল করে দৌড়াতে পারছিল না।
মোহনবাগানের একমাত্র সুব্রতম্প
ভাল খেলছিল। কর্ণার থেকে

অলী : अच्छा, टी. वी. में देखा था, उत्तर
की ओर गैलरी में काफ़ी गड़बड़ हो
रहा था। क्या मामला था? पुलिस
दर्शकों को क्यों मार रही थी?

रमेश : ईस्टबंगाल के कुछ समर्थक नाच रहे
थे। वे ईस्टबंगाल के नाम से नारे
लगा रहे थे। कुछ लोग उन्हें रुकने
को कह रहे थे। किन्तु वे कुछ भी
नहीं सुन रहे थे। अंत में पुलिस
आई। तब वे चुप हो गए।

अली : चीमा को क्या हो गया था? कल तो
वह बिलकुल ही नहीं खेल पा रहा
था।

रमेश : चीमा के घुटने में दर्द था। इसलिए
वह ठीक से दौड़ नहीं पा रहा था।
मोहनबागान का सिर्फ सुब्रत ही ठीक
से खेल रहा था। कर्नर से सुब्रत का
गोल सबसे अच्छा था। जो भी हो,
मोहनबागान अंततः फाइनल में आ
ही गया।

अली : चल, फाइनल खेल हम एक साथ
देखते हैं।

रमेश : अच्छा, यही ठीक है।

सूत्रतर गौलीं सब थेके सुन्दर।
 याम्प होक्, मोहनबागान तो शेष
 पर्यन्त फाम्पनाले उठल।

आलि : चल, फाम्पनाल खेला आमरा
 एकसङ्गे देखते याम्प।

रमेश : बेश, ता ठिक रम्पल।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	अर्थ
दारुण	बहुत अच्छा
दर्शकरा	दर्शकगण
कখনओ	कभी भी
माबे	बीच में
गोलमाल, गङ्गोल	गड़बड़
पक्ष	पक्ष
दुजन	दोनों
खेलोयाड़	खिलाड़ी
असुस्थ	अस्वस्थ, बीमार
माठे	मैदान में
नामे नि	उतरे नहीं
मानसिक	मानसिक
चापे	तनाव में, दबाव में
समर्थक	समर्थक

नाचानाचि	नाच, नृत्य
श्लोगान	नारा
पर्यन्त	पर्यन्त, तक
हूँते	घुटने में
याम्प होक्	जो भी हो
एकसङ्गे	एक साथ
रम्पल	रहा
खेला	खेल

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. सीता बांग्ला पड़छिल । (लिखछिल, सुनछिल)
2. रमैन दोकाने जिनिस किनछिल। (बम्प, कागज)
3. से तখন थाछिल। (पड़छिल, लिखछिल)
4. তিনি बम्प पड़छिलेन। (पत्रिका, कागज)
5. আমি তখন হাঁ ছিলাম। (দৌড়াচ্ছিলাম, বেরোচ্ছিলাম)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(लिखछिल, थाछिल, करछिलेन, किनछिलाम, बेड़ाछिलाम)

1. रमा बाजारे _____ ।

2. আমি তখন জিনিস _____ ।
3. সে সকালে _____ ।
4. আমি নদীর ধারে _____ ।
5. আপনি কি কাজ _____ ?

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি তখন _____ । (বেড়ালাম, বেড়াছিলাম)
2. সে সকালবেলা কাগজ _____ । (পড়ল, পড়ছিল)
3. আমরা তখন _____ । (খেলছিলাম, খেললাম)
4. তাঁরা তখন জিনিস _____ । (কিনছিল, কিনল)
5. আপনি কি কাল সকালবেলা কাগজ _____ ? (পড়লেন, পড়ছিলেন)

IV. उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

উদাহরণ :

সে গেল।

সে যাচ্ছিল।

1. আমি রবিবারে এম্প বম্পা পড়লাম।
2. রমা সেলাম্প করল।

3. সতীশ কাল কোথায় গেল?
4. আপনি কি কাগজ পড়লেন?
5. আমরা কাল রাতে বেড়ালাম।

V. নীচে दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. সে নদীতে স্নান করল।
2. আমরা ঐ দোকানে খেলাম।
3. সুজাতা সেলাস্প করল।
4. আমি বস্পা পড়লাম।
5. তিনি কাগজ পড়লেন।

पढ़िए और समझिए :

সুকেশ চোর

সুটকেশা চোর

অনেকদিন আগে আমি দিল্লী থেকে কোলকাতা যাচ্ছিলাম। ট্রেনে খুব ভীড় ছিল। তখন শীতকালের রাত্রিবেলা, সবাস্প ঘুমোচ্ছিল। আমিও ঘুমোচ্ছিলাম, হঠাৎ একা শব্দে আমার ঘুম ভাঙল। ট্রেনাও খুব জোরে যাচ্ছিল না, হয়ত কাছেস্প স্টেশন ছিল। আমি দেখলাম একজন লোক একা সুকেশ হাতে নিয়ে যাচ্ছে। আমার সন্দেহ হল। আমি চেষ্টালাম, সবাস্প উঠে পড়ল। তখন লোকা ছুল কিন্তু ট্রেন চলছিল। তাস্প সে নামতে পারল না। সবাস্প তাকে মারতে আরম্ভ করল কিন্তু আমি মারতে বারণ করলাম। মোগলসরাস্প স্টেশনে ট্রেন থামল। তখন আমরা কয়েকজন মিলে লোকাকে পুলিশের কাছে দিলাম। তারপর ট্রেন আবার ছাড়ল। ট্রেন ছেড়ে যাওয়ার পরও আমরা বহক্ষণ ধরে সেস্প ঘনা নিয়ে আলোচনা করছিলাম।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	अर्थ
याच्छिलाम	जा रहे थे
शीतकाल	जाड़ा
सबाम्प	सभी कोई, हर एक
इठाँ	अचानक, एकाएक
शब्दे	आवाज़ से
घुम	नींद
हयत	हो सकता है
काछेम्प	पास में ही
देखलाम	देखा
सन्देह	संदेह, शक
चेचालाम	चिल्लाया
छूल	दौड़ा
चलछिल	जा रहा था
मारते	मारना
बारण	मना
थामल	रुकी, रुक गई
दिलाम	दिया

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ट्रेनी कोथा थेके कोथाय याच्छिल?

২. রাত্রের টেনে কি ভাবে চোর ধরা পড়ল?
৩. চোরকে কোন ঠোনে পুলিশের কাছে দেওয়া হল?
৪. চুরির সময়ে টেন কি জোরে যাচ্ছিল?
৫. চুরির সময় অধিকাংশ যাত্রী কি করছিল?

II. उदाहरण के अनुसार नये शब्द बनाइए।

याच्छि ——— याच्छिलाम

1. करছেন ———
2. लिखছি ———
3. पढ़छो ———
4. घुमोচ্ছেন ———
5. চেঁচাচ্ছি ———

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

আমার বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রথম দিনের কথা মনে আছে। আমি প্রথমে বেশ ভয় পেয়েছিলাম। কারণ ছৌবেলা থেকেস্প বিশ্ববিদ্যালয়ে পড়ার সুপ্ত বাসনা আমার ছিল, আর বেশ অজানা ভয়ও ছিল। প্রথম দিন আমরা সব ছাত্রছাত্রী একত্রে জমা হয়েছিলাম আমাদেরস্প একটা শ্রেণীকক্ষে। অধ্যাপক, অধ্যাপিকাগণ এবং আমাদের আগের বছরের ছাত্রছাত্রীরা আমাদের অভ্যর্থনা জানান। সেস্প মুহূর্তেস্প আমাদের সবার জীবনের চরম মুহূর্তের সূচনা হয়ে গিয়েছিল। আমরা সবাস্প জীবনের ছৌ গণ্ডী ছেড়ে বৃহৎ জীবনে পদার্পণ করেছিলাম।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

यात्रा के मध्य हम जेबकतरों और सामान चोरों से सावधान रहें। अक्सर, टिकट खरीदते समय कतार में खड़े रहने पर, रेलगाड़ी या बस पर चढ़ते समय अथवा अपनी बर्थ पर बैठते-सोते समय चोर आसानी से हमारा जेब काटते हैं। ऐसे ही समय हमारा सामान भी चोरी करते हैं। हमारी असावधानी से ही चोर हमारा धन और माल चोरी करते हैं। इसलिए यात्रा के समय हम सावधान रहें।

- V. नीचे कुछ ऐसे शब्द दिए गए हैं, जो पाठ में नहीं आए हैं। ऐसे शब्दों को रेखांकित कीजिए।

दिल्ली	डाकात	डीढ़	वर्षाकाल	घुमोछिल
सन्देश	जूता	छेचालाम	दाड़ियेछिल	शीतकाल
चोर	शेष	त्रैकेश	वारण	मोगलमर्राप्प

- VI. यात्रा के मध्य घटने वाली किसी अविस्मरणीय घटना पर एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

- I. इस पाठ में अपूर्ण भूत काल के क्रिया रूपों का प्रयोग किया गया है। धातु का अपूर्ण भूत कालिक क्रिया रूप बनाने के लिए उस धातु के अपूर्ण वर्तमान काल के (उत्तम) पुरुष वाचक के सम्पूर्ण रूप के पश्चात् 'ल' (-ल) लगाकर पुरुष वाचक प्रत्यय लगाए जाते हैं। जैसे :

आमि देखछिलाम	(देखछि + ल + आम)	मैं देख रहा था/रही थी
आपनि देखछिलेन	(देखछि + ल + एन)	आप देख रहे थे/रही थीं
तुमि देखछिले	(देखछि + ल + ए)	तुम देख रहे थे/रही थी
तुम्ह देखछिलि	(देखछि + ल + ञ)	तू देख रहा था/रही थी
तिनि, ञनि, उनि देखछिलेन	(देखछि + ल + एन)	वे देख रहे थे/रही थीं

সে, ও, এ দেখছিলো (देखছি + ल + ও) वह/यह देख रहा/रही था/थी

इस प्रकार के वाक्यों को निषेधात्मक बनाने के लिए क्रिया के बाद ‘ना’ (ना) जोड़ा जाता है। जैसे:

আমি দেখছিলাম না। मैं नहीं देख रहा था।

II. दो व्यक्तियों या वस्तुओं के मध्य तुलना के लिए जिससे अतिशय या कमी दिखानी होती है, उसमें संबंध वाचक (षष्ठी) विभक्ति लगाने के पश्चात ‘চেয়ে’ (चेये) ‘থেকে’ (थेके) आदि शब्दों का प्रयोग करते हैं। जैसे :

স্পষ্টবেঙ্গল দল মোহনবাগানের চেয়ে অনেক ভাল।

স্পষ্টবেঙ্গল দল মোহনবাগানের চাম্পতে অনেক ভাল।

স্পষ্টবেঙ্গল দল মোহনবাগানের থেকে অনেক ভাল।

सर्वश्रेष्ठ के अर्थ में ‘सबसे’ (शबसे), ‘सबसे’ (शबसे) का प्रयोग किया जाता है।
जैसे :

সুত্রভর গোলে সবচেয়ে সুন্দর।

সুত্রভর গোলে সবথেকে সুন্দর।

পাঠ পাঠ 9

বন্ধুর বাড়ীতে

সুবিকাশ : এম্প হচ্ছে আমার বাড়ি।
প্রতাপ : বাঃ! আপনার বাড়ি তো খুব
সুন্দর! সামনে অনেক জায়গা
রয়েছে।
সুবিকাশ : পেছনেও কিছু জায়গা আছে।
ওখানে তরি-তরকারী
লাগিয়েছি। আর কিছু ফলের
গাছও রয়েছে। আসলে এঁা
পুরনো আমলের বাড়ি তাম্প
এত জায়গা।
প্রতাপ : সামনের ফুলের বাগানটা দারুণ
হয়েছে। এসব কি আপনি
করেছেন?
সুবিকাশ : এদিকে গন্ধরাজ, চাঁপা আর
জবা এম্প বড় গাছগুলো
আগে থেকেম্প ছিলো। বাকী
সব ফুলের গাছ আমিম্প
লাগিয়েছি।

প্রতাপ : বাঃ, চন্দ্রমল্লিকা আর গাঁদা খুব

মিত্র কে ঘর পর

সুবিকাশ : যহী মেরা ঘর হৈ।
প্রতাপ : বাহ! আপকা ঘর তো बहुत सुंदर
है! सामने बहुत जगह पड़ी है।
सुबिकाश : पीछे भी थोड़ी जगह है। वहाँ साग
सब्जी लगा रखी है। और कुछ
फलों के पेड़ भी हैं। असल में यह
पुराने समय का घर है। तभी
इतनी जगह है।
प्रताप : सामने जो फूलों का बगीचा है वह
बहुत सुंदर है। क्या ये सब आपने
किया हैं?
सुबिकाश : गंधराज, चंपा और गुड़हल, ये
सब बड़े पेड़ तो पहले से ही थे।
बाकी सब फूलों के पौधे मैंने ही
लगाए हैं।
प्रताप : बाह! चमेली और गेंदा बहुत सुंदर
हो गए हैं। डहलिया की तो

ଭାଲ ହସ୍ତେ। ଡାଲିଆର ତୋ
ତୁଲନାମ୍ପ ନେମ୍ପ। ଆପନି କି
ନିଜେମ୍ପ ଚାରା କରେଛେନ ନା
ନାର୍ସାରୀ ଥେକେ ଏନେଛେନ?

ତୁଲନା
ହୀ ନହୀ। ଆପନେ ଯେ ପୌଧେ ସ୍ବୟଂ
ଉଗାଏ ହେଁ ଯା ନର୍ସରୀ ସେ ଲାଏ ହେଁ?

ସୁବିକାଶ : ଆମାର ଏକ ବକ୍ସର କାଛ ଥେକେ
ଏମ୍ପସବ ଫୁଲଗାଛେର ଚାରା
ଏନେଛି। ଏବାର ଆସୁନ ପିଛନ
ଦିକେ। ଏମ୍ପସବ ଆମ, କାଁଠାଲ
ଓ ପେୟାରା ଗାଛଘୁଲୋ ଆମି
ଲାଗାମ୍ପ ନି। ଏଘୁଲୋ ଆଗେ
ଥେକେମ୍ପ ଛିଲୋ। ଆମି ଶୁଧୁ
ପେଁପେ ଗାଛା ଲାଗିୟେଛି।

ସୁବିକାଶ: ମੈଁ ଅପନେ ଏକ ମିତ୍ର କେ ପାସ ସେ
ଫୁଲୋଁ କେ ପୌଘୋଁ କି ଯେ ସବ ପୌଧେ
ଲାୟା ହୁଁ। ଅବ ଆଇଏ ପିଚ୍ଚେ କି
ଓର। ଯେ ସବ ଆମ, କଟହଲ ଓର
ଅମରୁଦ କେ ପେଢ଼ ମେଁନେ ନହୀ ଲଗାଏ
ହେଁ। ଯେ ସବ ପହଲେ ସେ ହି ଥେ। ମେଁନେ
ତୋ କେବଲ ପପିତେ କା ପେଢ଼ ହି
ଲଗାୟା ହେଁ।

ପ୍ରତାପ : ଦେଖଛି ଆପନାର ବେଶ ବାଗାନେର
ଶଖ ଆଛେ।

ପ୍ରତାପ : ଦେଖ ରହା ହୁଁ ଆପକୋ ବଗିଚେ କା
ବହୁତ ଶୌକ ହେଁ।

ସୁବିକାଶ : ଆସୁନ, ଭେତରେ ଆସୁନ। ଚଲୁନ,
ଚା ଥାମ୍ପ।

ସୁବିକାଶ: ଆଇଏ, ଅନ୍ଦର ଆଇଏ। ଚାଲିଏ, ଚାୟ
ପିତେ ହେଁ।

ଶବ୍ଦାର୍ଥ

ଶବ୍ଦ

ଅର୍ଥ

ପେଛନେ

ପିଚ୍ଚେ

ତରି ତରକାରୀ

ସାଗ-ସବ୍ଜୀ

ଗାଛ

ପେଢ଼

आसले	असल में
आमलेर	जमाने का, समय का
एतो	इतना
गंकराज	गंधराज
टापा	चंपा
जवा	गुडहल
चन्द्रमल्लिका	चमेली
गौदा	गेंदा
डालिया	डहलिया
चारा	पौधा
आम	आम
काँठाल	कटहल
पेँपे	पपीता
शथ	शौक

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए :

1. बीना एम्प कापड़ा किनेछे। (एनेछे, चेयेछे)
2. आमि दिल्ली देखेछि। (बेड़ियेछि, गियेछि)
3. रमा काश्मीरे गियेछे। (घुरेछे, बेड़ियेछे)
4. रामबाबु बांग्ला लिखेछेन। (शिखेछेन, पड़ेछेन)
5. उनि बाजारे यान नि। (दोकाने, अफिसे)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি কাল _____। (আসছি, এসেছি)
2. আপনি কবে _____? (ফেরেন, ফিরেছেন)
3. কমলা আজ কোথায় _____? (গিয়েছে, যায়)
4. তিনি এখনো _____। (এসেছেন, আসেন)
5. আমরা গতকাল _____। (ফিরি, ফিরেছি)

III. उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

উদাহরণ:

আমি য়াম্প।

আমি গিয়েছি।

1. সে কি বাজারে যায়?
2. রমেন জিনিসপত্র কেনে।
3. আমরা কাগজ পড়ি।
4. উনি দিল্লী যান।
5. তুমি কি বাংলা পড়ো?

IV. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. আমি এম্প সিনেমোঁ দেখেছি।
2. তিনি বাজারে গিয়েছেন।
3. কানাম্পবাবু চিঠি দিয়েছেন।
4. রমেন গান গেয়েছে।
5. ও কাপড় কেচেছে।

V. उचित शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি কাল বাজারে _____ নি।

2. সে দোকানে এম্প কাপড়া _____ ।
3. তারা গতকাল _____ ।
4. আমরা কখনো কলকাতায় _____ নি।
5. তিনি গান _____ নি।

पढ़िए और समझिए ।

मूल्य ओ मूल्यबोध मूल्य और जीवन मूल्य का बोध

आजकाल सब जिनिसेर दाम बेड़ेछे। बेड़ेछे बलले डुल हय, दाम अनवरत बेड़े चलेछे। बाड़ते बाड़ते दाम हयैछे आकाश-छेँया। शुधु दाम बाड़छे, ता नय। सेम्प सस्से बाजार थेके जिनिसपत्र उधाओ। आज दुध पाओया याछे ना तो काल पाँडुरूँ पाओया याछे ना। सेम्प सस्से बेड़ेछे लोकैर जिनिसपत्र जमाबार चेष्टा। जिनिस ठिकमतो पाओया याछे ना बले सबासप अयथा जिनिस-पत्र जमाछे। एते गरीब लोकैरा बेशी असुबिधेय पड़ेछे। नाकार अभावे तारा दरकारी जिनिसपत्र किनते पारछे ना। व्यवसादाररा काँके तोयाक्का करे ना। केनना निर्वाचनेर समय तारा सब राजनैतिक दलकेम्प चाँदा दियेछे। ताम्प केँउ किछु बलते पारछे ना। सरकारी कर्मचारीराओ चुप। तादेर महार्घ ताता बेड़ेछे। सब जिनिसेर दाम बेड़ेछे। किन्तु दाम कमेछे दुँ जिनिसेर -- मानुषेर जीवनेर एवं मूल्य बोधेर। प्रत्येक दिन खबरेर कागजेम्प ता आमरा देखते पाछि।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
मूल्य	मूल्य
मूल्यबोध	जीवन मूल्य का बोध
मूल्यवृद्धि	मूल्य बढ़ना, महंगाई बढ़ना, महंगा होना
	दाम

দাম	অনবরত, लगातार
অনবরত	बढ़ रहा है, बढ़ रहे हैं
বাড়ছে	गायब
উধাও	इकट्ठा करने की कोशिश, संग्रहवृत्ति
জমাবার চেষ্টা	फालतू, अनावश्यक
অযথা	किसी को
কাউকে	चुनाव का
নির্বাচনের	चंदा
চাঁদা	महंगाई भत्ता
মহার্ঘ ভাতা	ज्ञान
বোধ	पा रहा हूँ
পাচ্ছি	-(मुहावरा : आसमान छूना = अति हो जाना, सीमा से ऊपर चले जाना)
আকাশ ছোঁয়া	

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. साधारणतः कौन कौन जिनिस पाওয়া যায় না?
2. কারা জিনিস-পত্র জমাচ্ছে?
3. জিনিস-পত্রের দাম বেড়েছে বলে কাদের সবচেয়ে অসুবিধে হচ্ছে?
4. কোন্ কোন্ জিনিসের দাম কমেছে?
5. ব্যবসাদারদের কেউ কিছু বলতে পারে না কেন?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों के साथ दाहिनी ओर दिए गए शब्दों के सही अर्थ से मिलान कीजिए।

अनवरत	मिछिमिछि
उधाओ	ग्राह्य
अयथा	सब समय
तोयाक्का	निरुद्देश
आकाश-छोया	अतल बेसी

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

सम्प्रति আমরা সবাম্প মিলে উঁি বেড়াতে গেছি। সবাম্প মিলে বাসেম্প গিয়েছি। এখন 'কিটের দাম অনেক বেড়ে গেছে। পাহাড়ের পাকদণ্ডী ঘুরে ঘুরে বাস যখন যাচ্ছিল তখন অপূর্ব লেগেছে। আমাদের সাথে দুজন অধ্যাপকও ছিলেন। সুদীপ্তাদি ও শুভ্রা গান করেছে। ছেলেরা বন্দীপুর জঙ্গলের ছবি তুলেছে। আমি জানলা দিয়ে বাস্পরের প্রাকৃতিক দৃশ্য দেখেছি। আমরা সবাম্প আনন্দ উপভোগ করেছি। উঁিতে বহুরকমের ফল, পাহাড়ী ফুল ও অনেক মনোহর জিনিস পাওয়া যাচ্ছিল কিন্তু সব কিছুর দামস্প আকাশ ছোঁয়া। প্রায় কিছুস্প আমরা কিনতে পারলাম না। তবে ভালো লাগার অনুভূতি কোনো মূল্য দিয়ে কেনা যায় না।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

हमारी आवश्यकताएँ दिन-ब-दिन बढ़ी हैं। इसीलिए महंगाई भी बढ़ी है। लेकिन महंगाई की तुलना में आय नहीं बढ़ी है। गरीबों की क्रयशक्ति घटी है। वे अपनी जीवनोपयोगी वस्तुएँ कैसे खरीदें? हमें अपनी व्यर्थ की आवश्यकताएँ घटाएँ। हमारा जीवन सादा हो। यही संदेश हमारे ऋषियों का भी है।

V. नीचे दिए गए शब्दों में कुछ ऐसे शब्द हैं जो पाठ में आए हैं। उन शब्दों को रेखांकित कीजिए।

आजकाल	जिनिस	उपनिर्वाचन	गरीब	पाँडुरई
निर्वाचन	शब्द	महार्घभता	जमावार	धनी
चूप	छाँदा	निर्यातन	कर्मचारी	सज्जी

VI. जीवन मूल्यों पर एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

- I. इस पाठ में पूर्ण वर्तमान काल के क्रियारूपों का प्रयोग दिखाया गया है। किसी धातु का पूर्ण वर्तमान कालिक रूप बनाने के लिए उस क्रिया की असमापिका क्रिया रूप के साथ 'छ' (छ) लगाकर उसके बाद वर्तमान कालिक पुरुष वाचक प्रत्यय लगाए जाते हैं। जैसे :

आमि करेछि।	(करे + छ + ञ)	मैंने किया है।
आपनि करेछेन।	(करे + छ + एन)	आप ने किया है।
तिनि करेछेन।	(करे + छ + एन)	उन्होंने किया है।
तुमि करेछो।	(करे + छ + ओ)	तुम ने किया है।
तुम्ह करेछिस।	(करे + छ + ञप्र)	तू ने किया है।
से करेछे।	(करे + छ + ए)	उस ने किया है।

इन वाक्यों के निषेधात्मक रूप बनाने के लिए साधारण वर्तमान काल के रूप के पश्चात 'नि' (नि) प्रयोग होता है। जैसे :

आमि करि नि।	मैंने नहीं किया है।
आपनि / तिनि करेन नि।	आप ने नहीं किया है।
तुमि करोनि।	तुम ने नहीं किया है।
तुम्ह करिस नि।	तू ने नहीं किया है।
से / ओ / ए करे नि।	उसने नहीं किया है।

पाठ 10 पाठ

सिनेमा देखिनि

भानु : ह्यालो विजनबाबु, काल आपनार
बाडि गियेछिलाम।

विजन : ओ! ताम्प नाकि। शुने खुब थाराप
लागछे। आमरा काल चारुँरै
समय बास्परै चले गियेछिलाम।
आपनि कि एकाम्प एसेछिलेन?

भानु : ना, आमरा सवासप मिले
गियेछिलाम।

विजन : आपनि आसार आगे टैलिफोन
करलेन ना केन?

भानु : हठाँस्प चले गेलाम। अनेकदिन
याम्पनि ताम्प।

विजन : काल बिकेले आनन्द एसेछिल,
ओके तो आपनि जानेन।
ओ 'नीलकंठ' सिनेमार तिनटे
कि

एनेछिल। एसेम्प बलल,

फिल्म नहीं देखी थी

भानु : हैलो, विजनबाबू, कल मैं आपके घर
गया था।

विजन : ओह! ऐसा है? सुनकर बहुत बुरा लग
रहा है। हम कल चार बजे बाहर चले
गए थे। क्या आप अकेले ही आए थे?

भानु : नहीं, हम सब आए थे।

विजन : आपने आने के पहले टेलीफोन क्यों
नहीं कर लिया?

भानु : अचानक चल पड़े। बहुत दिनों से
आए नहीं थे न, तभी।

विजन : कल शाम आनंद आया था। उसे तो
आप जानते हैं। वह 'नीलकंठ' फिल्म
के तीन टिकट कटवाकर लाया था।

आते ही बोला, जल्दी चलिए। हमने

তাড়াতাড়ি চলুন। অবশ্য আমরা
অনেকদিন সিনেমা দেখিনি।
এজন্য একসঙ্গে গেলাম।

ভানু : আমরা সিনেমোঁ গত সপ্তাহেঁ
দেখেছি। অপর্ণা দারুণ অভিনয়
করেছে। সেদিন ভয়ঙ্কর ভীড়
ছিল। নেহাতম্প আগে থেকে
কি কোঁ ছিল। তাম্প রক্ষ্ণে।

বিজন : আচ্ছা, কাল তো দেখা হল না।
আজ সবাম্প মিলে আসুন না।

ভানু : আজ?

বিজন : কেন আজ কি কোন সমস্যা
আছে?

ভানু : না, অসুবিধে নেম্প। সন্ধ্যা নাগাদ
যাচ্ছি। আচ্ছা, (টেলিফোন) এখন
রাখছি।

বিজন : আসুন। আপনাদের জন্যে
অপেক্ষা করছি।

भी बहुत दिनों से फिल्म नहीं देखा
था। इसलिए एक साथ गए थे।

भानु : हमने यही फिल्म पिछले सप्ताह ही
देखी थी। अपर्णा ने बहुत ही अच्छा
अभिनय किया है। उस दिन बहुत
भीड़ थी। पहले से ही टिकट कटवा
लिया था। इसलिए बच गए।

विजन : अच्छा, कल तो भेंट नहीं हुई। आज
सब लोग आए न।

भानु : आज?

विजन : क्या आज कोई समस्या है?

भानु : नहीं, कोई समस्या नहीं है। शाम तक
आ रहे हैं। अच्छा, (टेलिफोन) रख
रहा हूँ।

विजन : आएँ, आप लोगों के लिए प्रतीक्षा
करता हूँ।

शब्दार्थ

शब्द

खाराप

अर्थ

खराब

लज्जा की, शर्म की

लङ्कार	आने के
आस्रार	लगा
लागल	पिछला
गत	अभिनय
अभिनय	बच गए
रम्फे	शाम तक
सक्रो नागाद	

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए :

1. आपनि काल कोथाय गियेछिलेन? (थेयेछिलेन, शुयेछिलेन)
2. रतन ভাল করে लिखेछिलो। (पड़ेछिलो, शुनेछिलो)
3. आमि चिठि लिखेछिलाम। (दियेछिलाम, पेयेछिलाम)
4. से बाजारे गियेछिलो। (शैने, होटले)
5. बीना कापड़ किनेछिलो। (दियेछिलो, केचेछिलो)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(एसेछिल, गियेछिल, पड़ेछिलाम, फिरेछिलेन, थेयेछिलाम)

1. आमि गतकाल _____ ।
2. से गतकाल _____ ।
3. तिनि रात्रे बेशी देरी करे _____ ।
4. मङ्गुला सेदिन देरी करे _____ ।
5. आमरा प्रथम श्रेणीते एस्प बस्पा _____ ।

III. उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

উদাহরণ:

রাম বাজারে গিয়েছে।

রাম বাজারে গিয়েছিলো।

1. আমি ভাত খেয়েছি।
2. রমেশ বেনারসে গিয়েছে।
3. হুমায়ূন কোথায় গিয়েছে?
4. সে রাত্রে বাড়ী ফিরেছে।
5. আপনি কি চিঠি লিখেছেন?

IV. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. সে দেবাদুনে গিয়েছিলো।
2. আমি রাত্রে ফিরেছিলাম।
3. হানিফ বাংলা শিখেছিলো।
4. রাজেন চিঠি লিখেছিলো।
5. মাষ্টারমশাম্প বম্পা দিয়েছিলেন।

V. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি এম্প সিনেমোঁ _____ নি।
2. তুমি কি বম্পা _____ ?
3. আপনি কি বেনারসে _____ নি।
4. আমরা অনেকদিন আগে পুরী _____ ।
5. তিনি বাজারে _____ নি।

पढ़िए और समझिए।

এক ঝালকে ভুবনেশ্বর

भुवनेश्वर की एक झलक

অনেকদিন আগে, সে প্রায় বিশ বছর হলো প্রথম আমি ভুবনেশ্বরে গিয়েছিলাম। এখনকার মতো তখন রাস্তায় এত গাড়ী ছিল না। সাম্পকেল রিক্সা ছাড়া আর কিছু দেখতে পাম্পনি। একদিন আমরা কয়েকজন বন্ধু মিলে খণ্ডগিরি ও উদয়গিরি দেখতে গিয়েছিলাম। তারপরের দিন দেখেছিলাম নন্দন কানন। নন্দন কানন একটা চিড়িয়াখানা। কিন্তু জীবজন্তুদের জন্য বেশ কিছু খোলা জায়গা আছে, অন্যান্য চিড়িয়াখানার মতো খাঁচায় ভরা নয়। ভুবনেশ্বরের লিঙ্গরাজ মন্দির খুব বিখ্যাত। ভুবনেশ্বরে অনেক ছোট ছোট মন্দির আছে। কেউ কেউ বলেন প্রায় হাজার খানেকের মতো। সব মন্দিরে মূর্তিও নেই। ভুবনেশ্বর থেকে পুরী খুবম্প কাছে। বাসে প্রায় দু ঘণ্টার মতো রাস্তা। আমরা পুরীতে দুদিন ছিলাম। পুরী থেকে কোনার্ক গিয়েছিলাম। কোনার্কের মন্দিরের কারুকার্য দেখতে খুব ভাল লেগেছিলো। কোনার্ক থেকে আবার ভুবনেশ্বরে গিয়েছিলাম। সেখান থেকে ট্রেনে কোলকাতা ফিরেছিলাম।

হাব্দার্থ

হাব্দ	অর্থ
বিশ	বীস
বছর	সাল, বর্ষ
এখনকার	অমী কা
চিড়িয়াখানা	চিড়িয়াঘর
জীবজন্তুদের	জীব-জন্তুओं का
খোলা	খুলা
খাঁচায়	পিঁজরে में
ছোট	চোট
হাজার	হজার
	নককাশী
	জল, পানী
	মিলাবট

কারুকার্য

জল

ভেজাল

অভ্যাস

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. লেখক কত বছর আগে ভুবনেশ্বরে গিয়েছিলেন?
2. ভুবনেশ্বরের রাস্তায় গাড়ী তখন কেমন ছিলো?
3. ভুবনেশ্বরের আশে-পাশে লেখক কি কি দেখেছিলেন?
4. ভুবনেশ্বরে কত মন্দির আছে?
5. নন্দন কানন কি জন্যে বিখ্যাত?

II. नीचे दिए गए शब्दों में से समानार्थक शब्दों की पाँच जोड़ियाँ बनाइए।

আগে	প্রতিমা
এখনকার	নিকট
মূর্তি	পূর্বে
খোলা জায়গা	বর্তমান
কাছে	মুক্ত প্রাঙ্গন

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

শান্তিনিকেতন 1901 সালে রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর স্থাপন করেছিলেন মাত্র পাঁচ জন ছাত্র নিয়ে। কোলকাতা থেকে শান্তিনিকেতন প্রায় 213 কি.মি. দূরে অবস্থিত। শান্তিনিকেতনের বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রাঙ্গন খুব বড়। সেখানে একটা বিভাগ অপর আর একটা বিভাগ থেকে অনেক দূরে। এখানে বয়স্ক ব্যক্তিগণ শিশুদের শিক্ষা দেন। সেখানে পড়াশোনায় কোনো চাপ প্রদান করা হয় না। কারণ, রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর মুক্ত মানসিকতা ও উন্মুক্ত পরিবেশে শিক্ষা

देওয়ার विश्वासी ছিলেন। তাম্প তিনি শান্তিনিকেতন স্থাপন করেন। তিনি পড়াশোনার সাথে সাথে সঙ্গীত, নৃত্য, নৌক, ছবি আঁকা প্রভৃতি মানুষের মধ্যে যেসকল সুপ্ত প্রতিভা আছে তার ওপর গুরুত্ব দিতেন।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

मध्यप्रदेश के बड़े नगरों में उज्जैन एक प्रमुख नगर है। उज्जैन का एक और नाम अवंतिका भी है। उज्जैन पहुँचने के लिए भोपाल अथवा इंदौर से बसों और रेलगाड़ियों की सुविधा है। उज्जैन एक धार्मिक तीर्थस्थान है। यहाँ भारत भर से यात्रीगण महाकाल के दर्शन करने आते हैं। लोग बारह ज्योतिर्लिंगों में से उज्जैन में स्थित महाकाल का नाम श्रद्धा और भक्ति से लेते हैं। उज्जैन में प्रत्येक बारहमें वर्ष सिंहस्थ पर्व मनाते हैं। कृष्ण के गुरु सांदिपनी का आश्रम उज्जैन में ही था। कृष्ण और उनके मित्र सुदामा ने साथ-साथ सांदिपनी आश्रम में ही शिक्षा प्राप्त की थी। उज्जैन में स्थित मंगलनाथ, हरसिद्धि, बड़े गणपति, भर्तृहरिगुप्ता, एवं गोपाल मंदिर आदि अनेक प्राचीन धार्मिक स्थल हैं। उज्जैन में शिप्रा नदी को आस्तिकगण गंगा की तरह ही पवित्र मानते हैं। इसमें स्नान करना आवश्यक समझते हैं। यह नगर राजयोगी भर्तृहरि की तपोभूमि भी है। यहाँ ही भर्तृहरि ने तपस्या की थी। यहीं उन्होंने ज्ञान और सिद्धि प्राप्त की थी। ऐसा कहते हैं कि, महाकवि कालिदास यहाँ के राजा विक्रमादित्य के राज कवि थे। विक्रमादित्य उज्जैन के गौरवशाली राजा थे।

V. नीचे दिए गए शब्दों में कुछ ऐसे शब्द हैं जो पाठ में नहीं आए हैं। उन शब्दों को रेखांकित कीजिए।

অনেকদিন	গাড়ী	সাম্পকোল	বকখালি	উদয়গিরি	খণ্ডগিরি
চিড়িয়াখানা	পাখি	রিখা	জীবজন্তু	বন্ধ	জনপ্রিয়
বেড়ানো	খাঁচা	আধুনিক	লিঙ্গরাজ	অবতার	দশ

VI. किसी भी प्रसिद्ध तीर्थ पर एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

- I. इस पाठ में पूर्ण भूतकालिक क्रिया रूपों का प्रयोग दिखाया गया है। किसी धातु का पूर्ण भूत क्रिया रूप बनाने के लिए पूर्ण वर्तमान काल के उत्तम पुरुष के रूप के बाद 'ल' (ल) जोड़कर पुरुष वाचक प्रत्यय लगाए जाते हैं। जैसे :

আমি গিয়েছিলাম।	(গিয়েছি + ল + আম)	मैं गया था/गई थी।
আপনি / তিনি গিয়েছিলেন।	(গিয়েছি + ল + এন)	आप/वे गए थे/गई थीं।
তুমি গিয়েছিলে।	(গিয়েছি + ল + এ)	तुम गए थे/गई थी।
তুम्হ গিয়েছিলি।	(গিয়েছি + ল + ঞ্চ)	तू गया था/गई थी।
সে গিয়েছিলো।	(গিয়েছি + ল + ও)	वह गया था/गई थी।

- II. पूर्ण भूतकालिक वाक्यों के निषेधात्मक रूप पूर्ण वर्तमान काल के समान 'नि' जोड़कर बनाए जाते हैं। जैसे :

আমি যাম্প নি।	(যা + ঞ্চ + -নি)	मैं नहीं गया था/गई थी।
আপনি / তিনি যান নি।	(যা + ন + -নি)	आप/वे नहीं गए थे/गई थीं।
তুমি যাওনি।	(যা + ও + -নি)	तुम नहीं गया था/गई थी।
তুम्হ যাঙ্গ নি।	(যা + ঞ্চ + -নি)	तू नहीं गया था/गई थी।
সে যায় নি।	(যা + য় + -নি)	वह नहीं गया था/गई थी।

পুরনো দিনের কথা

বে বীতে দিন

প্রসাদ : ধীরেন কি খবর, কবে এলে?

প্রসাদ : ধীরেন, क्या हालचाल है, कब आए?

ধীরেন : এম্প তো, গত শুক্রবার এলাম।

ধীরেন : अभी पिछले शुक्रवार को ही आया हूँ।

প্রসাদ : ভুবনেশ্বরের খবর কি?

প্রসাদ : भुवनेश्वर का क्या हाल है?

ধীরেন : এখন আর সেদিন নেম্প। দিনকাল একেবারে পাটে গেছে। মনে আছে, আমরা আপনার গৌতম নগরের বাড়িতে কি মজা করতাম! তখন আপনি একাম্প থাকতেন। প্রত্যেক রবিবার আমরা বিভিন্ন বিষয়ে খুব আলোচনা করতাম।

ধীরেন : अब वे दिन नहीं रहे। सब कुछ बदल गया है। याद है, हम आपके गौतम नगर वाले घर में क्या मज़े लेते थे! तब आप वहाँ अकेले ही रहते थे। हर रविवार को हम लोग विविध विषयों पर खूब चर्चा करते थे।

প্রসাদ : তুমি তো প্রায়ম্প তর্কে হারতে আর রেগে যেতে। শুধু আলোচনা নয়, মাঝে মাঝে কেমন খাওয়া দাওয়াও করতাম।

প্রসাদ : तुम अक्सर बहस में हार जाते थे और गुस्सा हो जाते थे। केवल बहस ही नहीं, बीच-बीच में हम खाते पीते भी थे।

ধীরেন : তখনকার দিনকাল একরকম ছিল।

ধীরেন : उस समय के दिन ही ऐसे थे। सब

তখন জিনিসপত্র সস্তায় পাওয়া
যেত। তখন সামান্য মাংসের চাকরী
করতাম। কিন্তু সংসার চালাতে
কোনো অসুবিধা হত না। এমনকি
বাড়ী ভাড়াও কম ছিল।

প্রসাদ : তা ঠিক। তখনকার সঙ্গে এখনকার
তুলনাম্প হয় না। মাছ, মাংস, দুধ,
তরি-তরকারী সবস্প তখন সস্তা
ছিল। চারোঁকা লিার দরে খাঁঁি দুধ
পেতাম। দুধে কেউ জল মেশাতো
না। আর এখন? এখন দুধ বারো
োঁকা লিারে কিনি। তাও খাঁঁি নয়।

ধীরেন : এখন আর কোনো জিনিসস্প খাঁঁি
নেস্প। সব জিনিসেস্প ভেজাল।
সত্যি আমরা এসব দিনে কতো
আনন্দে ছিলাম!

वस्तुएँ सस्ती मिलती थी। तब मैं
सामान्य आय की ही नौकरी करता
था। किन्तु जीवन चलाने में कोई
कठिनाई नहीं होती थी। मकान का
किराया भी कम था।

प्रसाद : बिल्कुल ठीक है। उस समय के
साथ आज की तुलना नहीं होती।
मछली, मांस, दूध, साग-सब्जी सभी
कुछ उस समय सस्ता ही था। चार
रुपये लीटर की दर से शुद्ध दूध
मिलता था। दूध में कोई पानी नहीं
मिलाता था। अब तो दूध बारह
रुपये में एक लीटर खरीदता हूँ।
वह भी शुद्ध नहीं मिलता।

धीरेन : अब तो कोई वस्तु ही शुद्ध नहीं।
सभी वस्तु में मिलावट है। सच में
उन दिनों हम कितने आनंद में रहते
थे!

शब्दार्थ

शब्द

अर्थ

एलाम

आया

सेदिन

उन दिनों

पाटे

बदल गया

आलोचना

चर्चा

तर्क

बहस

प्रत्येक

प्रत्येक

राग

क्रोध

जिनिसपत्र

वस्तुएँ

सञ्जाय

सस्ते में

पाওয়া

मिलना

চাকরি

नौकरी

মাছ

मछली

মাংস

मांस

চার

चार

দর

दाम

খাঁঁচি

शुद्ध

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए :

1. से रोज पड़त। (खेलत, बेड़ात)
2. আমি বাংলা কাগজ নিতাম। (পড়তাম, দেখতাম)
3. তুমি কি হরিদ্বারে থাকতে? (দিল্লীতে, দেৱাদুনে)
4. আমরা রোজ কাগজ পড়তাম। (বঙ্গ, পত্রিকা)
5. তিনি রোজ হাঁতেন। (বেড়াতেন, ঘুরতেন)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(ঘুমোতাম, পড়ত, বেড়াতো, থাকতেন, খেতেন)

1. রমা রোজ বিকেলে _____ ।
2. আমি আগে দুপুরে _____ ।
3. সে খবরের কাগজ _____ ।
4. তিনি বেশী খাবার _____ ।
5. আপনি কি পূর্বপল্লীতে _____ ?

III. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. আমি রোজ খেলতাম।
2. তুমি ছবি আঁকতে।
3. আপনি দেরীতে ফিরতেন।
4. আমি রোজ সকালে গানের অভ্যাস করতাম।
5. রমা সবার সঙ্গে ঝগড়া করত।

IV. नीचे दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

1. খেলায়, রেগে, তুমি, যেতে, আর, প্রায়স্প, হারতে।
2. আর, নেস্প, সেদিন, একেবারে, গেছে, এখন, দিনকাল, পাল্টে।
3. এখনকার, হয়, তখনকার, মাছ, না, সঙ্গে, দুধ, সবস্প, মাংস, ছিল, সস্তা, তরি-
তরকারী, তখন, তুলনাস্প।

V. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ছেলেরা মাঠে _____ । (খেলত, খেলেছে)

2. চাষীরা চাষ _____ । (করল, করত)
3. শিক্ষকমশাঙ্গ _____ । (লিখতেন, লিখেছেন)
4. রাজু কেবল _____ । (খেলল, খেলত)
5. দিনেশ রোজ রেডিও _____ । (শুনতো, শুনালো)

VI. উপযুক্ত শব্দাঁ কা প্রয়োগ কর বাক্য পূরে কীজিএ।

1. তোমরা কি বাসে করে _____ ?
2. শুল্লা রোজ বাংলা অভ্যাস _____ ।
3. আগে আমি রোজ সকালে _____ ।
4. আগে কমলবাবু রোজ বেলা পর্যন্ত _____ ।
5. প্রতিদিন উনি ঠিক সময়ে _____ না।

VII. নীচে দিএ গএ প্রশ্নাঁ কে স্বীকারাত্মক এং নিষেধাত্মক উত্তর দীজিএ।

1. তুমি কি ফুঁবল খেলা দেখো?
2. আপনি কি রোজ সকালে বাজারে যান?
3. ঐাঁ কি আপনার নিজের বাড়ি?
4. তোমরা কি পূজোর ছুঁতি বেড়াতে যাচ্ছোঁ?
5. আপনি কি নিয়মিত খবরের কাগজ পড়েন?

VIII. উদাহরণ কে অনুসার নীচে দিএ গএ প্রত্যেক বাক্য কে জিতনে হাঁ সর্কে উতনে প্রশ্নবাকী বাক্য বনাঐএ।

উদাহরণ : বিজয়া রোজ ভোর পাঁটার সময় উঠে হারমোনিয়ম বাজিয়ে গান করে।

- (1) বিজয়া কি করে?

(2) बिजया कखन उठै गान करे?

(3) बिजया कि बाजिये गान करे?

(4) बिजया कि रोज गान करे?

1. आमरा गतकाल बङ्कुरा मिले बिकेल ४८०० समय मोहनबागान ओ स्पष्टवेङ्गलेर फुटबल खेला देखते माठे गियेछिलाम।
2. आमि गीार बाजिये सक्ये सातार समय गान करेछि।
3. सुस्मिता रोज सकाले नदीर धारे बेडाते याय।

पढ़िए और समझिए।

आमादेर छेलेबेला

हमारा बचपन

छोबेलाय आमि ग्रामे থাকताम। आमादेर ग्रामि शहर थेके अनेक दूरे। ताम्प कोनो कोलाहल छिल ना। आमादेर बाड़िर काछेम्प एकौ चत्तीमण्डप छिल। सेथाने पाठशाला बसत। आमि सेथाने पढ़ते येताम। एकजनम्प शिक्षक मशाम्प छिलेन। तिनि सुर करे नामता पढ़ातेन आमराओ तौर सुरे सुरे ता आओड़ताम। मावे मावे मशिर मशाम्प बाड़िर काज करार जन्ये किछुक्कणेर जन्ये चले येतेन। तखन आमादेर खुब मजा हत। आमरा तखन खेलताम। एखनकार मतो पढ़ाशोनार एत चाप छिल ना। आमादेर समये छो छो छेले-मेयेरा खेला धूलो करते यथेष्ट समय पेत जीवनेर अनेक शिक्षाम्प तखन परिवेश थेके आमरा पेताम। एखनकार मतो बम्प मुखस्व करे नय।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
छोबेलाय	बचपन में
ग्रामे	गाँव में
थाकताम	रहते थे
कोलाहल	शोरगुल, कोलाहल
छत्तीमणुप	पूजा का मंडप
नामता	पहाड़ा
यथेष्ट	यथेष्ट, पर्याप्त
पेताम	प्राप्त होना
मुखस्थ	कंठस्थ

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. पाठशाला कोथाय बसत?
2. पाठशालाय कतजन शिक्षक छिलेन?
3. मङ्गिर मशाम्प बाड़ि चले गेले छात्ररा कि करत?
4. पड़ाशोनार चाप केमन छिल?
5. तखनकार दिने छात्ररा स्कूलेर बाम्परे कितावे शिक्षा पेत?

II. उदाहरण के अनुसार नये शब्द बनाइए।

उदाहरण : बसल बसत

1. गेलन
2. देखल
3. लिखलाम
4. खेलन

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

आमरा कयैक बछर आगे पुरी बेड़ाते गियेछिलाम। तखन आमि अष्टम श्रेणीते पड़ि। सेम्प समय पुरीर परिवेश खुबम्प शान्त छिल। समुन्द्रेर उँउ खुब परिष्कार परिच्छर छिल। आमरा बल्लक्षण पर्यन्त समुन्द्रेर धारे बसताम। सेथाने आँ कलेजेर कयैक छेले बालि दिये खुब सुन्दर सुन्दर मूर्ति तैरी करछिल। पुरीर समुद्र थेके जगन्नाथ मन्दिर बेश दूरे। आमरा रिक्काय चेपे मन्दिर पूजा दिते येताम। मन्दिर किछु यथेष्ट कोलाहल शोना येत। ताँ खुबम्प ভাল लागत। पुरीर स्मृति आमि आजउं डुलिनि ।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

भारत गाँवों का देश है। यहाँ शहर कम और गाँव अधिक हैं। इसलिए गाँवों का विकास भारत का विकास है। एक समय था जब गाँव बहुत छोटे-छोटे होते थे।

रास्ते कच्चे और ऊबड़ खाबड़ होते थे। मकान भी कच्चे होते थे। आवागमन के साधन नहीं होने के कारण लोग पैदल आते जाते थे। गाँव पिछड़े हुए थे। लेकिन लोगों का परस्पर व्यवहार अच्छा रहता था। वातावरण शुद्ध था। आज गाँव पहले जैसे नहीं है। बहुत कुछ बदला है। रास्ते पक्के बने हैं। मकान भी पक्के बने हैं। आबादी भी बढ़ गई है। गाँव कृषि में प्रगति कर रहे हैं। उनका जीवन स्तर सुधर रहा है। यह प्रसन्नता की बात है कि, हमारे गाँव विकास कर रहे हैं। गाँवों में शिक्षा और स्वास्थ्य में भी प्रगति हुई है।

V. नीचे दिए गए शब्दों में से विपरीतार्थी शब्द चुनकर उनकी जोड़ियाँ बनाइए।

ग्रामे चण्डीमण्डप शिक्षिका मजा शहरे दूरे

कोलाहल	सूर	छो	काछे	चाप	बड़
किछुम्फण	एथाने	शिम्फक	ताल	सेथाने	खेलताम

VI. अपने निकट के किसी बड़े शहर के बारे में एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

- I. इस पाठ में स्वाभाविक (नियमित रूप से होनेवाली) भूतकालिक क्रियारूपों का प्रयोग दिखाया गया है। किसी धातु का स्वाभाविक भूतकाल रूप बनाने के लिए धातु के तिर्यक रूप में 'त' (त) जोड़कर उसके बाद भूतकालिक पुरुष वाचक प्रत्यय जोड़ते हैं। जैसे :

आमि खेलताम।	(खेल + त + आम)	मैं खेलता था/खेलती थी।
आपनि/तिनि खेलतेन।	(खेल + त + एन)	आप/वे खेलते थे/खेलती थीं।
तुमि खेलते।	खेल + त + ए)	तुम खेलते थे/खेलती थी।
तुम्प खेलतिस।	खेल + त + म्पस)	तू खेलता था/खेलती थी।
से खेलतो।	खेल + त + ओ)	वह खेलता था/खेलती थी।

उपर्युक्त क्रियाओं के निषेधात्मक रूप बनाने के लिए उन के बाद में 'ना' (ना) जोड़ा जाता है। जैसे :

आमि खेलताम ना	मैं नहीं खेलता था/नहीं खेलती थी।
आपनि / तिनि खेलतेन ना।	आप/वे नहीं खेलते थे/नहीं खेलती थीं।
तुमि खेलते ना।	तुम नहीं खेलते थे/नहीं खेलती थी।
तुम्प खेलतिस ना।	तू नहीं खेलता था/नहीं खेलती थी।

সে / ও / এ খেলতো না।

वह/यह नहीं खेलता था/नहीं खेलती थी।

বন্ধুর বিয়ে

শেখর : আজ খুব ঘুম পাচ্ছে। কিন্তু
বছরের শেষ। তাঙ্গ ছুটিও নিতে
পারছি না।

স্বপন : ও বুঝেছি। কমলের বিয়েতে
গিয়েছিলেন। তাঙ্গ আপনার এঙ্গ
অবস্থা হয়েছে। ওখানে আপনি
ঘুমোতে পারেন নি বুঝি?

শেখর : আর কি? আজ অফিসে এসেছি
এঙ্গ যথেষ্ট। কিন্তু, বিয়েতে খুব
মজা হল। আপনি তো গেলেন
না?

স্বপন : কি করি, কাল জ্বর মামাতো
বোনের বৌভাত ছিল। আমরা
সবাপ্প সেখানে গিয়েছিলাম।
তাঙ্গ কমলের বিয়েতে যেতে
পারলাম না। খুব খারাপ লাগছে।
এবার বলুন, আপনারা কেমন
আনন্দ করলেন?

মিত্র কা বিবাহ

শেখর : আজ बहुत नींद आ रही है। किंतु वर्ष
का अंत है। इसलिए छुट्टी भी नहीं ले
पा रहा हूँ।

स्वपन : ओह! समझ गया। कमल की शादी में
गए। इसलिए आप की यह दशा हुई
है। वहाँ आप सोए नहीं?

शेखर : और क्या? आज ऑफिस में आ गया
हूँ, यही काफी है। लेकिन वहाँ खूब
मज़ा आया। आप तो नहीं गए न।

स्वपन : क्या करूँ, कल पत्नी की ममेरी बहन
का 'बहुभात' था। हम सब वहाँ गए
थे। इसलिए कमल के विवाह में नहीं
गया। बहुत बुरा लग रहा है। अब
बताइए, आपलोगोंने कैसे आनंद
मनाया?

শেখর : আমরা খুব আনন্দ করলাম।
আমরা বরযাত্রীরা বাসের মধ্যে
খুব ঠাট্টা তামাসা করছিলাম। বাস
রাত্রি দশায় ওখানে পৌছল।
তারপর আমরা জলখাবার
খেলাম। বিয়ের অনুষ্ঠান শুরু হল
রাত এগারোয়। সাত পাকে বাঁধা
থেকে শুরু করে শুভ দৃষ্টি, মালা
বদল সবসম্প আমরা বারান্দায়
বসে দেখলাম। রাত্রে খেলাম প্রায়
দেড়ার সময়। বাড়ী ফিরলাম
প্রায় ভোর চারটায়।

স্বপন : তাহলে শেষ পর্যন্ত কমল বিয়ে
করল!

শেখর : হ্যাঁ, এতদিন মনের মতো পাত্রী
পাচ্ছিল না। ভীষণ খুঁতখুঁতে
স্বভাব কমলের। আরে, এখানেও
সে বিয়ে করতে চাম্পাছিল না।
অনেক পীড়াপীড়ির পরে রাজী
হল। তবে ও বেশ ভালসম্প বৌ
পেয়েছে। তা আপনি বৌভাতে
যাচ্ছেন তো?

স্বপন : নিশ্চয়, বৌভাতে সবসম্প মিলেসম্প
যাব। রবিবার ছুটিও আছে।

শেখর : हमलोगों ने खूब आनंद मनाया।
बरातियों ने बस में खूब मज़ाकें की।
बस रात दस बजे वहाँ पहुँची। उसके
बाद हमने जलपान किया। रात को
ग्यारह बजे विवाह का अनुष्ठान प्रारंभ
हुआ। सप्तपदी से प्रारंभ करके शुभ
दृष्टि, वरमाला सभी कुछ हमने
बरामदे में बैठकर देखा। रात को
लगभग डेढ़ बजे भोजन किया। सवेरे
चार बजे घर लौटे।

स्वपन : तो कमल ने विवाह कर ही लिया!

शेखर : हाँ, आजतक मनपसंद लड़की नहीं
मिल रही थी। कमल का स्वभाव बहुत
नकचढ़ा है। वह तो यहाँ भी विवाह
नहीं करना चाहता था। बहुत दबाव
के बाद वह राजी हुआ है। लेकिन
उसको पत्नी काफी अच्छी मिली है।
आप ‘बहुभोज’ में तो जा रहे हैं न?

स्वपन : अवश्य, बहुभोज में सबको साथ लेकर
जाएँगे। रविवार को छुट्टी भी है।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
बिड़े	विवाह
बहुरेर	साल का, वर्ष का
मामातो	ममेरी, ममेरा
बोनेर	बहन का
बरयात्रीरा	वरातियों
ठाट्टा	मज़ाक
तामासा	तमाशा
जलखाबार	जलपान
अनुष्ठान	अनुष्ठान
बारान्दाय	बरामदे में

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. आमी पड़लाम । (लिखलाम, देखलाम)
2. आपनि देखलें। (बललें, शूनलें)
3. आमरा बेनारसे छिलाम। (गेलाम, बेड़ालाम)
4. आपनारा दिल्लीते थाकतेन । (बेड़तेन, घुरतेन)
5. से लिखछिलो। (पड़छिल, शिखछिल)

II. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. আপনি পড়ছিলেন।
2. আমি বাজারে গিয়েছিলাম।
3. রমেশ কাল এসেছিল।
4. সে বাংলা লিখছিল।
5. আমি হোটলে ছিলাম।

III. কোষ্ঠক में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(गेल, থাকতেন, গিয়েছিলেন, পড়েছি, ফিরলে)

1. আমি বস্পা _____।
2. সে গত রবিবারে দিল্লী _____।
3. আপনি আগে কোথায় _____।
4. রামবাবু হেঁটে হেঁটে _____।
5. তুমি গতকাল কোথা থেকে _____।

IV. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों के सही रूप से नये वाक्य बनाइए।

1. আপনি কোথায় যাচ্ছিলেন? (থাক্)
2. আমরা আগে ভুবনেশ্বরে থাকতাম। (ছিল)
3. সে বেড়াতে যাচ্ছিল। (আস্)
4. আমি রোজ খবরের কাগজ পড়ি। (দেখ্)
5. তুমি কি আনন্দবাজার পত্রিকা পড়ছিলে? (কিন্)

V. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ওরা সকলে কাল বাজারে _____।
2. আব্দুল আগে রাজস্থানে _____।

3. আমি আগে রোজ খবরের কাগজ _____ ।
4. রীনা সেদিন সিনেমা _____ ।
5. পরেশ দাঁড়িয়ে দাঁড়িয়ে _____ ।

VI. ‘কি’ (क्या), ‘কে’ (कौन), ‘কোথায়’ (कहाँ), ‘কখন’ (कब), ‘কেন’ (क्यों), ‘কিভাবে’ (कैसे) শব্দों का प्रयोग कर प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

1. কাল সকাল পাঁচটা থেকে ব্যাঙ্গালোর শহরে বৃষ্টি আরম্ভ হয়েছে।
2. সিদ্ধার্থ তালুকদার কলকাতাতেম্প প্রথম শত রান করেছে।
3. সুদীপ্তা প্রতিদিন দশার সময় স্কুটারে করে কলেজে পড়াতে যায়।
4. রোজ সন্ধ্যে সাড়ায় মহীশূর স্টেশন থেকে কাবেরী এক্সপ্রেস চেন্নাম্প-এর উদ্দেশ্যে রওয়ানা হয়।

VII. शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

1. পর্যন্ত, তাহলে, করল, শেষ, বিয়ে, কমল।
2. মিলেম্প, বৌভাতে, ছুঁও, যাব, আছে, রবিবার, সবাম্প।
3. শুরু, বিয়ের, এগারোয়, অনুষ্ঠান, হল, রাত।
4. ঠাট্টা, করছিলাম, খুব, আমরা, তামাসা, মধ্যে, বাসের, বরযাত্রীরা।
5. ছিল, মামাতো, জ্বর, বৌভাত, বোনের, কাল।

VIII. नीचे दिए गए प्रश्नों के स्वीकारात्मक एवं निषेधात्मक उत्तर दीजिए।

1. আপনি কি কমলের বিয়েতে গিয়েছিলেন?

2. আপনি কি বাংলা বলতে পারেন?
3. আপনি কি কখনও উড়িষ্যা বেড়াতে গেছেন?
4. এম্প বম্পা কি আপনার?
5. ঐ কি লাল কালির কলম?

पढ़िए और समझिए।

গ্রামের পরিবেশ

गाँव का वातावरण

কিছুদিন আগেও আমাদের দেশে গ্রামের মানুষের জীবনযাত্রা অনেক সহজ ছিল। গ্রামে স্পলেকট্রিক, টেলিভিশন স্পত্যাদির উপদ্রব ছিল না। অবশ্য স্পলেকট্রিক গ্রামের জীবনে অনেক সুবিধে এনে দিয়েছে। যেমন ক্ষেতে পাম্পের সাহায্যে জল সেচের সুবিধে হয়েছে। তাম্প স্পলেকট্রিকে উপদ্রব বলা ঠিক নয়। কিন্তু স্পলেকট্রিকের ফলে কয়েকটি অবাঞ্ছিত জিনিসের আমদানি হয়েছে। যেমন মাম্পক্রোফোন, টেলিভিশন স্পত্যাদি। গ্রামে আগে শান্তি বিরাজ করতো এখন সেখানে মাম্পকের কোলাহলে দূষিত। একে শব্দ দূষণও বলা যায়। এম্প শব্দ দূষণের ফলে নানা রকম স্নায়বিক রোগেরও সৃষ্টি হচ্ছে। আগে এম্প ধরণের রোগ শহরেম্প বেশী দেখা যেত কিন্তু এখন গ্রামেও এম্প রোগের প্রকোপ বেড়েছে। গ্রামে একধরণের মানুষের হাতে কিছু বাড়তি পয়সা এসেছে কিন্তু শিক্ষার বিস্তার হয়নি ফলে অপসংস্কৃতির সৃষ্টি হয়েছে। এর সঙ্গে দুই ব্রণের মতো আরম্ভ হয়েছে রাজনৈতিক দলাদলি। গ্রামের জীবনে বর্তমানে তাম্প একটা বড় ধরণের পরিবর্তন এসেছে। প্রকৃত শিক্ষার বিস্তার দরকার। তবেম্প এম্প অপসংস্কৃতির হাত থেকে গ্রামের মানুষের মুক্তি হতে পারে।

शब्दार्थ

शब्द	অর্থ
পরিবেশ	বাतावरण
সহজ	सरल

উপদ্রব	উপদ্রব
অবাস্তিত	অবাস্তিত
দুষিত	দূষিত
শব্দ	আবাজ, ধ্বনি
স্নায়বিক	স্নায়বিক, স্নায়ু সংবন্ধিত
প্রকোপ	প্রকোপ
বাত্তি	বাত্তি
বিস্তার	বিস্তার
অপসংস্কৃতি	কুসংস্কৃতি
প্রকৃত	অসলী, বাস্তবিক
মুক্তি	মুক্তি

অভ্যাস

I. নীচে दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. স্পেলেক্ট্রিক গ্রামের জীবনে কি রকম সুবিধে এনে দিয়েছে?
2. স্পেলেক্ট্রিক আসার ফলে কি কি অবাস্তিত জিনিসের আমদানি হয়েছে?
3. শব্দ দূষণের ফলে কি ধরণের রোগ হতে পারে?
4. গ্রামে অপসংস্কৃতির মূল কারণ কি?
5. অপসংস্কৃতির হাত থেকে গ্রামকে মুক্ত করতে হলে কি প্রয়োজন?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों के साथ दाहिनी ओर दिए गए शब्दों के सही अर्थ से मिलान कीजिए।

সহজ	অপ্রয়োজনীয়
কোলাহল	আজকাল

অবাস্থিত	সরল
বিস্তার	গোলমাল
বর্তমান	বৃদ্ধি

III. नीचे दिए गए वाक्यों में से विपरीतार्थी शब्द चुनकर उनकी जोड़ियाँ बनाइए।

1. রজতবাবু কয়েকদিন আগে বিদেশ থেকে ফিরেছেন।
2. আমি এম্প বম্পা পড়ে শেষ করেছি।
3. এখনও গ্রামের মানুষ শান্তিতে আছে।
4. ভারত আমার দেশ।
5. শিক্ষার অভাবে অপসংস্কৃতির সৃষ্টি হয়েছে।
6. আমার কলেজ আজ থেকে শুরু হয়েছে।
7. ছেলের অসুস্থতার জন্য রামবাবু অশান্তিতে আছেন।
8. নিরোগ জীবন সবারম্প কাম্য।
9. ভারতীয় সংস্কৃতি জীবনমূল্যের শিক্ষা দেয়।
10. এখন শহরে পরিবেশ দূষণের জন্য বিভিন্ন রোগের প্রকোপ বেড়েছে।

IV. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

আমাদের পরিবেশ আগে এত দূষিত ছিল না। আগে পরিবেশ খুবম্প শান্ত ছিল ও অবাস্থিত দ্রব্যের কোনো উপদ্রব ছিল না। তখন যে কোন অনুষ্ঠানম্প খুব ধুমধাম করেম্প অনুষ্ঠিত হত। তবে সেখানে কোনরকম স্বেচ্ছাচারিতা বা অপসংস্কৃতি ছিল না, যান্ত্রিক শব্দ প্রভৃতির উপদ্রবও ছিল না। বর্তমানে মিডিয়া ও আধুনিকতার জন্য পরিবেশ পরিবর্তিত হচ্ছে। ফলে অনুষ্ঠানের রঙও বদলে গেছে। এখন অনুষ্ঠান বলতে আমরা বুঝছি যান্ত্রিক শব্দ, উদ্ধতা ও পোষাকের উৎসৃষ্টতাও বটে। কিন্তু আথেরে তার কোনো প্রয়োজন নেম্প। অনুষ্ঠান হল মনের উন্মুক্ততা, মানুষে মানুষের মিলন ও আনন্দ।

V. बंगला में अनुवाद कीजिए।

एक समय था जब हमारा जीवन सरल और स्वाभाविक था। हम सब प्रकृति पर निर्भर थे। सबलोग खूब श्रम करते थे। शुद्ध वातावरण में रहते थे। खान पान संयमित और शुद्ध था। हम प्रकृति की सुरक्षा करते थे। प्रकृति भी हमारी सुरक्षा करती थी।

धीरे धीरे विज्ञान ने उन्नती की। हमारे लिए सुविधाएँ बढ़ीं। हम सुविधा भोगी हुए। प्रकृति से हमारी दूरी बढ़ी। आज वातावरण शुद्ध नहीं है। बीमारियाँ बढ़ी हैं। हम कम श्रम करते हैं। अधिक सुविधा चाहते हैं। हमारी आवश्यकताएँ बढ़ी हैं। उन्हें पूरा करने की ललक भी बढ़ी है। लेकिन आमदनी उतनी नहीं बढ़ी। हमारी आवश्यकताओं की सीमा नहीं है। इसीलिए हम अशांत हैं। हमारा जीवन पहले जैसा सरल और स्वाभाविक नहीं रहा।

VI. ‘सादा जीवन उच्च विचार’ के बारे में एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

पूजोर छूति दक्षिण भारते भ्रमण पूजा की छुट्टियों में दक्षिण भारत भ्रमण

मीना : एवारे पूजोर छूति आपनि
कोथाओ वेड़ाते याबेन नाकि?

शुक्ला : ना, एवार आर कोथाओ याब ना।
आमार छेलेर सामनेस्प माध्यमिक
परीक्षा। तबे भाबछि, दुचार दिनेर
जन्य बापेर बाड़ी चले याब।
तोमरा कि कोथाओ याच्छ?

मीना : ह्या, आमरा दक्षिण भारते याब,
भावछि।

शुक्ला : याओ, याओ। खुब भाल लागवे।
दक्षिण भारतेर मध्ये महीशूर खुब
भाल जायगा। तोमादेर भाल
लागवे। आमि ओथाने किछुदिन
छिलाम। ओथानकार रास्ताघो खुब
परिष्कार परिच्छर। बाड़ीघर
खुब सुन्दर। ताछाड़ा चामुण्डी
मन्दिर महीशूरेर

मीना : आप इस बार पूजा की छुट्टियों में
कहीं घूमने जाएँगी क्या?

शुक्ला: नहीं, इसबार कहीं नहीं जाऊँगी।
मेरे लड़के की माध्यमिक परीक्षा
निकट है। फिर भी सोच रही हूँ दो-
चार दिन के लिए पिता के घर चली
जाऊँ। क्या आपलोग कहीं जा रहे
हैं?

मीना : हाँ, हमलोग दक्षिण भारत जाने की
सोच रहे हैं।

शुक्ला: जाइए, जाइए। बहुत अच्छा लगेगा।
दक्षिण भारत में मैसूर बहुत अच्छी
जगह है। आपलोगों को वहाँ अच्छा
लगेगा। मैं कुछ दिनों तक वहाँ रही
हूँ। वहाँ की सड़कें बहुत साफ
सुथरी हैं। वहाँ के मकान बहुत
सुंदर हैं। इसके अलावा चामुंडी
मंदिर, मैसूर का राजमहल, वृंदावन
उद्यान, श्रीरंगपट्टनम् के श्री रंगनाथ
स्वामी (विष्णु) मंदिर और टीपू
सुलतान के

রাজপ্রাসাদ, বৃন্দাবন গার্ডেনস ও
শ্রীরঙ্গপট্টনমের শ্রীরঙ্গনাথ স্বামী
(বিষ্ণু) মন্দির ও পিঁপু সুলতানের
কেল্লা, দরিয়াদৌলত মহল
স্পত্যাদি দেখার মতো।

কিলা, দরিয়াদৌলত মহল আদি
দেখনে লায়ক হৈঁ।

মীনা : আমরা প্রথমে চেন্নাম্প যাব। সেখান
থেকে মহাবলীপুরমে যাব। তারপর
পণ্ডিচেরীতে একদিন থাকব।
সেখান থেকে যাব রামেশ্বরমে।
তারপর কন্যাকুমারী হয়ে মাদুরাম্প
যাব। মাদুরাম্প থেকে মহীশূর যাব।
মহীশূর থেকে গোয়া যাওয়ার
স্পচ্ছা ছিল। কিন্তু, এবার হয়তো
গোয়া যেতে পারব না। অতদিন
বাম্পরে থাকা সম্ভব নয়। কারণ
মেয়ের স্কুল খুলবে ঠা নভেম্বর।

মীনা : हमलोग पहले चेन्नई जाएँगे। वहाँ से
महाबलीपुरम् जाएँगे। उसके बाद
पांडिचेरी में एक दिन ठहरेंगे। फिर
वहाँ से रामेश्वरम् जाएँगे। उसके
बाद कन्याकुमारी होते हुए मदुराई
जाएँगे। मदुराई से मैसूर जाएँगे।
मैसूर से गोवा जाने की इच्छा थी
किंतु, शायद इसबार गोवा नहीं जा
पाएँगे। इतने दिन बाहर रहना संभव
नहीं है। क्योंकि चार नवंबर से
लड़की का स्कूल खुल जाएगा।

শুক্লা : মহীশূরে তোমাদের কোনো অসুবিধে
হবে না। আমার মা ও ভাম্প
মহীশূরেম্প থাকে। তোমরা ওদের
কাছে থাকতে পার। আমি আমার
ভাম্পকে চিঠি লিখে দেব।

शुक्ला: मैसूर में आपलोगों को ठहरने की
कोई असुविधा नहीं होगी। मेरी माँ
और भाई मैसूर में ही रहते हैं।
तुमलोग वहाँ ठहर सकते हैं। मैं
अपने भाई को चिट्ठी लिख दूँगी।

মীনা : ঠিক আছে। মহীশূরে যাওয়ার

মীনা : ठीक है। मैसूर जाने के पहले हम
आपको बता देंगे।

আগে আপনাকে জানাব।

শব্দার্থ

শব্দ	অর্থ
এবার	ইসবার
কোথাও	কहीं
যাব	जाँगे
দক্ষিণ	दक्षिण
বাপের বাড়ি	पिता के घर
পরিষ্কার	साफ़
পরিচ্ছন্ন	साफ़ सुथरा
কেলা	किला
হয়ে	होकर
যাওয়া	जाना
স্পষ্ট	इच्छा
অত	उतना
যাওয়ার আগে	जाने के पहले
দিন	दिन
কারণ	कारण, क्योंकि
কাছে	पास में

অভ্যাস

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. আমরা দক্ষিণেশ্বর বেড়াতে যাব।

(ঘুরতে, ভ্রমণ করতে)

2. আমরা মাদ্রাজে দুদিন থাকব। (মহীশূরে, গোয়াতে)
3. আপনারা কি পণ্ডিচেরীতে যাবেন ? (থাকবেন, আসবেন)
4. তোমরা কোথায় যাবে ? (খাবে, কিনবে)
5. সে রবিবারে বাজারে যাবে। (বেনারসে, পুরীতে)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি আগামী গরমের ছুটিতে সিমলা _____। (যাব, যাম্প)
2. রবিবার কি সিনেমা দেখতে _____? (যায়, যাবে)
3. আপনারা কোথাও _____ কি? (যাবেন, যান)
4. তুম্প আজ সন্ধ্যাবেলা কোথায় _____? (যাস, যাবি)
5. তুমি কি এখন সাম্পকেল _____? (চালাও, চালাতে)

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(খেলবেন, দেখবেন, খেলবি, যাব, গাম্পবে)

1. কাল সকালে কি আমি _____?
2. আপনি কি ফুঁবল _____?
3. তুমি কি অনুষ্ঠানে গান _____?
4. আপনি কি সিনেমা _____?
5. তুম্প কি আজ ক্রিকেট _____?

IV. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. আমি এবারে গোয়া যাব।
2. সে কোলকাতা যাবে।
3. তুমি কি বম্পা পড়বি?
4. আমরা কাল পিকনিক করতে যাব।
5. তুমি কি রবিবারে দিল্লী যাবে?

V. উপযুক্ত শব্দों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমরা ছুঁতে হায়দ্রাবাদ _____ ।
2. আমরা কি বাজারে _____ ?
3. আমরা রাত্রে কোথায় _____ ?
4. সে ডিসেম্বরে লগুনে _____ ।
5. দাসবাবু ছুঁতে বেনারসে _____ ।

VI. नीचे दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

1. যাব, যখন, তখন, জানিয়ে, মহীশূর, আমরা, দেব, আপনাকে।
2. কন্যাকুমারী, তারপর, ওখান, যাব, থেকে।
3. রিঁ, ব্যাঙ্গালোর, মহীশূর, কাল, মহীশূর এক্সপ্রেস, থেকে, আসবে।
4. ছুঁতে, বেড়াতে, নাকি, কোথাও, যাবেন, পূজোর
5. যাবে, ৪ঠা নভেম্বর, স্কুল, মেয়ের, খুলে।

VII. नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

1. सुदीप्ता एवं सुस्मिता सामनेर मासे कन्याकुमारी यावे।
2. आमार मा बाबा दु बछरेर जन्य नतून दिल्लीते थेकेछेन।
3. छौ छौ शिशुराउ सकाल आँर समय स्कूले याच्छे।
4. रवीन्द्रनाथ ठाकुर १९०१ साले शान्तिनिकेतन स्थापन करेन पश्चिम बांग्लार बोलपुरे।
5. आमार बोनबि सुनयना खुब ভালोतावे छौबेला थेकेस्प गान करे।

पढ़िए और समझिए।

स्वप्न भङ्ग

स्वप्न भङ्ग

स्कूल पाठ्य रचना बम्पते एका विषय थाके “तुमि बड़ ह्ये कि हबे?” आपनि ये कोनो स्कूलेर छात्रदेर रचना खाता देखुन, देखबेन सबम्प लिखेछे, ‘आमि डाक्टर हब, आमि स्पञ्जिनियार हब’ स्पत्यादि। कारोर खाताय देखबेन ना ये, से लिखेछे ये से बड़ ह्ये रेलगाड़ी चालावे वा मोर गाड़ी चालावे। आसले बाबा मायेरा या चान छेले मेयेरा रचनाय तम्प लेखे, तम्प भावे। एर प्रमाण डाक्टरि वा स्पञ्जिनियारिं कलेजे भर्तिर जन्य आवेदनेर संख्या। जीबने ये आरो अनेक किछु करार आछे ता कोनो बाबा-मा भाबेन ना। सबम्प चान ताँदेर छेले मेयेरा डाक्टर स्पञ्जिनियार हबे। ताँरा एकबार भेबेओ देखेन ना ये ताँदेर छेले-मेयेरा अयथा स्नायबिक चापे भोगे। एम्प सुयोगे ब्याण्डेर छातार मतो गजिये उठेछे प्राम्पते मेडिकाल कलेज आर स्पञ्जिनियारिं कलेज। अवस्थापर परिवारेर छेले मेयेरा डोनेशन दिये एम्प सब कलेजे भर्ति ह्य। एर फले शिक्षार मानओ कमे यय। एम्प व्यवस्थापर परिवर्तन करते हबे। छात्रदेर मध्ये एम्प भाव आनते हबे ये, कोन काजम्प छौ नय। निजेर निजेर क्षमता अनुयायी सबम्प देशेर सेवा करबे। तबेम्प अहेतुक एम्प डाक्टरि शिक्षार, स्पञ्जिनियारिं शिक्षार मोह दूर हबे।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
पाठ्य	पाठ्य, पढ़ने योग्य
रचना	रचना
विषय	विषय
खाता	कॉपी
बाबा	पिता
मा	माँ
आसले	असल में
प्रमाण	प्रमाण
भर्त्तिर	भर्ती का
आवेदन	आवेदन
क्षमता	क्षमता
कता	कितना
चापे	दबाव में
चान	चाहना
सुयोगे	अवसर में
ब्याङ्गेर	मेंढक का
छातार	छाते का
गजिये	उगने
परिवारेर	परिवार का

অবস্থাপন্ন	धन, संपत्ति
মানও	मानक भी
পরিবর্তন	परिवर्तन
দেশের	राष्ट्र की
সেবা	सेवा
মোহ	मोह
দূর	दूर
হবে	होगा

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. স্কুলের ছেলে-মেয়েরা বড় হয়ে কি হতে চায়?
2. ছেলে-মেয়েদের ভবিষ্যৎ জীবিকা কি হবে তা কিসের ওপর নির্ভর করে?
3. ছেলে-মেয়েদের ক্ষমতা অনুযায়ী কি বাবা মায়েরা তাদের ভবিষ্যতের জীবিকার কথা ভাবেন?
4. প্রাম্পটে মেডিক্যাল কলেজ এবং স্পঞ্জিনিয়ারিং কলেজ বেশী হয়েছে কি জন্যে?
5. প্রাম্পটে মেডিক্যাল কলেজ এবং স্পঞ্জিনিয়ারিং কলেজে ভর্তির জন্যে যোগ্যতা কি?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों का दाहिनी ओर दिए गए शब्दों से मिलान कीजिए।

ব্যাঙের ছাতা	अकारण
অযথা	पलिनो
পরিবর্তন	येখানে सेখানে गजिये ওঠা प्रतिष्ठान

ভাবেন সংসার
পরিবার চিন্তা করেন

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

মহীশূর ৬

৪.৯.০৪

প্রিয় স্বামী,

আগামী ২৫ শে সেপ্টেম্বর আমি কোলকাতায় যাব, তাম্প কিঁ কেটেছি। আমি করমণ্ডল এক্সপ্রেসে ২৭ তারিখ হাওড়ায় পৌঁছাব। তারপর ওখান থেকে আমি সরাসরি আমার বাড়ী খিদিরপুরে যাব। আমি এখন ওখানেই থাকব। আমার খুব আনন্দ হচ্ছে। কতদিন পরে আবার মায়ের হাতের রান্না খাব। সকাল থেকে রাত্রি পর্যন্ত মা, বাবা, দিদি, বোনঝির সাথে কাঁব। ওখানে গিয়ে তোমাদের সাথে যোগাযোগ করব। আমি এখন বাড়ী যাব তাম্প আনন্দে মগন।

আর কি? আজ শেষ করলাম। বড়দের প্রণাম দিও। তুমি আমার শুভেচ্ছা নিও।

স্পতি

ঊষসী রায়।

স্বামী আম্পচ

মধ্যমগ্রাম

কলকাতা -- ৩০

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

राष्ट्रधर्म का पालन ही हमारा सब से पहला धर्म है। राष्ट्र का गौरव ही हमारा गौरव है। हम अपने राष्ट्र की रक्षा करेंगे। अपने राष्ट्र के विरुद्ध हम कोई भी काम नहीं करेंगे। हम अपने

राष्ट्र की अखंडता की रक्षा करेंगे। संविधान की मर्यादा का पालन करेंगे। भाषा, जाति और धर्म के विवादों को लेकर आपस में नहीं झगड़ेंगे।

राष्ट्र के विकास और शांति के लिए सदा जागरूक रहेंगे। परस्पर मनमुटाव नहीं करेंगे। आपस में भाईचारा बनाए रखेंगे।

यही है हमारा राष्ट्रधर्म। इसका पालन हम सब परस्पर सहयोग से करेंगे। राष्ट्र के प्रति यही हमारा कर्तव्य है। हम अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे तभी तो हम अपने अधिकारों के योग्य बनेंगे।

V. भारतीय गणतंत्र दिवस के बारे में एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

- I. इस पाठ में सामान्य भविष्य काल के क्रिया रूपों का प्रयोग दिखाया गया है। इस प्रकार के क्रिया रूप बनाने के लिए स्वरांत तथा व्यंजनांत धातुओं में 'ब' (ब) लगाकर भविष्य काल के पुरुष वाचक प्रत्यय जोड़े जाते हैं। जैसे :

(क) আমি থাক।	(था + ब + उ)	मैं खाऊँगा/खाऊँगी
আপনি/তিনি থাকেন।	(था + ब + एन)	आप/वे खाएँगे/खाएँगी
তুমি থাকে।	(था + ब + ए)	तुम खाओगे/खाओगी
সে থাকে।	(था + ब + ए)	वह खाएगा/खाएगी
তুঙ্গ থাকি।	(था + ब + ङ्ग)	तू खाएगा/खाएगी
(ख) আমি ফিরবো।	(फिर + ब + उ)	मैं लौटूँगा/लौटूँगी
আপনি/তিনি ফিরবেন।	(फिर + ब + एन)	आप/वे लौटेंगे/लौटेंगी
তুমি ফিরবে।	(फिर + ब + ए)	तुम लौटोगे/लौटोगी
সে ফিরবে।	(फिर + ब + ए)	वह लौटेगा/लौटेगी
তুঙ্গ ফিরবি।	(फिर + ब + ङ्ग)	तू लौटेगा/लौटेगी

द्रष्टव्य : भविष्य कालिक पुरुष, प्रत्यय, वर्तमान, भूत आदि से पृथक् होते हैं। इन वाक्यों के निषेधात्मक रूप बनाने के लिए क्रिया के बाद 'ना' (ना) जोड़ा जाता है। जैसे :

आमि याबो ना।	मैं नहीं जाऊँगा/जाऊँगी।
आमि फिरबो ना।	मैं नहीं लौटूँगा/लौटूँगी।

आमि आसब ।	(आस + ब + उ)	मैं आऊँगा/आऊँगी।
आपनि/तिनि आसबेन।	(आस + ब + एन)	आप/वे आएँगे/आएँगी।
तुमि आसबे।	(आस + ब + ए)	तुम आओगे/आओगी।
से आसबे।	(आस + ब + ए)	वह आएगा/आएगी।
तुम्प आसबि।	(आस + ब + ष्प)	तू आएगा/आएगी।

नतून चाकरि

नई नौकरी

पाण्डे : चटर्जीबाबू, आमी कोलकातार
आयकर विभागे एका चाकरि
पेयेछि।

चटर्जीबाबू : कन्ग्र्याचुलेशन! खुब ভাল कथा।

पाण्डे : दया करे आपनि बड़बाबूके
एकू ताड़ताड़ि रिलिभ करते
बलबेन।

चटर्जीबाबू : ह्या, ह्या, बले देव।

पाण्डे :आज्जे, आमी कখনो
कोलकाता यास्प नि। कि करव,
बड़स्प चिन्ता ह्छे।

चटर्जीबाबू : देख पाण्डे, तूमि तो ভাল
बांग्ला बलते पार। तबे
तोमार आबार चिन्तार कि
आछे? सोजा हाउडा स्टेशन
थेके २० नम्बर ट्रामे तूमि
शियालदा चले येयो।

पाण्डे : चटर्जीबाबू, मुझे कोलकाता के
आयकर विभाग में एक नौकरी
मिली है।

चटर्जीबाबू : बधाई! बहुत अच्छी बात है।

पाण्डे : कृपा करके आप बड़ेबाबू से
मुझे जल्दी कार्यमुक्त करने के
लिए कह दीजिए।

चटर्जीबाबू : हाँ, हाँ कह दूँगा।

पाण्डे : जी, मैं कभी कोलकाता नहीं
गया हूँ। क्या करूँ, वही चिन्ता
हो रही है।

चटर्जीबाबू : देखो पाण्डेजी, तुम तो बंगला
अच्छी तरह बोल लेते हो। तो
फिर तुम्हें चिन्ता की क्या
ज़रूरत है? हावड़ा स्टेशन से
२० नम्बर ट्राम द्वारा
सियालदह चले जाना। वहाँ
२५ नम्बर क्रीक रो में मेरा
ममेरा भाई शिशिर रहता

ওখানে ২৫ নম্বর ক্রীক
রো তে

আমার মামাতো ভাষ্প
শিশির থাকে। তুমি ওর সঙ্গে
দেখা করো।

পাণ্ডে : আচ্ছা, ওখানে থাকার জন্য
তড়াতাড়ি কি পাওয়া যাবে?

চৌজীর্জীবাবু : প্রথম কদিন তুমি আমার
মামাতো ভায়ের কাছে
থেকো। পরে ও তোমার থাকার
ব্যবস্থা করবে। আমি শিশিরকে
আজম্প ফোন করে দেব।

পাণ্ডে : স্যার, ওখানকার অফিসের
ব্যাপারে আমাকে কিছু বলুন।

চৌজীর্জীবাবু : আমি কি বলব? তবে, কয়েকটা
কথা তুমি মনে রেখো। নতুন
অফিসে মন দিয়ে কাজ করো।
সকলের সঙ্গে মেলামেশা করো।
অফিসে অনেক রকম রাজনীতি
হয়, কোনো দলে আর তুমি
থেকো না। তুমি একটা কথাও
মনে রেখো কোলকাতা শহরে

হৈ। তুমি उससे मिल लेना।

पांडे : अच्छा, क्या वहाँ किराए का
मकान मिलेगा?

चटर्जीबाबू : पहले कुछ दिन तुम मेरे ममेरे
भाई के साथ रहना। बाद में वह
तुम्हारे रहने की व्यवस्था कर
देगा। मैं उसको आज ही फोन
कर दूंगा।

पांडे : सर, आप वहाँ के ऑफिस के
बारे में मुझे कुछ बताइए न?

चटर्जीबाबू : मैं क्या बताऊँ? फिर भी, कुछ
बातें तुम ध्यान में रखना। नये
कार्यालय में मन लगाकर काम
करना। सभी के साथ मेलजोल
रखना। ऑफिस में कई प्रकार
की राजनीति होती है। तुम
किसी भी दल में मत रहना।
तुम और एक बात का भी ध्यान
रखना। कोलकाता शहर में
गड़बड़ी होती ही रहती है।
इसलिए अपरिचित लोगों के
साथ मेलजोल मत करना और
देर रात तक बाहर मत रहना।
यह सब सुनकर तुम डरना
मत। फिर भी सावधान रहना
अच्छा है। वैसे तो कोलकाता
बहुत अच्छा शहर है। वहाँ तुम्हें

গোলমাল লেগেম্প থাকে।
তাম্প, অচেনা লোকদের সঙ্গে
মেলামেশা করো না। আর বেশি
রাত্রি পর্যন্ত বাম্পরেও থেকো
না। এসব শুনে তুমি ভয় পেয়ো
না। তবুও সাবধানের মার নেম্প।
এমনিতে কোলকাতা খুব ভালো
শহর। তোমার কোনো অসুবিধা
হবে না।

পাণ্ডে : আপনাকে অনেক ধন্যবাদ।
স্যার, এখন আপনি আমার
জন্যে চিন্তা করবেন না।

চটর্জীবাবু : ঠিক আছে। যাওয়ার আগে
আমার সঙ্গে আর একবার দেখা
কোর। শিশিরের টেলিফোন
নাম্বারও নিয়ে নিও।

कोई भी परेशानी नहीं होगी।

पांडे : आपको बहुत धन्यवाद। सर,
अब आप मेरी चिंता मत
करना।

चटर्जीबাবु : ठीक है। जाने से पहले एकबार
मुझसे मिल लेना। शिशिर का
टेलिफोन नंबर भी ले लेना।

शब्दार्थ

शब्द

अर्थ

নতুন

नया

পরে

बाद में

পেয়েছি

पाना, मिलना

দয়া

दया, कृपा

मेलामेशा	मेलजोल
गोलमाल	गड़बड़
सूत्रां	इसलिए
अचेना	अनजान
ভয়	भय, डर
सावधान	सावधान
এমনিতে	वैसे, ऐसे
আয়কর	आयकर
বিভাগে	विभाग में
চাকরি	नौकरी
তাড়াতাড়ি	जल्दी
আজ্ঞে	जी
চিন্তা	चिंता
সোজা	सीधा
মামাতো	ममेरा
ব্যাপারে	बारे में

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. तूमि आगामीकाल एसो। (येयो, पड़)
2. आपनि ভাল करे लिखबेन। (पड़बेन, शनबेन)
3. आपनारा सब्ब आसबेन। (याबेन, बेड़ाबेन)

4. তুমি বড় বাজারে যেয়ো। (কিনো, এসো)
5. তুমি রবিবারের মধ্যে পড়িস। (লিখিস, শিখিস)

II. কোষ্ঠক में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. তুমি কাল জলপাম্পগুড়ি _____। (যেয়ো, যাও)
2. আপনি আগামী রবিবার আমাদের বাড়ীতে _____। (আসুন, আসবেন)
3. আপনারা এম্প সিনেমো নিশ্চয় _____। (দেখবেন, দেখুন)
4. তুমি আগামী মাসে কলকাতা _____। (যাস, যা)
5. আপনি এম্প বম্পো পরে _____। (পড়ুন, পড়বেন)

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(কর, লিখিস, কিনবেন, খেয়ো, আনবেন)

1. আপনি আমার জন্য কয়েকটা বম্প _____।
2. তুমি ভাল করে পড়াশোনা _____।
3. তুমি মাকে চিঠি _____।
4. আপনি তিনটে ঠিকি _____।
5. তুমি আজ রাতে হোস্টেলে _____।

IV. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

উদাহরণ :

আপনি বেড়াতে যান
আপনি বেড়াতে যাবেন।

1. আপনি ভাল করে লিখুন।
2. আপনি বাস্পরে যান ।
3. আপনারা হোটলে খান।
4. তুমি একটা ভাল বস্প আন।
5. আপনি ি.ভি. দেখুন।

V. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আপনি সন্ধ্যাবেলা একবার _____ ।
2. তুমি নিশ্চয় _____ ।
3. আপনারা সবাস্প আমাদের স্কুলের অনুষ্ঠানে _____ ।
4. তুস্প আমার জন্য একটা খবরের কাগজ _____ ।
5. আপনি দয়া করে আমার জন্য এক প্যাকে মিষ্টি _____ ।

VI. नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

1. রবিবাবু সকাল দশায় অফিসে যাবেন।
2. কমলার বাড়ি শহর থেকে পনের কি.মি. দূরে।
3. ঋষি বেশ কয়দিন জলপাস্পগুড়িতে আছেন।
4. বুস্বা আজ সাম্পকেল থেকে পড়ে গেছে।

5. মৌ আজ আর স্কুলে যায়নি।

VII. উপযুক্ত সর্বনামোঁ কা প্রয়োগ কর বাক্য পূরে কীজিএ।

1. প্রভাবতী খুব ভালো মেয়ে। _____ কলেজে পড়ে।
2. সূজাতা দেবী গানে পারদর্শী ছিলেন। এখন আর _____ গান করেন না।
3. অরবিন্দ বাবুর পদোন্নতি হয়েছে। _____ খুব খুশী হয়েছেন।
4. রমেশ কখন পড়ে গেছো! _____ লাগেনি তো।
5. আমার নাম সুমনা। _____ মহীশূরে যাওয়ার কথা ছিল।
6. বিড়ালী দেখতে সুন্দর। _____ রঙ সাদা।
7. আপনি কোথায় যাবেন? _____ কবেকার কি?
8. দীপ তুমিষ্প কাল যেও। _____ সবাম্প চেনে।

पढ़िए और समझिए।

আসুন! দেখুন! কিনুন!

আজ্বে! দেখিএ! খরিদিএ!

আসুন, শহরে নতুন কাপড়ের দোকান খোলা হয়েছে। সব রকমের পোষাক পাবেন। দেবী করবেন না। আসুন! তাড়াতাড়ি আসুন! আমাদের দোকানে নানা রকমের শাড়ী, সঁ-প্যাঁ, কাপড়, ছৌ মেয়েদের জামা পাবেন। প্রত্যেক জিনিসের দাম অত্যন্ত কম। জলের দামে বিক্রী হচ্ছে। তিনাঁ জিনিস কিনলে একাঁ জিনিস বিনা মূল্যে পাবেন। এছাড়া রয়েছে লঁারির ব্যবস্থা। একশোঁাকার বেশী জিনিস কিনলে প্রত্যেক একশোঁাকায় একাঁ লঁারির কুপন পাবেন। আমাদের ঠিকানা -- ৫৫ নম্বর, রামমোহন সরণী, কোলকাতা -- ৯। দোকান সকাল ৮টা থেকে রাত্রি ৮টা পর্যন্ত খোলা। রবিবার দোকান বন্ধ। আসুন আর মাত্র কয়েকদিনের জন্যে এম্প সুযোগ। বিলম্বে হতাশ হবেন।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
কাপড়ের	कपड़े की
দোকান	दुकान
পোষাক	पोशाक
অত্যন্ত	अत्यंत
বিক্রী	बिक्री
কিনলে	खरीदने, खरीददारी
ঠিকানা	ठिकाना, पता
বন্ধ	बन्द
মাত্র	केवल
সুযোগ	अवसर
বিলম্বে	विलंब से
হতাশ	हताश
হবেন	होंगे
প্রত্যেক	प्रत्येक

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. শহরে কিসের দোকান খোলা হয়েছে?
2. দোকানে কি কি জিনিস পাওয়া যায়?

3. তিনি জিনিস কিনলে বিনামূল্যে কি পাওয়া যায়?
4. লোরির কুপন পেতে হলে কি করতে হবে?
5. কোন দিন দোকান বন্ধ?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों का दाहिनी ओर दिए गए विपरीतार्थी शब्दों से मिलान कीजिए।

1. खोला	बड़
2. छोट	संक्रा
3. कम	बन्ध
4. सकाल	विक्रय
5. क्रय	बेशी

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

তোমাদের সকলকে সকালবেলায় ঘুম থেকে উঠতে হবে। সবাম্পকে প্রার্থনা সভায় যোগদান করতে হবে এবং তারপর তোমরা যে যার কাজে চলে যাবে। অন্তত শনিবার তোমরা বাগানের কাজ করবে। রবিবার গ্রন্থালয়ে দুঘণ্টা কাজ করবে। বেলা বারোটার পর থেকে ছুটি উপভোগ কর। কেউ আগে কাজ ছেড়ে যাবে না।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

छात्रावास का जीवन बहुत आनंददायक होता है। कई नये-नये मित्रों से पहचान होती है। क्या आप कभी छात्रावास में रहे हैं? यदि कभी ऐसा अवसर मिले तो उसे छोड़ना मत। तत्काल छात्रावास में भर्ती हो जाना।

छात्रावास में रहने के लिए कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखना। प्रातःकाल जल्दी उठ जाना। फिर आवश्यक क्रियाओं से निवृत्त होना। इसके पश्चात चाय नाश्ता करने मेस में जाना। मेस के निर्धारित समय का पालन अवश्य करना। नाश्ता करने के बाद शाला जाने की तैयारी में लगना। शाला से लौटकर आप थोड़ी देर विश्राम करना। फिर गृहकार्य पूरा कर लेना। दोनों समय

का भोजन करने के मेस के समय का ध्यान रखकर जाना। मेस में अनुशासन बनाए रखना। रात्री भोजन के पश्चात थोड़ी देर टहल भी सकते हो। रात में पढ़ाई करना और फिर समय पर सो जाना। सोने से पहले तेज रोशनी बुझाना मत भूलना। छात्रावास का जीवन अनुशासन सिखाता है। आप अनुशासन में रहने का पूरा अभ्यास कर लेना।

V. अपने क्षेत्र के किसी ऐतिहासिक स्थल पर एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

- I. इस पाठ में भविष्य काल की आज्ञावाचक क्रिया के रूपों का प्रयोग दिखाया गया है। मध्यमपुरुष में सम्मानवाचक, सामान्य और तुच्छता बोधक तीनों प्रकार के रूपों में बड़ा अंतर है। सम्मानवाचक सर्वनाम पद के आज्ञावाचक भविष्य के रूप सामान्य भविष्य के समान ही होते हैं। जैसे :

आपनि काजों करवैन।

आप यह काम कीजिएगा।

आपनि बड़बाबूके बलवैन।
दीजिएगा।

आप बड़े बाबू को बोल

इनको निषेधात्मक बनाने के लिए क्रिया के बाद 'ना' (ना) जोड़ना होता है। जैसे :

आपनि काजों करवैन ना।

आप यह काम मत कीजिएगा।

आपनि छिडा करवैन ना।

आप चिंता मत कीजिएगा।

- II. सामान्य मध्यमपुरुष में आज्ञावाचक भविष्य कालीन क्रिया के रूप बनाने के लिए स्वरांत धातुओं के तिर्यक रूप में 'या' (यो) जोड़ते हैं और व्यंजनांत धातुओं के तिर्यक रूपों में 'ओ' (ओ) जोड़ते हैं। जैसे :

तुमि शिगालदाय येयों।

तुम सियालदह जाना।

तुमि काजों कोरों।

तुम काम करना।

इनको निषेधात्मक बनाने के लिए क्रिया के बाद 'ना' (ना) जोड़ना होता है। जैसे :

तुमि शिगालदाय येयों ना।

तुम सियालदह मत जाना।

तुमि काजो कोरो ना। तुम काम मत करना।

III. तुच्छबोधक मध्यमपुरुष में आज्ञावाचक भविष्य के रूप साधारण विधिवाचक जैसे होते हैं। जैसे :

तुम्हें काजो करिअ। तू काम करना।
तुम्हें शिवालदाय यात्र। तू सियालदह जाना।

इनका निषेधात्मक बनाने के लिए क्रिया के बाद 'ना' (ना) जोड़े जाते हैं। जैसे :

तुम्हें काजो करिअ ना। तू काम मत करना।
तुम्हें शिवालदाय यात्र ना। तू सियालदह मत जाना।

ডাক্তারের সঙ্গে পরামর্শ

डॉक्टर से परामर्श

মহুয়া : ডাক্তারবাবু, আমি কি আসতে পারি?

महुआ : डॉक्टर साहब, क्या मैं आ सकती हूँ?

ডাক্তার: আসুন। এখানে বসুন। বলুন কি হয়েছে?

डॉक्टर : आइए। यहाँ बैठिए। बोलिए क्या हुआ है?

মহুয়া : কাল থেকে আমার ছেলের জ্বর হয়েছে। ও কিছু খেতে চাম্পছে না। সব সময় ও কেশেম্প যাচ্ছে।

महुआ : कल से मेरे लड़के को बुखार हो गया है। वह कुछ भी (खाना) नहीं खा रहा है। खाँसता ही रहता है।

ডাক্তার: আচ্ছা তোমার নাম কি?

डॉक्टर : अच्छा तुम्हारा नाम क्या है?

মহুয়া : রাজু।

महुआ : राजू।

ডাক্তার: রাজু এদিকে এসো। এম্প বেঞ্চে বস। একু মুখ খোলো, আমি দেখছি। এখন তুমি এখানে শোও। জোরে নিশ্বাস নাও। ঠিক আছে, ঠিক আছে। এখন উঠে পড়।

डॉक्टर : राजू, इधर आओ। इस बेंच पर बैठो। ज़रा मुँह खोलो। मैं देखता हूँ। ठीक है। अब तुम यहाँ लेट जाओ। लंबी साँस लो। ठीक है, ठीक है। अब उठ जाओ।

মহুয়া : ডাক্তারবাবু, আমার ছেলের কি হয়েছে?

महुआ : डॉक्टर साहब, मेरे बेटे को क्या हुआ है?

ডাক্তার: চিন্তা করবেন না। ঠাণ্ডা লেগে জ্বর হয়েছে? ঋতু পরিবর্তনের সময় এরকম একু হয়। আমি ওষুধ লিখে দিচ্ছি। এস্পিরিন দিনে দুবার দেবেন। সকাল ছায়া একটা আর সন্ধ্যা ছায়া একটা। আর এস্পিরিন রাতে শোয়ার আগে দু চামচ করে দেবেন।

মহুয়া : রাজু কি কি খেতে পারবে?

ডাক্তার: ওকে এখন ভাত দেবেন না। শুধু দালিয়াস্প দেবেন। ভাজা, ঝাল তরকারী দেবেন না। আপেল বা কমলালেবু দিতে পারেন কিন্তু কমলালেবু দেবেন না।

মহুয়া : ডাক্তারবাবু, রাজু ভাত ও ভাজা ছাড়া কিছুস্প খেতে চাম্পছে না। কি করব?

ডাক্তার: রাজু তুমি তিন চারদিন দালিয়াস্প খেয়ো। জ্বর ছেড়ে গেলে ভাত তরকারী খেতে পারবে। মায়ের কথা শুনো। দুষ্টমি করো না।

মহুয়া : ডাক্তারবাবু, আপনার ফিশা?

ডাক্তার: দশটা দিন। রাজু কেমন থাকে

ডাক্তার: चिंता की कोई बात नहीं है। ठंड लग जाने से बुखार हो गया है। ऋतु परिवर्तन के समय थोड़ा बहुत ऐसा हो जाता है। मैं दवाई लिख रहा हूँ। यह गोली दिन में दो बार देना है। एक सुबह छः बजे और एक शाम छः बजे। और यह सीरप रात में सोने के पहले दो चम्मच देना है।

महुआ : राजू क्या-क्या खा सकता है?

डॉक्टर: इसे अभी चावल मत देना। केवल दलिया ही देना। तली, चटपटी और तीखी सब्जी मत देना। सेव और संतरे भी दे सकते हैं। लेकिन खट्टा मत देना।

महुआ : डॉक्टर साहब, राजू चावल और तली सब्जी छोड़कर कुछ भी खाना नहीं चाहता। क्या करूँ?

डॉक्टर: राजू, तुम तीन चार दिनों तक दलिया ही खाना। बुखार ठीक होने के बाद चावल और सब्जी खा सकते हो। माँ की बात मानना। शरारत मत करना।

महुआ : डॉक्टर साहब, आप की फीस?

डॉक्टर: दस रुपये दीजिए। राजू कैसा है, यह दो दिन बाद बताना।

তা দুদিন পর জানাবেন।

महुआ: अच्छा, मैं चलती हूँ।

মহুয়া : আচ্ছা, আসি।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
পরামর্শ	परामर्श
শোও	लेटो
परिवर्तन	परिवर्तन
ওষুধ	दवा
রুটি	रोटी
কমলালেবু	संतरा
খক	खट्टा
দুষ্টমি	शरारत
কত	कितना
দেব	दूँ
দশ	दस
কেমন	कैसा
ঝাল	तीखी

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. আপনারা এম্প বস্পো কিনবেন না। (আনবেন না, দেবেন না)
2. তুমি স্পংরেজী লিখো না। (পড়ো না, শিখো না)

3. আপনি 'ি. ভি. দেখবেন না। আনবেন না, কিনবেন না)
4. আপনি আজ কোথাও যাবেন না। (খাবেন না, ঘুরবেন না)
5. রোদে রোদে ঘুরো না। (দৌড়িও না, বেড়িও না)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আপনি আজ বিকেলে _____। (আসুন, আসেন)
2. আপনি এম্প গরমে বাষ্পরে _____। (বেরোবেন না, বেরোচ্ছেন না)
3. তুমি কোথাও এখন _____। (যেয়ো না, যায় না)
4. আপনারা এখন সকলে এক সঙ্গে _____। (খাবেন না, খান না)
5. তুমি কাল রমেশ কে চিঠি _____। (লেখ না, লিখো না)

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(কেটো না, খাবে না, পড়বেন না, দাঁড়াবেন না, ঘুমিয়ো না)

1. আপনি এম্প বম্পা _____।
2. তুমি সাঁতার _____।
3. অফিসে সিগারেট _____।
4. তুমি দুপুরে _____।
5. আমার জন্য বেশীক্ষণ _____।

IV. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. বেশী গরম চা খাও।

2. বর্ষায় বাষ্পরে বেরোও।
3. আপনি এষ্প ভিড় বাসায় উঠুন।
4. তুমি কাজী এক্ষুপি কর।
5. আপনারা এখন বাষ্পরে যান।

V. উপযুক্ত শব্দों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আপনারা ঠাণ্ডায় _____ না।
2. রাস্তায় আস্তে আস্তে _____ না।
3. তুমি এত রাত্রে কোথাও _____ না।
4. আপনারা বোর্ডে _____ না।
5. তোমরা দেৱী করে _____ না।

VI. उदाहरण के अनुसार वाक्यों में रेखांकित शब्दों को विशेषण में बदलकर नये वाक्य बनाइए।

উদাহরণ: অরুণ খুব ভালো সাঁতার কাটে।

অরুণ খুব ভালো সাঁতারু।

1. পিংকির আচার আচরণ গ্রামের লোকের মত।
2. দেবকী সাদা রঙের ফুল খুব পছন্দ করে।
3. ঘোড়া খুব দ্রুত দৌড়োতে পারে।
4. শ্যামলী খুব ভালো গান করতে পারে।
5. উনি পেশায় একজন শিক্ষক।

पढ़िए और समझिए

स्वास्थ्यम्प सम्पद

स्वारथ्य ही संपत्ति है

ভালো স্বাস্থ্যের জন্য ভালো খাওয়া দরকার। কখনও মনে করবেন না যে ভালো খাওয়া মানেস্প দামী জিনিস খাওয়া। প্রকৃতিতে প্রচুর উপকারী ফল, শাকসব্জি পাওয়া যায়। তার মধ্যে কিছু জিনিসের দাম বেশি এবং কোনো জিনিসের দাম কম ও সহজলভ্য। যেমন -- আপেল, লিচু বেশ দামী ফল। অপরপক্ষে, কলা, পেয়ারা, সফেদা স্পত্যাদির দাম আবার কম। তাম্প ভাববেন না যে আপেল বা লিচুস্প খেতে হবে। অন্যান্য ফলগুলিও স্বাস্থ্যের পক্ষে উপযোগী ও উপকারী। তাছাড়া নানান সব্জিও পাওয়া যায়। যেমন -- বাঁধাকপি, পালংশাক, নট শাক, কলমী শাক, কচুশাক স্পত্যাদি। এগুলিও যথেষ্ট উপযোগী এবং দামও কম।

শরীর সুস্থ ও স্বাভাবিক রাখতে হলে নিয়মিত শরীরের পক্ষে উপযোগী খাবার খাওয়া প্রয়োজন এবং ব্যায়ামেরও প্রয়োজন। তবে ব্যায়াম মানে আধুনিক জিমে যাওয়া নয়। আপনি যন্ত্রপাতি দিয়ে স্বাস্থ্য ঠিক রাখার চেষ্টা করবেন না। সকাল ও সন্ধ্যাবেলায় কোনো মুক্ত নির্মল পরিবেশে হাঁটার অভ্যাস করুন। নিয়মিত যোগ ব্যায়াম দ্বারা শরীর সুস্থ রাখার চেষ্টা করুন।

আপনি অপরিপাক্য মিষ্টি, ভাজাভুজি, ঘি, মাখন স্পত্যাদি বেশী খাবেন না। এছাড়া আমিষ খাবার -- ডিম, মাছ, মাংস স্পত্যাদি সম্বন্ধেও আজকাল নানা বিরূপ মন্তব্য শোনা যাচ্ছে। বেশি আমিষ খাবারও খাওয়া উচিত নয়, তাম্প বেশি আমিষ খাবেন না। মাদক দ্রব্য, মদ্যপানও করবেন না, তাতে শরীর খারাপ হতে পারে।

প্রচুর সব্জি ও জল খান। আপনি যদি এস্পভাবে নিয়ম মেনে চলেন তবে সুলভে সুস্বাস্থ্য লাভ করবেন।

शब्दार्थ

शब्द

अर्थ

श्वास्थ्य	स्वास्थ्य
प्रचुर	प्रचुर, बहुत
उपकारी	उपकारी
सहजलब्ध	उपलब्ध
उपयोगी	उपयोगी
कटू	अरवी, जमींकंद
यथेष्ट	यथेष्ट, पर्याप्त
नट	चौलाई
स्वाभाविक	स्वाभाविक
नियमित	नियमित
प्रयोजन	आवश्यकता
व्यायाम	व्यायाम
आधुनिक	आधुनिक
यत्नपाति	यंत्र, मशीन
चेष्टा	कोशिश, प्रयत्न
निर्मल	निर्मल
आदत्त	आदत
अभ्युत्थ	अपर्याप्त
अपर्याप्त	तली हुई
ताजाभूजि	के संबंध, के बारे में
सम्बन्ध	विरोध, एतराज
विरोध	आमिष
आमिष	मादक द्रव्य

मादकद्रव्य

मद्यपान

मद्यपान

सुलभ में

सुलभे

सुस्वास्थ्य

सुस्वास्थ्य

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ভালো স্বাস্থ্যের জন্য কি প্রয়োজন?
2. কোন্ বস্তুগুলির দাম কম অথচ উপকারী?
3. অপরিপাক্য পরিমাণ কি খাওয়া উচিত নয়?
4. কি গ্রহণ করলে শরীর খারাপ হবে?
5. কখন কোথায় হাঁটা উচিত?

I. नीचे दिए गए वाक्यों में से विपरीतार्थी शब्द चुनकर उनकी जोड़ियाँ बनाइए।

1. দামী বস্তুকে যত্ন করে রাখতে হবে।
2. প্রিয়ব্রতবাবু নিরামিষ খাবার খান।
3. জীবনের খারাপ অভ্যেসগুলি ত্যাগ করুন।
4. অপ্রয়োজনীয় কথা বল না।
5. খুব কম খাওয়া স্বাস্থ্যের পক্ষে অনুপযুক্ত।
6. সুবল খুব ভালো ছেলে।
7. বেশী রাত জেগে পড়া উচিত নয়।
8. কোলকাতা শহরে খাবার খুব সস্তা।
9. আমিষ খাবারেরও যথেষ্ট উপকারিতা আছে।

10. বেঁচে থাকার জন্য সুস্থ ও সুন্দর পরিবেশ খুব প্রয়োজনীয়।

II. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

প্রত্যেক মানুষের শরীরের প্রতি নজর দেওয়া উচিত। এমন কোনো কাজ করা উচিত নয় যাতে তোমার শরীরের কোনো ক্ষতি হয়। যেমন -- সকালে দেরি করে উঠবে না, সকালে উঠেই হাঁটতে যাবে। তারপর ফিরে এসে ব্যায়াম করবে তবে ব্যায়াম করার সময় জল খাবে না। তাতে হিতে বিপরীত হবে। তারপর বিশ্রাম নিয়ে কিছু জলখাবার খেয়ে দিনের কাজ শুরু করে দেবে। কিন্তু জলখাবারে ভাজাভুজি বা মশলাদার খাবার খাবে না। দুপুরবেলায়ও স্বাস্থ্যের পক্ষে উপকারী, স্বাদু খাবার ভালোভাবে খাবে। জলখাবার ও দুপুরের খাওয়ার মধ্যে বেশি সময়ের পার্থক্য রাখবে না। দুপুরের খাবারও কখনো অপরিপাক খাবে না এবং অত্যন্ত মশলাদার খাবার খাবে না। বিকালেও চা বা কফি খেলে কিছু ক্ষতি হবে না কিন্তু সাধারণভাবে কোনো নেশার বস্তু গ্রহণ না করাম্প ভালো। কোনো প্রকার মাদক দ্রব্য, মদ্যপান স্পত্যাদি গ্রহণ করো না। মাদক দ্রব্য, মদ্যপান শরীরের পক্ষে অত্যন্ত ক্ষতিকারক। সারাদিন প্রচুর জল খাবে এবং নিয়মিত ব্যায়াম শরীরের পক্ষে খুব ভালো। রাতেও কোনো কিছু হালকা খাবার খেয়ে একটু হাঁবে এবং রাতে শুতে দেরি করবে না। এম্প সকল নিয়ম ঠিক মত পালন করো, তবেম্প সুস্থ থাকবে।

II. बंगला में अनुवाद कीजिए।

কমলা : ডাঁ. সাহব যহ মেৰী বেটী মিলী হৈ। ইসে কল সে দাঁতों में दर्द হৈ। दर्द के कारण आज यह स्कूल भी नहीं गई।

ডাক্টর : বেটী, তুম বহাঁ মত খড়ী রহো। যহাঁ স্টুল পর বৈঠো। মঁ তুমহারে দাঁতों की जाँच करता हूँ। (মিলী স্টুল পর বৈঠতী হৈ। ডাক্টর জাঁচ করতৈ হৈঁ।)

ডাক্টর : क्या यह मिठाई ज़्यादा खाती है? इसे अधिक मिठाई मत दीजिए।

কমলা : ঘর মঁ তো মিঠাইঁ बहुत कम आती है। हाँ, चाकलेट कभी-कभी ला देते हैं।

- डॉक्टर : क्या आप इसे जेब-खर्च देती हैं?
- कमला : हाँ, कभी कभी देती हूँ।
- डॉक्टर : इतने छोटे बच्चों को अधिक जेब-खर्च मत दीजिए। बेटी, क्या तुम स्कूल में लड़कियों के साथ यह चाकलेट कभी भी खाती हो?
- मिली : डॉक्टर अंकल, रोज़ तो नहीं, कभी कभी खाती हूँ।
- डॉक्टर : अधिक चाकलेट मत खाना। क्या तुम चाकलेट खाने के बाद कुल्चा करती हो?
- मिली : हाँ डॉक्टर अंकल, घर में करती हूँ। लेकिन स्कूल में तो नहीं।
- कमला : डॉ. साहब, मैं इसे रोज़ ब्रश करने की याद दिलाती हूँ। हो सकता है, कभी न कर पाती है।
- डॉक्टर : खाने के बाद तो हर बार ब्रश करना बहुत ज़रूरी है। रात को सोने से पहले ब्रश करना मत भूलना। दाँतों की देखभाल बहुत ज़रूरी है।
- मैं यह दवाई दे रहा हूँ। इसे चार-चार घंटे बाद एक-एक गोली दीजिए। यह दाँतों पर लगाने की दवाई है। रुई में भिगोकर इसे दाँतों पर लगाएँ। दो दिन बाद उसे फिर दिखाना मत भूलना।
- कमला : जी डॉ. साहब! यह लीजिए आपकी फीस।
- डॉक्टर : धन्यवाद।
- कमला : अच्छा नमस्कार!

III. अपने बीमार मित्र का हालचाल जानने के लिए 'छोटा संवाद' बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में आज्ञावाचक वर्तमान के निषेधात्मक रूपों का प्रयोग दिखाया गया है। आज्ञावाचक वर्तमान रूपों के निषेधात्मक वाक्य भविष्य निषेधात्मक आज्ञावाचक के समान होते हैं। जैसे :

आजनि बलून।	आजनि बलबेन ना।
आप बोलिए।	आप मत बोलिए।
तुमि लोओ।	तुमि ओओ ना।
तुम लेटो।	तुम मत लेटो।

तुम्प था।
तू खा।

तुम्प थाप्र ना।
तू मत खा।

বাংলা শেখা

বংগলা সীখনা

শিক্ষক : বা! আপনারা তো বাংলা ভালোম্প
বলছেন। কিন্তু, এখনও আরো
ভাল শেখার দরকার। কথা বলার
সময় উচ্চারণের দিকে বিশেষ
লক্ষ্য রাখা দরকার।

১ম ছাত্র : স্যার, উচ্চারণ ভাল করার উপায়
কি?

শিক্ষক : প্রথমে বাংলা ভালো করে শোনা
দরকার। তাহলে আপনারা সঠিক
উচ্চারণ বুঝতে পারবেন। এর জন্য
রেডিওতে বাংলা সংবাদ শোনার
অভ্যাস করুন। বাঙালী বন্ধুদের
সঙ্গে বাংলায় কথা বলার সময়ে
ওদের উচ্চারণের দিকে নজর
রাখবেন।

২য় ছাত্র : স্যার, কথা বলার সময়ে সঠিক
শব্দ মনে আসে না। তাহলে অনেক
সময় বাক্য অসম্পূর্ণ থেকে
যায়।

শিক্ষক: वाह! आपलोग तो बंगला अच्छी
तरह बोल रहे हैं। किंतु अभी और
भी अच्छी तरह सीखने की
आवश्यकता है। बात करते समय
उच्चारण की ओर विशेष ध्यान
रखना चाहिए।

पहला : सर, उच्चारण ठीक करने का
उपाय छात्र क्या है?

शिक्षक: पहले बंगला को ठीक से सुनना
चाहिए। उससे आप उच्चारण ठीक
तरह से समझ सकेंगे। इस के लिए
रेडियो से बंगला समाचार सुनने का
अभ्यास कीजिए। बंगाली मित्रों के
साथ बंगला में बात करते उनके
उच्चारण की ओर विशेष ध्यान
रखना चाहिए।

दूसरा : सर, बात करते समय सही शब्द
छात्र याद नहीं आता है। इससे बहुत बार
वाक्य अधूरा ही रह जाता है।

शिक्षक : आसले सठिक शब्द आपनार जाना नेम्प। एर जन्य प्रतिदिन खबरेर कागज पड़ा दरकार। एर साथे लाम्पत्रेरी थेके बांग्ला बम्प ओ पत्रिकाओ नेओया ভাল। ताहले अनेक शब्द शिखते पारबेन।

ओय छात्र : स्यार, आमरा कि करे ভালो बांग्ला लेखा शिखते पारब?

शिक्षक : तारजन्य नियमित लेखा अभ्येस करा दरकार। किन्तु बांग्ला लेखा शेखार आगे ভাল करे बलार, शोनार ओ पड़ार अभ्येस करा उचिं। यदि एतावे अभ्येस करेन ताहले बांग्ला लिखते कोनो असुविधाप्प हवे ना।

१म छात्र : तबुओ बांग्ला शेखा सहज नय।

शिक्षक : कोनो भाषा शेखाप्प कठिन नय। भाषा शेखा आमारे अभ्येसेर उपर निर्भर करे। विशेष करे हिन्दी भाषीदेर पक्षे तो बांग्ला शेखा खुबम्प सहज।

ओय छात्र : ह्या स्यार। हिन्दी आर बांग्ला मध्ये

शिक्षक: असल में सही शब्द आपको मालूम नहीं होता। इसके लिए प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ना चाहिए। इसके साथ बंगला पुस्तकें और पत्रिकाएँ भी लाईब्रेरी से लेना अच्छा है। इस से उनके शब्द जान सकते हैं।

तीसरा : सर, सुंदर लिखना कैसे संभव है? छात्र

शिक्षक: इसके लिए नियमित रूप से अभ्यास करने की आवश्यकता है। लेकिन बंगला लिखना सीखने के पहले ठीक-ठीक बोलने का अभ्यास करना चाहिए। यदि आप ऐसा अभ्यास करेंगे तो बंगला लिखना सीखने में कोई कठिनाई नहीं होगी।

पहला : फिर भी बंगला सीखना इतना छात्र आसान नहीं है।

शिक्षक: कोई भी भाषा सीखना कठिन नहीं है। भाषा सीखना हमारे अभ्यास पर निर्भर करता है। विशेष तौर पर हिंदी भाषियों के लिए तो बंगला सीखना बहुत आसान है।

छात्र : हाँ सर। हिंदी और बंगला में बहुत सारी समानताएँ हैं।

অনেক মিল আছে।

শিক্ষক : কিন্তু অমিলও কম নেই। মিল ও
অমিল কোথায় কোথায় আছে
লক্ষ্য রাখলে ভুল কম হবে।
আচ্ছা এখন আপনারা বাংলাতে
একটা গল্প লিখুন।

১ম ছাত্র : স্যার, আমি কি পঞ্চতন্ত্রের একটি
গল্প লিখব?

শিক্ষক : আচ্ছা প্রথমে ঐ গল্পটি ক্লাসের
সবাইকে শোনান। তারপরে সব
ছাত্র গল্পটি নিজের ভাষায়
লিখবেন।

শিক্ষক: लेकिन असमानताएँ भी बहुत हैं।
समानताएँ और असमानताएँ कौन-
कौन सी हैं, इनका ध्यान रखने से
गलतियाँ कम होंगी। अब आप
बंगला में एक कहानी लिखिए।

पहला : सर, क्या मैं पंचतंत्र की एक कहानी
छात्र लिखूँ?

शिक्षक: अच्छा, पहले आप वह कहानी पूरी
कक्षा को सुना दीजिए। बाद में सब
छात्र अपने-अपने शब्दों में उस
कहानी को लिखेंगे।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
শেখা	सीखना
লক্ষ্য রাখা	ध्यान रखना
উপায়	उपाय
সঠিক	सही
নিয়মিত	नियमित
তবুও	फिर भी
কঠিন	कठिन

निर्भर	निर्भर
लिखून	लिखिए
शोना	सुनना
नज़र	नज़र, दृष्टि
वाक्य	वाक्य
अप्रसपूर्ण	अधूरा
आसले	असल में
पत्रिका	पत्रिका
मिल	समानताएँ
अमिल	असमानताएँ
गल्ल	कहानी

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. বেশীক্ষণ ধরে শোওয়া ভাল নয়। (ঘুমানো, দাঁড়ানো)
2. আমার পড়া দরকার। (কাজ করা, সঁতার কাটা)
3. আমার লেখা হল না। (পড়া, দেখা)
4. ভীড় বাসে ওঠা কঠিন। (চড়া, যাওয়া)
5. ঠিক সময়ে কাজ করা উচিত। (ওঠা, খাওয়া)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমার ঠিক সময়ে _____ অভ্যাস। (বেড়ানো, বেড়াতে, বেড়ানো)
2. ভোরবেলা ঘুম থেকে _____ স্বাস্থ্যের পক্ষে ভাল। (উঠতে, ওঠা, উঠব)
3. _____ ভাল ব্যায়াম। (সাঁতার কৌতে, সাঁতার শেখা, সাঁতার কৌ)
4. তোমার কথা কি _____ পারি ? (ভুলতে, ভোলা, ভুলি)
5. ওখানে আমার _____ দরকার। (যেতে, যাওয়া, যাবে)

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(করা, চড়া, হাঁটা, তোলা, দেখা)

1. কুয়ো থেকে জল _____ কঠিন।
2. সকলের কাজ _____ উচিত।
3. ঘোড়ায় _____ ভাল ব্যায়াম।
4. বেশী সিনেমা _____ ভাল নয়।
5. ভীড় বাসে _____ সহজ নয়।

IV. उदाहरण के अनुसार वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

উদাহরণ: বেশীক্ষণ ঘুমোনো ভাল।

বেশীক্ষণ ঘুমোনো ভাল নয়।

1. আমার ভোরবেলা চা খাওয়া অভ্যাস।
2. ছবি দেখে আঁকা সহজ।
3. হেঁটে হেঁটে অফিসে যাওয়া কঠিন।

4. लाम्पब्रेरी थेके बम्प खौजा सहज।

5. चशमा छाड़ा देखा संभव।

V. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমার বম্প _____ অভ্যাস।

2. এম্প পেন দিয়ে _____ কঠিন।

3. আপনার কি প্রতিদিন _____ অভ্যাস?

4. না বুঝে কাজটা _____ ঠিক হয়নি।

5. আমার জন্যে _____ দরকার ছিলো না।

6. সংবাদপত্র, গল্পের বম্প ভাষা শিক্ষার _____।

7. উচ্চারণের দিকে _____ দেওয়া ভাল।

8. নিয়মিত সংবাদপত্র _____ উচিত।

9. সবার পক্ষে, ছবি _____ সহজ নয়।

10. সুস্বাস্থ্যের জন্য ভালো খাদ্য _____ করা উচিত।

पढ़िए और समझिए :

একটি চিঠি এক চিঠী

এলাহাবাদ

৪. ০৯. ০৪

প্রিয় রজনীশ,

অনেকদিন তোমার কোনো চিঠি পাম্পনি। আশা করি তুমি ভালোম্প আছ। আমি এবার গ্রীষ্মের ছুটিতে বেনারসে যাচ্ছি। তুমিও এসো কিন্তু। আসার সময় একটা ভালো বাংলা বম্পও কিনে এনো। এখানে প্রায় বাংলা বম্প পাওয়া যায় না। লাম্পত্রেয়ীতে যত বাংলা বম্প আছে, আমার সব নেওয়া হয়ে গেছে। সেগুলো পড়াও হয়ে গেছে। এখন আর লাম্পত্রেয়ীতে নতুন কোনো বম্প পাওয়া যাচ্ছে না। আমার আবার ঘুমানোর সময় বম্প পড়ার অভ্যাস। তাম্প খুব অসুবিধাও হচ্ছে। এখানে বাংলা ভাষায় কথা বলার অভ্যেসও চলে যাচ্ছে। এখানে আমার কয়েকজন বাঙালী বন্ধু অবশ্য আছে। আমি সেখানে গিয়ে বাংলা কথা বলার অভ্যেস বজায় রাখার চেষ্টা করি। ভাষা অনুশীলনের জন্য সেম্প ভাষার গান শোনা একটা সুন্দর পদ্ধতি বলে মনে করি। আমি এখন গুজরাটি ভাষা শেখার জন্য একটা ভাষা শিক্ষাকেন্দ্রে ভর্তি হয়েছি।

যাম্প হোক, তুমি যখন আসবে তখন সামনাসামনি কথা হবে। আমি আগে থেকেম্প বেড়ানোর অনেক পরিকল্পনা করে রেখেছি। তুমি এলে তবেম্প আমরা একসঙ্গে বেড়াতে যাব। সেখানে বেড়ানোর অনেক সুন্দর জায়গা আছে।

আমি ভালো আছি। তুমি কেমন আছ? বাড়ীর বড়দের আমার প্রণাম জানিও। তুমি আমার ভালোবাসা নিও। উত্তর দিও।

ম্পতি

সঞ্জয়

শ্রী রজনীশ রায়

১৫, রামনগর রোড

কলকাতা - ৪০

হাঙ্গার্থ

शब्द	अर्थ
आशा करि	आशा करता हूँ
ग्रीष्म	ग्रीष्म की
छूति	छुट्टी में
नेওয়া	लेना
নতুন	नया, नूतन
পাওয়া	मिलना
ঘুমানোর	सोने का
কয়েকজন	कई लोग
বন্ধু	मित्र
শিক্ষাকেন্দ্র	शिक्षा केंद्र
ভর্তি	भर्ती
অনুশীলনের	अनुशीलन की
পদ্ধতি	पद्धति
সামনাসামনি	आमने-सामने, प्रत्यक्ष
পরিকল্পনা	परिकल्पना
বড়দের	बड़ों का
প্রণাম	प्रणाम
ভালোবাসা	प्यार
স্পতি	इति

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. পত্রলেখক গ্রীষ্মের ছুটিতে কোথায় যাচ্ছেন?
2. লেখক তার বন্ধুকে কি আনতে অনুরোধ করেছেন?
3. কোনো ভাষার অনুশীলন করার সব থেকে ভালো পদ্ধতি কি?
4. লেখক কোন ভাষা শিখতে শিক্ষাকেন্দ্রে ভর্তি হয়েছেন?
5. লেখক কিসের পরিকল্পনা করে রেখেছেন?

II. दिए गए वाक्यों में से पाँच जोड़ी समानार्थक शब्द निकालकर लिखिए।

1. আমরা গ্রীষ্মের ছুটিতে সবাস্প মিলে পুরী বেড়াতে যাচ্ছি।
2. আপনারা সামনাসামনি কথা বলে সব ঠিক করে নিন।
3. সোমা সর্বদাস্প বেড়ানোর জন্য তৈরী।
4. দেবকী কোন্ পদ্ধতিতে রান্না করেছে?
5. বেশি বন্ধু করা ভালো না।
6. আমি প্রত্যক্ষভাবে ঈশ্বরকে দেখিনি।
7. বেশি রোদে ঘোরাঘুরি করো না।
8. বিদেশীদের কাজের রীতিস্প আলাদা।
9. রাজা মহাশয়ের মিত্র সংখ্যা অনেক বেশি।
10. গরমকালে আমরা সবাস্প সাঁতারের ক্লাবে ভর্তি হব।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

কলকাতা

১২.৯.০৪

प्रिय सञ्जय,

তোমার চিঠি পেলাম। সেখানে তোমার বাংলা শেখারও চেষ্টা দেখে খুবস্প খুশী হলাম। বাংলা কথা অনেকস্প বলতে পারে ও লিখতে পারে, কিন্তু ভালো বাংলা শেখা কিছু আলাদা ব্যাপার। বাংলা বস্প পাওয়া যাচ্ছে না বলে দুঃখ করো না। আমি তোমার জন্য ভালো বস্প পাঠাবার চেষ্টা করব।

আর কি? আজ এতদূর থাক্। আমি বেনারসে যাব, তারপরস্প আমি ও তুমি বেড়ানোর পরিকল্পনা করে ঘুরব।

বড়দের প্রণাম দিও এবং তুমি আমার ভালোবাসা নিও। দেখা হবে।

স্পতি

রজনীশ

শ্রী সঞ্জয় চক্রবর্তী

১২/৩ শ্রীপুর

এলাহাবাদ

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

शिक्षा के अनेक माध्यम हैं। उनमें से टेलीविज़न भी एक सशक्त माध्यम है। हर माध्यम में कई कमियाँ, कई विशेषताएँ और कई अच्छाइयाँ, बुराइयाँ हो सकती हैं। जितनी अच्छाइयाँ और विशेषताएँ हैं हमें उनकी ओर ध्यान देना चाहिए।

टेलीविज़न में अनेक शिक्षाप्रद कार्यक्रम प्रसारित होते हैं। उनसे हमारे बच्चों को शिक्षा मिल सकती है। उनकी बुद्धिलब्धि बढ़ सकती है। वे बच्चों को तैरता देखकर तैराक बनें। दौड़ता हुआ देखकर धावक बनें। गाता हुआ देखकर गायक बनें। ऐसी प्रेरणा उन्हें मिलना चाहिए। हम अपने बच्चों को ऐसे प्रेरक कार्यक्रम देखने का अवसर दें।

टेलीविज़न को शिक्षा का एक अच्छा माध्यम बनाने के लिए हमें प्रयत्न करना चाहिए। बच्चों तथा वयस्कों को टेलीविज़न से बहुत कुछ सीखने के लिए हैं।

V. आपके बंगला सीखने के बारे में अपने मित्र को एक पत्र बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में क्रिया धातु से बनी संज्ञाओं का प्रयोग दिखाया गया है। ऐसी संज्ञाएँ बनाने के लिए एकाक्षरी स्वरांत धातुओं में ‘-उग्रा’ (-ओया), एकाक्षरी व्यंजनांत धातुओं में ‘-आ’ (-आ) और अन्य धातुओं में ‘नो’ (नो) जोड़ा जाता है। जैसे :

नेउग्रा	(ने + उग्रा)	लेना
याउग्रा	(या + उग्रा)	जाना
शेथ	(शेथ + आ)	सीखना
शोना	(शोना + आ)	सुनना
बेड़ानो	(बेड़ा + नो)	घूमना
घुमानो	(घुमो + नो)	सोना

ध्यान रखें कि इन धातुज (कृदंत) संज्ञाओं से भी अन्य संज्ञाओं की तरह विभक्ति लगाकर प्रयोग कर सकते हैं। जैसे :

बलार	(बला + र)	बोलने की
याउग्रार	(याउग्रा + र)	जाने की
घुमानोर	(घुमानो + र)	सोने की

দুর্গাপূজা

শর্মা : মিত্রবাবু, কাল রেডিওতে মহালয়ার
অনুষ্ঠান শুনলাম। খুব ভাল লাগল।

মিত্র : দুর্গাপূজা তো এসেই গেল। আর তো
মাত্র কিছুদিন বাকী। আপনি এবার
পূজোতে কোলকাতায় থাকছেন
নাকি?

শর্মা : শুনেছি, দুর্গাপূজা বাঙালিদের সবচেয়ে
বড় উৎসব। এবারে প্রথম
কোলকাতায় থাকার সুযোগ পেয়েছি।
আমি এ সুযোগ হাতছাড়া করছি না।
ভাবছি এবার পূজোতে কোলকাতায়
থাকব। বাঙালিদের দুর্গাপূজা সম্পর্কে
আমার কোনো ধারণা নেই।

মিত্র : আজকাল বেশীরভাগ পূজোই
বারোয়ারী ভাবে হয়। তবে এখনও
কিছু কিছু পারিবারিক পূজোও চালু
আছে।

শর্মা : আচ্ছা, বারোয়ারী ব্যাপারী কি?
কিভাবে এম্প পূজা করা হয়?

দুর্গাপূজা

শর্মা : মিত্রবাবু, কল রেডিও মেনে
মহালয়া কা কার্যক্রম শুনা। बहुत
अच्छा लगा।

মিত্র : দুর্গাপূজা তো আ হী গই হৈ। কেবল
কুচ দিন হী বাকী হৈ। পূজা মেনে
इसबार आप कोलकाता में रुकेंगे
क्या?

শর্মা : শুনা হৈ দুর্গাপূজা बंगालियों का
सबसे बड़ा उत्सव है। इस बार
कोलकाता में रहने का सुअवसर
पहली बार मिला है। मैं इस अवसर
को हाथ से नहीं जाने दूंगा। सोच
रहा हूँ इस बार कोलकाता में ही
रहूँ। बंगालियों की दुर्गापूजा के
संबंध में मेरी कोई जानकारी ही
नहीं है।

মিত্র : আজকল यह पूजा सार्वजनिक रूप
से मनाई जाती है। कोई लोग इसे
पारिवारिक स्तर पर भी मनाते हैं।

শর্মা : अच्छा, यह सार्वजनिक पूजा क्या
है? इसे किसप्रकार मनाया जाता
है?

मित्र : बारोयारी माने सर्वजनीन। सवाप्प मिले टांदा तुले पूजोर आयोजन करे। पूजोर प्राय एकमास आगे थेकेप्प टांदा तोला शुरु হয়।

शर्मा : दुर्गापूजा कितावे पालन करा হয়?

मित्र : आश्विन मासेर शुक्ला षष्ठीर दिन देवी दुर्गार बोधन হয়। তারপর सप्तमी, अष्टमी ও नवमी তিনদিন ধরে पूजा হয়। एप्प कदिन सकले नतून जामाकापड़ परे। पूजोर कैदिन चारिदिक आलो दिये साजानो হয়। पूजोर समय বিভিন্ন मंठपे सांस्कृतिक अनुষ্ঠानेर आयोजन करा হয়। मंठपे मंठपे प्रचण्ड भीड़ হয়। दल बैँधे सकले एप्प कदिन आसे प्रतिमा देखते ও मंठप सज्जा देखते। दशमीर दिन प्रतिमा विसर्जन देওয়া হয়। সেদিন সবাষ্প পরস্পরকে প্রীতি ও শুভেচ্ছা বিনিময় করে। সবাষ্প বড়দের প্রণাম করে। সমবয়স্ক লোকেরা কোলাকুলি করে।

शर्मा : ताहले देखछि, दुर्गापूजार उत्सव पश्चिमवङ्गे बेश जाँकजमक सहकारे

मित्र : सार्वजनिक का अर्थ है सभी लोगों की। सब लोग मिलकर चंदा इकट्ठा करके पूजा का आयोजन करते हैं। पूजा के लगभग एक महीने पहले ही चन्दा उगाहना शुरु हो जाता है।

शर्मा : दुर्गापूजा कैसे मनाई जाती है?

मित्र : आश्विन महीने में शुक्लपक्ष की छठी के दिन देवी दुर्गा की पट स्थापना की जाती है। उसके बाद सप्तमी, अष्टमी और नवमी तीन दिन तक पूजा होती है। इन दिनों सभी लोग नये-नये कपड़े पहनते हैं। पूजा के दिनों में चारों ओर प्रकाश करके सजावट की जाती है। पूजा के समय विभिन्न मंडपों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। मंडपों में बहुत भीड़ होती है। सभी लोग इन दिनों प्रतिमाओं के दर्शन करने और मंडप की सजावट देखने आते हैं। दशमी के दिन प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है उस दिन सभी लोग परस्पर शुभकामनाओं का आदान प्रदान करते हैं। सभी अपने बड़ों को प्रणाम करते हैं और समवयस्क परस्पर गले मिलते हैं।

शर्मा : इससे तो लगता है दुर्गापूजा पश्चिम बंगाल में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है।

मित्र : आप इस बार की दुर्गापूजा में यहीं रह जाइए और घूम-फिरकर सारे

পালন করা হয়।

মিত্র : আপনি এবারের দুর্গাপূজায় এখানে থেকে যান আর ঘুরে ফিরে সব দেখুন। তাহলে আপনার দুর্গাপূজো সম্বন্ধে আরো পরিষ্কার ধারণা হবে।

दृश्य देखिए। तब आपको दुर्गापूजा के विषय में और भी अधिक जानकारी मिल जाएगी।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
মহালয়া	शारदीय दुर्गापूजा के पूर्व अमावस्या पर होनेवाला संगीतमय आयोजन
গেল	गया
থাকছেন	रह रहे हैं
উৎসব	उत्सव
এবারে	इसबार
সুযোগ	अवसर, सुयोग
বারোয়ারী	सार्वजनिक
পারিবারিক	पारिवारिक
সর্বজনীন	सार्वजनिक
তোলা	उगाहना
কিভাবে	कैसे
আশ্বিন	आश्विन
শুক্রা	शुक्ल
ষষ্ঠী	षष्ठी, छटी

देवी	देवी
बोधन	घट स्थापना, वंदना
सप्तमी	सप्तमी
अष्टमी	अष्टमी
नवमी	नवमी
मंउप	मंडप
विसर्जन	विसर्जन
शुभेच्छा	शुभकामना
विनिमय	आदान प्रदान
समवयस्क	समान उम्र के
जाँकजमक	धूमधाम
सहकारे	के साथ
धारणा	जानकारी
कोलाकूलि करा	गले मिलना
साजानो	सजा हुआ
सांस्कृतिक	सांस्कृतिक
अनुष्ठान	अनुष्ठान
आयोजन	आयोजन
सम्बन्धे	संबंधित

अभ्यास

- I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. পূজোর আগে চাঁদা তোলা হয়। (চাওয়া হয়, দেওয়া হয়)
2. মণ্ডপ সাজানো হয়। (তৈরী হয়, বাঁধা হয়)
3. প্রতিমা মণ্ডপে মণ্ডপে রাখা হয়। (তোলা হয়, দেখা হয়)
4. নতুন জামাকাপড় পরা হয়। (কেনা হয়, দেওয়া হয়)
5. কাপড় কাচা হয়। (কেনা হয়, ধোওয়া হয়)

II. কৌশলক মেন্ দিএ গএ শব্দৌ মেন্ সে সহী শব্দ চুনকর বাক্য পুরে কীজিএ।

1. বাসে করে বেনারস _____। (যাওয়া যায়, যাওয়া হয়)
2. আশ্বিন মাসে দুর্গাপূজা _____। (করা যায়, করা হয়)
3. রেডিওর খবর বাংলায় _____। (পড়া হয়, পড়া যায়)
4. পূজোর সময় নতুন কাপড় _____। (পরা যায়, পরা হয়)
5. রবীন্দ্রনাথকে বিখ্যাত লোক হিসেবে _____। (মানা যায়, মানা হয়)

III. কৌশলক মেন্ দিএ গএ শব্দৌ মেন্ সে সহী শব্দ চুনকর বাক্য পুরে কীজিএ।

(দেখা যায়, করা হয়, যাওয়া যায়, আয়োজন হয়, খাওয়া হয়)

1. বসন্তকালে সরস্বতী পূজা _____।
2. শরৎকালে আকাশে মেঘ _____।
3. পাঁচ বছর অন্তর নির্বাচনের _____।
4. প্রতিদিন রাত্রে রুঁি _____।
5. আজকাল সব জায়গায় বাসে _____।

IV. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. प्रत्येक বছर मिंङि-এর আয়োজন করা হয়।
2. রমেশের বাড়ীতে গান গাওয়া হয়।
3. অনেক রাত্রি পর্যন্ত পড়া যায়।
4. দিনের বেলা আলো জ্বালানো হয়।
5. অনেকদিন মণ্ডপে প্রতিমা রাখা হয়।

V. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. জানলা দিয়ে আকাশ দেখা _____ ।
2. শীতকালে গরমের পোষাক পরতে _____ ।
3. গরমকালে পাখা চালানো _____ ।
4. গরমকালে ছাদে শোওয়া _____ ।
5. সূর্য অস্ত গেলে চারিদিক অন্ধকার হয়ে _____ ।
6. শরৎকালের আকাশ খুব সুন্দর _____ ।
7. পূজোর সময় নতুন পোষাক কেনা _____ ।
8. রামবাবুদের বাড়িতে _____ পূজা _____ ।
9. শরৎকালে শিউলিফুল _____ ।
10. সবাস্পকে শুভেচ্ছা জানানো _____ ।

पढ़िए और समझिए :

শরৎচন্দ্র চট্টোপাধ্যায়

शरत चंद्र चट्टोपाध्याय

শরৎচন্দ্র চট্টোপাধ্যায় বাংলা সাহিত্যের একজন দিকপাল লেখক হিসেবে পরিগণিত। গল্পের এবং উপন্যাসের কাহিনী তাঁর নিজের জীবনের অভিজ্ঞতা থেকে লব্ধ। তাম্প তা জীবন্ত। ছৌবেলা থেকে তিনি নানাস্থানে ঘুরে বেড়িয়েছেন। তাঁর ভবঘুরে জীবনের অভিজ্ঞতার ফল ‘শ্রীকান্ত’ আত্মজীবনীমূলক উপন্যাস। শরৎচন্দ্র হুগলী জেলার দেবানন্দপুরে জন্মগ্রহণ করেন কিন্তু শৈশব ও কৈশোর কাট মামার বাড়ি ভাগলপুরে। ‘শ্রীকান্ত’র অনেক ঘটনা এম্প ভাগলপুরের অভিজ্ঞতা থেকে পাওয়া। যৌবনে তিনি যাত্রা করেন রেশ্মনে। সেখানে বেশ কিছু কাল অতিবাহিত করেন। রেশ্মনের অভিজ্ঞতা থেকে পাওয়া যায় রাজনৈতিক উপন্যাস ‘পথের দাবী’ এবং সামাজিক উপন্যাস ‘চরিত্রহীন’। রেশ্মনে থাকাকালেম্প শরৎচন্দ্র বাংলা সাহিত্যের একজন গণ্যমান্য লেখক হিসেবে পরিগণিত হন। রেশ্মন থেকে ফিরে শরৎচন্দ্র হাওড়ার শিবপুরে স্থায়ী ভাবে বসবাস শুরু করেন। এম্প সময়ে তিনি রাজনীতিতেও অংশ গ্রহণ করেন। কংগ্রেসের সঙ্গে শরৎচন্দ্রের বিশেষ যোগাযোগ ছিল। সমাজের অবহেলিত মানুষ এবং নারীর মর্যাদা শরৎচন্দ্রের লেখার উল্লেখযোগ্য বৈশিষ্ট্য।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
साहित्य	साहित्य
दिकपाल	श्रष्ट
परिगणित	परिगणित
निजेर	अपना
अभिज्ञता	अनुभव

ভবঘুরে	घुमक्कड़
শৈশব	शैशव, बचपन
ঘে'না	घटना
যৌবনে	यौवन में, जवानी में
যাত্রা	यात्रा
কাল	समय
গণ্যমান্য	जाने माने
পরিচিত	परिचित
উপন্যাসের	उपन्यास का
কাহিনী	कहानी
লঙ্ক	प्राप्त होना
জীবন্ত	जीवंत
ফল	फल
আত্মজীবনীমূলক	आत्मकथा
কৈশোর	किशोर अवस्था
অতিবাহিত	व्यतीत
অবহেলিত	अवहेलित, उपेक्षित
মর্যাদা	मर्यादा
বৈশিষ্ট্য	विशेषता

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. শরৎচন্দ্রের সাহিত্য জীবন, তার কারণ কি?
2. শরৎচন্দ্রের আত্মজীবনীমূলক উপন্যাসের নাম কি?
3. যৌবনে শরৎচন্দ্র কোথায় যান?
4. শেষ জীবন শরৎচন্দ্র কোথায় অতিবাহিত করেন?
5. শরৎচন্দ্রের লেখার প্রধান বৈশিষ্ট্য কি?

II. नीचे दिए गए वाक्यों में से समानार्थक शब्द चुनकर उनकी जोड़ियाँ बनाइए।

1. শিবাজী মহারাজের রাজা হিসাবে পরিগণিত হন।
2. রাজীব খুব ভবঘুরে প্রকৃতির মানুষ।
3. রবীন্দ্রনাথ দিকপাল ব্যক্তি।
4. দার্জিলিং প্রচুর পরিমাণ কমলালেবু পাওয়া যায়।
5. রবীন্দ্রনাথ বহুদিন শিলঙে কান।
6. মৃণালের অকারণেপ বহু জায়গায় ঘুরে বেড়ানোর অভ্যাস।
7. রামচন্দ্র চোদ্দ বছর বনবাসে অতিবাহিত করেন।
8. মহাত্মা গান্ধী ‘বাপুজী’ নামে গন্য হন।
9. নিউন বিখ্যাত ব্যক্তি হিসাবে পরিচিত।
10. এখন অভিজ্ঞতা লব্ধ জ্ঞানী ব্যক্তি দেখা যায় না।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

জীবন লব্ধ অভিজ্ঞতা ও সত্য প্রত্যেক মানুষকে শিক্ষা দিয়ে যায়। প্রত্যেক ব্যক্তিম্প শৈশবে সম্পূর্ণ অপরিচিত পরিবেশ থেকেম্প জীবনের শিক্ষা লাভ করে। এম্প শৈশবের

शिक्षा यौवने गিয়েम्प वास्तवजीवने काजे लागे। शैशवे निजेर परिवार थेके, विद्यालय थेके ये शिक्षा হয় তা দিয়েम्प পরবর্তী পারিবারিক জীবন সুন্দরভাবে অতিবাহিত হয়। এম্প শিক্ষা কর্মজীবনেও অনেক সুযোগ এনে দেয়। শৈশব ও যৌবনেম্প আমাদের ভবিষ্যৎ জীবনের জন্য সঠিক আয়োজন করা হয়। আমাদের শৈশবেম্প শিক্ষা দেওয়া হয় -- ঘরে বাম্পরে, গন্য-মান্য, গুরুজন ব্যক্তিদের প্রণাম করা, যে কোনো পরিবেশ নিয়ন্ত্রণ করা, ছৌদের স্নেহ করা, জীবনে সংযম আনা প্রভৃতি। উৎসব অনুষ্ঠানে গন্যমান্য ব্যক্তি এবং সমবয়স্কদের সঙ্গে সম্পর্ক স্থাপন করা। এম্পভাবে আমাদের সংস্কৃতি ও সভ্যতা দিয়ে আমাদের জীবন সাজানো হয়।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

विश्व की प्रत्येक भाषा में कुछ साहित्यकार कालजयी होते हैं। उनका लेखन सदा नवीन रहता है। साहित्यकार जो भी लिखता है वह उसके समय का सत्य होता है। इसीलिए उसे अपने समय का सच्चा प्रतिनिधि माना जाता है।

कई बार कुछ संस्थाएँ श्रेष्ठ साहित्यकारों के सम्मान में विशेष समारोहों का आयोजन करते हैं। फूलमालाओं, गुलदस्तों और शाल, श्रीफल से उनका स्वागत सम्मान किया जाता है।

हमें ऐसे साहित्यकारों पर गर्व है। साहित्यकार का सम्मान संस्कृति के रक्षक के सम्मान जैसा माना जाता है।

हम अपनी दिनचर्या में पुस्तकें पढ़ने को भी शामिल करें। अच्छी पुस्तकें पढ़ें। पुस्तकें पढ़ने से हमारा ज्ञान बढ़ जाता है। पुस्तकें हमारी अच्छी मित्र और गुरु मानी जाती हैं।

V. मान लीजिए वर्तमान में आप शिक्षा मंत्री के पद पर आसीन हैं। आप शिक्षा व्यवस्था में क्या-क्या परिवर्तन लाना चाहेंगे, उस के बारे में एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में संयुक्त क्रियावाले वाक्यों का प्रयोग सिखाया गया है। इस पाठ में आनेवाली संयुक्त क्रियाओं को गठन की दृष्टि से निम्नलिखित भागों में बाँट सकते हैं। जैसे :

I. संज्ञा + क्रिया

আয়োজন করে	आयोजन कर के
প্রণাম করে	प्रणाम कर के

II. क्रियात्मक संज्ञा + क्रिया

সাজানো হয়।	सजाना है।
কেনা হয়।	खरीदना है।

III. संज्ञा + क्रियात्मक संज्ञा + क्रिया

আয়োজন করা হয়। आयोजन करना (होता) है। / आयोजन किया जाता है।
 বিসর্জন দেওয়া হয়। विसर्जन करना (होता) है। / विसर्जित किया जाता है।

IV. असमापिका क्रिया + क्रिया

থেকে যান।	रुक जाइए।
বসে পড়ল।	बैठ गया है।

V. संयुक्त क्रिया का अंतिम भाग सदा कर्ता के अनुसार रूप प्राप्त करता है। किन्तु मुख्य क्रिया का अर्थ उसके पूर्व में विद्यमान संज्ञा, क्रियात्मक संज्ञा या असमापिका क्रिया ही वहन करती हैं।

ऐसी क्रियाओं का निषेधात्मक रूप बनाने के लिए अंतिम क्रिया के बाद ‘ना’
 (ना) ‘नि’ (नि) लगाते हैं। जैसे:

আয়োজন করা হয় না।	आयोजन नहीं करना है।
বসে পড়েনি।	नहीं बैठ गया।

VI. इस पाठ में कर्मवाच्य के वाक्यों का भी परिचय दिया गया है। जैसे:

মওপে সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠানের আয়োজন করা হয়।
 मंडपों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

दुर्गापूजा पश्चिमवङ्गे खूब धूमधामेन साथे पालन करा हय।
दुर्गापूजा पश्चिम बंगाल में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है।

ব্যাঙ্গালোর কি বাসে করে যাওয়া যায়?
क्या हम बस से बैंगलोर जा सकते हैं?

ध्यान दें कि, बंगला में कर्मवाच्य के वाक्य बनाने के लिए मुख्य क्रिया के भूतकालिक कृदंत रूप के बाद हय (हय) अथवा या (जा) क्रिया के विविध रूप काल के अनुसार प्रयुक्त होता है।

অবসর জীবন

সেবা নিবৃত্তি কা জীবন

সমীর : শশীবাবু কেমন আছেন? ভাল
আছেন তো?

শশীবাবু : আমাদের আবার ভাল! দিন গুনছি
কবে চোখ বুজবো।

সমীর : ও কথা বলছেন কেন?

শশীবাবু : এখন আর কিছুম্প ভাল লাগে না।
হাতে কোনো কাজ নেম্প। বিশ্রাম
আর শুধু বিশ্রাম। তাও আর ভাল
লাগছে না।

সমীর : এর জন্যে ভাববেন না। আপনি
তো অফিস থেকে অবসর
নিয়েছেন। এখন কিছু একটা নিয়ে
থাকুন। তাহলে দেখবেন, আপনার
সব কিছুম্প ভাল লাগবে।

শশীবাবু : হ্যাঁ। অবসরের আগে অনেক কথা
মাথায় আসতো। ভাবতাম
অবসরের

সমীর : শশীবাবু, कैसे हैं? ठीक तो
हैं?

শশীবাবু : हमलोग और ठीक! बस दिन
गिन रहा हूँ, पता नहीं कब आँख
बंद हो जाएँ।

সমীর : ऐसी बात क्यों कह रहे हैं?

শশীবাবু : अब और कुछ भी अच्छा नहीं
लगता। हाथ में कोई काम नहीं।
आराम और केवल आराम! वह
भी अब अच्छा नहीं लगता।

সমীর : इसके लिए चिन्ता न करें।
आपने तो ऑफिस से अवकाश
ले लिया है। कुछ न कुछ करते
रहिए। तब आप देखेंगे कि
आपको सब कुछ अच्छा लग रहा
है।

শশীবাবু : हाँ। सेवा निवृत्ति के पूर्व अनेक
बातें मस्तिष्क में आती थीं।

পর এম্প করবো, সেন্স করবো।
কিন্তু এখন সবম্প ফাঁকা ফাঁকা
লাগছে।

সমীর : আমারও অবসরের সময় হয়ে
এল। ভাবছি বাগানের কাজে বেশী
সময় দেবো। এখন নানান কাজের
ঝামেলায় বাগান দেখতে পারি না।
বাগানের সব কাজ মালীস্প
দেখাশোনা করে।

শশীবাবু : আপনার তো এম্প সুবিধা আছে।
আগে থেকেম্প আপনার বাগানের
শখও আছে আর মালীর
সাহায্যও পান। অবসরের পর
আপনি আরামে বাগান নিয়েম্প
থাকতে পারবেন। এখন আমি
বুঝতে পারছি যে, প্রত্যেক
মানুষেরম্প কিছু না কিছু শখ
থাকা ভাল। তাহলে সময় কীতে
অসুবিধা হয় না। কিন্তু আমার
তো কোনো শখম্প নেম্প। তাম্প
আমি কি যে করি।

সমীর : আপনি এক কাজ করুন।
আপনার বাড়ি তো বেশ বড়

सोचता था सेवा निवृत्ति के बाद
यह करूँगा, वह करूँगा। किन्तु
अब सब कुछ फीका-फीका लग
रहा है।

समीर : मेरा भी सेवा निवृत्ति का समय
निकट आ रहा है। सोचता हूँ
बागवानी में अधिक समय
लगाऊँगा। अभी नाना प्रकार के
कामों के झमेले में बगीचा नहीं
देख पा रहा हूँ। अभी सब काम
माली ही कर रहा है।

शशिबाबू : आपको यह सुविधा पहले से ही
उपलब्ध है। क्योंकि आपको
बागवानी का शौक है और माली
की सहायता भी। सेवा निवृत्ति के
बाद आप आराम से बागवानी
कर सकते हैं। अब मेरी समझ
में आ गया है कि प्रत्येक मनुष्य
का कुछ न कुछ शौक होना
चाहिए। इस से समय काटने में
कठिनाई नहीं होती। किन्तु मेरा
तो कोई शौक ही नहीं है। तो मैं
क्या करूँ?

समीर : आप एक काम कीजिए।
आपका घर भी बहुत बड़ा है न?
आप छोटे बच्चों के लिए एक
स्कूल खोल लीजिए। बंगला
माध्यम के बच्चों के लिए यहाँ
कोई अच्छा नर्सरी स्कूल नहीं
है। इसलिए यदि आप ऐसा
स्कूल खोल लें तो वह अच्छा

তাম্পনা! আপনি ছৌ বাচ্চাদের
জান্যে একা স্কুল খুলুন। বাংলা
মাধ্যমের ছৌদের জান্যে এখানে
ভাল নার্সারী স্কুল নেম্প। সুতরাং
আপনি যদি একা এম্প রকম স্কুল
খোলেন তবে ভালোম্প চলবে।

শশীবাবু : কিন্তু বাবা-মায়েরা কি বাচ্চাদের
বাংলা মাধ্যম স্কুলে ভর্তি করবে?

সমীর : নিশ্চয়ম্প ভর্তি করবে। এখানে
ভাল বাংলা নার্সারী স্কুল নেম্প।
তাম্প সবাম্প তাদের বাচ্চাদের
ম্পংরেজি মাধ্যম স্কুলে ভর্তি
করছেন। যদি আপনি একা বাংলা
মাধ্যমের স্কুল খোলেন তাহলে বহু
মা-বাবারাম্প তাদের বাচ্চাদের স্কুলে
ভর্তি করবেন।

শশীবাবু : আচ্ছা, নার্সারী স্কুল খোলার জান্যে
কি সরকারী অনুমতি দরকার?

সমীর : না, নার্সারী স্কুল খোলার জান্যে
সরকারী অনুমতির দরকার নেম্প।
প্রাথমিক বা মাধ্যমিক স্কুল খোলার
জান্যেম্প সরকারী অনুমতির

চলেগা।

শশীবাবু : কিন্তু क्या माँ-बाप बच्चों को
बंगला माध्यम के स्कूलों में भर्ती
कराएँगे?

समीर : निश्चय ही भर्ती कराएँगे। यहाँ
अच्छा बंगला नर्सरी स्कूल नहीं
है। इसीलिए सब लोग अपने
बच्चों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों
में भर्ती कराते हैं। यदि आप एक
बंगला माध्यम का स्कूल खोलेंगे
तो बहुत सारे माँ बाप अपने
बच्चों को वहाँ भर्ती करवाएँगे।

शशिबाबू : अच्छा क्या नर्सरी स्कूल खोलने
के लिए सरकारी अनुमति
आवश्यक है?

समीर : नहीं, नर्सरी विद्यालय खोलने
के लिए सरकारी अनुमति की
आवश्यकता नहीं है। प्राथमिक
या माध्यमिक विद्यालय खोलने
के लिए तो जरूर सरकारी
अनुमति की आवश्यकता होती
है। नर्सरी स्कूल के लिए आप
पहले अच्छे शिक्षक शिक्षिकाओं
की खोज करें। उसके बाद अन्य
व्यवस्थाएँ हम सभी मिलकर कर
लेंगे। चिन्ता मत कीजिए। छात्र-
छात्राओं का कोई अभाव नहीं

दरकार। एकी नार्सारी कुलेर
जने आपनि प्रथमे डाल शिक्क
शिक्किार खोज करुन। तारपर
अन्यान्य व्यवस्था आमरा सवास्प
करबो। चिन्ता करबेन ना। छात्र-
छात्रीर कोनो अभाव हबे ना।

शशीबाबु : बेश। ताहले आपनारा सवास्प
साहाय्य करुन। एा एकी डाल
काजओ बटे। आमार समयओ डाल
केटे याबे।

होगा।

शशिबाबु : ठीक है। तो फिर आप सब मेरी
सहायता कीजिए। यह एक
अच्छा काम भी है। मेरा समय
भी ठीक तरह से कट जाएगा।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
चोख	आँख
बुजबो	मूंदना, बंद होना
विश्राम	विश्राम
अवसर	अवकाश, निवृत्ति
थाकून	रहिए
आगे	पूर्व, पहले
माथाय	माथे में
फाँका फाँका	फीका-फीका
भावताम	सोचता था
बामेलाय	झमेले में

माली	माली
शथ	शोक
बाछादेर	बच्चों को
माध्यम	माध्यम
भर्ति	भर्ती
निश्चय	निश्चय
अनुमति	अनुमति
अभाव	अभाव
साहाय्य	सहायता

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. आपनि चिठि पढ़बेन। (लिखबेन, देखबेन)
2. आमार थाँया ह्येछे। (लेखा, पढ़ा)
3. से काज्जा करे नि। (देखे, शेखे)
4. तुमि रबिबारे एसो। (येयो, पोढ़ो)
5. आपनि कोथाय याबेन ? (थाबेन, शोबेन)

II. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. एलाहाबादे ट्रेने याँया _____ ।
2. कलकताय सब जिनिस् पाँया _____ ।
3. एकाज खूब सहजे _____ याय।

4. আপনি আগামী রবিবার _____ ।
5. ঠিক সময়ে ঘুম থেকে _____ ভাল।
6. রোজ সকালে পার্ক বা খোলা স্থানে _____ ভাল।
7. রোজ ঝাল মসলাদার খাবার _____ উচিৎ নয়।
8. ব্যস্ত রাস্তায় _____ ভাল নয়।
9. বাগানে অনেক সুন্দর ফুল _____ আছে।
10. পরীক্ষার খাতায় দ্রুত _____ দরকার।

III. उपयुक्त स्थान पर হয় (हँय) या याय (जाय) शब्द का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ব্যাঙ্গালোর কি বাসে করে যাওয়া _____ ?
2. এম্প অনুষ্ঠান সাধারণত সন্ধ্যাবেলা করা _____ ।
3. এম্প রাস্তা ব্যবহার করা _____ না।
4. পূজোর সময় গান গাওয়া _____ ।
5. এখান থেকে সহজেম্প মাদ্রাজ যাওয়া _____ ।

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(देखबेन, याब, पड़बे, याबे, याबेन)

1. আপনি কোথায় _____ ?
2. আমি বাজারে _____ ।
3. আপনি সিনেমা _____ ।
4. তুমি কোথায় _____ ?
5. সে কি বম্প _____ ?

V. কোষ্ঠক মেন্ দিএ্ গএ্ শব্দৌঁ মেন্ সে সহী শব্দ চুনকর বাক্য পুরে কীজিএ্।

1. আমি চিঠি _____। (লিখবো, লিখবেন)
2. আপনি কাজী _____। (করবেন, করবে)
3. তুমি কাপড়ী _____। (কেচো, কাচি)
4. সে কোথায় _____? (যাবে, যাবেন)
5. রমেশ রবিবার বাড়ী _____। (যাবেন, যাবে)

पढ़िए और समझिए।

पर्यटन केन्द्र परीच्छन्नता प्रयोजनीयता पर्यटन केंद्रों में स्वच्छता की जरूरत

সেবারে আমরা যাচ্ছিলাম পন্থনগর থেকে নৈনিতাল। আমরা ছিলাম পন্থনগর গোবিন্দ বল্লভ পন্থ কৃষি বিশ্ববিদ্যালয়ের অতিথি নিবাসে। বাসে করে নৈনিতাল গেলাম। নৈনিতালের হ্রদ দেখার মতো। কিন্তু একটা জিনিস দেখে খুব খারাপ লাগলো। যোঁ হলো লেকের চারিদিকে আবর্জনায় ভর্তি। আপনি হয়ত বেড়াতে গেছেন কিন্তু বেড়ানোর আনন্দম্প নষ্ট, যদি দেখেন বেড়ানোর জায়গার চারিদিক অপরিষ্কার। শুধু নৈনিতাল নয়, আজকাল সব দর্শনীয় জায়গার এম্প একম্প হাল। আমরা কেউম্প পরীচ্ছন্নতা সম্পর্কে সচেতন নম্প। তুলনায় গোবিন্দ বল্লভ কৃষি বিশ্ববিদ্যালয়ের ক্যাম্পাস খুবম্প পরীচ্ছন্ন। চারিদিকে গাছপালা ভর্তি। রাস্তা খুবম্প পরিষ্কার। তাম্প নৈনিতালের অপরিচ্ছন্নতা অত বেশী করে নজরে পড়েছিল।

शब्दार्थ

शब्द

अर्थ

सेबारे	पिछले बार, उसबार
निबासे	निवास में
हुद	हृद, झील
चारिदिके	चारों ओर
आवर्जनाय	कूड़ा करकट से, कचरे से
दर्शनीय	दर्शनीय
हाल	हाल
परिच्छन्नता	साफ सुथरा, स्वच्छ
सचेतन	सजग ; सतर्क, सचेत
नजारे	नज़र में

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. पञ्चनगरेर विश्वविद्यालयेर नाम कि?
2. नैनिताले देखार मत जिनिस् कि?
3. आमादेर देशेर लोक कोन व्यापारे विशेष सचेतन नय?
4. पञ्चनगरेर विश्वविद्यालयेर क्याम्पास केमन?
5. वेड़ानोर आनन्द किसेर जन्य नष्ट हयेछिल?

II. नीचे दिए गए वाक्यों में से विपरीतार्थी शब्द चुनकर उनकी जोड़ियाँ बनाइए।

1. एक झुड़ि भर्ति आपेल।
2. महीशूर शहर खूब परिष्कार।
3. रबीन्द्रनाथ ठाकुर जापाने भ्रमण करते गयेछिलेन।

4. স্পন্দবাবু কর্তব্য সম্পর্কে খুব সচেতন।
5. নিরানন্দ ভাবে না থেকে খুশী মনে থাকে।
6. অসচেতনভাবে কোনো কাজস্প করতে নেস্প।
7. কাজ না থাকলে জীবন সম্পূর্ণ খালি হয়ে যায়।
8. বিলাসবাবু খুব ঘরকুনো প্রকৃতির মানুষ।
9. দেববাবুর মর্নি বড়স্প অপরিষ্কার।
10. হাতি তার হারানো বাচ্চা পেয়ে খুব আনন্দ পেয়েছে।

III. হিন্দি মেন্ অনুবাদ কীজিএ।

ভাষা কেবল ভাবস্প প্রকাশ করে না। ভাষা একী সংযোজক মাধ্যম। আমাদের দেশ ভারতবর্ষ। এস্প ভারতবর্ষের বিভিন্ন রাজ্যে, বিভিন্ন অঞ্চলে নানা ভাষা প্রচলিত আছে। যেমন -- হিন্দি, বাংলা, অসমিয়া, ওড়িয়া, গুজরানী, মারাঠী, কঙ্কোনি, সিন্ধি, কানাড়া, মালয়ালম, তামিল, তেলেগু স্পত্যাদি। এছাড়া প্রতি ভাষার আবার প্রচুর আঞ্চলিক ভেদ বা উপভাষা দেখা যায়। কোনো ভাষা কোনো ভাষা অপেক্ষা ছৌ নয়। প্রত্যেক ভাষা তার নিজের গুণ ও বৈশিষ্ট্যে মহান। বর্তমানে আমরা বিশ্বায়নের ঝোঁকে পড়ে নিজেদের মাতৃভাষা ও সংস্কৃতিকে অবহেলা করছি। আমরা বুঝতে চাস্পছি না যে, বিশ্বের সঙ্গে পাল্লা দিতে গেলে আমাদের কুসংস্কার ত্যাগ করে নিজস্ব সংস্কার ও সংস্কৃতি নিয়েস্প এগিয়ে যেতে হবে। তার জন্য আমাদের মাতৃভাষাকে অবহেলা না করে তার যত্ন নিতে হবে। কারণ সংস্কৃতি ও ভাষা একে অপরের পরিপূরক।

I. বংগলা মেন্ অনুবাদ কীজিএ।

हमारे भारत में कई धर्म और धार्मिक मान्यताएँ हैं। सभी धर्मों के संतों ने भारत में धार्मिक सद्भाव बनाने में बहुत सहयोग किया है। इन संतों में कबीर, रविदास, नामदेव एवं ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती आदि प्रमुख हैं।

ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती एक सूफी संत थे। सूफी संत का हिंदू और इस्लाम धर्म में सद्भाव बनाने में बहुत बड़ा योगदान है। ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह राजस्थान के अजमेर शहर में है। अजमेर पहुँचने के लिए जयपुर से और खंडवा से मीटरगेज रेलगाड़ी द्वारा जा सकते हैं। भोपाल, इंदौर और दिल्ली आदि शहरों से बसों द्वारा भी अजमेर पहुँच सकते हैं।

ख्वाजा की दरगाह पर सभी धर्मों को मानने वाले लोग आते हैं। और “दरगाह शरीफ” पर “सिज्दा” (नमन) करते हैं। श्रद्धालूगण उनकी पवित्र दरगाह पर चादर चढ़ाते हैं व गुलाब के फूल भेंट करते हैं।

यहाँ वर्ष में एक बार बहुत बड़ा “उर्स” (धार्मिक मेला) पड़ता है। लाखों लोग उर्स के समय भारत और पाकिस्तान से दरगाह की “ज्यारत” (दर्शन) धार्मिक यात्रा करने आते हैं।

(धार्मिक मान्यताएँ -- धर्म मत -- शरणा, संत -- ऋषि, दरगाह -- दरगा, सिज्दा -- नत इत्ये दरगार वेदीते माथा छेँयालो।)

II. अपने क्षेत्र के किसी संत के बारे में एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

পিকনিক

গোবিন্দ : চল, বড়দিনের ছুঁতে আমরা একটা
পিকনিক করি। সবাম্প রাজী
আছিস তো?

সবাম্প : হ্যাঁ হ্যাঁ, ঠিক আছে। আমরা
সবাম্প রাজী।

হাসান : কোথায় যাওয়া যায়?

জোসেফ : আচ্ছা, ডায়মণ্ড হারবারে যাওয়া
যাক।

রঞ্জিত : না না, ডায়মণ্ড হারবার অনেক
দূর। কাছাকাছি কোথাও যাওয়া
যাক।

হাসান : কাছাকাছির মধ্যে বৌনিক্যাল
গার্ডেনস্প তো ভাল।

জোসেফ : বেশ, তাম্প হোক। একজন গিয়ে
ঐ জায়গা দেখে আসুক।

গোবিন্দ : ও আর দেখার কি আছে? বরং
কি কি রান্না হবে তাম্প ঠিক করা
যাক।

পিকনিক

গোবিন্দ : চলো, हमलोग बड़ेदिन की छुट्टी में
एक पिकनिक पर चलें। तुम सब
सहमत तो हो?

सभी : हाँ हाँ, ठीक है। हम सब सहमत
हैं।

हसन : कहाँ चलेंगे?

जोसफ : चलो, हम डायमंड हार्बर चलें।

रंजित : नहीं नहीं, डायमंड हार्बर बहुत दूर
है। कहीं आसपास चलें।

हसन : आसपास में तो बोटानिकल गार्डन
ही है।

जोसफ : ठीक है, वहीं सही। एक आदमी
वहाँ जाकर जगह देख आए।

गोबिन्द : देखने की ज़रूरत क्या है? क्या
क्या खाना बनेगा, यह तय किया
जाए।

जोसेफ : मुर्गीर मांस आर लुचि। सप्पे
आलुर दम, बेगुनी, छोलार डाल,
फिस फ्राप्प आर चीनि रान्ना करा
होक। रसगोल्ला तो आमरा
दोकान थेकेप्प निये नेव।

हासान : एखन ठिक करा याक, बाजार
करार दायित्व कादेर देओया हबे?

रंजित : अशोक आर सुधीर दुजने मिले
बाजार करुक।

अशोक : आमि बरं रान्नार दायित्व निच्छि।
अन्य केउ बाजारों करुक।

अरुण : ठिक आछे, आमिप्प बाजारेर
काजों निच्छि। किन्तु, कोनो कतो
लागबे ता आमाके बले दाओ।

अशोक : आमरा तो प्राय कुड़ि जन। तप्प
दुप्प किलोग्राम मयदा, दुप्प
किलोग्राम बासमती चाल, एक
किलोग्राम बेसन, तिन किलोग्राम
छोलार डाल, चार किलोग्राम
मुर्गीर मांस, पाँच किलोग्राम माछ,
पाँच किलोग्राम आलू, दुप्प
किलोग्राम बेगुन, दुटो नारकेल,
दुप्प किलोग्राम मेढो, दुप्प

जोसफ : मुर्गी का मांस और पूड़ी। साथ में
आलूदम, बैंगन के पकौड़े, चने
की दाल, फिश फ्राय और चटनी
बनाई जाए। रसगुल्ले तो हम
बाज़ार से ही ले लेंगे।

हसन : अब यह तय कर लें कि, बाज़ार से
खरीदी करने का काम किसे सौंपा
जाए?

रंजित : अशोक और सुधीर दोनों मिलकर
बाज़ार से खरीदी करें।

अशोक : मैं तो खाना पकाने की ज़िम्मेदारी
ले रहा हूँ। बाज़ार का काम कोई
और कर लें।

अरुण : ठीक है, बाज़ार का काम मैं ले
रहा हूँ। किंतु क्या-क्या लाना है
और कितना लाना है यह मुझे
बता दो।

अशोक : हम लगभग बीस लोग हैं। इसलिए
दो किलोग्राम मैदा, दो किलोग्राम
बासमती चावल, एक किलोग्राम
बेसन, तीन किलोग्राम चने की
दाल, चार किलोग्राम मुर्गी मांस,
पाँच किलोग्राम मछली, पाँच
किलोग्राम आलू, दो किलोग्राम
बैंगन, दो नारियल, दो किलोग्राम
टमाटर, दो किलोग्राम तेल, एक
किलोग्राम प्याज, पाँच सौ ग्राम
अदरक, एक सौ ग्राम लहसुन
तथा शक्कर, नमक एवं अन्य
मसाले लाना होगा।

কিলোগ্রাম তেল, এক কিলোগ্রাম
পেঁয়াজ, পাঁচশো গ্রাম আদা,
একশো গ্রাম রসুন। তাছাড়াও
চিনি, নুন ও অন্যান্য মসলাপাতিও
আনতে হবে।

গোবিন্দ :এরকম হলে আপাততঃ মাথাপিছু
একশো টাকা করে চাঁদা তোলা
যাক। তারপর দেখা যাবে।

হাসান :ঠিক আছে। ওখানে যাওয়ার জন্যে
গাড়ী ঠিক করার পর সময়টা
সবাস্পকে জানানো হবে।

অশোক : চল, আজকে ওঠা যাক।

গোবিন্দ : ऐसा है तो प्रति व्यक्ति से एकसौ
रुपये चंदा उगाहा जाए। उसके
बाद देखा जाएगा।

हसन : ठीक है। वहाँ जाने के लिए गाड़ी
तय करने के बाद सभी को समय
दी जाएगी।

अशोक : अच्छा, अब चला जाए।

शब्दार्थ

শব্দ	অর্থ
চল	चलो
কাছাকাছি	आसपास
আসুক	आने दो
লুচি	पूड़ी
মিষ্টি	मिठाई
নেবো	लेंगे
বাজার	बाज़ार
দায়িত্ব	दायित्व, ज़िम्मेदारी

कारा	कौन
निच्छि	ले रहा हूँ
कुड़ि	बीस
मयदा	मैदा
पाँचशो	पाँच सौ
नारकेल	नारियल
सरषेर	सरसों का
तेल	तेल
पेঁয়াজ	प्याज़
आदा	अदरक
रसुन	लहसुन
लঙ্का	मिर्ची
अन्न	थोड़ा
নুন	নমক
মাথাপিছু	प्रति व्यक्ति

অভ্যাস

I. উপযুক্ত শব্দ প্রয়োগ করে বাক্য সম্পূর্ণ করুন।

1. আগামী রবিবার সিনেমা যাওয়া _____।
2. চল, আমরা সবাম্প পিকনিক করতে _____।
3. রমেশ কাজী _____।
4. ওকে কাজী করতে _____।
5. সবাম্প মিলে কাজী করা _____।

II. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলির থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

(পড়ুক, থাকুক, ঘুমোক, যাক, লিখুক)

1. সে বাজারে _____ ।
2. সীতা বম্পা _____ ।
3. তারা যেখানে খুশি _____ ।
4. সে চিঠি _____ ।
5. ওরা এখন _____ ।

III. বন্ধনী থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে বাক্য পূর্ণ করুন।

1. সে আজ থেকে বরং পরীক্ষার পড়া _____ । (পড়ুক, পরে)
2. তারা এখন সিনেমা দেখতে _____ । (যায়, যাক)
3. রহিম এখনম্প কাজী _____ । (করুক, করে)
4. সে প্রত্যেকদিন বাজারে _____ । (যায়, যাক)
5. তিনি সকালে _____ । (বেড়াক, বেড়ান)

IV. নীচের বাক্যগুলিতে দাগ দেওয়া শব্দের বদলে বন্ধনীতে দেওয়া শব্দ ব্যবহার করে নতুন বাক্য লিখুন।

1. রমা এখন চিঠি লিখুক। (পড়ুক)
2. তারা এখন থাকুক । (থাক)
3. বিকাশ বম্প পড়ে। (পড়ুক)
4. সলিল বাগানে জল দেয়। (দিক)
5. সে ঘুম থেকে উঠুক। (ওঠে)

V. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলিকে উপযুক্ত রূপে ব্যবহার করে বাক্য পূর্ণ করুন।

1. সে নিশ্চয় কাজটা _____। (কর)
2. আমি বাজারে _____। (যা)
3. শীলা কোথায় _____? (যা)
4. তারা এখন কাগজ _____। (পড়)
5. তিনি রাস্তায় _____। (হাঁ)

পড়ে বুঝুন।

কার্যরীতি

কার্য পদ্ধতি

যে যাম্প করুক, আপনি আপনার কাজ করে যান। এম্প রকম মনোভাবের আজ খুবম্প দরকার। স্কুলে-কলেজে, অফিসে-আদালতে জীবনের সর্বক্ষেত্রে আজ যে অরাজকতার সৃষ্টি হয়েছে তার মূল সূত্র খুঁজলে দেখা যাবে যে, মানুষ নিজের কাজ ঠিক মতো করছে না। সকলের মনোভাব কার্জি অমুক লোকে করুক। নিজে কাজ না করে অন্যের সমালোচনা করাও একটা অভ্যাসে পরিণত হয়েছে। সবাম্প চায় অন্যেরা কাজ করবে আর সে তার ফল ভোগ করবে। এম্পভাবে চলার ফলে দেশে অরাজকতার সৃষ্টি হয়েছে। স্কুলে শিক্ষকরা পড়াচ্ছেন না কিন্তু তাঁরা চান তাঁদের ছেলেকে যিনি পড়াচ্ছেন, তিনি ভাল করে পড়ান। আপনি নিজে ঠিক সময়ে অফিসে আসেন না কিন্তু আপনি যখন ট্রেনের কি কীতে যান, তখন আশা করেন যে কি ক্লার্ক ঠিক সময়ে আসুক। আপনি ঠিক মতো কাজ করেন না কিন্তু ব্যাক্সে গিয়ে আপনি চান যে ব্যাক্সের লোকেরা আপনার কার্জি তাড়াতাড়ি করে দিক। সকলেম্প চায় তিনি কাজ করুন বা না করুন অন্যেরা তাঁর কার্জি ঠিক করে দিক। বাসের জন্যে দাঁড়িয়ে আছেন, বাস ঠিকমতো আসছে না। আপনি যানবাহন ব্যবস্থার সমালোচনা করছেন, সময়ে ট্রেন চলছে না বলে

রেল বিভাগকে দায়ী করছেন। কিন্তু সব বিভাগেই তো আপনার আমার মতো লোক রয়েছে। নিজের কাজ নিজে ঠিকমতো সবাঁস্প করুন, দেখবেন অন্যরাও নিজেদের কাজ ঠিক মতো করছেন।

শব্দার্থ

শব্দ	অর্থ
কার্যরীতি	কার্য পদ্ধতি, কাম করণে কী তরীকা
অরাজকতা	অরাজকতা
সৃষ্টি	সৃষ্টি
মূল	জড়
সূত্র	সূত্র
সমালোচনা	সমালোচনা
দায়ী	জিম্মেদার, দায়ী

অভ্যাস

I. নীচে দেওয়া প্রশ্নের উত্তর লিখুন।

1. সব জায়গার অরাজকতার কারণ কি?
2. কাজের ব্যাপারে সাধারণের মনোভাব কেমন?
3. নিজে কাজ না করে অন্যের কাছ থেকে সবাঁস্প কাজ চান এমন দু'টি উদাহরণ দিন।
4. সবাঁস্প যাতে ঠিক করে কাজ করেন তার জন্য সবাঁস্পকে কি করতে হবে?
5. বাসের জন্য দাঁড়িয়ে থাকলে লোকে কোন ব্যবস্থার সমালোচনা করে?

II. प्रदत्त दर्शा बान्केर मध्ये पाँचजोडा एमन शब्द थुँजे बार करून येगुलि समार्थक।

1. सबक्लेट्रेस्प आजकाल अनियम देखा याय।
2. तोमार बाड़ी खौजार पर्व शेष हल।
3. तादेर अनुष्ठानेर मध्ये अनेक अराजकता देखा याय।
4. राधाकान्तबाबु रोजस्प समय मत अफिसे याय।
5. पोषाकेर माध्यमे मनोभावेर परिचय पाওয়া याय ना।
6. कोलकाताय पुलिसेर प्रधान कार्यालय लाल बाजारे।
7. प्रति काजेस्प एत विश्वला ये कोन काज सुष्ठुभावे करा याय ना।
8. घरेर सब जायगा धुलाय भर्ति हये गेछे।
9. अनुसन्धान करले तोमार आर्थ थुँजे पावे।
10. अमलेर जीवनेर प्रति दृष्टिभङ्गि साधारण मानुषेर थेके आलादा।

III. प्रदत्त दर्शा बान्केर मध्ये पाँचजोडा एमन शब्द थुँजे बार करून येगुलि विपरीतार्थक।

1. सादा कालो, सुन्दर कुँसिं सबस्प ईश्वरेर सृष्टि।
2. मानुषेर मनेर अतिरिक्त लोभ हिंसा देशेर अनासृष्टि मूल कारण।
3. कोलकाता थेके मुम्बै बेश दूर।
4. प्रत्येकी काजेर मध्येस्प श्वला राखा उचिं।
5. परिस्थिति परिवर्तनेर सङ्गे मानुषेर मूल्यबोध हारानो उचिं नय।
6. असुख हले डाक्टरेर परामर्श नेওয়া दरकार।
7. कोलकातार काछाकाछिस्प समुद्र आछे।
8. सङ्ग शिक्षार जन्य ভালो शिक्षा प्रतिष्ठान अनुसन्धान करा उचिं।
9. अदरकारे कथा बलो ना।
10. यार जीवन विश्वलाय पूर्ण से जीवने उन्नति करते पावे ना।

IV. হিন্দীতে অনুবাদ করুন।

সরস্বতী পূজোর আয়োজন করা হচ্ছে, তখন সবাম্পকে কিছু না কিছু দায়িত্ব নিতে হবে। যেমন শ্রীরামকে দায়িত্ব দাও -- ও প্রথমেম্প কাজের একটা তালিকা তৈরী করে ফেলুক। দেবু, বিলাস, বুদ্ধ দত্তপাড়ার চাঁদা তুলুক। রমন, জয় এরা দাস পাড়ায় যাক। শ্যাম ও মধু বিনোদবাবুকে অনুষ্ঠানের সভাপতি হতে অনুরোধ করুক। বুস্বা, পুন ওরা ছৌ, ওরা বরং ফল ও ফুল, দশকর্মা আনার দায়িত্ব নিক। আরতি, মেঘা, ঐশী এরা ফুল সাজানো, চন্দন বোঁ প্রভৃতি কাজের ব্যবস্থা করুক। শ্যামল, পরান মণ্ডপের দায়িত্ব নিক। সবম্প হলো তবে মনোজ, সুমন কুমোবুঁলি গিয়ে একটা সুন্দর প্রতিমা পছন্দ করে আসুক।

এম্পভাবেম্প সবাম্প মিলে মিশে কাজ করুক তবে সুষ্ঠুভাবে অনুষ্ঠান পরিচালনা করা যাবে।

V. বাংলা में अनुवाद कीजिए।

विवेकहीन बंदर

एक राजा था। उसकी मित्रता एक बंदर से हो गई। वह बंदर सदा राजा के साथ रहता था। राजा को वह बंदर बहुत प्रिय था।

एक दिन राजा के मंत्री ने सोचा यदि उस बंदर को राजा के अंगरक्षक का प्रशिक्षण दे दिया जाए तो ठीक रहेगा। मंत्री ने यह बात राजा से कही। राजा ने सहर्ष अपनी सहमति दे दी। मंत्री ने सेना नायक से कहा कि बंदर को तत्काल अंगरक्षक का प्रशिक्षण दिया जाए। नकल करने में तो बंदर बहुत कुशल होता है। उसने शीघ्र ही प्रशिक्षण पूरा कर लिया।

अब तो बंदर पूरे उत्साह से तलवार कंधे पर उठाए राजा के साथ रहने लगा। मंत्री ने बंदर को समझाया कि, वह सावधानी से राजा की रक्षा करे। जब राजा सो जाता तब बंदर नंगी तलवार कंधे पर रखकर राजा के पलंग के चारों ओर चक्कर लगाता रहता। मंत्री ने बंदर को समझाया कि, कोई भी व्यक्ति अंदर न आ जाए। राजा के कक्ष में केवल वही व्यक्ति आ सकता था जिसे अंदर आने की अनुमति दी गई थी। बंदर की उस तत्परता से राजा और मंत्री दोनों बहुत खुश थे।

एकदिन जब राजा सो रहा था, तब बंदर नंगी तलवार अपने कंधे पर रखे, पलंग के चारों ओर घूम-घूमकर रखवाली करने लगा। बंदर बहुत सतर्क होकर रखवाली कर रहा था। तभी उसने देखा, एक बड़ी सी मक्खी राजा के सिर पर आ बैठी है। बंदर ने उसे तत्काल उड़ा दिया। मक्खी नाक से उड़कर राजा की गर्दन पर आ बैठी। बार-बार उड़ाने पर भी मक्खी ने राजा के शरीर पर बैठना नहीं छोड़ा। एक जगह से उड़कर दूसरी जगह बैठ जाती। मक्खी की उस हिमाकत से बंदर की खीज बढ़ गई। उसे मक्खी पर गुस्सा आ रहा था। वह ज्यादा खटर-पटर कर के राजा की नींद में भी बाधा नहीं पहुँचाना चाहता था। इसलिए बंदर ने एकबार फिर तलवार की नाक से मक्खी को उड़ाया। लेकिन मक्खी भी बड़ी ज़िद्दी निकली। वह फिर आकर राजा की गर्दन पर आ बैठी। अब तो बंदर का गुस्सा चरम पर पहुँच गया। एक छोटी सी मक्खी तक उसका हुकुम नहीं मान रही है। इसकी यह मजाल!

बंदर गुस्से में पागल हो उठा। उसने आव देखा न ताव। झट से अपनी तलवार सम्हाल ली। मक्खी पर निशाना साध कर एक भरपूर वार कर दिया। तलवार के वार से मक्खी तो उड़ गई किन्तु राजा की गर्दन धड़ से अलग हो गई। राजा की चिल्लाना सुनकर बाहर खड़े संतरी भीतर दौड़े आए। तभी वहाँ मंत्री भी आ पहुँचा। बंदर की मूर्खता और राजा की हत्या देखकर मंत्री ने यों सोचा, “केवल प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने से कोई योग्य नहीं हो जाता। उसमें स्वयं का विवेक भी होना आवश्यक है। विवेकहीन व्यक्ति को प्रशिक्षण देकर महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी सौंप देने से यही दुर्दशा होगी। ऐसे मूर्खों को मित्र भी नहीं बनाना चाहिए।” इसीलिए तो कहा है -- “नादान की दोस्ती, जी का जंजाल”।

मंत्री मन ही मन अपनी भूल पर पछता रहा था।

VI. आपনার জীবনের স্মরণীয় দিন প্রসঙ্গে একটি অনুচ্ছেদ (২৫টি বাক্য) লিখুন।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में परोक्ष आज्ञावाचक वाक्यों का प्रयोग किया गया है। इस प्रकार के वाक्यों में वार्ता करने वालों से पृथक् प्रथम पुरुष के कर्ता के प्रति आज्ञा या अनुरोध व्यक्त किया जाता है। इस प्रकार के वाक्यों में स्वतंत्र प्रकार के क्रिया रूपों का प्रयोग होता है। यदि धातु स्वरांत हो तो उसके तिर्यक रूप में ‘-क’ (-क) जोड़ा जाता है। धातु के व्यंजनांत होने पर ‘-ऊक’ (-उक) जोड़ा जाता है। जैसे :

कि रात्रां श्वे जाम्भ ठिक करां शोक। क्या खाना बनेगा, यह तय किया जाए।

তাঁরাৰূপ বাজাৰ কৰুক।

वे बाज़ार का काम करें।

পরিবেশ সচেতনতা

पर्यावरण के प्रति सावधानी

মোহন : ওঃ! কি ভীষণ গরম পড়েছে।

मोहन : ओह! क्या भीषण गर्मी पड़ी है।

গৌতম : গরম পড়বে বৈকি। অনেকদিন বৃষ্টি
হয়নি যে, আজকাল আবহাওয়াও
তো পাট্টে যাচ্ছে।

गौतम : गर्मी क्यों नहीं पड़ेगी? बहुत दिनों
से पानी जो नहीं बरसा है।
आजकल जलवायु भी तो बदल रही
है।

মোহন : আরে, যাবে ন্যাম্প বা কেন? আমরা
চারিদিকের পরিবেশ নষ্ট করে
ফেলেছি। তাম্প এম্প অবস্থা। যদি
চারিদিকে প্রচুর গাছপালা থাকতো,
তাহলে বৃষ্টিও হতো। যদি বৃষ্টি হতো
তাহলে এত গরম পড়ত না।

मोहन : बदलेगी क्यों नहीं? हमने चारों ओर
पर्यावरण दूषित कर रखा है। इसी
कारण यह स्थिति है। यदि चारों
ओर पेड़ पौधे होते तो बारिश भी
होती। यदि बारिश होती तो इतनी
गर्मी भी नहीं पड़ती।

গৌতম : ব্যাপার কি জানেন, মানুষ নিজের
দরকারে গাছপালা কেটেছে। জঙ্গল
কেটে তারা বসতি গড়েছে। আবার
কল-কারখানা বানিয়েছে। সেম্প
কল-কারখানার ধোঁয়ায় পরিবেশ
দূষিত হচ্ছে।

गौतम : बात क्या है, आप जानते हैं। मनुष्य
ने अपनी आवश्यकतानुसार पेड़
पौधों को काट डाला है। जंगल
काट कर उन्होंने बस्तियाँ बसा ली
हैं। कल-कारखाने बना लिए हैं और
उन्हीं कल-कारखानों के धुँए से
वातावरण भी दूषित हो रहा है।

मोहन : आसल कथा, परिवेश सम्पर्के
मानुष सचेतन छिल ना। ताम्प
आमादेर एम्प दुरबन्धा। यदि आमरा
परिवेशेर प्रति सचेतन ना हम्प,
ताहले अदूर भविष्यते आमादेर
बैँचे थाकाम्प मुश्किल ह्ये यावे।

गौतम : ताम्प तो। तूपालेर कथाम्प धरून
ना। ग्यास दुर्घनाय कतो लोक
मारा गेल। यदि कारखाना शहर
थेके अनेक दूरे থাকतो ताहले
एत लोक मरतो ना।

मोहन : ठिकम्प बलेछेन। यदि ऐ कारखानार
आशेपाशे अनेक गाछपाला
थाकतो ताहले दुर्घनार प्रकोप
अनेक कम हतो। शुधु ताम्प नय।
यदि, अनेकदिन वृष्टि ना हय तवे
खाबार जलेर अभाव देखा देवे।
मानुषेर कतौम्प ना असुविधा हवे।

गौतम : सबचेये बड़ कथा हल वृष्टि ना
हले चाष आबाद हय ना। चाष
आबाद ना हले बाजारे खाद्य
शस्येर योगान कमे याय।
जिनिसपत्रेर दाम बेड़े याय।
तखन मानुषेर दुर्दशार सीमा थाके

मोहन : दरअसल पर्यावरण के संबंध में
मनुष्य सावधान नहीं रहे। इसीलिए
हमारी यह दुर्दशा है। यदि हम
पर्यावरण के प्रति सावधान नहीं रहे
तो निकट भविष्य में हमारे लिए
जीवित रहना ही मुश्किल हो
जाएगा।

गौतम : यही तो। भोपाल की ही बात
लीजिए न। गैस दुर्घटना में कितने
ही लोग मारे गए! यदि वह
कारखाना शहर से काफ़ी दूर होता
तो इतने आदमी नहीं मरते।

मोहन : ठीक ही कह रहे हैं। यदि उस
कारखाने के आसपास बहुत सारे
पेड़ पौधे होते तो दुर्घटना का प्रभाव
कम हुआ होता। केवल इतना ही
नहीं। यदि बहुत दिनों तक बारिश
नहीं हो तो पीने के पानी का भी
अभाव हो जाएगा। तब सब मनुष्यों
को बहुत परेशानियाँ हो जाएँगी।

गौतम : सबसे बड़ी यह बात है कि, बारिश
के बिना खेती नहीं फल फूल सकती
है। खेती न फलने फूलने से बाज़ार
में खाद्यान्नों की आपूर्ति कम हो
जाती है। वस्तुओं के दाम बढ़ जाते
हैं। तब मनुष्यों की दुर्दशा की सीमा
नहीं रहती।

मोहन : सच बात कह रहा हूँ, कि पेड़ पौधे

না।

মোহন : সত্যি কথা বলতে কি, গাছপালা
থাকলে আমাদের এতসব সমস্যা
থাকতো না। আজকাল অনেক
জায়গায় নাগরিকদের সচেতন
করার জন্য নাগরিক সমিতি গড়ে
উঠেছে। আসুন, আমরাও আমাদের
শহরে এম্প রকম একটা সমিতি
গড়ি।

হোনে সে हमलोगों की ये समस्याएँ
नहीं रहती हैं। आजकल अनेक
स्थानों पर नागरिकों को सावधान
करने के लिए नागरिक समितियों
का गठन किया गया है। आइए,
हमलोग भी अपने शहर में इस
प्रकार की एक समिति का गठन
कर लें।

শব্দার্থ

শব্দ	অর্থ
আবহাওয়া	पर्यावरण
গাছপালা	पेड़ पौधे
জঙ্গল	जंगल
বসতি	बस्ती
গড়েছে	गठन किया है
বানিয়েছে	बनाया है
দুরবস্থা	दुर्दशा, बुरी हालत
অদূর	निकट
ভবিষ্যতে	भविष्य में
বেঁচে	जीवित
থাকাম্প	रहना ही
মুশকিল	मुश्किल

कतो	कितना
मारा	मारे गए
चाष	खेती
खाद्य	खाद्य
शस्येर	फसल का
योगान	आपूर्ति
सीमा	सीमा
समस्या	समस्या
समिति	समिति
गड़ि	गठन करना, तैयार करना

अभ्यास

I. उपयुक्त शब्द प्रयोग करे वाक्य सम्पूर्ण करुन।

1. आपनि यदि _____ , ताहले आपनि देखते पेटेन।
2. तुमि यदि आमार कथा _____ , ताहले असुबिधा हत ना।
3. से यदि स्कुले _____ , ताहले ठिकमत पडाशोना करत।
4. आमि यदि चिठि _____ , ताहले उनि आसतेन।
5. आमरा यदि सिनेमा ना _____ , ताहले देरी हत ना।
6. ठिक समये यदि गाछेर यत्र _____ , ताहले आज एमन झति हत ना।
7. एकमास आगे यदि कि _____ , तबे निश्चितभावे आरामे येते पारते।
8. तुमि यदि लाल जामा _____ , तबे तोमाके खुब सुन्दर लागवे।
9. पाहाडे यदि _____ , तबे ভাল जूतो परते हवे।

10. শিশুরা যদি উপযুক্ত পরিবেশে _____ , তবে তারা সুস্থ স্বাভাবিকভাবে
বাঁচতে পারবে।

II. উদাহরণ অনুযায়ী নিম্নোক্ত বাক্যগুলিতে ‘যদি, তাহলে, তবে’ বসিয়ে বাক্যগুলি
পরিবর্তন করুন।

উদাহরণ : শেখর আগে লিখলে আমি যেতাম না।

যদি শেখর আগে লিখত তবে আমি যেতাম।

1. তুমি এলে অসুবিধা হত না।
2. তুমি না এলে আমি যেতাম না।
3. সে এলে আমি যেতাম না।
4. রামবাবু না লিখলে আমি যেতাম।
5. তুমি খেললে আমি যেতাম না।

III. উপযুক্ত স্থানে ‘যদি, তাহলে, তবে’ বসিয়ে বাক্যগুলি পরিবর্তন করুন।

1. তুমি এলে আমি অপেক্ষা করতাম।
2. আমার ঘড়ি থাকলে দেরি হত না।
3. উনি বিকেলে গেলে ডাক্তারের দেখা পেতেন।
4. সে দেখা করতে এলে আমার দেরী হত না।
5. আমি অপেক্ষা করলে দেখা পেতাম।

IV. নীচে দেওয়া বাক্যগুলিকে নিম্নোক্ত বাক্যে পরিণত করুন।

1. তুমি যদি আসতে তাহলে অসুবিধা হত না।
2. আপনি যদি না আসতেন তাহলে আমি আসতাম।

3. সে এলে আমি যেতাম না।

4. রামবাবু যদি না লিখতেন আমি যেতাম।

5. তুমি খেললে আমি খেলবো না।

V. উদাহরণ অনুযায়ী বাক্যগুলিকে পরিবর্তন করুন।

উদাহরণ : যদি তুমি আসতে তাহলে আমি যেতাম

তুমি এলে আমি যেতাম।

1. ছাত্ররা যদি না পড়ে তাহলে তারা ফেল করবে।

2. যদি কি না পাশ্প তাহলে খেলা দেখতে পারবো না।

3. যদি তুমি যাও তবে আমি যাবো।

4. যদি দোকানে জিনিস পাশ্প তাহলে রান্না করবো।

5. যদি সাঁতার কাটা তাহলে স্বাস্থ্য ভাল থাকবে।

পড়ে বুঝুন

ভারতের জলবৈশিষ্ট্য সমস্যা भारत में जल वितरण की समस्याएँ

আমাদের দেশে অনেক সমস্যা রয়েছে। তার মধ্যে একটা সমস্যা হলো সঠিক জল বৈশিষ্ট্য। ভারতবর্ষের মতো বড় দেশে কোথাও অতিবৃষ্টি আবার কোথাও অনাবৃষ্টি। অনাবৃষ্টি হলে খরা আবার অতিবৃষ্টি হলে বন্যা। যদি সঠিক জল বৈশিষ্ট্য করা যেত, তাহলে ফসল ফলনের সুবিধে হত। শুধু তাশ্প নয় বন্যা হলে প্রতি বছর কোর্ কোর্কার ফসল এবং সম্পত্তি নষ্ট হয় এবং হাজার হাজার মানুষ মারা যায়। সেশ্প রকম খরাতেও গবাদি পশু এবং গরীব মানুষের প্রাণ যায়। খরা হলে জলের অভাবে চাষ হয় না। তার ফলে গ্রামের ক্ষেতমজুরও কাজ পায় না। অনাহারে অর্ধাহারে তাদের দিন কাটে। যে সব অঞ্চলে বেশী বৃষ্টি হয়, সেশ্প সব অঞ্চলের নদীগুলি যদি খরা প্রধান অঞ্চলের নদীর সঙ্গে যোগ করে দেওয়া যায় তাহলে জলের সুশম বৈশিষ্ট্য হয়। ভারতবর্ষের বিভিন্ন অঞ্চলে

এম্পভাবে সুমম জল বঁচন সম্ভব। কিন্তু এর জন্যে কোঁ কোঁকার দরকার। যদি মানব সম্পদকে কাজে লাগানো যায়, তাহলে কিন্তু কোঁ কোনো সমস্যা হবে না। কেননা ভারতের মতো জনশক্তি বহুল দেশে জনসাধারণকে যদি এম্প কাজে লাগানো হয় তাহলে খুব কম খরচে এম্প ধরণের কাজ করা সম্ভব। চীনে এম্প ধরণের জনসাধারণের সক্রিয় অংশ গ্রহণের ফলে অনেক বড় বড় খাল কোঁ সম্ভব হয়েছিল। যদি চীনে এঁ সম্ভব হয় আমাদের দেশেও তা সম্ভব। কেননা চীনের মতো ভারতও জনশক্তিতে পূর্ণ। কেবল জনশক্তিকে ঠিক মতো কাজে লাগানো দরকার।

শব্দার্থ

শব্দ	অর্থ
খরা	সুখা
বন্যা	বাদ
সুমম	সমান, বরাবর
সঠিক	সহী, ঠিক
ফসল	ফসল
কোঁ	করোড়
সম্পত্তি	সম্পত্তি
প্রাণ	প্রাণ
প্রধান	প্রধান, প্রমুখ
ক্ষেতমজুর	খেত মজদুর, কৃষি মজদুর
অনাহারে	ভুখ মঁ
অর্ধাহার	আধা ভোজন
অঞ্চলে	ইলাকে মঁ, অঁচল মঁ

शक्ति

शक्ति

जनसाधारण

आम आदमी, जन साधारण

अंशग्रहण

भागीदारी

अभ्यास

I. नीचे देওয়া प्रश्नर उत्तर लिखुन।

1. अनार्वृष्टि हले कि हय?
2. अतिवृष्टि हले कि हय?
3. देशे जलबन् कितावे करा संभव?
4. वेशीका खरच ना करे कितावे देशेर काज करा संभव?
5. कोन् देश मानव-सम्पदके देशेर काजे वेशी करे लागियेछे एवं तारा कि काज करेछे?

II. प्रदत्त दर्शी बाक्येर मध्ये पाँचजोड़ा এমন शब्द খুঁজে বার করুন যেগুলি সমার্থক।

1. আমাদের দেশে ক্ষেতমজুরদের অবস্থার এখন বেশ উন্নতি হয়েছে।
2. কোলকাতায় খাবার জিনিস খুব সস্তা।
3. দক্ষিণ ভারতে এসে বাঙালীদের ভাষা নিয়ে সমস্যা হয়।
4. ভারতের জনসাধারণের মধ্যে এখনও অনেকে কুসংস্কারে আচ্ছন্ন হয়ে আছেন।

5. লেখাপড়ায় যত্ন নেওয়া উচিৎ।
6. অসুস্থ হলে অবশ্যম্প সময় মত ডাক্তার দেখাতে হয়, নাহলে মুশকিলে পড়তে হয়।
7. কৃষিপ্রধান দেশে কৃষকম্প প্রধান শক্তি।
8. স্বামীজী কোনো কিছুম্প গ্রহণ করলেন না।
9. ভারতের মানুষের খাদ্য তালিকায় সাধারণতঃ ভাত থাকে।
10. জনতার দাবী সবসময় মানা সম্ভব নয়।

III. প্রদত্ত দর্শী বাক্যের মধ্যে পাঁচজোড়া এমন শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি বিপরীতার্থক।

1. প্রকৃত শিক্ষিত মানুষ আজকাল দেখাম্প যায় না।
2. রাধামাধব আজ জীবনের পরীক্ষায় সফল হয়েছে।
3. ঊষা আবার নতুনভাবে জীবনের প্রতি দৃষ্টি দিয়েছেন।
4. সময় মতোম্প ঈশ্বর সাধনা শুরু করা উচিৎ।
5. কেরল রাজ্যে সাক্ষরতার হার সব থেকে বেশী।
6. জীবনের শেষদিন পর্যন্ত সৎ থাকা উচিৎ।
7. পুরানো চাল ভাতে বাড়ে।
8. কোনো কাজে বিফল হলে মন খারাপ করা উচিৎ নয়।
9. নিরক্ষরতা দেশের লজ্জা।
10. শিক্ষিত মানুষের মধ্যেও অশিক্ষিত মনোভাব লুকিয়ে থাকে।

IV. হিন্দিতে অনুবাদ করুন।

যদি দেশের উন্নতি করতে হয় তবে সবাম্পকে কঠোর পরিশ্রম করতে হবে। যদি দেশে কোঁ কোঁ মানুষ থাকে তবে তার মধ্যে মাত্র কয়েকজনম্প কেবল সফল মানুষ থাকে। ভারতবর্ষের মত এতবড় দেশে খুব কম সংখ্যক মানুষম্প তার কর্মক্ষেত্রে সফলতা লাভ করেন।

देशের উন্নতি নির্ভর করে দেশের নাগরিকের সম্প উপর। দেশের জনসাধারণ যদি সচেতন না হয় তাহলে ভারতের উন্নতি হওয়া সম্ভব নয়। আমাদের দেশে সব থেকে বড় সমস্যা প্রাকৃতিক দুর্যোগ। যেমন -- খরা, বন্যা প্রভৃতি, এছাড়াও সুষম খাদ্যের অভাব, অনাহারও। ভারতের বৃহৎ অঞ্চলে ও বৃহৎ অংশের মানুষ সম্প্র সমস্যায় ভোগেন। যদি সম্প্র সমস্যার সমাধান না হয় তাহলে দেশের অদূর ভবিষ্যতে দুর্বস্থার শেষ থাকবে না। যদিও ভারত কৃষি প্রধান দেশ এবং এখানে উপযুক্ত আবহাওয়ায় চেষ্টা করলে সম্প্র নানা গাছপালা লাগানো, নানা সময়ে নানা ফসল ফলানো যায় ও ধনের সমবন্টন হলে দেশের অর্থাত্তাব ও দুর্বস্থা থেকে বেঁচে থাকা সম্ভব।

V. बंगला में अनुवाद कीजिए।

मनासा

३ सितंबर, २००४

श्रीमान् संपादक महोदय
संस्कार साप्ताहिक मनासा
मध्यप्रदेश

महोदय,

आपके लोकप्रिय साप्ताहिक समाचार पत्र में कल दो लेख पढ़े। एक है “समाज में मानवमूल्यों का हास”। दूसरा है “समाज में नैतिकस्तर को बनाए रखने में जनभागीदारी”। कुछ दिन पहले, संभवतः पिछले रविवारीय अंक में एक लेख छपा था “नैतिक शिक्षा में संतों का योगदान”।

इन तीनों लेखों का केंद्रबिंदु ‘नैतिकता’ ही है। आपके इस साप्ताहिक पत्र ने इसप्रकार के लेख छापकर जिसप्रकार जनचेतना जागृत करने का प्रयत्न किया है वह सराहनीय है। इसके लिए आप बधाई के पात्र हैं।

वस्तुतः मानवमूल्यों के गिरते स्तर के प्रति हम सब समान रूप से जवाबदार हैं। भौतिक सुविधाओं को प्राप्त करने की होड़ा-होड़ी ने हमें बहुत ही स्वार्थी बना दिया है। इस स्वार्थ भावना के कारण हमारा नैतिक स्तर इतना गिर गया है कि, हमने अपने ऋषियों और संतों द्वारा दी गई शिक्षाओं को भुला दिया है।

अपनी संस्कृति से भी हम बहुत दूर होते जा रहे हैं। संस्कृति समाज में नैतिकता स्थापित करने का बहुत बड़ा आधार होती है। यदि हम अपने महापुरुषों की जीवनशैली का अनुसरण कर लें तो हमारा नैतिक स्तर सदा उच्च बना रहेगा।

हमारे संतों ने अपनी अनुभवी वाणी द्वारा एवं अपने साहित्य द्वारा हमें नैतिक दायित्व का बोध करवाया है। आज भी समय-समय पर हमारे संत-जन हमारा मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। सभी धर्मों के संतों का संदेश एक जैसा ही श्रेष्ठ है।

यदि हम स्वयं को नहीं सुधारेंगे, यदि हम स्वयं ही नैतिक मूल्यों को अपने आचरण में नहीं लाएँगे, तो समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना संभव नहीं है।

यदि हम दूसरों के दोष देखने के बजाए अपने आचरण को सुधारना शुरू कर दें तो हमारा समाज स्वयं ही सुधर जाएगा। क्योंकि, हम सब समाज का ही तो भाग हैं। हमारे संयोग से ही समाज का गठन होता है। हम समाज की एक इकाई हैं।

आशा है आपका यह लोकप्रिय साप्ताहिक पत्र भविष्य में भी उसीप्रकार के महत्वपूर्ण लेखों का प्रकाशन करता रहेगा।

भवदीय

डॉ. पूरन सहगल
कृष्णायन/उषागंज
मनासा, जि. नीमच
म. प्र. - ४५८११०

VI. বর্তমানে শব্দ দূষণের ফলে মানুষের যে মানসিক ও শারীরিক ক্ষতি হচ্ছে, সে বিষয়ে
একটি অনুচ্ছেদ (২৫টি বাক্য) লিখুন।

टिप्पणियाँ

हेतु हेतुमत् भूतकाल के वाक्यों का प्रयोग दिखाया गया है। ऐसी वाक्य रचना में दो उपवाक्य होते हैं। पहला शर्त उपवाक्य और दूसरा मुख्य उपवाक्य अर्थात् पहला उपवाक्य एक शर्त के रूप में होता है और दूसरा मुख्य कथन के रूप में। बंगला में ऐसे होनेवाले वाक्य दो प्रकार के होते हैं।

- I. पहले प्रकार के वाक्यों में शर्त वाले उपवाक्य के आरम्भ में 'यदि' (यदि) लगाया जाता है और मुख्य कथन के पहले 'तो', 'ताहोले' (ताहोले) का प्रयोग किया जाता है। जैसे :

यदि चारिदिके प्रचुर गाछपाला थाकतो, यदि चारों ओर बहुत पेड़ पौधे होते तो ताहले वृष्टि हतो।
बारिश होती।

यदि आपनि आप्नेन ताहले आम्नि यावो। यदि आप आएँगे तो मैं जाऊँगी।

शर्तवाले उपवाक्य को निषेधात्मक करने के लिए क्रिया के पहले 'ना' (ना) जोड़ा जाता है। दूसरे या मुख्य कथनात्मक वाक्यों को निषेधात्मक बनाने के लिए क्रिया के बाद 'ना' (ना) जोड़ा जाता है। जैसे :

यदि चारिदिके गाछपाला ना थाकत तबे यदि/अगर चारों ओर बहुत पेड़ पौधे नहीं होते तो बारिश नहीं होती।
वृष्टिउ हत ना।

यदि आपनि ना आप्नेन तबे आम्निउ याव ना। यदि/अगर आप नहीं आए तो मैं नहीं जाऊँगी।

- II. दूसरे प्रकार के शर्तवाले वाक्य बनाने के लिए पहले अर्थात् शर्तवाले उपवाक्य में धातु का रूप बदलना पड़ता है। धातु के तिर्यक रूप में 'ले' (ले) लगाकर नया रूप बनाते हैं। इस प्रकार शर्तवाले उपवाक्यों की मुख्यक्रिया असमापिका क्रिया के रूप में परिवर्तित हो जाती है। ऐसे वाक्यों में 'यदि' (यदि) अथवा 'ताहले' (ताहोले) का प्रयोग नहीं होता है। जैसे :

आशेपाशे अनेक गाछपाला थाकले आसपास बहुत पेड़ पौधे होने से दुर्घटना दूर्घनार प्रकोप कम हतो।
की संभावना कम होती।

आपनि खेले आम्नि थाव। आप (के) खाने से मैं खाऊँगी। (आप खाएँगे तो मैं खाऊँगी।)

इस प्रकार के वाक्यों को भी पूर्व की तरह निषेधात्मक बना सकते हैं। जैसे :

आपनि ना खेले आमि थाव ना।

आप न खाने से मैं नहीं खाऊँगी। (आप नहीं खाएँगे तो मैं नहीं खाऊँगी।)

आपनि ना खेले आमि थाव ना।

आप नहीं खाने से मैं नहीं खाऊँगी। (आप नहीं खाएँगे तो मैं नहीं खाऊँगी।)

आपनि खेले आमि थाव ना।

आप खाने से मैं नहीं खाऊँगी। (आप खाएँगे तो मैं नहीं खाऊँगी।)

द्रष्टव्य : असमापिका क्रियाओं के निषेधात्मक रूप बनाने के लिए सदा क्रिया के पहले 'ना' (ना) लगाया जाता है।

ह आदमी अच्छा गाना गाता है।

पणप्रथा নিয়ে साक्षात्कार

दहेज प्रथा पर एक साक्षात्कार

सुनीता : नमस्कार, আমি 'সুনন্দা' পত্রিকার
পক্ষ থেকে এসেছি।

सुनीता : नमस्कार, मैं 'सुनन्दा' पत्रिका
की ओर से आई हूँ।

বিজয়া : নমস্কার, ভেতরে আসুন। আমি
জানি আপনাদের পত্রিকার বেশ
নাম আছে। বলুন, কি মনে করে
এসেছেন?

विजया : नमस्कार! अंदर आइए। मुझे
पता है कि आपलोगों की पत्रिका
का बड़ा नाम है। कहिए, कैसे
आना हुआ?

সুনীতা : আমি আপনার একটি সাক্ষাৎকার
নিতে এসেছি।

सुनीता : मैं आपका एक साक्षात्कार लेने
आई हूँ।

বিজয়া : ও! তাম্প নাকি? কিন্তু আমিতো
কোন বিখ্যাত কেউ নম্প। আমার
সাক্ষাৎকার কেন নিতে চান?

विजया : ओह! ऐसा है? लेकिन मैं तो
उतनी बड़ी व्यक्ति नहीं हूँ। मेरा
साक्षात्कार क्यों लेना चाहती हैं?

সুনীতা : আপনি তো একটি পুরনো এবং
বিখ্যাত মহিলা সমিতির সঞ্চালিকা
হিসেবে পণপ্রথা সম্পর্কে আপনি
আপনার মতামত দিয়ে থাকেন।
এম্প সম্বন্ধে কিছু তথ্য দিন না।

सुनीता : आप तो एक पुरानी और मशहूर
महिला समिति की संचालिका
होने के नाते दहेज प्रथा के
संबंध में अपने विचार रखती
होंगी। उन विचारों के बारे में
जानकारी दे दीजिए न?

विजया : देखून, आजकाल बियेते पण देওয়া एका सामाजिक कुरीतिते परिणत হয়েছে। बाबा मा सबसमय एम्प छिम्प করেন যে, যদি তারা না থাকেন (মারা যান), তখন তাদের মেয়ের বিয়ে কে দেবে? এম্প কারণে তারা মেয়ের বিয়ে তাড়াতাড়ি দিয়ে দিতে চান। এম্প অবস্থাতে তারা বরপক্ষকে পণ দিতে বাধ্য হন।

সুনীতা : পণপ্রথার বিরুদ্ধে আজকাল মেয়েরা কি ভূমিকা পালন করেছে?

বিজয়া : পণ প্রথার জন্য সমাজে সবাম্পকেম্প কষ্ট ভোগ করতে হয়। এখনও মেয়েরা পরিবারের বোঝা -- বলে মনে করা হয়। বিয়ে না হওয়ার জন্য মেয়েদের মা বাবার সঙ্গেম্প থাকতে হয়। এর ফলে বাবা মায়ের চিন্তাও বেড়ে যায়। বরপক্ষকে তাদের চাহিদা অনুযায়ী পণ না দিতে পারার জন্য তারা মনে মনে দুঃখিত হয়। কিন্তু মেয়েরা এখন এম্প অবস্থা

বিজয়া : देखिए, आजकल शादी में दहेज देना एक सामाजिक कुरीति के रूप में व्याप्त हो गया है। माँ बाप सदा इस बात की चिंता करते रहते हैं कि, यदि हम नहीं रहे (मर गए) तो हमारी लड़कियों का विवाह कौन करवाएगा? इसी कारण से अपनी लड़कियों का विवाह झटपट करना चाहते हैं। इस स्थिति में उन्हें वरपक्ष को दहेज देना ही पड़ता है।

सुनीता : आजकल दहेज प्रथा के विरुद्ध लड़कियाँ क्या भूमिका अदा कर रही हैं?

विजया : दहेज प्रथा के कारण समाज के सभी वर्गों को कष्ट भोगना पड़ रहा है। अब भी लड़कियाँ परिवार पर बोझ मानी जाती हैं। विवाह नहीं हो पाने के कारण उन की माँ बाप के साथ ही रहना पड़ता है। इससे माँ बाप की चिंता भी बढ़ जाती है। वरपक्ष को उनका मन चाहा दहेज नहीं दे पाने के कारण वे मन ही मन दुखी रहते हैं। लेकिन आजकल की लड़कियाँ ने अब यह स्थिति समझ ली है। उन्होंने दहेज का विरोध करना शुरू कर दिया है। उन को अपने पैरों पर खड़ी होना है। वे ऐसा प्रयत्न कर रही हैं जिससे वे अपने परिवार पर बोझ बन कर न रहें। इसलिए आजकल उनकी शादी भी देरी से हो रही

সম্বন্ধে ওয়াকিবহাল হয়ে গেছে।
তারা এখন পণপ্রথার বিরোধ করা
শুরু করে দিয়েছে। এদের
নিজেদের পায়ে দাঁড়াতে হবে,
এরকম চেষ্টা করছে। যাতে তারা
পরিবারে আর বোঝা হয়ে না
থাকে। এম্পজন্য আজকাল তাদের
বিয়েও দেরিতে হচ্ছে।

সুনীতা : একমাত্র অর্থনৈতিক কারণের
জন্যে কি মেয়েরা বিয়ে করতে
চায় না?

বিজয়া : না, কেবল আর্থিক কারণে
প্রধান নয়। এর সঙ্গে মর্যাদার
প্রশ্নও জড়িত। মেয়েদের কি
সবসময় পুরুষদের কথামতো
চলতে হবে? আজকাল মেয়েদের
অনেক ক্ষেত্রে সামাজিক
অন্যায়ের বিরুদ্ধে লড়াইতে হচ্ছে।
সামাজিক অধিকার প্রতিষ্ঠা
করতে মেয়েদের এগিয়ে আসা
প্রয়োজন। কিছু কিছু ক্ষেত্রে কিছু
মেয়ে এগিয়েও এসেছে। জীবিকার
জন্যে মেয়েদের এখন ঘরের
বাম্পরে বেরিয়ে আসতে হবে।

হৈ।

সুনীতা : ক্যা কেবল আর্থিক কারণों से
ही लड़कियाँ विवाह करने को
तैयार नहीं हो रही हैं?

विजया : नहीं। केवल आर्थिक कारण ही
मुख्य नहीं है। इसके साथ
सम्मान का प्रश्न भी जुड़ा है।
लड़कियों को क्या सदा पुरुषों
के अनुसार ही चलना होगा?
आजकल लड़कियों को अनेक
क्षेत्रों में सामाजिक अन्याय के
विरुद्ध लड़ना पड़ रहा है।
सामाजिक अधिकारों की स्थापना
करने के लिए लड़कियों को
आगे आने की ज़रूरत है। कुछ
लड़कियाँ किसी किसी क्षेत्रों में
बहुत आगे भी बढ़ गयी हैं।
जीविका के लिए अब लड़कियों
को घर से बाहर निकलना ही
होगा। इसी से उन्हें नाना प्रकार
की समस्याओं का सामना भी
करना पड़ रहा है।

सुनीता : अच्छा, इस समस्या के समाधान
के बारे में आप के क्या विचार
हैं?

विजया : लड़कियों को पहले आत्मनिर्भर
होना चाहिए। उसके बाद ही

তাম্প অবশ্য তাদের নানারকম
সমস্যার সম্মুখীন হতে হচ্ছে।

সুনীতা : আচ্ছা, এম্প সমস্যার সমাধানের
ব্যাপারে আপনি কি ভাবছেন?

বিজয়া : মেয়েদের আগে স্বনির্ভর হওয়া
দরকার হবে। তারপরেম্প তাদের
বিয়ে করা উচিত। আসলে সমগ্র
নারীজাতিকেম্প পণপ্রথার বিরুদ্ধে
রুখে দাঁড়াতে হবে। মেয়েরা
বাজারের পণ্য নয় -- একথা
সকলকে বুঝতে হবে। মেয়েদের
এম্প সিদ্ধান্ত নিতে হবে যে, যে
বরপক্ষ পণ চাম্পবে তাকে বিয়ে
করবে না। তাহলেম্প পণপ্রথার
মতো অভিশাপ সমাজ থেকে দূর
হতে পারে।

সুনীতা : বাঃ, আপনার মতামত জেনে বেশ
ভাল লাগল। আগামী বৈশাখ
সংখ্যাতে এম্প সাক্ষাৎকারী প্রকাশ
করবো। তখন আপনাকে এক
কপি ‘সুনন্দা’ পাঠাবো। আজ
তাহলে আসি। অনেক ধন্যবাদ।
নমস্কার।

उनका विवाह करना उचित है।
असल में समग्र नारी जाति को
दहेज प्रथा के विरुद्ध खड़ा होना
होगा। लड़कियाँ बाज़ार की
चीज़ें नहीं हैं। यह बात सबको
समझना चाहिए। लड़कियों को
ऐसा निर्णय लेना चाहिए कि
यदि वरपक्ष दहेज की माँग करें
तो वे ऐसे लड़कों से शादी न ही
करें। तभी दहेज प्रथा जैसा
अभिशाप समाज से दूर हो
सकता है।

सुनीता : वाह! आपके विचार जान कर
बहुत अच्छा लगा। अगले
बैशाख-अंक में यह साक्षात्कार
प्रकाशित करूँगी। तब आपको
‘सुनंदा’ की एक प्रति भेजूँगी।
तो आज चलती हूँ। बहुत
धन्यवाद। नमस्कार।

বিজয়া : ধন্যবাদ। নমস্কার।

ବିଜୟା : ଧନ୍ୟବାଦ । ନମସ୍କାର ।

ଶବ୍ଦାର୍ଥ

ଶବ୍ଦ	ଅର୍ଥ
ପଣ	ଦହେଜ
ପ୍ରଥା	ନିୟମ
ସାକ୍ଷ୍ୟକାର	ସାକ୍ଷାତ୍କାର
କି ମନେ କରେ ଏସେଛେନ	କैसे आना हुआ
ମତାମତ	विचार
ଦେଓୟା	देना
ମେୟେଦେର	लड़कियों का
ଫଲେ	फलस्वरूप
ବିରୁଦ୍ଧେ	विरोध में
ଶ୍ରେଣୀର	श्रेणी का
ପରିବାରେ	परिवार में
ଅର୍ଥନୈତିକ	अर्थनैतिक
ସଂଖ୍ୟା	संख्या
ବୁଝାତେ	समझना
ପାୟେ	पैरों पर
କଥାମତୋ	कहने के अनुसार
ଅନ୍ୟାୟେର	अन्याय का
ପ୍ରତିଷ୍ଠା	प्रतिष्ठा
ଏଗିୟେ	आगे आना
ଜୀବିକାର ଜନ୍ୟ	जीविका के लिए

ঘরের	घर से
বাম্পরে	बाहर में
বেরোতে	निकलने
হচ্ছে	हो रहा है
সমস্যার	समस्या का
সমাধানের	समाधान के
জাতিকেম্প	जाति को ही
রুখে	विरुद्ध
পণ্য	वस्तु, चीज़
পাঠাবো	भेजूंगी

অভ্যাস

I. নীচে দাগ দেওয়া শব্দের বদলে বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলির ব্যবহার করে নতুন বাক্য গঠন করুন।

- আপনাকে পড়তে হবে। (লিখতে, শিখতে)
- তোমাকে নতুন বম্প কিনতে হবে। (আনতে, দিতে)
- আমাকে রান্না করতে হবে। (গান শিখতে, নাচ শিখতে)
- তাকে রোজ দু'কিলোমিটার হাঁতে হয়। (ছুঁতে, দৌড়তে)
- তাকে রোজ নিয়ম মতো ব্যায়াম করতে হয়। (সাঁতার কাতে, খেলতে)

II. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলির থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

- আমাকে _____ হবে। (খাওয়া, খেতে, খাব)
- আপনাকে চিঠি _____ হবে। (লিখতে, লিখুন, লেখেন)
- আপনি চিঠি _____ । (লিখবেন, লিখলে, লিখতে)

4. আমি বাজারে _____ । (যেতে, যাব, যাওয়া)
5. তোমাকে এম্প কাজী _____ হবে। (করতে, করা, করে)

III. নীচে দেওয়া বাক্যগুলি উদাহরণ অনুযায়ী পরিবর্তন করুন।

উদাহরণ : আমি পড়ি —→ আমাকে পড়তে হবে।

1. আপনি সিনেমা দেখেন।
2. তুমি বম্পা আন।
3. সে বাজারে যায়।
4. তিনি চাকরি করেন।
5. তারা ভাত খায়।

IV. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলি থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

(যান, যাম্প, যেতে, কাটে, কীতে)

1. রমেশকে রোজ সাঁতার _____ হয়।
2. সে রোজ সাঁতার _____ ।
3. আমি রোজ বাজার _____ ।
4. আমাকে রোজ বাজারে _____ হয়।
5. তিনি বাজারে _____ ।

V. উপযুক্ত শব্দ দিয়ে বাক্যগুলি পূর্ণ করুন।

1. আমাকে রোজ স্কুলে _____ ।
2. আপনাকে আগামীকাল কলকাতা _____ ।

3. উপায় না দেখে গতকাল তাকে _____ ।
4. তোমাকে বম্পা _____ ।
5. তাকে জিনিসা _____ ।
6. এত চিন্তার কী আছে, তিনি তোমায় _____ ।
7. আমরা সবাম্প নৈনিতাল _____ ।
8. রোজ সারাদিনে অন্তত পাঁচ লিার জল _____ ।
9. বর্ষাকালে সারাদিন ধরে বৃষ্টি হয়, তাম্প সবসময় ছাতা নিয়ে _____ ।
10. বয়স বাড়ার সাথে সবাম্পকেম্প কিছু না কিছু দায়িত্ব _____ ।

পড়ে বুঝুন

শিক্ষায় শক্তি

शिक्षा में बल

দেশের জনশক্তিকে ঠিকমতো কাজে লাগাতে হলে জনসাধারণকে শিক্ষিত করে তুলতে হবে। বহু সরকারী প্রচেষ্টা সফল হতে পারে না, কারণ জনসাধারণের সেম্প প্রচেষ্টার সঙ্গে কোনো যোগ থাকে না। আর ঐ হয় জনসাধারণ শিক্ষিত নয় বলে। শিক্ষা মানে শুধু অক্ষর জ্ঞান বা অক্ষ পড়ানোম্প নয় জনসাধারণকে এমনভাবে শিক্ষিত করে তুলতে হবে যাতে তাদের কুসংস্কার দূর হয়। তাদের মধ্যে বিচক্ষণ মানসিকতা আনতে হবে। নতুনকে গ্রহণ করার মতো মানসিকতা সৃষ্টি যাতে হয় তা দেখতে হবে। জন শিক্ষার কথা বললে প্রথমেম্প আসে নারীশিক্ষার কথা। মেয়েদের জন্যে শিক্ষার ব্যবস্থা করতে হবে। মেয়েরা ঠিকমতো শিক্ষা পেলে ভবিষ্যৎ বংশধরেরাও শিক্ষিত হবে। এর জন্যে প্রকৃত পরিকল্পনা দরকার। সাক্ষরতা অভিযান আমাদের দেশে আরম্ভ হয়েছে। এক একী জেলায় নিরক্ষরতা সম্পূর্ণ দূর হচ্ছে, ঐ খুবম্প ভাল লক্ষণ। কিন্তু এম্প সঙ্গে কুসংস্কার দূর করার ব্যবস্থা করতে হবে। রাজনৈতিক সচেতনতা আনতে হবে। এম্প সবার জন্যে চাম্প বিচক্ষণ মানসিকতা।

শব্দার্থ

শব্দ	অর্থ
জনশক্তি	জনশক্তি
জনসাধারণকে	জনসাধারণ কো
শিক্ষিত	শিক্ষিত
বহু	বহুত
প্রচেষ্টা	প্রচেষ্টা
সফল	সফল
অক্ষর	অক্ষর
জ্ঞান	জ্ঞান
অঙ্কের	অঙ্ক কা
বিচক্ষণ	বিলক্ষণ
বংশধরেরাও	বংশজ ধী
পরিকল্পনা	পরিকল্পনা
সাক্ষরতা	সাক্ষরতা
সাক্ষরতা	অভিযান
অভিযান	নিরক্ষরতা
নিরক্ষরতা	

অভ্যাস

I. নীচে দেওয়া প্রশ্নের উত্তর লিখুন।

1. দেশের জনশক্তিকে কাজে লাগাতে হলে প্রথমে কি করতে হবে?

2. बहू सरकारी प्रचेष्टा सफल हय ना केन?
3. जनशिक्षार उद्देश्य कि हওয়া उचित?
4. नारीशिक्षार फले कि हय?
5. साक्षरतार सप्पे आर कि करते हबे?

II. अनुच्छेद पड़े एमन पाँच शब्द खुँजे बार करून येगुलिर बिस्तृत अर्थ निचे देওয়া हयैछे।

बर्तमाने, युव समाज निजेर प्रतिष्ठा निये खुबसप सचेतन। निजेदेर मर्यादा निये तारा एत बेशि सचेतन ये अल्ल बयसेसप तारा आर पितामातार गलग्रह हयै थाकते चाय ना। ताम्प तारा जीविका निर्भर लेखापड़ार दिकेसप रूँकछे। सुतरां तारा एखन ज्ञान अर्जनेर दिके दृष्टि दिते चासपछे ना। तारा प्रथम थेकेसप निजेदेर जीवनेर परिकल्पना करे नेय। ताम्प आजकाल प्रकृत ज्ञानी अपेक्षा शिक्षितेर संख्या बेशि।

बिस्तृत अर्थ :

1. जीवनधारणेर जन्य उपाय।
2. सजाग, ओयकिबहाल।
3. ये ब्यक्तिर शिक्षा आछे।
4. आगे थेके कोनो सिद्धान्त नेওয়া।
5. जीवने ससम्माने स्थापना लाड करा।
6. परेर ओपर निर्भरशील।

III. अनुच्छेद पड़े एमन पाँच जोड़ा शब्द खुँजे बार करून येगुलि एके अपरेर बिपरीत शब्द।

সমাজের অন্যতম সমস্যা হলো জাতিভেদ প্রথা। পূর্বে, উচ্চবর্ণের মানুষ নিম্ন বর্ণের মানুষদের অমর্যাদাপূর্ণ দৃষ্টিতে দেখত। এর ফলে নিম্নবর্ণের বা অনুন্নতশীল মানুষদের পিছিয়ে পড়তে হয়। তবে বর্তমানে তারা যথেষ্ট সচেতন হয়েছে। তারা ন্যায়ের পথ ধরে অন্যায়ের বিরুদ্ধে লড়াই করতে শিখেছে। অবশ্য বর্তমানে সরকারও তাদের যথেষ্ট সুযোগ দিচ্ছেন। সেসব সুযোগ তারা পূর্বে নিতে চায়নি। তবে বর্তমানে সেসব সুযোগ নেওয়ায় তারাও যথেষ্ট উন্নতশীল হয়েছে এবং এগিয়ে এসেছে। এখন তারা যুগের সাথে পাল্লা দিতে সক্ষম হয়েছে। এম্পভাবেম্প এম্প সামাজিক সমস্যার সমাধান হচ্ছে।

IV. হিন্দিতে অনুবাদ করুন।

নারীজাতিকে সঠিকভাবে মর্যাদা দিতে হলে তাদের ঘোমার আড়াল থেকে শিক্ষার আলোয় বার করে আনতে হবে। তাদের যথার্থ শিক্ষিত ও জ্ঞানী করে তুলতে হবে। নারীদের নিজেদেরও মর্যাদা ও সম্মান সম্বন্ধে সচেতন হতে হবে। তাদের পোষাকে আধুনিকতা দেখালেম্প চলবে না। তাদের মানসিকতাও আধুনিক করতে হবে। তাদের কুসংস্কার ত্যাগ করতে হবে এবং যুগের সঙ্গে পাল্লা দিতে হবে। তাদের চিন্তাধারা, কুসংস্কারমুক্ত আধুনিক মানসিকতার হতে হবে। নারীকে কেবল নিজের শক্তিতে সচেতন হলেম্প চলবে না, তাদের দেশের গতিপ্রকৃতি ও উন্নতি নিয়েও ভাবতে হবে। তাদের দেশের উন্নয়নেও এগিয়ে আসতে হয় নানান ক্ষেত্রে। যেমন নারীদের রাজনৈতিক, প্রশাসনিক ক্ষেত্রে এগিয়ে আসতে হবে। দেশের নারীর সংখ্যা অনুপাতে মাত্র কয়েকজনম্প এম্প ক্ষেত্রের সাথে জড়িত কিন্তু আরো অনেক মহিলাকে এগিয়ে আসতে হবে। নাহলে, শুধু মাত্র মহিলারাম্প পিছিয়ে পড়বে না, দেশকেও পিছিয়ে পড়তে হবে। কারণ, দেশের বৃহৎ অংশে মেয়েরাও আছে। আজকাল, অবশ্য অনেক মেয়েরাম্প এগিয়ে আসছে। তারাও নিজেদের মর্যাদা সম্বন্ধে যথেষ্ট সচেতন হয়েছে এবং সর্বক্ষেত্রেম্প তারা যোগদান করছে। তবে আমাদের দেশ মেয়েদের কাছ থেকে আরো কিছু আশা করছে।

V. বাংলা में अनुवाद कीजिए।

संस्मरण

उर्मिला

जीवन में कुछ क्षण ऐसे भी आते हैं जो संस्मरण बन कर स्मृति पटल पर सदा अंकित रहते हैं। ऐसा ही एक संस्मरण मेरे शहर मनासा का भी है।

मेरे नगर मनासा में एक मोहल्ला है जिसका नाम है “बुशवाह मोहल्ला”। यह एक किसान मोहल्ला है। इसी मोहल्ले में एक परिवार रहता है। मोहन बुशवाह इस परिवार के मुखिया थे। मोहन जी की कुल पाँच संतानों में दो बेटे और तीन बेटियाँ। उर्मिला सब से बड़ी बेटा। मोहन बुशवाह ने अपनी आर्थिक तंगी के बावजूद भी अपनी पाँचों संतानों के पढ़ाने का अपना संकल्प डिगने नहीं दिया।

उर्मिला बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा थी। इसी बीच उसकी सगाई खंडवा क्षेत्र के एक सजातीय लड़के से हो गई। उर्मिला चाहती थी कि, पढ़ाई पूरी हो जाने के पश्चात ही उसका विवाह हो। यह बात उसने अपनी माँ से कही। उर्मिला की माँ भले ही पढ़ी लिखी नहीं थी किंतु वह पढ़ाई का महत्व समझती थी। उसके मायके में सब पढ़े लिखे थे। उसके समय लड़कियों को पढ़ाने का रिवाज़ नहीं था। यह टिस उर्मिला की माँ के मन में सदा रहती थी। इसलिए उसने उर्मिला के मन की बात का महत्व समझ कर लड़के वालों के यहाँ इस आशय का समाचार अपने पति के माध्यम से भिजवाया। लेकिन लड़के वालों ने उत्तर में कहलवाया, “यदि उर्मिला चाहे तो विवाह के बाद वह अपनी पढ़ाई पूरी कर सकेगी। इसपर आपलोग सहमत नहीं हो तो फिर हमें विवश होकर सगाई तोड़कर अपने बेटे का संबंध कहीं और करना पड़ेगा।”

वरपक्ष का यह उत्तर जानकर उर्मिला का मन बहुत दुखी हो गया। उसके माँ-बाप की चिंता बढ़ गई। मज़बूर होकर उन्होंने विवाह के लिए सहमती दे दी। निर्धारित तिथि पर बारात आ गई। बारात का खूब स्वागत किया गया। समय मुहूर्त पर वर तोरण इस पर आ पहुँचा। तोरण पर वरमाला से पूर्व लड़के के मित्रों ने उर्मिला के पिता से कहा, “वरमाला की रस्म से पहले एक स्कूटर, एक रंगीन टी.वी., एक फ्रिज और दस हजार रुपये नगद वराचार में देने होंगे। तभी वरमाला हो पाएगी।” वरके मित्रों का यह प्रस्ताव सुनते ही उर्मिला के पिता अबाक रह गए। उर्मिला की माँ ने यह बात सुना तो वह बेहोश हो गई। अब क्या होगा? मेहंदी हल्दी लगी लड़की की दुर्दशा की कल्पना मात्र से सब तरफ़ मायूसी छा गई। मोहन जी ने वर के पिता से बात की। वर के पिता ने कहा “मैं क्या कह सकता हूँ? आजके लड़के किसी की बात नहीं सुनते।” मोहन जी ने समझाया कि, सगाई के समय तो दहेज में लेन-देन की ऐसी कोई बात नहीं हुई थी। फिर भी हम अपनी हैसियत के मान से जितना दे रहे हैं वह सामाजिक परम्परा से अधिक ही है। वर के पिता तो रससे मस नहीं हुए। वे बोले तबकी बात और थी। अभी की और है। उर्मिला यह जानकर बहुत दुखी हो उठा। उसने अपने माँ बाप की स्थिति देखकर तत्काल निर्णय लिया। वर और उसके बीच केवल एक कदम की दूरी। दोनों के हाथों में वरमाला। बीच में केवल झीना सा पर्दा। उर्मिला

ने अपने हाथ से बीच का पर्दा हटा दिया। वह आगे बढ़ी और अपने वर से पूछा -- “दहेज का निर्णय आपका अपना है या आपके दोस्तों का?”

वर ने साफ-साफ कह दिया “मांग का फैसला किसी का भी हो यह मांग तो आप लोगों को पूरी करना ही पड़ेगी। तभी वरमाला की रस्म पूरी हो सकेगी।” उर्मिला ने वर को एक बार फिर समझाने का प्रयत्न किया -- “देखिए आपके सभी मित्र तो शराब के नशे में हैं। आप तो होश में हैं। आपने निर्णय पर एकबार ठंडे मन से सोचिए। वर तो बहुत ज़िद्दी निकला। उसने कहा, मांग पूरी करने पर ही वरमाला होगी।” वर की यह उत्तर सुनकर उर्मिला की आँखें लाल उठीं। “यदि नहीं हुई तो आप क्या करेंगे। तनिक वह भी बता दीजिए।”

वर ने आँखें मटका कर कहा “बारात वापस लौटा ले जाऊँगी।” उर्मिला ने वर के वाक्य को बीच में झपट लिया। “तो फिर आप यही कीजिए। आप फौरन बारात वापस लौटा ले जाइए।” ऐसा कहते ही वह तोरण द्वार छोड़ कर वापस घर में लौट गई।

उर्मिला से ऐसे निर्णय की आशा किसी को भी नहीं थी। माँ बाप ने व अन्य रिश्तेदारों ने उसे खूब समझाया। उर्मिला अपने निर्णय से नहीं डिगी। अंत में वरपक्ष बिना दहेज लिए ही वरमाला के लिए तैयार हो गया। लेकिन उर्मिला अपने फैसले पर दृढ़ रही।

बारात को बिना विवाह के वापस लौटना पड़ा। इसके बाद उर्मिला ने अपनी पढ़ाई जारी रखी। बाद में वह एक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदस्थ हुई। इस घटना ने मोहल्ले की ही नहीं पूरे क्षेत्र की लड़कियों को बहुत प्रेरणा दी। उर्मिला आज भी स्त्री जाति के लिए प्रेरणा स्रोत है। उसका एक हँसता खेलता सुसंस्कृत परिवार है। सब उसका सम्मान करते हैं।

I. प्राभाजिक प्रमप्रा शिप्रावे ‘कूपशङ्कार’ प्रमप्रा एकी अनुच्छेद (७० वाक्य) लिखन।

टिप्पणियाँ

- I. इस पाठ में इस प्रकार के वाक्यों का प्रयोग किया गया है, जिसमें कर्ता के ऊपर किसी कार्य की बाध्यता होती है। ऐसे वाक्यों में हिंदी के समान ही बंगला में भी कर्ता में कर्म (द्वितीया) विभक्ति लगती है। इन वाक्यों में दो क्रियाएँ होती हैं। एक मूल क्रिया और दूसरी सहायक क्रिया ‘इ’ (ह) - (होना) मुख्य क्रिया असमापिका क्रिया के रूप में प्रयुक्त होती है और ‘देश’ (हो) - (होना) क्रिया आवश्यकतानुसार सभी कालों में प्रयुक्त होती है, किन्तु रहती सदा अन्य पुरुष एक वचन में ही। जैसे :

মেয়েদের নিজেদের পায়ে দাঁড়াতে হবে। लड़कियों को अपने पैरों पर खड़े होना है/खड़े होना चाहिए।

পরিবেশ দূষণের জন্য সমাজের সব পর্যায়ের লোকের প্রভাব
মানুষকে ভুগতে হয়।

ऐसे बंगला वाक्यों के अर्थ हिंदी वाक्य संरचनाओं में लाने के लिए ‘पड़ना’ या ‘होना’ क्रियाएँ प्रयोग कर सकते हैं।

II. उपर्युक्त वाक्यों को निषेधात्मक बनाने के लिए ‘है’ क्रिया के बाद ‘ना’ (ना) लगाया जाता है।

মেয়েদের বাবা-মায়ের গলগ্রহ হয়ে লড়কियों को हमेशा अपने माता
थाकते हवे ना। पिता पर बोझ बनकर नहीं रहना है।

পরিবেশ দূষণের প্রভাব সমাজের সব পর্যায়ের লোকের প্রভাব
মানুষকে ভুগতে হয় না।

पर्यावरण के प्रदूषण का प्रभाव
सबको नहीं भुगतना है।

ਭਾਗ 22
ਪਾਠ

সাক্ষরতা অভিযানের উদ্দেশ্যে একটি সভা

সভাপতি : যখন আমরা বয়স্ক শিক্ষাকেন্দ্র প্রথম শুরু করি, তখন আমাদের সদস্য সংখ্যা ছিল মোট আঁজন। আজ পাঁচ বছর পরে আমাদের সদস্যের সংখ্যা বেড়ে দাঁড়িয়েছে বাষট্টিজন। আমাদের এলাকায় আমরা তিনটি শিক্ষাকেন্দ্র স্থাপন করেছি।

১ম সদস্য: কিন্তু পাশের গ্রাম রঘুনাথপুরে এম্প পাঁচ বছরে সাক্ষরতার হার তুলনায় অনেক বেড়েছে। যে লক্ষ্যে পৌঁছবার কথা আমরা কি সেম্প লক্ষ্যে পৌঁছতে পেরেছি।

সভাপতি : আমাদের সাক্ষরতার হার প্রায় সত্তর শতাংশ। এঁা কম মনে হতে পারে। কিন্তু যারা আমাদের এখান থেকে শিক্ষালাভ করেছে তারা সামাজিক উন্নতি সম্পর্কে যথেষ্ট সচেতন।

साक्षरता अभियान के लिए एक सभा

सभापति: जब हमने प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र पहले शुरू किया था तब हमारे सदस्यों की कुल संख्या केवल आठ ही थी। आज पाँच साल के बाद हमारे सदस्यों की संख्या बढ़कर बासठ हो गई है। अपने इलाके में हमने तीन शिक्षा केन्द्र स्थापित किए हैं।

पहला : किंतु पास के गाँव रघुनाथपुर में सदस्य इन पाँच वर्षों में साक्षरता की दर तुलनात्मक दृष्टि से बहुत बढ़ गयी है। जिस लक्ष्य तक पहुँचने की हमारी संकल्प था क्या हम वहाँ तक पहुँच पाए हैं?

सभापति: हमारी साक्षरता की दर ७०% हैं। यह कम लग सकती है। किंतु जिन्होंने हमारे यहाँ से शिक्षा प्राप्त कर उन्नति की है वे समाज के विषय में बहुत जागरूक हैं।

২য় সদস্য: আমরা যত বেশী শিক্ষা কেন্দ্র
খুলতে পারব তত বেশী লোক
সাক্ষর হতে পারবে।

সভাপতি : নতুন কেন্দ্র খুলতে হলে আমাদের
সদস্যের সংখ্যা বাড়াতে হবে।
সেম্প সঙ্গে বাড়াতে হবে শিক্ষকের
সংখ্যাও। যে অনুপাতে কেন্দ্র
বাড়বে সেম্প অনুপাতে অর্থের
ব্যবস্থা করতে হবে। এর জন্য
সকলকেম্প উদ্যোগী হতে হবে।
বিশেষ করে অর্থ সংগ্রহের জন্য
সকলকে সক্রিয় হতে হবে।

৩য় সদস্য: আমার একটা প্রস্তাব আছে। যাদের
জন্যে সাক্ষরতার এম্প কর্মসূচী
তাদেরকেও আমাদের এম্প
অভিযানে সামিল করা চাম্প।
তাতে দুটো লাভ হবে। অর্থের
ব্যবস্থাও হবে আর তারা এম্প
কাজী নিজেদের বলেম্প মনে
করবে।

১ম সদস্য: অর্থের ব্যবস্থা কি করে হবে?

৩য় সদস্য: যে সব সংস্থার কাছ থেকে

দুসরা : हम जितने अधिक शिक्षा केंद्र
सदस्य खोलेंगे उतने ही अधिक लोग
साक्षर हो सकेंगे।

सभापति: नये केंद्र खोलने के लिए हमें
अपने सदस्योंकी संख्या बढ़ानी
होगी। साथ ही शिक्षकों की संख्या
भी बढ़ानी होगी। जिस अनुपात में
केंद्र बढ़ेंगे उसी अनुपात में अर्थ
की व्यवस्था भी करनी पड़ेगी।
इसके लिए सभी को प्रयत्न करना
पड़ेगा। विशेष रूप से धन संग्रह
के लिए सभी को सक्रिय रहना
होगा।

तीसरा : मेरा एक प्रस्ताव है। जिनके
लिए
सदस्य साक्षरता की यह कार्यसूची है
उनको भी हमें इस अभियान में
शामिल करना चाहिए। इससे दो
लाभ होंगे। धन की भी व्यवस्था
होगी और वे लोग भी इसे अपना
ही काम जानने लगेंगे।

प्रथम : धन की व्यवस्था कैसे होगी?
सदस्य

तीसरा : जिन संस्थाओं से हमारा
शिक्षाकेंद्रों
सदस्य अनुदान पाता है, उन सब
संस्थाओं में हमें साक्षरता का

আমাদের শিক্ষাকেন্দ্র অনুদান
পাচ্ছে সেন্সপসব সংস্থায় আমাদের
সাক্ষর করতে কিছু শিক্ষক নিয়োগ
করতে হবে। তাদের পাওয়া বেতন
থেকে কিছু টাকা চাঁদা হিসাবে
সংগ্রহ করে কেন্দ্রের কাজে
লাগানো হবে।

১ম সদস্য : এম্প প্রস্তাবে কি সকলে রাজী
হবেন?

সভাপতি : নিশ্চয় হবেন। যত টাকা ওরা
পাবেন তার খুব সামান্য অংশ
চাঁদা হিসাবে নিলে কারোর আপত্তি
থাকবে না। এখন আর আলোচনা
নয়। আগামী রবিবার সব সদস্যের
কাছে এম্প প্রস্তাব রাখা হবে।
তাহলে আজকের সভা শেষ করা
যাক।

प्रसार करने के लिए कुछ शिक्षकों
की नियुक्ति करनी होगी। उनके
दिए गए वेतन में से कुछ रुपए
चंदा प्राप्त कर उसे साक्षरता केंद्रों
में लगाना होगा।

पहला : क्या इस प्रस्ताव पर सभी लोग
सदस्य सहमत होंगे?

सभापति : जरूर होंगे। जितने रुपये उनको
मिलेंगे उसका कुछ भाग चंदे के
रूप में लेने पर किसी को आपत्ति
नहीं होगी। अब और विचार
विमर्श नहीं करना है। अगले
रविवार सभी सदस्यों के सामने
यह प्रस्ताव रखा जाएगा। तो आज
की सभा समाप्त की जाए।

शब्दार्थ

शब्द

अर्थ

সাক্ষরতা

साक्षरता

सदस्य
 सक्रिय
 बाषट्टि
 पाशेर्
 बेड़ेछे
 लक्ष्य
 पौछवार
 सत्तर
 शतांश
 यारा
 शिक्षालाभ
 साक्षर
 बाड़ाते
 शिक्षकेर
 अनुपाते
 अर्थेर्
 संग्रहेर
 यादेर
 कर्मसूची
 तादेरके
 आमादेर
 संग्रार
 अनुदान
 नियोग करा

सदस्य
 सक्रिय
 बासठ
 पास के
 बढ़ा है
 लक्ष्य में
 पहुँचने की
 सत्तर
 शतांश
 जो लोग
 शिक्षालाभ
 साक्षर
 बढ़ाना
 शिक्षक का
 अनुपात में
 अर्थ का
 संग्रह का
 जिसके लिए
 कार्यसूची
 उन लोगों को
 हम लोगों को
 संस्था का
 अनुदान
 नियुक्त करना
 सामान्य

सामान्य

आपत्ति

आपत्ति

अभ्यास

I. बङ्गनीते देওয়া शब्दगुलि थेके उपयुक्त शब्द बेछे निये बाक्यगुलि सम्पूर्ण करुन।

1. यिनि एसेछिलेन _____ आमार बङ्कु। (तिनि, से तारा)
2. याके एम्प बम्पा देबो थेबेछिलाम _____ देखते पेलाम ना। (तार, तिनि, ताके)
3. येदिन वृष्टि हय _____ ठांवा पड़े। (से, सेदिन, दिने)
4. ये एसेछिल _____ आमि चिनि ना। (से, तार, ताके)
5. यार कथा भावछिलाम _____ एसेछे। (से, तार, ताके)

II. बङ्गनीते देওয়া शब्दगुलि थेके उपयुक्त शब्द बेछे निये बाक्यगुलि सम्पूर्ण करुन।

(तादेर, ततम्भण, ततगुलो, तत, से)

1. ये प्रथमे आसवे _____ एा पावे।
2. यतगुलो आपेल आपनि चान _____ निते पारेन।
3. यतम्भण दाँडिये थाकबेन _____ कष्ट पाबेन।
4. रास्ताय ये छेलेगुलो खेलछे _____ सबाम्पके आमि चिनि ना।
5. मेयेरि यतरूप _____ गुण।

III. उदाहरण अनासारे दुई बाक्यके एकई बाक्ये परिणत करुन।

উদাহরণ : ও আসছে। ও আমার বন্ধু।

যে আসছে সে আমার বন্ধু।

1. এম্প বম্পগুলো দেখছেন। এগুলো লাম্পব্রেদী থেকে এনেছি।
2. ঐ লোকটি কাজ করছে। লোকটির ভাল স্বভাব।
3. ঐা বিশ্ববিদ্যালয়ের খেলার মাঠ। আমি এখানে ব্যাডমিণ্টন খেলি।
4. ওনাকে কাগজটা পাঠিয়েছিলাম। উনি আমার শিক্ষক।
5. বৃষ্টি পড়বে। গাছগুলি ভাল হবে।

IV. উপযুক্ত শব্দ দিয়ে নিচের বাক্যগুলি পূর্ণ করুন।

1. যাকে দেখেছেন _____ চিনতে পারবেন?
2. যত পড়বেন _____ শিখবেন।
3. যে গানী শুনলাম _____ খুব সুন্দর।
4. আমার কাছে _____ আসে তাদের আমি ফেরাম্প না।
5. তিনি _____ গেছেন সেখানেম্প অভিনন্দিত হয়েছেন।

V. অনুচ্ছেদটি পড়ে এমন পাঁচটি শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির বিস্তৃত অর্থ নিচে দেওয়া হয়েছে।

দেববাবু একজন আদর্শ শিক্ষক। তিনি নানা স্থানে ঘুরে ঘুরে গরীব ছাত্র সংগ্রহ করেন এবং তাদের শিক্ষা দেন। যদিও ছাত্রদের এক অংশের পিতামাতা আপত্তি করেন। কিন্তু তাও তাকে কেউ তার কাজ থেকে বিরত করতে পারে না, এম্প শিক্ষার কাজে তিনি নিজেকে নিয়োগ করেছেন।

बिस्तृत अर्थ :

1. शिक्षा दान করেন যিনি।
2. খণ্ড।
3. নিযুক্ত করা।
4. অমত করা।
5. একত্রিত করা।

VI. অনুচ্ছেদটি পড়ে এমন পাঁচ জোড়া শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি একে অপরের বিপরীত শব্দ।

আমাদের দেশের নিরক্ষরতা দূর করতে হলে, প্রথমেন্স্প একটি লক্ষ্য স্থির করে নিতে হবে। তারপর সমস্ত শিক্ষিত মানুষকেস্প সক্রিয় হতে হবে। প্রতিটি শিক্ষিত মানুষকেস্প সক্রিয় হতে হয়। প্রতিটি শিক্ষিত মানুষ যদি প্রতি একটি নিরক্ষর মানুষকে সাক্ষর করতে পারে, তবে সাক্ষরতার হারস্প শুধু বাড়বে না, দেশের মানুষের মধ্যে সচেতনাও বাড়বে। এম্প কাজে কারোর আপত্তি থাকা উচিত নয়। তাম্প যারা অলক্ষ্য ছিলেন তারাও সহযোগিতা করতে এগিয়ে এসেছেন। এখন আর নিষ্ক্রিয় হয়ে থাকার দিন আর নেম্প। এম্পভাবেস্প ধীরে ধীরে নিরক্ষরতার হার কমবে।

পড়ে বুঝুন

কন্যাকুমারী ভ্রমণ

কন্যাকুমারী ভ্রমণ

কন্যাকুমারীর সমুদ্রের ধারে বেড়াতে খুব ভাল লাগে। যে দিকে তাকানো যাক না কেন, শুধু জল আর জল। আমরা যেদিন বেড়াতে গিয়েছিলাম, সেদিন ছিল পূর্ণিমা।

পূর্ণিমার রাতে সমুদ্রের ধারে বালি চিক্ চিক্ করছিল। কন্যাকুমারীতে তিনি সমুদ্র ---
বঙ্গোপসাগর, আরব সাগর ও ভারত মহাসাগর এক সঙ্গে মিশেছে। কন্যাকুমারী
ভারতবর্ষের শেষ প্রান্তে এম্প কথা মনে হলেম্প অদ্ভুত অনুভূতি হয়। সমুদ্রের ধারে
যতক্ষণ দাঁড়িয়ে ছিলাম ততক্ষণ ভারতবর্ষের মানচিত্র মনে পড়ছিল। আর মনে পড়ছিল
তাদের কথা, যাঁরা এম্প ভারতবর্ষের স্বাধীনতার জন্য প্রাণ দিয়েছিলেন। এম্প
কন্যাকুমারীতে সমুদ্রে সাঁতার কেটে স্বামী বিবেকানন্দ একটা শিলার ওপর উঠেছিলেন এবং
সেখানে ধ্যান করেছিলেন। যে শিলার ওপর তিনি ধ্যান করেছিলেন, সেম্প শিলার নাম
বিবেকানন্দ শিলা। এখন সেখানে একটা সুন্দর স্মৃতি মন্দির তৈরী হয়েছে। ছোট লঞ্জে করে
সেখানে যাওয়ার ব্যবস্থা আছে। আমি অনেকবার কন্যাকুমারী গিয়েছি। যতবার গিয়েছি
ততবারম্প এম্প একম্প অনুভূতি হয়েছে।

শব্দার্থ

শব্দ	অর্থ
সমুদ্রের	সমুদ্র কা
পূর্ণিমা	পূর্ণিমা
বালি	বালু
মিশেছে	মিলা হৈ
অদ্ভুত	অদ্ভূত
অনুভূতি	অনুভূতি
যতক্ষণ	জিতনী দেব
ততক্ষণ	উতনী দেব
স্বাধীনতা	স্বতন্ত্রতা কা
সাঁতার	তৈরনা

যতবার

জিতনা বার

ধ্যান

ধ্যান

অভ্যাস

I. নীচের দেওয়া প্রশ্নের উত্তর লিখুন।

1. লেখক যেদিন বেড়াতে গিয়েছিলেন সেদিন কি ছিল?
2. কন্যাকুমারীতে কোন্ কোন্ সমুদ্র এক সঙ্গে মিশেছে?
3. সমুদ্রের ধারে যখন লেখক দাঁড়িয়ে ছিলেন তখন তাঁর কি মনে হচ্ছিল?
4. স্বামী বিবেকানন্দ কন্যাকুমারীতে কোথায় ধ্যান করেছিলেন?
5. স্বামী বিবেকানন্দ যেখানে ধ্যান করেছিলেন সেখানে কেমন করে গিয়েছিলেন?

II. অনুচ্ছেদটি পড়ে পাঁচজোড়া এমন শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি সমার্থক শব্দ।

আমরা সবাই মিলে একবার সমুদ্র দেখতে গিয়েছিলাম। যেখানে গিয়ে আমরা খুব মুগ্ধ হয়েছিলাম। সেখানে একদিকে সাগর আর একদিকে বিরী পাললিক শিলার একটা পাহাড়। সমুদ্রের দিকে তাকালে শুধু নীল আর নীল, মনে হয় আকাশ আর সমুদ্র এক জায়গায় মিলেছে। আমরা সমুদ্রের প্রান্তে একটা পাথরের বাড়ীতে ছিলাম। জায়গা খুব সুন্দর, কারণ এখানে এখনও পর্যন্তের দৃষ্টি পড়েনি।

III. হিন্দীতে অনুবাদ করুন।

কারো পক্ষে কোনো কাজ করা অসম্ভব নয়। যদি কেউ চায় তবে সে সবরকম অসম্ভব সম্ভব করতে পারে। যতক্ষণ পর্যন্ত কারোর মধ্যে কিছু করার মত আশা আকাঙ্ক্ষা থাকে ততক্ষণ সে যে কোনো প্রতিকূল পরিবেশে বেঁচে থাকতে পারে। যারা জীবনের সবরকম আশা ত্যাগ করে হতাশ হয়ে যায়, তারা জীবনযুদ্ধে পরাজিত হয়ে যায়। তাহলে বাংলায় একটা

প্রবাদম্প আছে, যতক্ষণ শ্বাস, ততক্ষণ আশ। অর্থাৎ যতক্ষণ শ্বাস চলবে, ততক্ষণম্প আশা থাকবে। জীবনে কেউ একবার অসফল হলে, যদি সব আশা ত্যাগ করে হতাশাগ্রস্ত হয়ে পড়ে, তবে সে কখনম্প এগোতে পারবে না। সকল হতাশা কাঁয়ে যে কাজ করা হয় সৌ সফল হুবম্প। তাম্প সকল প্রতিকূল অবস্থার সঙ্গে লড়াই করার মত ক্ষমতা ও মানসিক শক্তির দরকার তবে যা চাওয়া যায় তাম্প পাওয়া যাবে।

IV. বাংলায় অনুবাদ করুন।

নিরক্ষরতা का अभिशाप

यदि साक्षरता वरदान है तो निरक्षरता अभिशाप है। समाज सेवा के क्षेत्र में निरक्षर जनों को साक्षर करना सब से प्रमुख कार्य है। यदि हम किसी को अपने प्रयत्नों से साक्षर करते हैं अथवा साक्षरता की प्रेरणा देते हैं तो वह हमारा काम सब से बड़ा उपकार का काम होगा।

साक्षरता के क्षेत्र में हम जितना अधिक प्रयत्न करेंगे उसका प्रतिफल भी उतना ही अच्छा व सार्थक प्राप्त होगा। विशेषकर कन्या साक्षरता पर ध्यान देना बहुत आवश्यक है। हम जितना प्रयास कन्या के साक्षरता के लिए कर सकें उतना करना ही चाहिए।

यदि कन्याएँ साक्षर होंगी तो समग्र समाज साक्षर हो पाएगा। कन्या दो परिवारों को साक्षर कर सकती है। पहला अपने माँ-बाप का परिवार दूसरा अपना परिवार। इसप्रकार पूरे समाज में साक्षरता का प्रसार हो सकेगा।

ऐसे कइ उदाहरण हैं जिनसे हमें निरक्षरता से होने वाले नुक्सानों का पता चलता है। कल्पना कीजिए आपको बस से यात्रा करना है और आप निरक्षर हैं तब आपकी कठिनाई बहुत बढ़ जाएगी। आप अपनी अभीष्ट बस के लिए लोगों से पूछते फिरेंगे। हो सकता है उस पूछताछ में आपकी बस रवाना हो जाए और आप उसका पता लगाने में ही लगे रहें। तब आप पछताने के सिवा क्या कर पाएँगे? शायद तब आप को ऐसा लगे कि, निरक्षरता बहुत बड़ा अभिशाप है। आपका कहीं से पत्र आया है और आप उसे पढ़ नहीं पा रहे। जब तक कोई साक्षर नहीं मिल जाता तब तक आप पत्र का समाचार जानने के लिए व्याकुल रहेंगे। हो सकता है पत्र का समाचार बहुत तत्काल वाला हो। आप को उसका पता चले तब तक बहुत देर हो चुकी हो।

एक पहलवान का उदाहरण आप जान लें तो आपको पता चल जाएगा कि, निरक्षरता से बड़ा कोई अभिशाप नहीं हो सकता। एक बार एक पहलवान घोड़े पर बैठकर यात्रा कर

रहा था। उसे एक कुश्ती मुकाबले में भाग लेना था। मार्ग में उसे एक कुँआ दिखा। उसे जोर से प्यास लगी थी। कुँए पर एक तख्ती लगी थी। जिस पर लिखा था --

“इस कुँए का पानी जहरीला है। पीना मना है।”

पहलवान पूरी तरह निरक्षर था। वह तख्ती पर लिखी सूचना नहीं पढ़ पाया। उसने कुँए से पानी निकालकर जी भर के पानी पी लिया।

पानी पीकर वह फिर से घोड़े पर बैठकर चल पड़ा। थोड़ी दूर जाने पर उसके पेट में भयंकर पीड़ा होने लगी। वह घोड़े से नीचे उतर कर धरती पर लेट गया। पीड़ा से उसकी हालत खराब होने लगी। संयोग से कुछ यात्री वहीं से गुजरे जिन्होंने उसकी दशा देखकर उसे पास के गाँव पहुँचाया। वहाँ एक हकीम (वैद्य) ने उसका उपचार कर उसके प्राण बचाए। वह मरते-मरते बचा। उसे कुश्ती के मुकाबले से भी वंचित होना पड़ा। अब आप समझ गए न, कि निरक्षरता मनुष्य के लिए कितना बड़ा अभिशाप है।

V. ‘শিশুশ্রমের বিরুদ্ধে প্রতিবাদ’ কটা প্রয়োজন সে বিষয়ে একটা অনুচ্ছেদ রচনা করুন।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में हिंदी के जो-सो रूप जैसे अन्योऽन्याश्रित वाक्यों का परिचय दिया गया है। ऐसे वाक्यों में दो उपवाक्य होते हैं। जिनमें से पहले प्रकार के उपवाक्यों में जो / जब / जहाँ आदि का प्रयोग होता है तथा दूसरों में वह / तब / वहाँ आदि का। नीचे ऐसे कुछ वाक्य दिए गए हैं।

(क) व्याक्तिवाचक

ये रात्रां करे से अन्य काजु करे।

जो खाना पकाती है वह और भी काम करती है।

यारा एथाने एप्रेछिल तारा प्रवाप्प आभादेर परिचित।

जितने सब यहाँ आए थे उतने सब हमारे परिचित हैं।

(ख) वस्तुवाचक

या चाप्पवेन ताम्प पावेन।

जो चाहिए वही मिलेगा।

यो ओके दिलाय से ओर पछन्द नय।

जो उसको (मैंने) दिया वह उसे पसंद नहीं।

(ग) स्थानवाचक

येथाने आपनि याबेन सेथाने आमिओ याव।

जहाँ आप जाएँगे वहाँ मैं भी जाऊँगी।

येथानकार कथा आपनि बलछेन सेथानकार कथा आमि आगे शुनिनि।

जिस जगह के बारे में आप कह रहे हैं उस जगह के बारे में मैंने पहले नहीं सुना है।

(ग) समयवाचक

यथन आपनि बाजारे याबेन तथन आमिओ याव।

जब आप बाज़ार जाएँगे तब मैं भी जाऊँगी।

यतस्फण आपनार स्पर्छा ततस्फण एथाने थाकून।

जितने समय आपका मन चाहे उतने समय आप यहाँ रहिए।

ध्यान रहे कि इस प्रकार के उपवाक्य विशेषण के रूप में भी प्रयुक्त होते हैं। जैसे :

ये लोको आज आमार काछे एसेछिल से लोको भाल गान जाने।

जो आदमी आज मेरे पास आया था, वह आदमी अच्छा गाना गाता है।

সাক্ষরতা অভিযানের উদ্দেশ্যে
একটি সভা

সভাপতি : যখন আমরা বয়স্ক শিক্ষাকেন্দ্র
প্রথম শুরু করি, তখন আমাদের
সদস্য সংখ্যা ছিল মোট আঁজন।
আজ পাঁচ বছর পরে আমাদের
সদস্যের সংখ্যা বেড়ে দাঁড়িয়েছে
বাষট্টিজন। আমাদের এলাকায়
আমরা তিনটি শিক্ষাকেন্দ্র স্থাপন
করেছি।

১ম সদস্য: কিন্তু পাশের গ্রাম রঘুনাথপুরে
এম্প পাঁচ বছরে সাক্ষরতার হার
তুলনায় অনেক বেড়েছে। যে
লক্ষ্যে পৌছবার কথা আমরা কি
সেম্প লক্ষ্যে পৌছতে পেরেছি।

সভাপতি : আমাদের সাক্ষরতার হার প্রায়
সত্তর শতাংশ। এটা কম
মনে হতে পারে। কিন্তু যারা
আমাদের এখান থেকে শিক্ষালাভ
করেছে তারা সামাজিক উন্নতি
সম্পর্কে যথেষ্ট সচেতন।

সাক্ষরতা অভিযান के लिए
एक सभा

सभापति: जब हमने प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र पहले
शुरू किया था तब हमारे सदस्यों
की कुल संख्या केवल आठ ही
थी। आज पाँच साल के बाद
हमारे सदस्यों की संख्या बढ़कर
बासठ हो गई है। अपने इलाके में
हमने तीन शिक्षा केन्द्र स्थापित
किए हैं।

पहला : किंतु पास के गाँव रघुनाथपुर
में
सदस्य इन पाँच वर्षों में साक्षरता की दर
तुलनात्मक दृष्टि से बहुत बढ़ गयी
है। जिस लक्ष्य तक पहुँचने की
हमारी संकल्प था क्या हम वहाँ
तक पहुँच पाए हैं?

सभापति: हमारी साक्षरता की दर ७०% हैं।
यह कम लग सकती है। किंतु
जिन्होंने हमारे यहाँ से शिक्षा प्राप्त
कर उन्नति की है वे समाज के
विषय में बहुत जागरूक हैं।

২য় সদস্য: আমরা যত বেশী শিক্ষা কেন্দ্র
খুলতে পারব তত বেশী লোক
সাক্ষর হতে পারবে।

সভাপতি : নতুন কেন্দ্র খুলতে হলে আমাদের
সদস্যের সংখ্যা বাড়াতে হবে।
সেম্প সঙ্গে বাড়াতে হবে শিক্ষকের
সংখ্যাও। যে অনুপাতে কেন্দ্র
বাড়বে সেম্প অনুপাতে অর্থের
ব্যবস্থা করতে হবে। এর জন্য
সকলকেম্প উদ্যোগী হতে হবে।
বিশেষ করে অর্থ সংগ্রহের জন্য
সকলকে সক্রিয় হতে হবে।

৩য় সদস্য: আমার একটা প্রস্তাব আছে। যাদের
জন্যে সাক্ষরতার এম্প কর্মসূচী
তাদেরকেও আমাদের এম্প
অভিযানে সামিল করা চাম্প।
তাতে দুটা লাভ হবে। অর্থের
ব্যবস্থাও হবে আর তারা এম্প
কাজটা নিজেদের বলেম্প মনে
করবে।

১ম সদস্য: অর্থের ব্যবস্থা কি করে হবে?

৩য় সদস্য: যে সব সংস্থার কাছ থেকে
আমাদের শিক্ষাকেন্দ্র অনুদান

দুসরা : हम जितने अधिक शिक्षा केंद्र
सदस्य खोलेंगे उतने ही अधिक लोग
साक्षर हो सकेंगे।

सभापति: नये केंद्र खोलने के लिए हमें
अपने सदस्योंकी संख्या बढ़ानी
होगी। साथ ही शिक्षकों की संख्या
भी बढ़ानी होगी। जिस अनुपात में
केंद्र बढ़ेंगे उसी अनुपात में अर्थ
की व्यवस्था भी करनी पड़ेगी।
इसके लिए सभी को प्रयत्न करना
पड़ेगा। विशेष रूप से धन संग्रह
के लिए सभी को सक्रिय रहना
होगा।

तीसरा : मेरा एक प्रस्ताव है। जिनके
लिए
सदस्य साक्षरता की यह कार्यसूची है
उनको भी हमें इस अभियान में
शामिल करना चाहिए। इससे दो
लाभ होंगे। धन की भी व्यवस्था
होगी और वे लोग भी इसे अपना
ही काम जानने लगेंगे।

प्रथम : धन की व्यवस्था कैसे होगी?
सदस्य

तीसरा : जिन संस्थाओं से हमारा
शिक्षाकेंद्रों
सदस्य अनुदान पाता है, उन सब
संस्थाओं में हमें साक्षरता का
प्रसार करने के लिए कुछ शिक्षकों

পাচ্ছে সেন্সপসব সংস্থায় আমাদের
সাক্ষর করতে কিছু শিক্ষক নিয়োগ
করতে হবে। তাদের পাওয়া বেতন
থেকে কিছু টাকা চাঁদা হিসাবে
সংগ্রহ করে কেন্দ্রের কাজে
লাগানো হবে।

১ম সদস্য : এম্প প্রস্তাবে কি সকলে রাজী
হবেন?

সভাপতি : নিশ্চয় হবেন। যত টাকা ওরা
পাবেন তার খুব সামান্য অংশ
চাঁদা হিসাবে নিলে কারোর আপত্তি
থাকবে না। এখন আর আলোচনা
নয়। আগামী রবিবার সব সদস্যের
কাছে এম্প প্রস্তাব রাখা হবে।
তাহলে আজকের সভা শেষ করা
যাক।

কী নিযুক্তি করনী होगी। उनके
दिए गए वेतन में से कुछ रुपए
चंदा प्राप्त कर उसे साक्षरता केंद्रों
में लगाना होगा।

पहला : क्या इस प्रस्ताव पर सभी लोग
सदस्य सहमत होंगे?

सभापति : जरूर होंगे। जितने रुपये उनको
मिलेंगे उसका कुछ भाग चंदे के
रुप में लेने पर किसी को आपत्ति
नहीं होगी। अब और विचार
विमर्श नहीं करना है। अगले
रविवार सभी सदस्यों के सामने
यह प्रस्ताव रखा जाएगा। तो आज
की सभा समाप्त की जाए।

শব্দার্থ

শব্দ

অর্থ

সাক্ষরতা

সাধরতা

সদস্য

সদস্য

সক্রিয়

সক্রিয়

बाषट्टि
 पाशेर
 बेड़ेछे
 लक्ष्य
 पौछवार
 सत्र
 शतांश
 यारा
 शिक्षालाभ
 साक्षर
 बाड़ाते
 शिक्षकेर
 अनुपाते
 अर्थे
 संग्रहेर
 यादेर
 कर्मसूची
 तादेरके
 आमामेदेर
 संग्रह
 अनुदान
 नियोग करा
 सामान्य
 आपत्ति

बासठ
 पास के
 बढ़ा है
 लक्ष्य में
 पहुँचने की
 सत्तर
 शतांश
 जो लोग
 शिक्षालाभ
 साक्षर
 बढ़ाना
 शिक्षक का
 अनुपात में
 अर्थ का
 संग्रह का
 जिसके लिए
 कार्यसूची
 उन लोगों को
 हम लोगों को
 संस्था का
 अनुदान
 नियुक्त करना
 सामान्य
 आपत्ति

অভ্যাস

I. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলি থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

1. যিনি এসেছিলেন _____ আমার বন্ধু। (তিনি, সে, তারা)
2. যাকে এম্প বম্পা দেবো ভেবেছিলাম _____ দেখতে পেলাম না। (তার, তিনি, তাকে)
3. যেদিন বৃষ্টি হয় _____ ঠাণ্ডা পড়ে। (সে, সেদিন, দিনে)
4. যে এসেছিল _____ আমি চিনি না। (সে, তার, তাকে)
5. যার কথা ভাবছিলাম _____ এসেছে। (সে, তার, তাকে)

II. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলির থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

(তাদের, ততক্ষণ, ততগুলো, তত, সে)

1. যে প্রথমে আসবে _____ ঠা পাবে।
2. যতগুলো আপেল আপনি চান _____ নিতে পারেন।
3. যতক্ষণ দাঁড়িয়ে থাকবেন _____ কষ্ট পাবেন।
4. রাস্তায় যে ছেলেগুলো খেলছে _____ সবাম্পকে আমি চিনি না।
5. মেয়েরি যতরূপ _____ গুণ।

III. উদাহরণ অনাসারে দু'ি বাক্যকে এক'ি বাক্যে পরিণত করুন।

উদাহরণ : ও আসছে। ও আমার বন্ধু।

যে আসছে সে আমার বন্ধু।

1. एम्प बम्पगुलो देखेछेन। एगुलो लाम्पत्रेरी थेके एनेछि।
2. ऐ लोर्की काज करेछे। लोर्कीरि ভাল स्वभाव।
3. ऐा विश्वविद्यालयेर खेलार माठ। आमि एखाने ब्याडमिन् खेलि।
4. उनাকে कागर्जी पाठियेछिलाम। उनि आमार शिक्षक।
5. बृष्टि पड़वे। गाछगुलि ভাল हवे।

IV. उपयुक्त शब्द দিয়ে निचेर वाक्यगुलि पूर्ण करुन।

1. याके देखेछेन _____ चिनते पारबेन?
2. यत पड़बेन _____ सिखबेन।
3. ये गाना शुनलाम _____ খুব সুন্দর।
4. আমার কাছে _____ আসে তাদের আমি ফেরাম্প না।
5. তিনি _____ গেছেন সেখানেম্প অভিনন্দিত হয়েছেন।

V. অনুচ্ছেদী পড়ে এমন পাঁচি শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির বিস্তৃত অর্থ নিচে দেওয়া হয়েছে।

দেববাবু একজন আদর্শ শিক্ষক। তিনি নানা স্থানে ঘুরে ঘুরে গরীব ছাত্র সংগ্রহ করেন এবং তাদের শিক্ষা দেন। যদিও ছাত্রদের এক অংশের পিতামাতা আপত্তি করেন। কিন্তু তাও তাকে কেউ তার কাজ থেকে বিরত করতে পারে না, এম্প শিক্ষার কাজে তিনি নিজেকে নিয়োগ করেছেন।

বিস্তৃত অর্থ :

1. শিক্ষা দান করেন যিনি।
2. খণ্ড।

3. নিযুক্ত করা।
4. অমত করা।
5. একত্রিত করা।

VI. অনুচ্ছেদটি পড়ে এমন পাঁচ জোড়া শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি একে অপরের বিপরীত শব্দ।

আমাদের দেশের নিরক্ষরতা দূর করতে হলে, প্রথমেন্দ্র একটা লক্ষ্য স্থির করে নিতে হবে। তারপর সমস্ত শিক্ষিত মানুষকে সক্রিয় হতে হবে। প্রতিটি শিক্ষিত মানুষকে সক্রিয় হতে হয়। প্রতিটি শিক্ষিত মানুষ যদি প্রতি একটা নিরক্ষর মানুষকে সাক্ষর করতে পারে, তবে সাক্ষরতার হারেন্দ্র শুধু বাড়বে না, দেশের মানুষের মধ্যে সচেতনতাও বাড়বে। এন্দ্র কাজে কারোর আপত্তি থাকা উচিত নয়। তান্দ্র যারা অলক্ষ্য ছিলেন তারাও সহযোগিতা করতে এগিয়ে এসেছেন। এখন আর নিষ্ক্রিয় হয়ে থাকার দিন আর নেন্দ্র। এন্দ্রতাবেন্দ্র ধীরে ধীরে নিরক্ষরতার হার কমবে।

পড়ে বুঝুন

কন্যাকুমারী ভ্রমণ

কন্যাকুমারী ভ্রমণ

কন্যাকুমারীর সমুদ্রের ধারে বেড়াতে খুব ভাল লাগে। যে দিকে তাকানো যাক না কেন, শুধু জল আর জল। আমরা যেদিন বেড়াতে গিয়েছিলাম, সেদিন ছিল পূর্ণিমা। পূর্ণিমার রাতে সমুদ্রের ধারে বালি চিক্ চিক্ করছিল। কন্যাকুমারীতে তিনটি সমুদ্র --- বঙ্গোপসাগর, আরব সাগর ও ভারত মহাসাগর এক সঙ্গে মিশেছে। কন্যাকুমারী ভারতবর্ষের শেষ প্রান্তে এন্দ্র কথা মনে হলেন্দ্র অদ্ভুত অনুভূতি হয়। সমুদ্রের ধারে যতক্ষণ দাঁড়িয়ে ছিলাম ততক্ষণ ভারতবর্ষের মানচিত্র মনে পড়ছিল। আর মনে পড়ছিল তাঁদের কথা, যাঁরা এন্দ্র ভারতবর্ষের স্বাধীনতার জন্য প্রাণ দিয়েছিলেন। এন্দ্র

कन्याकुमारीते समुद्रे साँतार केटे स्वामी विवेकानन्द एकॉ शिलार ओपर उठैछिलेन एवं सेथाने ध्यान करैछिलेन। ये शिलार ओपर तनि ध्यान करैछिलेन, सेम्प शिलार नाम विवेकानन्द शिला। एखन सेथाने एकॉ सुन्दर स्मृति मन्दिर तैरी ह्येछे। छौ लक्षे करे सेथाने याओयार व्यवस्था आछे। आमी अनेकवार कन्याकुमारी गियेछि। यतवार गियेछि ततवारम्प एम्प एकम्प अनुभूति ह्येछे।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
समुद्रेर	समुद्र का
पूणिमा	पूर्णिमा
बालि	बालु
मिशेछे	मिला है
अद्भुत	अद्भुत
अनुभूति	अनुभूति
यतस्फण	जितनी देर
ततस्फण	उतनी देर
स्वाधीनता	स्वतंत्रता का
साँतार	तैरना
यतवार	जितना बार
ध्यान	ध्यान

अभ्यास

I. नीचेर देओया प्रश्नेर उत्तर लिखुन।

1. লেখক যেদিন বেড়াতে গিয়েছিলেন সেদিন কি ছিল?
2. কন্যাকুমারীতে কোন্ কোন্ সমুদ্র এক সঙ্গে মিশেছে?
3. সমুদ্রের ধারে যখন লেখক দাঁড়িয়ে ছিলেন তখন তাঁর কি মনে হচ্ছিল?
4. স্বামী বিবেকানন্দ কন্যাকুমারীতে কোথায় ধ্যান করেছিলেন?
5. স্বামী বিবেকানন্দ যেখানে ধ্যান করেছিলেন সেখানে কেমন করে গিয়েছিলেন?

II. অনুচ্ছেদটি পড়ে পাঁচজোড়া এমন শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি সমার্থক শব্দ।

আমরা সবাম্প মিলে একবার সমুদ্র দেখতে গিয়েছিলাম। যেখানে গিয়ে আমরা খুব মুগ্ধ হয়েছিলাম। সেখানে একদিকে সাগর আর একদিকে বিরী পাললিক শিলার একী পাহাড়। সমুদ্রের দিকে তাকালে শুধু নীল আর নীল, মনে হয় আকাশ আর সমুদ্র এক জায়গায় মিলেছে। আমরা সমুদ্রের প্রান্তে একী পাথরের বাড়ীতে ছিলাম। জায়গা খুব সুন্দর, কারণ এখানে এখনও পর্য্যকের দৃষ্টি পড়েনি।

III. হিন্দীতে অনুবাদ করুন।

কারো পক্ষে কোনো কাজ করা অসম্ভব নয়। যদি কেউ চায় তবে সে সবরকম অসম্ভবসম্ভব সম্ভব করতে পারে। যতক্ষণ পর্যন্ত কারোর মধ্যে কিছু করার মত আশা আকাঙ্ক্ষা থাকে ততক্ষণসম্ভব সে যে কোনো প্রতিকূল পরিবেশে বেঁচে থাকতে পারে। যারা জীবনের সবরকম আশা ত্যাগ করে হতাশ হয়ে যায়, তারাম্ভব জীবনযুদ্ধে পরাজিত হয়ে যায়। তাম্ভব বাংলায় একী প্রবাদসম্ভব আছে, যতক্ষণ শ্বাস, ততক্ষণ আশ। অর্থাৎ যতক্ষণ শ্বাস চলবে, ততক্ষণসম্ভব আশা থাকবে। জীবনে কেউ একবার অসফল হলে, যদি সব আশা ত্যাগ করে হতাশাগ্রস্ত হয়ে পড়ে, তবে সে কখনসম্ভব এগোতে পারবে না। সকল হতাশা কাঁয়ে যে কাজ করা হয় সৌ সফল হবসম্ভব। তাম্ভব সকল প্রতিকূল অবস্থার সঙ্গে লড়াই করার মত ক্ষমতা ও মানসিক শক্তির দরকার তবে যা চাওয়া যায় তাম্ভব পাওয়া যাবে।

IV. বাংলায় অনুবাদ করুন।

निरक्षरता का अभिशाप

यदि साक्षरता वरदान है तो निरक्षरता अभिशाप है। समाज सेवा के क्षेत्र में निरक्षर जनों को साक्षर करना सब से प्रमुख कार्य है। यदि हम किसी को अपने प्रयत्नों से साक्षर करते हैं अथवा साक्षरता की प्रेरणा देते हैं तो वह हमारा काम सब से बड़ा उपकार का काम होगा।

साक्षरता के क्षेत्र में हम जितना अधिक प्रयत्न करेंगे उसका प्रतिफल भी उतना ही अच्छा व सार्थक प्राप्त होगा। विशेषकर कन्या साक्षरता पर ध्यान देना बहुत आवश्यक है। हम जितना प्रयास कन्या के साक्षरता के लिए कर सकें उतना करना ही चाहिए।

यदि कन्याएँ साक्षर होंगी तो समग्र समाज साक्षर हो जाएगा। कन्या दो परिवारों को साक्षर कर सकती है। पहला अपने माँ-बाप का परिवार दूसरा अपना परिवार। इसप्रकार पूरे समाज में साक्षरता का प्रसार हो सकेगा।

ऐसे कइ उदाहरण हैं जिनसे हमें निरक्षरता से होने वाले नुक्सानों का पता चलता है। कल्पना कीजिए आपको बस से यात्रा करना है और आप निरक्षर हैं तब आपकी कठिनाई बहुत बढ़ जाएगी। आप अपनी अभीष्ट बस के लिए लोगों से पूछते फिरेंगे। हो सकता है उस पूछताछ में आपकी बस रवाना हो जाए और आप उसका पता लगाने में ही लगे रहें। तब आप पछताने के सिवा क्या कर पाएँगे? शायद तब आप को ऐसा लगे कि, निरक्षरता बहुत बड़ा अभिशाप है। आपका कहीं से पत्र आया है और आप उसे पढ़ नहीं पा रहे। जब तक कोई साक्षर नहीं मिल जाता तब तक आप पत्र का समाचार जानने के लिए व्याकुल रहेंगे। हो सकता है पत्र का समाचार बहुत तत्काल वाला हो। आप को उसका पता चले तब तक बहुत देर हो चुकी हो।

एक पहलवान का उदाहरण आप जान लें तो आपको पता चल जाएगा कि, निरक्षरता से बड़ा कोई अभिशाप नहीं हो सकता। एक बार एक पहलवान घोड़े पर बैठकर यात्रा कर रहा था। उसे एक कुश्ती मुकाबले में भाग लेना था। मार्ग में उसे एक कुँआ दिखा। उसे जोर से प्यास लगी थी। कुँए पर एक तख्ती लगी थी। जिस पर लिखा था --

“इस कुँए का पानी जहरीला है। पीना मना है।”

पहलवान पूरी तरह निरक्षर था। वह तख्ती पर लिखी सूचना नहीं पढ़ पाया। उसने कुँए से पानी निकालकर जी भर के पानी पी लिया।

पानी पीकर वह फिर से घोड़े पर बैठकर चल पड़ा। थोड़ी दूर जाने पर उसके पेट में भयंकर पीड़ा होने लगी। वह घोड़े से नीचे उतर कर धरती पर लेट गया। पीड़ा से उसकी हालत खराब होने लगी। संयोग से कुछ यात्री वहीं से गुजरे जिन्होंने उसकी दशा देखकर उसे पास के गाँव पहुँचाया। वहाँ एक हकीम (वैद्य) ने उसका उपचार कर उसके प्राण बचाए। वह मरते-मरते बचा। उसे कुश्ती के मुकाबले से भी वंचित होना पड़ा। अब आप समझ गए न, कि निरक्षरता मनुष्य के लिए कितना बड़ा अभिशाप है।

V. ‘शिशुश्रमेर विरुद्धे प्रतिवाद’ कता प्रयोजन से विषये एका अनुच्छेद रचना करुन।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में हिंदी के जो-सो रूप जैसे अन्योऽन्याश्रित वाक्यों का परिचय दिया गया है। ऐसे वाक्यों में दो उपवाक्य होते हैं। जिनमें से पहले प्रकार के उपवाक्यों में जो / जब / जहाँ आदि का प्रयोग होता है तथा दूसरों में वह / तब / वहाँ आदि का। नीचे ऐसे कुछ वाक्य दिए गए हैं।

(क) व्याक्तिवाचक

ये रान्ना करे से अन्य काजु करे।
जो खाना पकाती है वह और भी काम करती है।
यारा एथाने एसेछिल तारा सबाम्प आमामेदर परिचित।
जितने सब यहाँ आए थे उतने सब हमारे परिचित हैं।

(ख) वस्तुवाचक

या चाम्पबेन ताम्प पाबेन।
जो चाहिए वही मिलेगा।
यौ ओके दिलाय सौ ओर पछन्द नय।
जो उसको (मैंने) दिया वह उसे पसंद नहीं।

(ग) स्थानवाचक

येथाने आपनि याबेन सेथाने आमिओ याव।
जहाँ आप जाएँगे वहाँ मैं भी जाऊँगी।
येथानकार कथा आपनि बलछेन सेथानकार कथा आमि आगे शुनिनि।
जिस जगह के बारे में आप कह रहे हैं उस जगह के बारे में मैंने पहले नहीं सुना है।

(ग) समयवाचक

यथन आपनि बाजारें याबेन तथन आमिओ याव।
जब आप बाज़ार जाएँगे तब मैं भी जाऊँगी।

যতক্ষণ আপনার স্পৃহা ততক্ষণ এখানে থাকুন।

जितने समय आपका मन चाहे उतने समय आप यहाँ रहिए।

ध्यान रहे कि इस प्रकार के उपवाक्य विशेषण के रूप में भी प्रयुक्त होते हैं। जैसे :

যে লোকটা আজ আমার কাছে এসেছিল সে লোকটা ভাল গান জানে।

जो आदमी आज मेरे पास आया था, वह आदमी अच्छा गाना गाता है।

বর্তমান শিক্ষা ব্যবস্থা

বর্তমান শিক্ষা ব্যবস্থা

অজয় : অনুপমবাবু, আপনি আপনার
মেয়েকে কোন স্কুলে ভর্তি
করলেন?

অজয় : অনুপম জী, আপনি अपने लड़की को
किस स्कूल में भर्ती करवाया है?

অনুপম : আজকাল বাচ্চাদের ভাল স্কুলে
ভর্তি করা খুব কঠিন ব্যাপার।
আমি আমার মেয়েকে অমলবাবুর
সাহায্যে শেষ পর্যন্ত 'এ' স্কুলে
ভর্তি করে দিয়েছি।

অনুপম: आजकल बच्चों को अच्छे स्कूल में
भर्ती करवाना तो बहुत कठिन है। मैं
ने अपनी लड़की को अमल जी की
सहायता से टाउन स्कूल में भर्ती
करवा दिया है।

অনিল : শুনেছি, 'এ' স্কুলে শিক্ষকরা
যত্ন নিয়ে পড়ান।

অনিল : सुना है, टाउन स्कूल में
शिक्षकगण अच्छा पढ़ाते हैं।

অজয় : তবুও, বাড়িতে পড়ানোর জন্যে
এক-জন শিক্ষক থাকা দরকার।

অজয় : फिर भी, घर पर पढ़ाने के लिए
एक शिक्षक की व्यवस्था करना
आवश्यक है।

অনুপম : হ্যাঁ। আমি একজন গৃহশিক্ষক
রেখেছি। তিনি বাড়িতে এসে আমার
মেয়েকে পড়ান। তিনি আগে
হিন্দুস্কুলে পড়াতেন। এখন ওখান
থেকে উনি অবসর নিয়েছেন।

অনুপম: हाँ। मैंने एक गृहशिक्षक रख लिया
है। वे घर आकर मेरी लड़की को
पढ़ाते हैं। वे पहले हिंदू स्कूल में
पढ़ाते थे। अब उन्होंने वहाँ से
अवकाश ग्रहण कर लिया है।

अजय : आच्छा! आपनार मेयेर गृहशिक्षक
कि आमार छेलके पढ़ाबेन?
आमि आमार छेलेर जन्येओ
एकजन गृहशिक्षकेर व्यवस्था
करेछि। किन्तु तिनि ठिकभावे पढ़ान
ना। आपनि आपनार मेयेर
गृहशिक्षकके जिज्ञासा करे
आमाके जानाबेन।

अनुपम : हँ हँ निश्चय। आमि आजम्प
ओनार सङ्गे कथा बले आगामीकाल
आपनाके जानाव।

अनिल : अनुपमबाबु आपनि आपनार
मेयेके कि कोथाओ गान शेखाते
पाठाछेन?

अनुपम : ना, आमि ओके गान आर
शेखाछि ना। कारण काछाकाछि
कोन गानेर स्कूल नेम्प। ताछाड़ा
एथाने गान शेखानोर शिक्षकओ
नेम्प। किन्तु आमि आमार मेयेके
नाच शेखानोर व्यवस्था करेछि।
ओके 'उदयन' नाचेर स्कूले भर्ति
करे दियेछि।

अनिल : खुब ভাল। आजकाल

अजय : अच्छा! क्या आपकी लड़की के
गृहशिक्षक मेरे लड़के को भी
पढ़ाएँगे? वैसे मैंने अपने लड़के के
लिए एक गृहशिक्षक की व्यवस्था
की है। किन्तु वे ठीक तरह से
पढ़ाते नहीं हैं। आप अपने लड़की
की गृहशिक्षक से पूछकर मुझे
बताइए।

अनुपम: हाँ हाँ जरूर। मैं आज ही उनसे
बात करके कल आपको बता दूँगा।

अनिल : अनुपम जी, क्या आप अपनी
लड़की को कहीं संगीत सीखने के
लिए भेज रहे हैं?

अनुपम: नहीं, मैं उसे संगीत सीखने के
लिए नहीं भेज रहा हूँ। क्योंकि
आस-पास कोई भी संगीतशाला नहीं
है। उसके अलावा यहाँ कोई संगीत
सिखाने वाला शिक्षक भी नहीं है।
लेकिन मैंने अपनी लड़की को नृत्य
सिखाने की व्यवस्था की है। उसको
'उदयन' नृत्यशाला में भर्ती करवा
दिया है।

अनिल : बहुत अच्छा है। आजकल लड़के
लड़कियों को स्कूली शिक्षा के साथ
साथ दूसरी कलाओं का ज्ञान भी
दिलवाना चाहिए। इसीलिए मैं भी
अपने लड़के को सितार सिखवा
रहा हूँ। किन्तु चिंता का विषय यह है
कि उसका मन पढ़ाई में बिलकुल

छेलेमेयेदेर बिद्याशिक्षार सञ्जे
सञ्जे अन्या किछु शेखानो भाल।
तार जन्यो आमिओ आमार
छेलेके सेतार शेखाछि। किन्तु
दुश्चित्तार विषय हल ये पड़ाशोनाय
ओर मनस्प बसे ना। आमि अनेक
बोझास्प किन्तु ओ किछुतेस्प बुराते
चास्पछे ना।

अजय : आपनि एस्प व्यापार निये किछु
छिन्ता करबेन ना। बड़ हले ओ
ठिकस्प बुराते पारबे।

अनुपम : आजकालकार छेलेमेयेदेर
शिक्षार प्रति ये अनाग्रह, तार
जन्यो आमामेदेर शिक्षापद्धतिस्प
दोषी। छात्र-छात्रीदेर उपर
पाठ्यक्रमेर बोझा चापिये देओया
हयेछे। एा कमानोर जन्य
संसदेओ अनेक अलोचना हयेछे।
एमन कि अनेक सूचितक
सदस्यगणओ अनेकवार पाठ्यक्रमेर
बोझा कमावार जन्यो प्रस्ताव
करेछेन। किन्तु आज पर्यन्त किछुस्प
हयनि।

अनिल : यदि अभिभावकरा एस्प

नहीं लगता। मैं उसे बहुत समझाता
हूँ किंतु वह किसी भी प्रकार से नहीं
समझ पा रहा है।

अजय : आप इस बात की चिन्ता मत
कीजिए। बड़ा होने पर वह खुद ही
समझ जाएगा।

अनुपम: आजकल के लड़के लड़कियों में
शिक्षा के प्रति जो अरुचि है उसके
लिए हमारी शिक्षा पद्धति ही दोषी
है। छात्र छात्राओं पर पाठ्यक्रम का
बहुत अधिक बोझ लाद दिया गया
है। उसे कम करने के लिए संसद
में भी काफ़ी विचार-विमर्श हुआ है।
केवल यही नहीं अनेक सुचितक
सांसदों ने कई बार पाठ्यक्रम का
बोझा कम करने के लिए अपने
प्रस्ताव रखे हैं। किंतु आजतक कुछ
भी नहीं हो सका।

अनिल : यदि अभिभावकगण इस के बारे में
जागरुक हो जाएँ तो संभवतः इस
समस्या का समाधान निकल आए।

अजय : अब इस व्यवस्था में परिवर्तन के
लिए आंदोलन के अलावा और कोई
भी उपाय नहीं बचा है। लगता है
इसी शिक्षा व्यवस्था के बीच ही हमें
अपने बच्चे-बच्चियों को पढ़ाना
पड़ेगा।

अनिल : आप सही कह रहे हैं।

ব্যাপারে সচেতন হয়ে যান
তাহলে সম্ভবতঃ এম্প সমস্যার
সমাধান বেরিয়ে আসবে।

अजय : आप की लड़की के गृहशिक्षक मेरे
लड़के को पढ़ाएँगे या नहीं उस के
बारे में आप उनसे पूछकर मुझे
जल्दी बता दीजिएगा।

অজয় : এখন এম্প ব্যবস্থা পরিবর্তনের
জন্যে আন্দোলন ছাড়া কোনম্প
উপায় নেম্প। মনে হয়, এম্প শিক্ষা
ব্যবস্থার মধ্যম্প আমাদের ছেলে-
মেয়েদের পড়াতে হবে।

अनिल : जरूर।

अजय : अच्छा, अब मैं चलता हूँ।

অনিল : আপনি ঠিক বলছেন।

অজয় : আপনার মেয়ের গৃহশিক্ষক আমার
ছেলেকে পড়াবেন কি না আপনি
একটু ওনাকে এম্প ব্যাপারে
জিজ্ঞাসা করে আমাকে তাড়াতাড়ি
জানাবেন।

অনিল : অবশ্যম্প।

অজয় : আচ্ছা, এখন আমি চলি।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
ব্যবস্থা	व्यवस्था
করলেন	करवाया
সাহায্য	सहायता
যত্ন	अच्छा, सावधानी

পড়ান	पढ़ाते हैं
রেখেছি	रखा है
গান	गाना, संगीत
পাঠাচ্ছেন	भेज रहे हैं
নাচের স্কুল	नृत्यशाला
সেতার	सितार
দুশ্চিন্তা	दुश्चिन्ता, चिन्ता की
পড়াশুনা	पढ़ाई
কিছুতেস্প	किसी भी तरह
বোঝা	बोझ
পাঠ্যক্রম	पाठ्यक्रम
চাপিয়ে দেওয়া	लाद दिया
সুচিন্তক	सुचितक
প্রস্তাব	प्रस्ताव
অভিভাবকরা	अभिभावकगण
সম্ভবত	संभवतः
পরিবর্তনের	परिवर्तन के
ছাড়া	अलावा
উপায়	उपाय

অভ্যাস

I. নীচে দাগ দেওয়া শব্দের বদলে বন্ধনীতে দেওয়া শব্দ থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে নতুন বাক্য গঠন করুন।

1. একজন গৃহশিক্ষক আমার মেয়েকে বাংলা পড়ান। (শেখেন/শেখান/শেখাবেন)

2. আমি তাকে অনেক বোঝাষ্প।

(খাষ্প/খাওয়াষ্প/খাওয়ান)

3. সে আমাকে কলকাতা দেখাবে। (ঘুরবে/ঘোরাবে/ঘুরছে)
4. কে তাকে চিঠি পাঠালো? (দেখালো/দেখলো/দেখাবো)
5. ওকে গান আর শেখাচ্ছি না। (শোনাচ্ছি/শুনছি/শুনব)

II. নীচে দেওয়া বাক্যগুলিতে রেখাঙ্কিত শব্দের বদলে উপযুক্ত শব্দ প্রয়োগ করে নতুন বাক্য রচনা করুন।

1. আমি কাজী করলাম।
2. তিনি গান শেখেন।
3. সে বাংলা পড়ে।
4. আমি আপনার জন্য মিষ্টি আনব।
5. তুমি আজ রসগোল্লা খাও।

III. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দ থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্য পূর্ণ করুন।

1. আপনি আমাকে খবরটা _____।
(জানবেন, জানলেন, জানেন, জানাবেন)
2. সে লিপিকাকে ছবি _____।
(দেখাচ্ছে, দেখছে, দেখে, দেখেছে)
3. আমি তাকে অনেকবার _____।
(বুঝলাম, বুঝলাম, বুঝেছি, বুঝবো)
4. তুমি আমাদের গান _____।

(শোনাব, শোনাও শুনবো, শোনে)

5. আমি কথী তাকে _____।

(জানালাম, জানালো, জানবো, জানলাম)

I. অনুচ্ছেদী পড়ে এমন পাঁচ শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির অর্থ নিচে দেওয়া হয়েছে।

কোনো বাগান তৈরী করতে ও তাকে যথাযথ রাখতে বাগানের যত্ন নেওয়া দরকার। বাগানের গাছ ও ফুল যাতে নষ্ট না হয় সময় মত জল, সার দিতে হয় এবং নির্দিষ্ট সময় অন্তর মাঁ পালিতে হয়। লক্ষ্য রাখতে হবে, সারের সাথে এমন কিছু জিনিস না দেওয়া হয়, যাতে ফুল ও ফলের ক্ষতি হয়। ঠিকমত যত্ন নিলে গাছে সুন্দর থোকা থোকা ফুল ফুঁবে। এম্প ফুল যেন ঈশ্বরের পাঠানো কোনো শুভবার্তা মনে হয়। তাম্প সঠিক বাগান চর্চা খুব সহজ কাজ নয়।

(ঠিকঠাক, বদল, সংবাদ, নির্ধারিত, ধ্বংস)

II. অনুচ্ছেদী পড়ে এমন পাঁচ জোড়া শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি বিপরীতার্থক শব্দ।

মায়ের কাছে তার সন্তানম্প সব থেকে বেশি প্রিয়। এমন কোনো মা পৃথিবীতে নেম্প যার কাছে তার সন্তান অপ্ৰিয় হয়। মা যতম্প অনভিজ্ঞ হোক, সে তার সন্তানের যথাসাধ্য যত্ন নেয়। সন্তান কিছু না বলতেম্প মা সন্তানের সুবিধা-অসুবিধা বুঝতে পেরে যায়। তাম্প মা সময় মতম্প পোষাক পরিবর্তন, খাবার আনা, খেতে দেওয়া প্রভৃতি সব কাজম্প করেন। মায়ের সর্বদা এম্প লক্ষ্যম্প থাকে যেন তার সন্তানের কোনো ক্ষতি না হয়, অযত্ন যেন না হয়। সন্তান কোথাও পড়ে গিয়ে কোথাও লাগলে, সে ব্যথা মায়ের বুকে বহুগুণ বেশি হয়ে লাগে।

তাম্প মায়ের ভালোবাসা চিরকাল অপরিবর্তনীয়।

IV. একী বাক্যকে দুী বাক্যে বিশ্লেষণ করুন।

উদাহরণ : সুমনার একী সবুজ জামা আছে।

সুমনার একী জামা আছে। যার রঙ সবুজ।

1. दीपार एकई कालो सोयोर आछे।
2. शीतकाल, बागाने आर फुल नेम्प।
3. प्रदीप खुब सुन्दर गान गाय।
4. आमार फोऱा फुल देखते खुब ভালो लागे।
5. पृथिवी खुब सुन्दर जायगा।

V. दुई बाक्यके एकई बाक्ये परिणत करुन।

उदाहरण : राम एकई छेले। से खुब ভালो।

राम एकई ভালो छेले।

1. फुलदानीते एकई गोलाप आछे। गोलापार रङ लाल।
2. एथान थेके एकई पाहाड़ देखा याय। योई खुब दूरे अवस्थित।
3. ओथाने दोयाते कालि आछे। यार रङ नील।
4. ऐशी एकई मेये। ऐशी खुब शांत।
5. अमलदेर बाड़ि़र पाशेम्प एकई बिल आछे। ओदेर बाड़ि़र पाशे़र बिल्लीते शीतकाले प्रचुर पाथि आसे।

VI. उपयुक्त शब्द प्रयोग करे बाक्य पूर्ण करुन।

1. से _____ ভালबासे।
2. छेलैके केऊ _____ चाम्पलो ना।
3. उदयने गान _____ ब्यबस्था नेम्प।
4. सब कथा _____ प्रयोजन नेम्प।
5. तिनि सिनेमा _____ बाड़ि़र फिरलेन।

VII. नीचे देओया प्रश्नगुलिर उत्तर दिन।

1. অনুপমবাবু ও অনিলবাবুর মধ্যে কি বিষয়ে আলোচনা হচ্ছিল?
2. অনুপমবাবু কেমন করে মেয়েকে স্কুলে ভর্তি করালেন?
3. স্টাউন স্কুলের শিক্ষকরা কেমন পড়ান?
4. অনুপমবাবুর মেয়ের গৃহশিক্ষক আগে কোথায় পড়াতেন?
5. পড়াশুনা ছাড়া অনুপমবাবুর মেয়ে আর কি শিখছে?
6. অনিলবাবু নিজের ছেলেকে কি শেখাচ্ছেন?

পড়ে বুঝুন

শিক্ষা পদ্ধতির বিবর্তন

শিক্ষা প্রণালী মন পরিবর্তন

ভারতবর্ষের বৈদিকযুগ থেকে যে শিক্ষা ব্যবস্থার সূচনা হয়েছিল তা ছিল অত্যন্ত বৈজ্ঞানিক পদ্ধতির মাধ্যমে। শিশুকালে শিশুরা গুরুগৃহে শিক্ষাগ্রহণের জন্য যেত। সেখানে গুরু তাদের বিদ্যা শিক্ষার সাথে সাথে জীবন শিক্ষাও দিতেন। গুরু তাদের এমনভাবে শিক্ষা দিতেন বা এমন সব কাজ করতে দিতেন যা তাদের জীবনের সমস্ত রকম প্রতিকূলতা অতিক্রম করতে পারত। সেখানে জীবনাচারণ সম্পূর্ণ ভিন্ন ছিল। সেসময় কারণে শিক্ষার মূল বিষয়সম্পন্ন ছিল জীবন শিক্ষা ও প্রকৃতিজ্ঞান। ধীরে ধীরে সময়ের সাথে সমাজের পরিকাঠামোও পরিবর্তিত হতে লাগল। মানুষ আর আগের নিয়মে জীবন ধারণ করতে সক্ষম হলো না। পরিস্থিতি পরিবর্তনের সঙ্গে মানুষের জীবিকারও পরিবর্তন ঘটে লাগল। মানুষের জীবিকার পরিবর্তনের প্রভাব শিক্ষা ব্যবস্থার মধ্যেও প্রভাবিত হতে দেখা গেল। আস্তে আস্তে শিক্ষা পদ্ধতির বিবর্তন হতে দেখা গেল। একসময় ভারতবর্ষ সম্পূর্ণ অশিক্ষার অন্ধকারে নিমার্জিত ছিল। বিভিন্ন শাসন ব্যবস্থা ও রাজনৈতিক পালা বদলের সাথেসঙ্গে ভারতের সামাজিক জনজীবনেও যথেষ্ট প্রভাব পড়েছিল। শেষ পর্যন্ত স্পংরেজ শাসন স্থাপনের সূচনা লগ্নে ভারতের স্পতিহাসের ক্ষেত্রে আবার আর এক পালাবদল ঘটে। অশিক্ষার অন্ধকার এবং কুসংস্কার পূর্ণ ভারতবর্ষে স্পংরেজ শাসকগণসম্পন্ন শিক্ষার আলো জ্বালানো। তারা নিজেদের প্রয়োজনেসম্পন্ন বিভিন্ন বিদ্যালয় স্থাপন করতে শুরু

করল; সেম্প বিদ্যাশিক্ষা ছিল কেবল তাদের প্রয়োজন সাধনের জন্য। তখন তারা তাদেরম্প ভাষার মাধ্যমে শিক্ষা ব্যবস্থার সূচনা করেন। সেখান থেকে শুরু হয় আধুনিক শিক্ষা পদ্ধতি। এরপর রামমোহন রায় বিদ্যাসাগর প্রমুখ মহান ব্যক্তিগণ বাংলা শিক্ষা ও বাঙালীর শিক্ষা সম্বন্ধে প্রথম পদক্ষেপ নেন। বিদ্যাসাগর মহাশয়ের উদ্যোগে সেম্প অনেক বিদ্যালয় স্থাপন করা হয়। তারপরম্প নারী শিক্ষার সূচনা হয়।

যে শিক্ষা তখন দেওয়া হত সেম্প শিক্ষা ছিল যথেষ্ট উপযোগী শিক্ষা। তারপরম্প যে শিক্ষার সূচনা হয় সেখানে কেবল মুখস্থ বিদ্যা ও পুথিগত বিদ্যাম্প প্রধান সেম্প বিদ্যাশিক্ষা ব্যবহারিক জীবনে কোনোভাবেম্প কার্যকারী হত না। কেবলমাত্র শিক্ষার বোঝাম্প বাড়ত কিন্তু কোনোভাবেম্প তা কার্যকারী হত না। প্রকৃতজ্ঞান বা শিক্ষা হত না।

বর্তমান শিক্ষা পদ্ধতি অনেকটা সেম্প প্রকারম্প। সেখানে কেবলমাত্র শিক্ষার বোঝার বৃদ্ধি হচ্ছে অথচ কোনোরকমভাবে সেম্প বিদ্যা কোনো ব্যবহারিক জীবনে কার্যকারী করা যাচ্ছে না। শিশুকাল থেকে মা-বাবা ও বর্তমান শিক্ষা ব্যবস্থা শিশুদের কেবল চাপ প্রদান করছে এবং তাদের জীবনে বড় হওয়ার অর্থ ডাক্তার স্পঞ্জিনিয়ার হওয়া এবং অর্থ উপার্জন করা বোঝাচ্ছেন। ফলে তারাও সেম্প দিকেম্প একমুখী হয়ে কেবল দৌড়াচ্ছে আর দৌড়াচ্ছে। তারাও ভাবতে পারে না অন্যভাবেও জীবনযাপন করতে পারা যায়। বড় হওয়া মানে বড়লোক বা ধনী হওয়া নয়, বা কেবলমাত্র নিজের প্রতিষ্ঠা নয়। বড় হওয়া মানে সার্বিকভাবে মহান হওয়া। আমাদের দেশে এমন শিক্ষার দরকার যেখানে ছাত্রছাত্রীদের স্পচ্ছামত স্বাধীনভাবে ভালোলাগা বিষয় নিয়ে পড়তে পারে। সেখানে কোনো বোঝা চপিয়ে দিলে চলবে না। ছাত্রছাত্রীদের পাঠ্যক্রম শিক্ষা যেন বোঝা না হয়ে সঙ্গী হয় সেম্প দিকেম্প নজর দিতে হবে। ছাত্রছাত্রীদের এমন শিক্ষা দিতে হবে যাতে তাদের দেশের ও দশের প্রতি সচেতনতা বৃদ্ধি পায়, তারা উচ্চশিক্ষিত হয়ে যাতে দেশের বাস্পরে চলে না যায়। বহু ভালো বুদ্ধিমান ছাত্রছাত্রীরা লেখাপড়া শিখে বিদেশে পাড়ি দেয় কেবল অতিরিক্ত স্বাচ্ছন্দ্য ও বিলাসিতার লোভে কিন্তু ছাত্রছাত্রীদের মধ্যে থেকে এম্প প্রবনতা কমিয়ে তাদের দেশের প্রতি ভালোবাসা বাড়াতে হবে। সেম্প শিক্ষিত

বুদ্ধিমান ছাত্রছাত্রীদের আমাদের দেশের উন্নতি, শিক্ষা প্রভৃতি কাজে নিযুক্ত করতে হবে।

তার জন্য আমাদের শিক্ষা পদ্ধতির পরিবর্তন করতে হবে।

শব্দার্থ

শব্দ	অর্থ
বৈদিক	বৈদিক
প্রতিকূলতা	প্রতিকূলতা
অতিক্রম	অতিক্রম
জীবনাচারণ	জীবনচর্যা
প্রকৃত	প্রাকৃতিক
পরিকাঠামো	গঠন
পরিবর্তিত	পরিবর্তন
জীবিকা	জীবিকা
প্রভাব	প্রভাব
প্রভাবিত	প্রভাবিত
বিভিন্ন	বিভিন্ন
শাসন	শাসন
পালাবদল	দলবদল
সামাজিক	সামাজিক
অশিক্ষা	অশিক্ষা
সাধন	সাধন
পদক্ষেপ	কদম
উদ্যোগেপ	উদ্যোগ

स्थापना	स्थापना
उपयोगी	उपयोग, प्रयास
व्यवहारिक	व्यवहारिक
कार्यकारी	उपयोगिता
हওয়া	होना
प्रकार	प्रकार
मुखश्च	कंठस्थ
प्रदान	प्रदान
एकमुखी	एकनिष्ठ
धारण	धारण
जीवनधारा	जीवनधारा
संगी	संगी, साथी
अतिरिक्त	अत्यधिक
स्वाच्छन्द्य	सुविधा
विलासिता	विलासिता, विलास भाव
प्रवणता	अभिलाषा

अभ्यास

I. नीचे देওয়া प्रश्नर उतर लिखुन।

1. वैदिकयुगे भारतवर्षे कि माध्यामे शिक्षा व्यवहारर सूचना हयैछिल?
2. वैदिकयुगे शिशुकाले शिशुरा कोथाय शिक्षा लाभेर जन्ये येत?
3. स्पर्णरेज शासकगण केन विद्यालय स्थापन करैछिल?
4. कारा बांग्ला शिक्षा ओ बांगालीर शिक्षा सम्बन्धे प्रथम पदक्षेप नेय?

5. বর্তমান ছাত্রছাত্রী কিসের পিছনে ছুঁছে?
6. বর্তমানে ছাত্রছাত্রীদের কেমন শিক্ষা দেওয়া দরকার?
7. ভালো ছাত্রছাত্রীদের কি প্রবণতা লক্ষ্য করা যায়?

II. অনুচ্ছেদটি পড়ে এমন সার্ভ শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির অর্থ নিচে বন্ধনীতে দেওয়া আছে।

শিক্ষাম্প শক্তি। কোনো ব্যক্তির সঠিক শিক্ষা না হলে সে সব পরিস্থিতি মানিয়ে নিতে পারে না। সঠিক শিক্ষায় সব প্রতিকূল পরিবেশ থেকেস্প সে বেরিয়ে আসতে পারে। অবস্থা পরিবর্তনের সাথেস্প সকল কিছু পরিবর্তন করার মত অভ্যেস রাখা দরকার।

(সামর্থ্য, লেখাপড়া, অবস্থা, উপযুক্ত, রূপান্তর, রীতি, বিপরীত অবস্থা।)

III. অনুচ্ছেদটি পড়ে এমন পাঁচটি শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির বিপরীতার্থক শব্দ নীচে বন্ধনীতে দেওয়া আছে।

বাংলায় একটি প্রবাদ আছে ‘অল্প বিদ্যা ভয়ংকরী’। অর্থাৎ যার যত কম বিদ্যা সেস্প বেশী জ্ঞানীর মত কথা বলে। আর যে সত্যিস্প বুদ্ধিমান সে কখনস্প তার বিদ্যার বা জ্ঞানের পরিচয় কাজে দেখায় কিন্তু কথায় নয়। কোনো বিশেষ ক্ষেত্রেও প্রয়োজনীয় পরিস্থিতিতেস্প জ্ঞানী ব্যক্তি তার জ্ঞান ও বিদ্যার পরিচয় দেয়।

1. যার লেখাপড়া বিশেষ নেস্প
2. যার বুদ্ধি আছে
3. যার জ্ঞান নেস্প
4. যে পরিস্থিতি অনুকূল নয়
5. সত্যি নয়

IV. হিন্দিতে অনুবাদ করুন।

- A. बाबा मायेर एकमात्र स्नेहेर सम्बलम्प हल तादेर सन्तान। बाबा मा तादेर सन्तानके निजेदेर स्नेहेर छायाय मानुष করেন। सन्तानके बाबा मा शेथान যে কোনো প্রতিকূল পরিবেশে কিভাবে মানিয়ে নিয়ে চলতে হয়। শৈশব থেকেস্প তাকে শেখানো হয়, কখন কোথায় থাওয়া, কিভাবে কথা বলা উচিৎ, কখন কি করা উচিৎ, সব কিছুস্প তার হাত ধরে শেখায়। শুধু তাম্প নয় নিজেদের সকল স্বাচ্ছন্দ্য ছেড়ে দিয়েও তার সন্তানদের মানুষ করেন, সন্তানদের সুখ স্বাচ্ছন্দ্যের দিকে নজর দেন। বাবা মা তার সন্তানদের নিঃস্বার্থভাবে যথাসম্ভব স্বাচ্ছন্দ্য দিয়ে মানুষ করেন। তাম্প সন্তানদেরও বাবা মায়ের বয়সকালে তাदेर যত্ন নিতে শেখা উচিৎ।
- B. বিদ্যাসাগরের আসল নাম ঈশ্বরচন্দ্র বন্দ্যোপাধ্যায়। তাঁর পিতার নাম শ্রী ঠাকুর দাস বন্দ্যোপাধ্যায়, মাতার নাম ভগবতী দেবী। বিদ্যাসাগর ছেলেবেলা থেকেস্প লেখাপড়ায় মনযোগী ছিলেন এবং তিনি খুব দয়ালুও ছিলেন। তিনি কারোর দুঃখকষ্ট দেখে চুপ করে থাকতে পারতেন না। তিনি ছোট বড়, ধনী দরিদ্র -- সবার দুঃখেস্প ঝাঁপিয়ে পড়তেন। তিনি ছেলেবেলায় তাঁর পাঠশালায় পড়াশোনা শেষ করেন ও বাবার হাত ধরে মেদিনীপুর থেকে কোলকাতায় আসেন পায়ে হেঁটে। পথেস্প তিনি এক থেকে একশো পর্যন্ত স্পংরাজীতে সংখ্যা শিখে ফেলেন। কোলকাতায় এসে তিনি সংস্কৃত কলেজে ভর্তি হন এবং সেখানে তিনি তাঁর মেধার পরিচয় দেন। সেখানেস্প তিনি মাত্র একুশ বছর বয়সে ‘বিদ্যাসাগর’ উপাধি লাভ করেন। তারপরস্প তিনি ভারতের অশিক্ষাজনিত সমস্যার সম্মুখীন হন। তাছাড়া তখন নারীদের বাল্য বিবাহের প্রচলন ছিল, সেস্প অল্পবয়সী মেয়েরা বিধবা হলে তাদের প্রচণ্ড কষ্ট ও দুর্দশার মধ্যে জীবনযাপন করতে হত। বিদ্যাসাগর নারীদের এস্প দুর্দশা দেখে সহ্য করতে পারেন নি তাম্প তিনি বিধবা নারীদের পুনর্বিবাহ প্রচলন করেন এবং নারী শিক্ষার প্রচলনও করেন। তিনি নারী শিক্ষার জন্য বহু বিদ্যালয় স্থাপন করেন এবং তিনি নানান রচনা করেন। যেমন -- বর্ণপরিচয়, কথামালা, সীতার বনবাস স্পত্যাদি।

সেঙ্গ সময় তাঁকে বহু জন অপবাদ দেন, তাকে বহু অপমান সহ্য করতে হয়। তবুও তিনি মাথা নত করেন নি, হতাশ হননি এম্পভাবে নানান অসুবিধার মধ্যে তিনি বিধবা বিবাহ এবং নারীশিক্ষার প্রচলন করেন। তাম্প আজও তিনি সবার মনে উজ্জ্বল হয়ে আছেন।

V. বাংলায় অনুবাদ করুন।

गांधी जी ने शिक्षण पद्धति और शिक्षा के आधारभूत मूल्यों पर भी हमें अपने महत्वपूर्ण विचार दिए हैं। उनकी शिक्षा आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ानेवाली शिक्षा है। उसे उन्होंने बुनियादी शिक्षा कहा। बुनियादी का अर्थ हुआ “आधारभूत”। इस शिक्षा में पढ़ने के साथ जीवन के व्यवहारिक पक्षों और नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया गया है। गांधी जी, जैसा कि, सब जानते हैं गुजरात के पोरबंदर में जन्मे थे। लेकिन वे पूरे भारत को अपनी जन्मभूमि मानते थे। इसीलिए वे महात्मा अर्थात् महान आत्मावाले सर्वमान्य विचारक माने जाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका दृष्टिकोण व्यापक था।

गांधी जी की इस बुनियादी शिक्षा को और अधिक संगत बनाने के लिए गुजरात के प्रसिद्ध शिक्षाविद ‘भिजुभाई’ का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। उनका पूरा नाम भिजुभाई बंधेका था। इनका जन्म गुजरात के सौराष्ट्र में 15 नव. 1885 में हुआ था।

भिजुभाई ने 1909 ई. में मुंबई में रहकर कानून की शिक्षा प्राप्त की और वकालत करने लगे। 1920 ई. में उन्होंने वकालत छोड़ दी और बालशिक्षा के लिए समर्पित भाव से काम करने लगे। कानून से शिक्षा क्षेत्र में आने के पीछे गांधी जी की प्रेरणा प्रमुख थी। 1930 में भिजुभाई ने गांधी जी के सत्याग्रह आंदोलन में भाग लिया। वहीं उन्होंने सत्याग्राही शिवरों में अक्षरज्ञान दिया। यहीं से उनका ध्यान प्रौढ़शिक्षा की ओर गया। उन्होंने गांधी जी की शिक्षानीति का गहन अध्ययन किया। भिजुभाई ने 1925 ई. में प्रथम मांटेसरी सम्मेलन और 1928 ई. में द्वितीय मांटेसरी सम्मेलन भावनगर में आयोजित किए। 1938 ई. में राजकोट में भिजुभाई ने “अध्यापन” मंदिर की स्थापना की। वे आदर्श शिक्षक के साथ-साथ एक प्रबुद्ध चिंतक तथा सृजनशील लेखक भी थे। उन्होंने बालशिक्षा पर एवं शिक्षा के विभिन्न विषयों पर 200 पुस्तकें लिखी हैं। उनकी राय में समय, काल और परिस्थितियों के मान से हमें नये नये प्रयोग करते रहना चाहिए। भिजुभाई नवाचार रीति के प्रबल प्रवर्तक, प्रेरक और पोषक थे। वे प्रतिदिन और प्रतिवार नवाचार करते रहने पर बल देते हैं। वे कहते हैं कि जो शिक्षक सतत नवाचार करता रहता है वह कभी भी अपनी कक्षा में तथा शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने में असफल नहीं हो सकता। भिजुभाई का नवाचार हमें करके सीखने का संदेश देता है। वह कहने पर कम और करने पर अधिक बल देते हैं। ‘पहले करो, फिर कहो’ यह उनका सूत्रवाक्य है। 23 जून 1939 को मुंबई में उनका स्वर्गवास हो गया।

VI. আপনার বিদ্যালয়ের দিনগুলির স্মৃতির ওপর একটি ছোট নিবন্ধ লিখুন।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में प्रेरणार्थक क्रिया के वाक्यों का परिचय दिया गया है। क्रिया के प्रेरणार्थक रूप बनाने के लिए स्वरान्त क्रियाओं के मूल रूप के साथ ‘उग्रा’ (ओया) तथा व्यंजनांत क्रियाओं के मूल रूप के साथ ‘आ’ (आ) जोड़कर पुरुष वाचक प्रत्यय जोड़े जाते हैं। जैसे :

आमि तामाके थाउग्राम्प/शेथाम्प।	मैं तुम्हें खिलाती/सिखाती हूँ।
आपनि/तिनि आमाके	आपने/उन्होंने मुझे खिलाया/सिखाया।
थाउग्रालेन/शेथालेन।	तुम/वह उसको खिलाओगे/सिखाओगे।
तुमि/से तामे थाउग्रावे/शेथावे।	तूने उसको खिलाया/सिखाया।
तुम्प ओके थाउग्रालि/शेथालि	

कुछ क्रियाओंको प्रेरणार्थक रूप बनाने के लिए संयुक्त क्रिया का प्रयोग भी किया जाता है। जैसे:

मा छेलेके घुम पाड़ान।

माँ बच्चे को सुला देती है।

জনসংখ্যা নিয়ে আলোচনা

প্রীতি : কাগজে পড়লাম দেশের কয়েকটা
বিশেষ বিশেষ জায়গায় জনসংখ্যা
ঘড়ি বসানো হচ্ছে।

শ্যামলা : আচ্ছা, জনসংখ্যা ঘড়ি জিনিষটা
কি?

প্রীতি : কেন 'জি.ভি.তে' দেখেন নি? এম্প
মুহূর্তে ভারতে জনসংখ্যা কত তা
দেখানো হয় এম্প যন্ত্রে।

শ্যামলা : বাঃ! জনসাধারণকে সচেতন করার
ব্যাপারে ঐ একটা ভাল ব্যবস্থা।
ভারতের জনসংখ্যা তো দিনে
দিনে বেড়ে চলেছে। সুতরাং
মানুষকে জনসংখ্যা বৃদ্ধি বিষয়ে
সচেতন করা দরকার।

প্রীতি : ভারতের জনসংখ্যা অনেক বেশী।
চীনের জনসংখ্যা ভারতের চেয়েও

জনসংখ্যা পর বিচার বিমর্শ

প্রীতি : অখবার মেন পড়া হৈ কি দেশ কে
কুচ বিশেষ বিশেষ স্থানোঁপর
জনসংখ্যা ঘড়ী লগাই জা रही
হৈ।

শ্যামলা : अच्छा, यह जनसंख्या घड़ी है
क्या चीज़?

প্রীতি : क्यों क्या टी.वी. में नहीं देखी?
इस क्षण भारत में कितनी
जनसंख्या है -- यह इस यंत्र में
दिखाया जाता है।

श्यामला : वाह! जनसाधारण को सावधान
करने के काम में यह एक अच्छी
व्यवस्था है। भारत की जनसंख्या
तो दिनोदिन बढ़ती चली जा
रही है। इसलिए लोगों को
जनसंख्या वृद्धि के विषय में
सावधान करना आवश्यक है।

প্রীতি : भारत की जनसंख्या बहुत
अधिक है। चीन की जनसंख्या
भारत से

বেশী। পৃথিবীর মধ্যে চীনের
জনসংখ্যা সবচেয়ে বেশী।
পৃথিবীতে জনসংখ্যার দিক থেকে
ভারতের স্থান দ্বিতীয়।

শ্যামলা : দেখুন, স্পউরোপে জনসংখ্যা কত
কম এজন্য ওদের জীবনধারাও
খুব উন্নত হয়ে গেছে। কোনও
রাষ্ট্রের বিকাশ সেখানের
জনসংখ্যার দ্বারাও প্রভাবিত হয়।

প্রীতি : হ্যাঁ, তা তো বটে। উন্নত দেশের
জনসংখ্যা বৃদ্ধির হার উন্নতিশীল
দেশের তুলনায় অনেক কম।
আমাদের দেশে জনসংখ্যা বৃদ্ধির
কারণ অশিক্ষা ও কুসংস্কার।
অন্ধবিশ্বাসের ফলস্বরূপ আর তার
থেকে সৃষ্টি নিয়মনীতি।

শ্যামলা : শিক্ষিত লোকেরাও একমাত্র পুত্র
সন্তান চায়। তারা ভাবে পুত্র
সন্তানসম্প ভবিষ্যতে সবরকম ভাবে
মা-বাবাকে সাহায্য করবে।

প্রীতি : না, তা ঠিক নয়। আজকাল
মেয়েরা ছেলেদের চেয়ে বাবা-মাকে
ভালভাবে দেখাশোনা করে।
মেয়েরা কোন- ভাবেসম্প ছেলেদের

भी अधिक है। विश्व में चीन की
जनसंख्या सबसे अधिक है।
जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में
भारत का स्थान दूसरा है।

श्यामला : देखिए, यूरोप की जनसंख्या
कितनी कम है! इसीलिए उनका
जीवनस्तर भी बहुत उन्नत हो
गया है। किसी भी राष्ट्र का
विकास वहाँ की जनसंख्या से
प्रभावित होता है।

प्रीति : हाँ, वह तो है ही। उन्नत देशों
की जनसंख्या वृद्धि की दर
उन्नतशील देशों की तुलना में
बहुत कम है। हमारे देश में
जनसंख्या वृद्धि के कारण हैं --
अशिक्षा, अंधविश्वास और उससे
जन्य रूढ़ियाँ।

श्यामला : शिक्षित लोग भी संतान के रूप
में केवल लड़के चाहते हैं। वे
सोचते हैं पुत्र संतान ही भविष्य
में सब प्रकार से माँ-बाप की
सहायता करेगी।

प्रीति : नहीं, यह तो ठीक नहीं है।
आजकल लड़कों की अपेक्षा
लड़कियाँ माँ-बाप की देखभाल
अच्छी तरह करती हैं। लड़कियाँ
किसी भी तरह लड़कों से कम
नहीं हैं।

श्यामला : हमारे मोहल्ले के शिवबाबू को

কম নয়।

শ্যামলা : আমাদের পাড়ার শিববাবুকে দেখুন না। তিনি চারি কন্যা সন্তানের জনক। কেবল ছেলের আশায় এখনও পরিবার বাড়িয়ে চলেছেন।

প্রীতি : কাজেই জনসংখ্যা বৃদ্ধির হার কমানোর জন্য আমাদের সামাজিক দৃষ্টিভঙ্গী পাল্টানো দরকার। জনসংখ্যা বিস্ফোরণের দিকে আমাদের সকলকে আকর্ষিত করার জন্যে এম্প জনসংখ্যা ঘড়ি লাগানো হচ্ছে।

শ্যামলা : জনসংখ্যা ঘড়ি লাগিয়ে দিলেই কি জনসংখ্যা বিস্ফোরণ কম হয়ে যাবে?

প্রীতি : না, ঐতাতো লোককে সাবধান করতে একু সহায়তা করবে। কিন্তু জনসংখ্যা বৃদ্ধি কম করতে হলে আমাদের অনেক কিছু করতে হবে। এরজন্য আমাদের নাগরিকদের মানসিকভাবে প্রস্তুত করতে হবে।

শ্যামলা : জনসংখ্যা বৃদ্ধি কমানোর জন্য

দেখিয়ে ন। যে চার কন্যা সন্তানوں کے পিতا ہیں۔ কেवल लड़के की आशा में अब भी परिवार बढ़ाते चले जा रहे हैं।

প্রীতি : इसलिए जनसंख्या वृद्धि की दर कम करने के लिए हमें अपना सामाजिक दृष्टिकोण बदलना जरूरी है। जनसंख्या विस्फोटन की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करने के लिए इस जनसंख्या घड़ी को लगाया जा रहा है।

শ্যামলা : क्या जनसंख्या घड़ी लगा देने मात्र से जनसंख्या विस्फोटन कम हो जाएगा?

প্রীতি : नहीं, यह तो लोगों को सावधान करने में थोड़ी मदद करेगी? किंतु जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए तो हमें बहुत कुछ करना पड़ेगा। इसके लिए हमें नागरिकों को मानसिक रूप से तैयार करना होगा।

শ্যামলা : जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए शासन क्या कर रहा है?

প্রীতি : शासन ने इसके लिए अनेक योजनाएँ बनाई है। उनको लागू भी किया गया है। किन्तु इन सब योजनाओं को पूर्ण रूप से सफल करने के लिए और भी कई

सरकार कि कि परिकल्पना
करेछेन?

प्रयास करने होंगे।

प्रीति : सरकार एरजना अनेक परिकल्पना
करेछेन। एगुलिके कार्यकारी
करेछेन। किन्तु एसब परिकल्पनाके
यथार्थभावे सफल करार जना
आरओ अनेक चेष्टा करते हवे।

श्यामला : जरा बताइए कि, हमें इसके
लिए और कौन-कौन से प्रयास
करना चाहिए?

श्यामला : एकू बलून ये, आमादेर एरजना
आर कि कि चेष्टा करा उचित?

प्रीति : जनसंख्या वृद्धि पर अंकुश
लगाने के लिए शासन ने परिवार
नियोजन के कई तरीके
नागरिकों को समझाए हैं। इसके
लिए गाँव-गाँव जाकर लोगों को
प्रेरित भी किया गया है।
परिवार-नियोजन अपनाने वालों
को अनेक प्रकार की सुविधाएँ
देने की घोषणाएँ भी की गई हैं।
दो या दो से कम बच्चे पैदा
करनेवालों को अनेक प्रकार के
सुविधाएँ मिल रही हैं। इसके
विपरीत दो से अधिक बच्चे पैदा
करने वाले परिवार अनेक
सुविधाओं से वंचित हैं।

प्रीति : जनसंख्या वृद्धि रोध करार जना
सरकार परिवार परिकल्पना
अनेक पद्धति नागरिकदेर
बुझियेछेन। ताम्प ग्रामे ग्रामे
गिये तादेर उँसाहितओ करेछेन।
परिवार परिकल्पना यारा ग्रहण
करबेन तादेर अनेक सुयोग
सुविधा देओया हवे बलेओ घोषणा
करा ह्येछे। दुम्प वा दुयेर कम
संख्याक सन्तान यादेर, तादेर
अनेक सुविधा देओया ह्छे,
अपरपक्षे दुम्प वा तार अधिक
सन्तान यादेर तारा बह सुयोग
सुविधा थेके बञ्चित ह्छे।

श्यामला : इतना सब करने के बाद भी
जनसंख्या वृद्धि पर रोक क्यों
नहीं लग पाई?

प्रीति : जैसा कि, मैंने पहले भी कहा है
कि, इसके मूल कारण अशिक्षण,
धार्मिक रूढ़ियाँ तथा हमारी
लापरवाही हैं। इसके लिए
शासन की ओर से सभी शिक्षित
तथा अशिक्षित लोगों को
लगातार जागरुक करते रहना

শ্যামলা : এত সব করার পরেও জনসংখ্যা বৃদ্ধির হার কমছে না কেন?

প্রীতি : আমি প্রথমেশ্প বলেছি যে, এর মূল কারণস্প হল অশিক্ষা, ধর্ম বিশ্বাস থেকে সৃষ্টি নানান ভ্রান্ত বিশ্বাস এবং আমাদের অসচেতনতা। এরজন্য সরকারকেশ্প প্রয়াস করতে হবে, শিক্ষিত অশিক্ষিত সবাস্পকে সচেতন করতে হবে। শুধু তাস্প নয়, আমাদেরকেও আমাদের ভবিষ্যৎ বংশধরদের বোঝাতে হবে জনসংখ্যা বৃদ্ধির ফলে কী ক্ষতি হবে। তাদের পরিবার ছৌ করার জন্য উৎসাহিত করতে হবে।

শব্দার্থ

শব্দ

দেশের

মুহূর্তে

যন্ত্রে

সচেতন

বৃদ্ধি

অর্থ

দেশ কে

ক্ষণ মেন

যন্ত্র মেন

সতর্ক, জাগরুক

বড়না

হোগা। সর্ফ যহী নহী, হমেন অপরী নর্ পীড়ী কো ধী জনসংখ্যা বৃদ্ধি কী হানিয়াঁ সমজাঅর উর্নেন সীমিত পরিবার যোজনা অপরানে কে লিএ প্রেরিত করনা হোগা।

आयतन	क्षेत्र
ज्ञान	स्थान, जगह
अथच	तथापि
उन्नत	उन्नत
प्रभावित	प्रभावित
उन्नतशील	प्रगतिशील, उन्नतशील
अन्नविश्वास	अंधविश्वास
शिक्षित	शिक्षित
देखानोना	देखभाल
दृष्टिभङ्गी	दृष्टिकोण
पुत्र	पुत्र
जनविस्फारण	जनसंख्या विस्फोटन
आकर्षित	आकर्षित
मेयेरा	लड़कियाँ
परिकल्पना	योजना
कार्यकारी	लागू करना
पाड़ार	मोहल्ले का
नागरिक	नागरिक
जनक	पिता
उत्साहित	उत्साहित
ग्राम	गाँव
वञ्चित	वंचित
ब्रान्त	भ्रान्ति
प्रयास	प्रयास
	धर्म जन्य रूढ़ियाँ

ধর্মবিশ্বাস

অভ্যাস

I. নীচে দেওয়া শব্দগুলি থেকে সঠিক শব্দ বেছে নিয়ে বাক্য পূর্ণ করুন।

(তেমন, তা, তারা, সে, তখন)

1. যে আমার কাজ করে, _____ আমার ভাস্প।
2. যখন আমি ডাকব, _____ আপনি আসবেন।
3. যা আমি পড়ি, _____ মনে রাখি।
4. যেমন কাজ করবেন, _____ ফল পাবেন।
5. যারা আসবে, _____ প্রসাদ পাবে।

II. নীচের বাক্যগুলিতে দাগ দেওয়া শব্দের বদলে বন্ধনীতে দেওয়া সর্বনাম ব্যবহার করে বাক্য পরিবর্তন করুন।

উদাহরণ : তিনি কাজ করেন। (সে)

সে কাজ করে।

1. আপনি ছেলেকে কোথায় পড়াচ্ছেন? (তুমি)

2. मा छेलेके घुम पाड़ालेन। (आमि)
3. रमा नाच शेखाय। (उनि)
4. आमि मालीके दिये काज करास्प। (से)
5. आबुल गरुर गाड़ी चालाय। (से)

III. उदाहरण अनुयायी वाक्यगुलि परिवर्तन करुन।

उदाहरण :आमि यास्प।

आमाके येते हवे।

1. से बाजारे याय।
2. आमि स्कुले पड़ास्प।
3. रमा दोकाने यावे।
4. रमेशबाबु दिल्ली गेलें।
5. से साँतार काँटे।

IV. नञ्छर्थक वाक्ये परिणत करुन।

1. आमाके दिल्ली येते हवे।
2. रहिम रिक्छा चालाय।
3. रबिबाबु आमार छेलेके पड़ान।
4. आमार मेये गान शेखे।
5. ताके काँजा करते हवे।

V. उपयुक्त शब्द दिये वाक्यगुलि पूर्ण करुन।

1. सरोजबाबु या _____ ता पाबेन ना।

2. মমতাকে দোকানে _____ হবে।
3. যেখানে যাবেন _____ এম্প জিনিস পাবেন।
4. মন্দিরা গল্প _____ ভালবাসে।
5. আপনাকে কি আজ _____ হবে?

পড়ে বুঝুন

দালালের কবলে

दलाल के क़ब्ज़े में

স্পন্দ নতুন চাকরি পেয়ে গ্রাম থেকে প্রথমে কোলকাতায় এসেছে। কোলকাতায় আসার পরস্প তার জীবনের নতুন অধ্যায় শুরু হয়েছে এক একা নতুন অভিজ্ঞতার মাধ্যমে। শিয়ালদহ ষ্টেশনে নেমেস্প সে বুঝতে পারল এবারস্প তার আসল জীবনযুদ্ধ শুরু হল। ষ্টেশনের চত্বরে শুধু লোক আর লোক। যেদিকে তাকায় শুধু নানা ধরণের ব্যস্ত মানুষের ভিড়, কোথাও পা ফেলার জায়গা নেস্প। সবাস্প সবাস্পকে ধাক্কা দিয়ে এগিয়ে যেতে চাস্পছে। স্পন্দ মনে মনে ভাবছে, এত মানুষ! এত ভিড়! সে যেন সেস্প ভিড়ে হারিয়েস্প যাবে। চারিদিকের ভিড়ে সে যেন নিজেকেস্প হারিয়ে ফেলবে। যাস্প হোক, বহু কষ্টে সে ভিড় ঠেলে বেরিয়ে এল ষ্টেশন থেকে। ষ্টেশন থেকে বেরিয়ে এসেও সে হতবাক! কোলকাতার জনতার ঢল, গাড়ীর ধোঁয়া, বাড়ী স্পত্যাদি দেখে। শিয়ালদহ ষ্টেশনের বাস্পরেও সেস্প বহু লোকের ভিড় আর তার সাথে প্রচুর নানা ধরণের গাড়ী, বাস, রিক্সা ছুটে চলছে। তার মধ্যে দিয়েস্প মানুষ এদিক-ওদিক করে গাড়ী বাঁচিয়ে, নিজেকে বাঁচিয়ে নিয়ে চলেছে। এর মধ্যেস্প স্পন্দ অনুভব করল, কেউ তাকে পিছন দিক থেকে ডাকছে। সে তার ভারী স্ট্রুকেস, ব্যাগ নিয়ে হিমসিম খেয়ে যচ্ছিল, তবুও সে ভিড় সামলে পিছনের দিকে তাকালো, দেখল একজন নোংরা জামা প্যাঁ পরা অল্প বয়সী একা ছেলে, তাকে ডাকছে -- দাদা।

স্পন্দ্র অবাক হয়ে জিজ্ঞাসা করল -- আমাকে বলছেন?

ছেলোঁ বলল -- হ্যাঁ আমি দেবু! আপনি কোলকাতায় নতুন এসেছেন তো?

স্পন্দ্র : হ্যাঁ

দেবু : কোথায় থাকবেন? থাকার জায়গা ঠিক আছে কিছু?

স্পন্দ্র : না, কিছু ঠিক করিনি।

দেবু : আপনি চিন্তা করবেন না। আমি আপনাকে থাকার জায়গার সন্ধান দিতে পারি। আপনি আমার সঙ্গে আসুন।

স্পন্দ্র : কিন্তু, আমি আপনার সাথে কেন যাব? আমি তো আপনাকে চিনি।

দেবু : না ভয় পাবেন না। আমি বাড়ির এবং হোটেলের দালাল!

স্পন্দ্র : ও আচ্ছা! কতদূরে বাড়ি?

দেবু : কাছে, আপনি আসুন। খুব ভালো বাড়ি, দক্ষিণ-পূর্ব খোলা বড় বড় জানলা, দুটো বড় ঘর, রান্নাঘর, বাথরুম সব আছে। স্পন্দ্র খানিকটা নিশ্চিত হলো। যাক থাকার চিন্তা দূর হলো। সে দেবুর কথায় খুশী হয়ে ওর সাথে যেতে লাগল। দেবু তাড়াতাড়ি ওকে রাস্তা পার করে নিয়ে গেল অন্য ফুপাতে। সেখানে গিয়ে বেশ কিছুটা হাঁর পর একটা ছোট্ট নোংরা গলিতে নিয়ে গিয়ে ঢুকল। স্পন্দ্রের এবার কেমন যেন অস্বস্তি লাগতে শুরু করল। চারিদিকে নোংরা, প্রচুর লোকের ভিড়, সংকীর্ণ গলি। দেবু স্পন্দ্রকে বলল যে আরো কিছুটা পথ হাঁতে হবে। স্পন্দ্র এবার খুব আপত্তি জানালো। দেবুও নাছোড়বান্দা, তর্কাতর্কি করতে করতে স্পন্দ্র দেবু স্পন্দ্রকে একটা বহু পুরোনো বাড়িতে নিয়ে গিয়ে তুলল। বাড়ির প্রতিটি ঘরে স্পন্দ্র একটা একটা করে পরিবার বসবাস করছে এবং তারাও প্রচণ্ড ঝগড়া, চিংকার করছে। প্রচণ্ড নোংরা, বাড়ির সামনে স্পন্দ্র একটা কল, সেখানেও সব স্পন্দ্র জল নিয়ে ঝগড়া করছে। বাড়ি এবং তার

পরিবেশাশ্প যেন প্রচণ্ড বিশ্রী। দেবু তাকে একা ঘর দেখাল। ঘর খুব পুরনো, ভাঙাচোরা। স্পন্দ্রের খুব খারাপ লাগল। সে রাগ করে বাস্পরে বেড়িয়ে এল তখন দেবু এবং আরো কয়েকজন ছেলে চলে এল। ছোরা দেখিয়ে বলল -- যা আছে বার কর। স্পন্দ্র হতবাক হয়ে গেল। এমন সময় একা পুলিশের গাড়ী এল। স্পন্দ্র গাড়ী দেখে দেবু আর তার বন্ধুরা সঙ্গে সঙ্গে এদিক ওদিকে দৌড়াতে শুরু করল কিন্তু পুলিশ অত্যন্ত তৎপরতায় তাদের ধরে এনে গাড়িতে তুলল এবং স্পন্দ্রকে অফিসার জিজ্ঞাসা করল সমস্ত ঘটনা কী হয়েছিল। স্পন্দ্র সবিস্তারে স্টেশনে নামার পর থেকে পুলিশ আসার আগে পর্যন্ত সব ঘটনার বিবরণ দিল। পুলিশ অফিসার বললেন -- আমরা এম্প সময় পেট্রোলিং-এ আসায় আপনি বেঁচে গেলেন। নাহলে আপনার খুব ক্ষতি হত। চলুন আপনার জন্য এবার সত্যি স্পন্দ্র থাকার ব্যবস্থা করতে পারি কিনা দেখি!

স্পন্দ্র : আমি তো ছেলোঁকে দরিদ্র ভদ্র বলে মনে করেছিলাম।

অফিসার : হ্যাঁ, এরা ভালো ঘরেরম্প ছেলে এবং সবাস্প পড়াশোনাও জানে। কিন্তু সমস্যা হল -- বর্তমানে এত জনসংখ্যা বৃদ্ধি পাচ্ছে। এর জন্যম্প এরা শিক্ষিত হয়েও চাকরি পাচ্ছে না, তাম্প বাধ্য হয়ে অন্যপথে উপার্জন করার চেষ্টা করছে।

শুধু তাম্প নয়, অনেক ভাস্পবোন হওয়ায় মা-বাবাও তাদের ঠিকমত যত্ন নিতে পারে না, তাম্প তারা বিপথে চলে যায়। আবার এম্প জনসংখ্যা বৃদ্ধির জন্য সুস্থ স্বাভাবিকভাবে পরিবেশের সমতা নষ্ট হচ্ছে। সবাস্প একসাথে ছোট নোংরা জায়গায় থাকতে বাধ্য হচ্ছে।

স্পন্দ্র : হ্যাঁ, এখানেও সবাস্প কষ্ট করেম্প আছে দেখছি।

अफिसार : ह्या, शुधु थाका नय, जलेर समस्याओ ये आजकाल एत हच्चे तार कारणओ
जनसंख्या बिस्फारण।

स्पन्द : सौं कि करे?

अफिसार : जनसंख्या बृद्धि पाच्चे। बड़ शहर, शहरतलिते थाकार जन्य सर्वास्प
बहुतल बाड़ि तैरी करच्चे फले जलतल नेमे याच्चे। ताछाड़ा खादयेर
अभाव तो आच्चेस्प।

स्पन्द : ह्या, तबुओ मानुष एखनओ सचेतन हच्चे ना।

अफिसार : तार जन्य आमामेदेर देशेर अशिक्कास्प दायी।

स्पन्द : दया करे आमामे थाकार एकौ जायगा देखे दिन!

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
अध्याय	अध्याय
अतिङ्गतर	अनुभव की
माध्यम	माध्यम
जीवनयुद्ध	जीवन संग्राम
चक्कर	प्लेटफॉर्म
बस्त	व्यस्त
भिड़	भीड़
कष्टे	कष्ट में, मुसीबत में
जनतार	जनता के, आम लोगों के
सामले	संभालना

नोशरा	गंदा
थाकार	रहने का
जायगार	जगह में
सक्कान	खोज, अनुसंधान
दालाल	दलाल
थानिका	थोड़ा
अन्य	अन्य
छोट्ट	बहुत छोटा
अश्वत्ति	दुविधा
संकीर्ण	संकीर्ण, संकरा
आपत्ति	आपत्ति, एतराज
नाछोड़बान्दा	जिद्दी
तर्कातर्क	तर्क-वितर्क
परिवार	परिवार
बसबास	रहना
बागड़ा	झगड़ा
बिज्जी	बुरा
तंगरताय	फौरन
समस्त	समस्त, सभी
घेना	घटना
सबित्तारे	सविस्तार में
बिबरण	विवरण
पेट्रोलिं	गश्त करना
	दरिद्र

दरिद्र	भद्र
भद्र	कमाना
उपार्जन	देखरेख
यत्न	कुमार्ग में
विपथे	

अभ्यास

I. नीचे देওয়া प्रश्नर उत्तर लिखुन।

1. स्पन्द्र कोन कैशने नेमेछिल?
2. स्पन्द्रके पेछन दिक थेके ये ब्यक्ति डाकछिल, तार विवरण दिन।
3. देबु स्पन्द्रके कि आश्वास दियेछिल?
4. देबु स्पन्द्रके ये बाड़िते निरे गियेछिल सेम्प बाड़िरी परिवेश केमन छिल?
5. देबु आर तार बङ्कुरा स्पन्द्रके कि बलेछिल?
6. पुलिस स्पन्द्रके कितावे बाँचिये छिल?
7. जनसंख्या बृद्धि फलस्वरूप कि कि समस्या देखा याय?

II. अनुच्छेद पढ़े एमन सार्त शब्द खूँजे बार करुन येगुलिर अर्थ निचे बङ्कनीते देওয়া आछे।

आम जनतार मध्ये निजेके परिचित करते हले जीबनयुद्धेर प्रस्तुतिर जन्य तंगपर हते हय। प्रथम दिकेम्प कोनो लक्ष्य सङ्कान करे निरे, स्थिर भावे ए दिकेम्प एगिये येते हवे। जीबने चलार पथे बह बिश्री घेनार सम्मुखीन हते हय। ताम्प निरे अयथा चिन्ता करे अपरेर साथे ँगड़ा विवाद करा वा अपरेर उपर निजेर हताशार कोप

প্রদান না করাষ্প ভালো। জীবনের সকল রকম ভালোর সাথেষ্প খারাপকে গ্রহণ করতে আপত্তি করলে চলবে না।

(জীবনযাপনের জন্য সংগ্রাম, লোক সমাবেশ, খোঁজ, অরাজী, কলহ, বাজে/কুংসিং, দ্রুততার সঙ্গে।)

III. অনুচ্ছেদটি পড়ে এমন পাঁচটি জোড়া শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির বিপরীতার্থক শব্দ নিচে বন্ধনীতে দেওয়া আছে।

জীবন তার নিজের মতষ্প চলে। জীবনে চলার পথে অনেক রকম অভিজ্ঞতা হয়। জীবন কখনও সংকীর্ণ ছোট্ট একা পথ ধরে, কখনও বা বিস্তৃত পথে চলে। জীবন সর্বদা নিশ্চিত রূপে নাও যেতে পারে। যে কোনো ব্যক্তিরষ্প জীবনের গতি সবিস্তারে বর্ণনা করলে তা একা সুন্দর উপন্যাস হয়ে যাবে।

(অনভিজ্ঞতা, অনিশ্চিত, বিস্তৃত, বড়, সংক্ষেপে)

IV. হিন্দিতে অনুবাদ করুন।

মাননীয়,

সম্পাদক মহাশয়

সত্যবাদী সংবাদপত্র

কোলকাতা -- ৭০০ ০০১

এতদ্বারা আপনাকে জানাচ্ছি যে, আমি শ্রী সুবল দে, একজন সরকারী কর্মচারী, কোলকাতা শহরেষ্প কর্মরত প্রায় পাঁচবছর। আমার পৈতৃক বাসস্থানও এখান থেকে প্রায় ২১৬ কি.মি. দূরে, সেখানে আমার অসুস্থ বৃদ্ধ পিতামাতা ও স্ত্রী সন্তান থাকেন। আমি ছাড়া ওদের আর কোনো সহায়ক নেষ্প। সেজন্য আমি তাদের এখানে আনার ব্যবস্থা করার জন্য সরকারী

आवासनेर जन्य आबेदन करि। अथच आज प्राय तिनबछर हलो, आमार कोनो व्यवस्था हलो ना। आमार परेओ यारा आबेदन करेछिल तादेर सबाम्प प्राय आवासन पेये गेछे। किन्तु আমি এখনओ पाम्पनि। अथच आमार एका वासस्थानेर अत्यन्त दरकार।

यदिओ जानि, अतिरिक्त जनसंख्या वृद्धिर जन्यम्प आज आमामेदेर एम्प वासस्थान जनित समस्यार सम्मुखीन हते ह्छे। किन्तु असंग मानुष एर सुयोगओ निह्छे।

सेम्प जन्यम्प আমি संवादपत्रेर माध्यमेम्प जनतार दृष्टि आकर्षण करते चाम्पछि। एम्प समस्या शुधु मात्र आमार एकार नय। এখনओ यदि सरकार ओ जनता सजाग ना हय तबे भविष्यते एम्प जनसंख्या वृद्धिर कारण आरो बड़ समस्या हबे।

सरकार दया करे कोनो पदस्केप निन।

११, रामकमल स्त्री

सुबल दे

थिदिरपुर

कोलकाता -- २७

V. बांगलाय अनुवाद करुन।

आजकल हम जिन भव्य अट्टालिकाओं को देख रहे हैं इनकी विकास यात्रा बहुत लंबी और रोचक है।

एक समय था जब आदि मानव अन्य पशुओं की भांति वनों में ही रहता था। उसके पास न तो रहने के लिए किसी प्रकार का घर था और न ही पहनने के लिए वस्त्र। उसके पास घर और वस्त्रों की कल्पना भी नहीं थी। उसने न कभी घर बनाने का विचार किया और न ही घर बसाने का। वह अन्य लोगों के साथ वन में विचरण करता था। इस प्रकार झुंडों में रहने के पीछे परस्पर सुरक्षा का भाव भी था। ये झुंड कभी एक जगह तो कभी दूसरी जगह आते-जाते रहते थे। स्थाई बसावट नहीं करते थे। जहाँ रात होती वहीं रुक जाते। कभी पेड़ों के नीचे तो कभी पेड़ों के ऊपर, कभी झाड़ियाँ की जुटमुट में तो कभी किसी पहाड़ के छज्जे अथवा गुफा में।

झुंडों में साथ साथ रहते-रहते उसमें सामुदायिक भावना का विकास होता गया। वे एक स्थान पर रुकने लगे। दिन भर वन में घूमकर शिकार करते थे और रात को एक निर्धारित स्थान पर लौट आते थे। एक स्थान पर मुकाम करने के कारण उन्होंने शुरु-शुरु में बिना छत की झोंपड़ियाँ बनाना शुरु की। कुछ समय बाद उन्होंने उन झोंपड़ियों पर छत बनाना भी सीख लिया। जंगल की लकड़ियाँ और घास-पत्तों से ये झोंपड़ियाँ बन जाती थीं।

‘आवश्यकता आविष्कार की जननी होती है।’ इसी आवश्यकता के होते मनुष्य अपनी झोंपड़ियों का निर्माण मिट्टी तथा जंगल के छोटे-छोटे पत्थरों आदि को चुनकर करने लगे। उनका सामुदायिक जीवन और अधिक विकसित हुआ। वे अपना-अपना परिवार बनाने लगे। वह झोंपड़ियाँ को साथ साथ बसाकर रहने लगे। इसी को हम वर्तमान गाँव या बस्ती का प्रारंभिक रूप कह सकते हैं।

यही झोंपड़ियाँ धीरे-धीरे मज़बूत और सुंदर आकार लेती गईं। उन्हीं झोंपड़ियों को कुटिया भी कहा जाता था। झोंपड़ियों की दीवारें बाँस-बल्ली के अलावा लोहे के चदर की बनाई जाने लगी। धीरे-धीरे इन में सुधार होता गया। दीवारें कच्ची पक्की ईंटों की बनने लगीं। छतें भी सपाट पत्थरों से ढकी जाने लगीं। मोहनजोदड़ो और हरप्पा की खुदाई में छोटी-छोटी कच्ची-पक्की ईंटें मिली हैं। इन ईंटों का उपयोग रेत, मिट्टी और चूने के योग से दीवारें, छतें और फर्श बनाने में होता था। नगर बसाहट की योजना में भी तब तक बहुत विकास हो चुका था।

भवन निर्माण की इस यात्रा को वर्तमान की उन्नत भवन शिल्प तक पहुँचते-पहुँचते हज़ारों वर्ष लगे। भारत में बाहर से अनेक जातियाँ आईं। तबतक हमारी भवन वास्तुशिल्प पर्याप्त रूप से विकसित हो चुकी थी। अन्य देशों से आने वाली जातियों से भी हमने उनका वास्तुशिल्प ज्ञान प्राप्त किया। इस प्रकार भारत का भवन वास्तुशिल्प और अधिक विकसित हुआ।

आज भारत में भवन वास्तुशिल्प ने बहुत विकास कर लिया है। आज भवन रेत, सीमेंट, पक्की ईंटों और घड़े हुए पत्थरों तथा लोहे के योग से बनाए जा रहे हैं। महानगरों में बनने वाली बहुमंजिला इमारतें एवं सुंदर भवनों के रूप में ही नहीं पूरे भारत के गाँवों और कस्बों में भी अब सर्वसुविधा संपन्न, सुंदर एवं मजबूत भवनों का निर्माण हो रहा है।

I. जनप्रशिक्षण शिक्कार विषये आपनार मतमत जानिये एकी अनुच्छेद लिखून।